





सं. ४११८-^(११५)

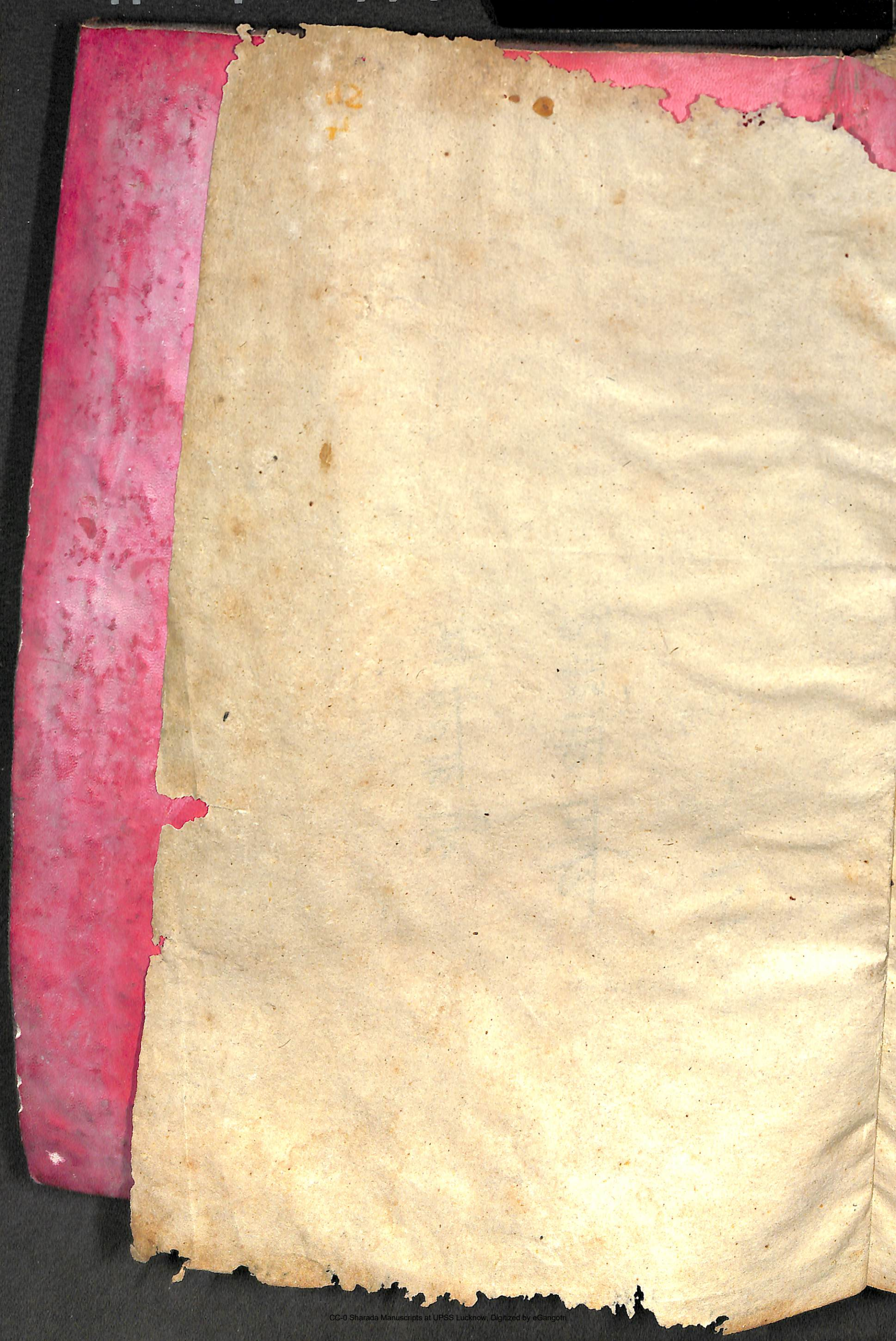
योग वासिष्ठ

श्री वात्स्यिक

३५७-५०

(गुप्तमूर्ति लिपि)

Sh.
4







ਪ੍ਰਤਿ

० वा. प. ३

वपुःप्रभमर्षे ५५ कभविनीताभिनेष्टुगंकडुमद
 मि॥१७॥ मेवमुतः॥ सा॥ ५५ ठदुयषावाडं विभवे ॥ वरु
 भिते उभितरुष्टिवनेउउपस्रगडिमुमुभा॥१७॥ ५६ कंम
 वरालेनभइष्टुधितभुम सुइउउगसुमुगकीइमं वि
 भानकभ॥१३॥ सधनेग ॥ मयुके ननवगडिमेठउभा
 गनुचभियुयेमेस्रकित्रगडु सुमेठिउभा॥१७॥ ५७ वे
 भामस्रमिधवेउगनुभासने ननवगडग ॥ कीलेगडउ
 भित्तिगेमुके॥१७॥ सविधुनेभिराएनंमुउवेधुविभानि
 के। मुनयधनठगायनगगीभभगवडीभा॥१७॥ मेवमुतः
 ५८ उंमुपुमुमरुहगकीइउडिभानकभ॥ भवेधभरुभं
 युजंउभितरुमुवकंयये॥१७॥ सुगटधवेउउभितरुहग
 इमुभंभम॥ निवेमिउभकेदुमुभचस्रगिधुनेभये॥१७॥
 गग॥ ५९ भिस्रभिस्रउहं उमेहं वकुमदभि॥१७॥ ५९
 ॥ मेधस्रकेउउभनेवमभमगुतः। सुहभ्रिउंउउइहं
 करिहकंयषाकमि॥१७॥ मुतः॥ सुनेधधभमगुदु
 हउउधभंभपभा। उउभेनउधहेनधुअडिधनधुउभभा
 भधुभेनउधभधुः सुनेठवडिनधुषा। कनिधुनउधहं न
 सुनेठवडिउम/मः॥१७॥ धेइहभदिधुहंभचमेवभ
 मेस्रउः कनिधुधमभउधेयवदुहकयेठवेउ॥१७॥ ६०
 ॥ पुहविमदुंभइलेकं सभानवः। ५८ दिगु ॥ मेध
 सुधनेगएववभ्रिउः॥१७॥ मीराए॥ नेस्रभिस्रउ
 कंधनभीमसिधंठलभा सुतः धंभकेगुउउधः गहक
 ५९ सुहवमेठुभमए ५८ कधउ ॥ १+

३१

॥

३७

मे. ध.
 व.
 ९

लेवगभा ॥ ५० ॥ इह धर्ममसुदुर्लभं किं त्वं त्वं मभिवीर्यः
 मेव उदविभवेनं गप की इम य धागः । उवा गमुभकेन
 सुभविपीतेन मे भुते ॥ ५१ ॥ मेव उः ॥ इह उं गं गते रुद्रे म
 वृष्टे निवेदिता । यथा च उं निवेदुषमकसु सुहं ग
 उः ॥ ५२ ॥ धनः धर्ममकेन मे सुदुर्लभं भवुरय गिरा ॥ ५
 दुः ॥ सुतग सुधन भुते उं ग एनं नय सुभभा ॥ ५३ ॥ वाल्मी
 के सुत उदुधु धविपां उं विगगि ॥ ५४ ॥ अने मं भव वाल्मी
 के म फे सुं निवेदय ॥ ५५ ॥ भक दे सुं विनी उय गले मे
 वी उग गि ॥ न धन भि सुते उं धु विपय भक भुने ॥ ५६ ॥ उ
 न भं भवः । यति मे दमे सुं उ मने भुते । इह उं मे वगरे न
 भे धि उं उं म उके ॥ ५७ ॥ भय ग गे धन भुते उं ग ए वाल्मी
 के ए नने निवेदिता मे दे न सु ग सु भे द सु भय नभा ॥ ५८ ॥
 उं वाल्मी के ए नने मे ग ए नं भ भय सुत नन भय भति
 धी उं उ मल भु ध व उय ॥ ५९ ॥ ग ॥ उग व व म उ उं
 सु उं उ य विमं वर क उं उं उं उ व सु । सु उं मे व उ मलं भ
 म ॥ ६० ॥ उग व न सु भि सु ग भि उ म वि धे न भे व द । मं भवः
 ए व सुतेः क धं भु उ ग भि उ सुय ॥ ६१ ॥ वाल्मीकिः ॥ सु । ग
 ए न सु व सु भि ग भय ॥ भा व धि उं म । सु उं व य ग द्ये न र्णी
 व द्ये उं उ वि धु मि ॥ ६२ ॥ व मि सु ग भ मं व रं मे मे धा य क धं सु
 ठ म । सु उं उं उ र्णी र्णी व द्ये भि सु य उं सुय ॥ ६३ ॥ ग ॥
 के र्ण मः की मः क सु उं उं उ भु उा य व । ए उं मे नि धि उं
 सु धि सु न उं उ विमं वर ॥ ६४ ॥ वाल्मीकिः ॥ म प सु ए व

एचधि

तिसृगले सायनमः ॥ तिसृगवेभगसृगीउधय
 नमः ॥ तिसृमिवयनमः ॥ तिसृगभायनमः ॥
 तियतः भवति कुतनिधिरुतिभिज्जनिम यैवे
 धमभंयतिउममहपुनेनमः ॥१॥ सुतस्तेयंतघा
 सुनंइधायननचसुतः कतुकेउः विधायभद्रुम
 सुनपुनेनमः ॥२॥ भद्रुतिमीकगयभद्रुनचसुत
 रेवने भवेधंणीवनंमैवद्रुनचपुनेनमः ॥३॥ सु
 रदमेवभंवातः भद्रुयविमहये गभापुननिभि
 उमेधुधेयुतायवकुते ॥४॥ भुगीहैवद्रुः कस्मिं
 सयादधुभानमः भगभुगयभंगह भनिधधुभम
 गभा ॥५॥ भुगीहैः ॥ कगवतुमउद्रुभंभमाभुविनिमि
 उ भंसयेभिभानेकभुभंतदुधयवद ॥६॥ भेद्रुहका
 रं कद्रुनंभंभद्रभायनभा उठयंविनिमिह ॥
 कंकषयकर ॥७॥ भगभुः ॥ उठहमेवधका
 हं यषायेधदिगतिः ॥ उषेवद्रुनकद्रुहंययेउध
 रभंयदभा ॥८॥ कवलकुद्रुम सुनत्रदिभेद्रुठिणय
 उ किंउठहंठवेनेमः भापनंउठयंविदः ॥९॥ सु
 लधुद्रुनचधीनंरियभउंयय ॥१०॥ यधुनभुभुं
 थडुं कधुलंकिंरुहभे ॥११॥ भुकापद्रुमैनिनुं
 रुः भुंकिगयय ॥१२॥ भुगिवेसुः ॥ किभेद्रुउठय
 धालनेनभकद्रुः भुकापद्रुमिहभुभिः भंकिगय
 भुनिहउग ॥१३॥ भुकापद्रुमिहभुभिः भंकिगय
 भुनिहउग ॥१४॥ भुकापद्रुमिहभुभिः भंकिगय

भ. ध.
 व.
 ०

वयं च भवति ५५ कभ विनीता भिनेष्टे गंक दुमद
 मि ॥ १७ ॥ मेवमुतः ॥ ५५ ॥ रुद्रेय घातं विभवे ॥ वर
 भिते उभिरग्लिवने उड्ड पञ्चगडि सुभभा ॥ १७ ॥ इह कं
 वर एन म हू धिउ भुम दुगं उर गल्ल सुग की इमं वि
 भानकभा ॥ १८ ॥ सुभनेग ॥ भयुं न न न व गि ड मे ठि उभा
 गनु च भिदु ये मे सि किर गल्ल सु मे ठि उभा ॥ १९ ॥ इह सुवे
 भ म हू दि प चे उ गनु भादने न न च द ग ल की ले ग ड उ
 भि नि गे सु हे ॥ २० ॥ च रि धु ने भि रा ए नं दु उ रे ध वि भानि
 के सु न य ध न ठे ग य न ग मी भ भ ग व र्गी भा ॥ २० ॥ मेवमुतः
 इहं उ भ म हू सु ग की इ उ डि भानकभा ॥ भवे थ क र भं
 यं उ ग भि न सु व दं य ये ॥ २१ ॥ सु ग ड थ च उ ग भि न सु ग
 इ सु भं भ म ॥ नि वे दि उ भ के नु सु भ च ल्ल गि धु ने भ ये ॥ २२ ॥
 ग ॥ ५५ भि सु ग भि सु उ हं ३ मे हं व उ भ द मि ॥ २३ ॥ गु
 ॥ मे ध सु के उ उ स ने व म भ भ ग उ ॥ सु हू भि उं उ उ उ हं
 करि हं कं य घा क मि ॥ २४ ॥ मुतः ॥ स ने ध ह सु भ म भ ग उ
 ए उ थ र भं भ म ॥ उ उ मे न उ प ह न र उ र्धे उ न भ उ भ म ॥ २५
 भ भ मे न उ घा भ सु ॥ स ने ठ व डि न उ घा ॥ क नि धु न उ प ह न
 स ने ठ व डि उ म ॥ २६ ॥ ५५ क भ म दि धु उं भ च मे व म
 मे सु उ ॥ क नि धु प म म उ धे य व द ह क ये ठ व उ ॥ २७ ॥ की
 ॥ ५५ वि म उं भ उ ले कं स भान व ॥ इ ह दि गु ॥ मे ध
 सु स ने ग ल उ व भि उ ॥ २८ ॥ मीर ॥ ने ल भि द व मु उ
 कं ध न भी म वि यं क ल म ॥ सु उ ॥ थ रं भ के उं उ उ थ ॥ ग ह क
 इ ति हू व र्धे न म ग ल प ह क ध उ ॥ २९ ॥

३८

॥

३०

मे. ध.
 वा.
 ७

लेवगभा ॥ ५० ॥ इह धर्ममसुद्धिदिगीतं दुःखमिविगः
 मेव दुःखविभनेनं गीतं इहमयधगः । उषागसुभनेन
 सुभत्रिपेतेन मेव ॥ ५१ ॥ मेव दुःखः ॥ इह जेदं गीतं दुःख
 मेव निवेदिता । यथावत्तं निवेदुषमभनसुहृदं ग
 ॥ ५२ ॥ पुनः धर्ममसुद्धिदिगीतं भवुरयगिरा ॥ ५
 दुःखः ॥ सुतगसुधनभुतं गीतं नय सुभमा ॥ ५५ ॥ वाल्मी
 केसुतं दुःखं विपातं विगिरा ॥ ५६ ॥ भवेमं भववाल्मी
 केमद्वेष्टं निवेदय ॥ ५७ ॥ भवेष्टं विनीतय गीतं मे
 वीतगिरा ॥ न सुनभिसुतेतं धर्मपयभनभने ॥ ५८ ॥ उ
 नभं भवः । यत्ते भवेष्टं इति मवभग । इह जेदं गीतं
 मेव निवेदिता ॥ ५९ ॥ भयगते पुनभुतं गीतं वाल्मी
 केसुतं निवेदिता भवेष्टं गीतं भवेष्टं भवभन ॥ ६० ॥
 धीतुजमलपुत्रवत्तय ॥ ६१ ॥ गीतं ॥ कगवत्तं दुःख
 सुतं यविमं वर वृत्तेदं वर ॥ सुतमेव जमलं भ
 म ॥ ६२ ॥ कगवत्तं भिसुगभितमविष्टेन भवम । भं भवः
 यवत्तं कगं भुक्तं भित्तुय ॥ ६३ ॥ वाल्मीकिः ॥ स्यात्त
 रानुवत्तं भिसुगभित्तुय ॥ ६४ ॥ भवत्तं सुतं यवत्तं
 वत्तं विष्टमि ॥ ६५ ॥ वमिष्टं भमं वत्तं भवेष्टं यवत्तं
 कगं सुतं यवत्तं वर भिसुगभित्तुय ॥ ६६ ॥ गीतं ॥
 केवमः कीदृशः कसुत्तं भुक्तं यवत्तं ॥ ६७ ॥ गीतं ॥
 सुतं नत्तं विष्टम ॥ ६८ ॥ वाल्मीकिः ॥ स्यात्त

मि.प.
व.
३

माङ्गलममचङ्गेनभः ॥ वाल्मीकिः ॥ सुकंचु
 विभजः शुभितयशुभितयः नष्टुभल्लेनेउ
 ॥ १ ॥ भोभिमङ्गलेपिकरवर्ण ॥ १० ॥ कषेधायविमा
 द्दमेभेधायनिभानघ येविमगयडिभुल्लेन
 भङ्गेयैरिखयेउ ॥ ११ ॥ सुभिमङ्गलमयलेनभकषेध
 यान्नफळलान ॥ एउंमुधुषभंरुडुधुगळभमिभ
 म्न ॥ १२ ॥ सिधायभविनीउयठगडुएयपीभे
 णकणैमउवाउधुम्लीनविगिवाजिने ॥ १३ ॥ उउ
 उकषेधायठगडुएयपीभे ॥ कभिमंमिनेरुगळ
 नेरुडुल्लेगुउरुडुः सधुमुउधुठगवडुडुल्लेक
 धिउभल्लेः वंभउगळले ॥ १४ ॥ भभवमभल्लेसयः ॥
 ठगवडुउठगुसवरेयंभेडुवेमउ येनेयंएनउडुः
 णंभुमुउउरुगळ ॥ १५ ॥ इरु ॥ सुकंचाल्मीकिभः
 इसुधुउयधुधुयउउः इनेमंयडुभगडुगभयल्लेभ
 निमिउभा ॥ १६ ॥ उभिमङ्गलेनेरुभेकडुभगुडुउरिध
 ॥ १७ ॥ भेउनेवाधुपेधरभेधगुल्लेसालिना ॥ १८ ॥ ५
 इरुभठगडुल्लेधरभेधुभठगसुभभा ॥ सुडुगडुडु
 भंउनेठगडुल्लेनडुउरुग ॥ १९ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 भेडुधुगडुल्लेनभय ॥ सुवेमंमंभल्लेभडुः भवडुउ
 लिउरुग ॥ २० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य नेडुगेः भंभरिगुग सुभभाउरनिमिउभा ॥ २१ ॥
 सुउनेनेनलेकेयभभडुभगडुभडुग ॥ भभउरिध

सत्येव गणवे सपरिदरिः प्रहृष्टा पुनः सभ्यः किङ्कि
 मेठवदुः॥५५॥ गण॥ सिमानन्नु भुधेकि गमेमेउ
 तुविगुदे। सपथकण॥ सुदिकः सभ्यमेउमेवम॥५७
 वल्मीकिः॥ भनडुभयेनिधुभ सवमहुद्रममनि। व
 उ॥५८॥ गण॥ विधुभुलेह विधुभिः॥५९॥ सुक्र
 प्रणिउभुडभुलेकनिवाभिः॥ विनकुभगउंमभु
 कुरासपथभेधुरः॥६०॥ भनडुभगभुधेभिनिधुभगवे
 मेधुय। सुउंठवकभगुः सरणनेडिनभउः॥६१
 उनाधिसगधिउविधुभचल्लुडंउवभियग। किङ्कि
 लंदिउडुहृहृभपुनीठविधुभा॥६२॥ सुगुठहृहृउं
 मभुहृवमउंउप्रकिउः॥ विधुउवगधिठहृयविधे
 गेदिठविधुभि॥६३॥ वनयसगधिउविधुभुलनंयडु
 यारुउभा सुउंभीविधेगं॥ उवमनान्मभयभुभि॥६४॥
 ठहृदिदेवगउंउपयेभीडीरभंकिउ नभिकवेस
 यविधुभुधुधुधुभगउ॥६५॥ उेनसभुकिचकिः
 दुःगणः भुविधेगउः उवगधिठहृयभचंविधेगेदि
 ठविधुभि॥६६॥ सुगुनेवउभगे॥ सगधिउंवेवसम
 वनयसगधिउविधुभुनभनउंउगउः॥६७॥ गउउं
 कधिउंमचंमपहृणभुकर॥ भ ५मनीवमिउमच
 भवणनभडिस॥६८॥ ५मिमीभकगभयल
 वमिधु वेगपुधुकर॥ भउधउनकेनभनः॥ ० ॥
 मिविधुभेउवकमेवकिउउभेविधुः येवठहृवठ

भि. थ.
 व.
 ३

भाद्रपदमेवमवदुनेनमः ॥ **वाल्मीकिः** ॥ सुदंवे
 विभजः शुभाभिः शुभनिः शुभयः नष्टुभल्लेने
 लः भोभिमः शुभिकारवना ॥०॥ कषेधायाविमा
 दमेभेधायनिमानव येविमाययडिभुल्लेन
 भद्रयेधियये ॥३॥ सुभिरुभयलेनभकषेधा
 यान्मदल्लाना एतं शुभमेवदुभुगदभविम
 न ॥३॥ मिष्टायामेविनीडयठगदुणयपीभे
 एकमेवदुभुगदमीनविगिवाजिन ॥८॥ उता
 उकषेधायाठगदलेनपीभग कभिमिष्टेवगद
 नेवदुल्लेन उताठगदः सुभय उताठगदवदुल्लेन
 पिउभदः कंभुगदलेन भववमभदमयः
 ठगवदुठगदमेवमेवमेव येनेयंनताडः
 यं सुभुउताठगद ॥१॥ **इह** ॥ सुदंवाल्मीकिभः
 सुभुगदयधुयउताः इनेमेवदुभुगदभायम
 निविउभा ॥३॥ उभिमदुनेनेमेवदुभुगदभायम
 ३। मे। उनेवाधुयेधायमेधायम ॥१॥ सलिन ॥७॥ ५
 इह भद्रदुल्लेनधायमेधायम ॥१॥ सुभुगदय
 भंउनेठगदलेन सुदग ॥०॥ उताउताठगदमेव
 मेवधुयगदिनाभया सुवेमदंभदभद्रः भवदुउ
 दिउगदः ॥००॥ गभभुठगदकषेधायाठगदभायम
 य नेदुमेः भंयगिठगद सुभभाउगनिविउता ॥०३॥
 सुउनेनेनलेकेयभद्र इभगभद्रग ॥१॥ भभुउगिह

०५

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

[illegible]

३॥ वा॥ ३॥

विभानिः॥३३॥ इति मंभुजिउरेण वमिधुनमभंउम।
विमदभुमदेवेनं गभंभुमभमजिनभा॥३८॥ सुठेनद्र
इमिमेहउहंमकराधवः॥ महुलालहुउवभहुउध
भुयनेहिलेः॥३५॥ वमिधुपुकिउविधुः साभुउलेः म
भविउः भिधुः कतिधयेरवगणपुउवेः मरु॥३७॥ म
वाठिविदिउमीठिगलिहु लिहु कुधुः निगणु
गकउमउगीयउरुभहुउः॥३९॥ निजः धभगदेवेः
उदयेवेवविउः धीयभानः भगवतीं नेइइसेधठ
दुरः॥३३॥ गमेललनलेककमधमदिउः भिउः
लालवदेचिकील्हु किमेरिवदिभमलः॥३७॥
उवलयाविभुगलु नयिसा॥ नुरमिधः मुलेकय
निगउासुपरिमरुभरुलले॥३८॥ सुषपहुधकउ
भहुभाकेमल्लमहुलगा भानमानउधेपुनप्रचकं
मदमेसक॥३०॥ नमीजीरुनिधुनिवनपुयउन
निय लाललानिवनउधउरपुविभकीहुता॥३९॥
भहुकिनीभिनुनिकं कलिनीमेदल्लमलभा भव
धुंजीमउदुंममनुकगगभिरावतीभा॥३३॥ वेलुंमरु
धुवेलुंमनिविहुंमरुधुंउध मरुधुंजीविउंमवि
धमंवाकमभाधि॥३८॥ पुयगंनैभिधंमवपमरुधुं
गयभाधि वगलमभीगीगिरिमकेरुंमधुंउध॥३५
भानमंसरुभमरुधेवेउरभानमभा वहुवंभरुवंमेव
गीगवधंममेरुभा॥३७॥ सुधिगींभरुगींभिनुधु

धमभुषा भगंभिमभीमैवउषावधीरुमवलीभा॥३१
 धमभिनंकडिकेयंसमालगुभगिरिउंषा भुननिसम
 उधधुंकरभुगिरिरुपेउः॥३३॥ ननासुदविमिगुलि
 मउगधुउलनिस विहृकवरजुलुंजलमेलभुल
 निस॥३७॥ गगदींमभकउंयुद्धदीनंउषेवम
 मेवानंयुद्धंनंमधवनानामुभाकुठन॥३८॥ कु
 येहुयःभवहमहृहुंभकभनमेः।मउधुधिमिग
 उधुमचनेवभदीउलन॥३९॥ सुभरकिन्नरभनवभा
 निउःमभवलेहुमदीभीपल्लगभमभा।उधययोध
 गधंरभुनयेविहृगमिक्किवल्लेकभिवेसुरः॥४३॥
 उमिषीवैरगुधकरल्लगीजयगुकरल्लंनभभनः॥३॥
 वान्मीकिः॥ लरपुधगुल्लिहुउचिकीलिधेरव
 मिठिः भविवेसगधंसीभल्लयउविधुपंयषा॥४॥
 पुल्लनभभधधितं वमिधुंभपुवगुवर्ना युद्धल
 कुठेवधुंयुगयवः पुषभगताः॥४॥ भकदिमउ
 ठिहुवधिरुद्विगगल्लेनम भकगलिहनामग
 गधवेनभभउम॥४॥ उमिन्नदेमसगेषःधिय
 भकधनमिधः लल्लुमपुवगुसाभादुवंसधनैरि
 व॥५॥ उधुवधमिनहुंरगभगभनलोदुकःभपु
 भउलनेनमल्लेकिंकेल्लल्लल्लः॥५॥ उवम
 मभापंगेदेउःपुठिरगयवः वल्लयविधिपमग
 येसागगनिउउः॥६॥ पुठमगुयगभेभोदुहम

मे.पु.
 वां.

नेवमकसुमिदिमिस्त्रिपिकमपिउधमः १ येर
 इरिनेनभेपुहभानः पुनः पुनः सकरगिकम
 मगंधरिभनभापधुलः ३ एवंगु विमिधुंउंर
 भंगुगलुकरम उल्लेह इतरवधुउभेवायय
 उरसम ७ उधेधुउलेधुयेरवधुमेधुम म
 धुकीकेभकीपालसिउविमिउंयय १० कउेध
 इधनसिउेवंगभं पुनः पुनः मथ सुधुयय
 मानमकधयधुमः ०० नकिधुउउभेधुयेमि
 इहपिउरुगः रभेरणीवधुमः मुधुमीभेवम
 डिधुति ०१ उरसरधेरगभः किंयेरवनिडि
 मथ सुधुचकहसं वसिधुं वरुउं वरम ०३ म
 धुकरं मीभान्मगरनः यभसुडे इधुमि
 उयभभवमिधुभनिनयः ०४ केधंविधमक
 नंविउंमकहं नलेनकरं वसेनयकडिमउः
 भजे मंहुडिरेवेन विनएगहं इउनिधुपनम
 कडिविकरयडि ॥०५॥ वेरगुधकरं कधुध
 रिधेवनंनभसनः ॥५॥ वाल्मीकिः ॥ इधेधुनिन
 भनिनधेनभेधुवडिधजिरे येरवधुकिउभेनं
 किधुधुलंभुडीधिमि ॥०॥ धरिगियत्रभभचभर
 हरीधयधमधुमि उरभुमवपनभभभयेधुभम
 चः ॥३॥ एधमिनेवकले उविधुमिउडिमुः म
 कधिरहगधुधुंउभयेधुनरगियम ॥३॥ ३धये

मे.पु
 १

वरदोष्ठिभुजविलालयकिल भाग्यवीदवलेन उ
 चककदधुपीभतः ॥८॥ गङ्गाजं उधयल्लुभुम
 मृपाजिवम नदिमजेधुविधेन उभा उंमभनिदु उभा
 उमुधं विनासाजुभमिउधमं निपिः विष्णुभिरेभ
 कोरु मयेधुमहिगपुगीभा ॥९॥ भगल्लेयनकाके
 मृपापुद्रावमक सीधुभापुउभां पुपुंकेमिकं
 गपिनः भउभा ॥१०॥ उधुयनं मुद्राकुगणपुं
 ययः मभुउभनमः भवेउनवहेनेनेदिताः ॥११॥ उग
 कगणठवनं विष्णुभिउभा धिउतः प्रापुभावेमयभा
 मः प्रीतगपाउिउतः ॥१२॥ सुषाकुनणउं धुं गण
 भादुलभा लिनभा मभयेउयपुंके यधुकिमेव
 लिपुधउ ॥१३॥ मेवकुगिभकेउरुठालठकुठउ
 २ः सुलक ॥ राउपुयः प्रभापुभीभानवभिउतः ००
 मभाभेपउककुं मभेउप्रमयपभा कृउवंभुं प्रमे
 मंयः उरेठिठकल्लकपुनभा ॥१४॥ वनुमत्रमुय
 धीविवेमयउगणनि विष्णुभिरेभनिः प्रापुउउउउ
 यगिग ॥१५॥ उयिधुभीकवमनभाकल्लेयपमउमः
 मसभउीमभाभउः प्रेउउंकेमविष्णुगउ ॥१६॥ धमउि
 रैमभउगगपुवधेनधगलिः वमिपुकाभेवकुं म
 कसभउमंउतः ॥१७॥ एगभउउमिगविष्णुभिरेभक
 गविः मममभुनिसादुलेकुगुभवेपिपिउभा ०१
 केनपिकगलेनचीउल्लभकुउवागउभा वृद्धे ॥१८॥

کتابخانه

गुरुभयभयं देवेयय ॥३०॥ भगवतः प्रतिगच्छतुं स
प्रदक्षिणं कुरु ॥ ३१॥ भगवतः प्रतिगच्छतुं स
भगवतः प्रतिगच्छतुं स ॥३२॥ भगवतः प्रतिगच्छतुं स
भगवतः प्रतिगच्छतुं स ॥३३॥ भगवतः प्रतिगच्छतुं स
भगवतः प्रतिगच्छतुं स ॥३४॥ भगवतः प्रतिगच्छतुं स
भगवतः प्रतिगच्छतुं स ॥३५॥ भगवतः प्रतिगच्छतुं स
भगवतः प्रतिगच्छतुं स ॥३६॥ भगवतः प्रतिगच्छतुं स
भगवतः प्रतिगच्छतुं स ॥३७॥ भगवतः प्रतिगच्छतुं स
भगवतः प्रतिगच्छतुं स ॥३८॥ भगवतः प्रतिगच्छतुं स
भगवतः प्रतिगच्छतुं स ॥३९॥ भगवतः प्रतिगच्छतुं स
भगवतः प्रतिगच्छतुं स ॥४०॥ भगवतः प्रतिगच्छतुं स
भगवतः प्रतिगच्छतुं स ॥४१॥ भगवतः प्रतिगच्छतुं स
भगवतः प्रतिगच्छतुं स ॥४२॥ भगवतः प्रतिगच्छतुं स
भगवतः प्रतिगच्छतुं स ॥४३॥ भगवतः प्रतिगच्छतुं स
भगवतः प्रतिगच्छतुं स ॥४४॥ भगवतः प्रतिगच्छतुं स
भगवतः प्रतिगच्छतुं स ॥४५॥ भगवतः प्रतिगच्छतुं स
भगवतः प्रतिगच्छतुं स ॥४६॥ भगवतः प्रतिगच्छतुं स
भगवतः प्रतिगच्छतुं स ॥४७॥ भगवतः प्रतिगच्छतुं स
भगवतः प्रतिगच्छतुं स ॥४८॥ भगवतः प्रतिगच्छतुं स
भगवतः प्रतिगच्छतुं स ॥४९॥ भगवतः प्रतिगच्छतुं स
भगवतः प्रतिगच्छतुं स ॥५०॥ भगवतः प्रतिगच्छतुं स

म. थ.
क.

यम। उच्यते नयरेकं विवृणुष्वम् । उच्यते नयरेकं
 विनिश्चयितुमसमः ॥१॥ वदन्ते विदितेऽभिन्नम
 कनकचक्रः मुक्तिं मुक्तिं यगे भंभेन कपिरे ॥२॥
 नयरेकं उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते
 उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते ॥३॥ नयरेकं उच्यते
 उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते ॥४॥
 उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते ॥५॥
 उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते ॥६॥
 उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते ॥७॥
 उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते ॥८॥
 उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते ॥९॥
 उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते ॥१०॥
 उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते ॥११॥
 उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते ॥१२॥
 उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते ॥१३॥
 उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते ॥१४॥
 उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते ॥१५॥
 उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते ॥१६॥
 उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते ॥१७॥
 उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते ॥१८॥
 उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते ॥१९॥
 उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते उच्यते ॥२०॥

म. ध.
व.
०.

कंठे उपधरिवडिपुडुं मधुभिधमिडमिनमा ॥ ३ ॥
 उभेदिपुगविपुडुं कृष्टं मधुविमगः । मधुं मेधं य
 नध्या ॥ नैप्रमभमभुचनि ॥ २ ॥ पठिः मधुउवारी ॥ म
 कीदुभफउभाधि । मधुभिपुडुं मडनं करि ॥ भिवकेम
 मी ॥ ५ ॥ कलिगमभुनीकेधुनएनगडिवलवलभा । मडुः
 भुगडुउरु ॥ मडनेनउग ॥ वलिः ॥ ७ ॥ नमस्तेः पर
 भेडुजेनमपुडुविमगः नठएडुजीनं मडुः मभर
 डुभिध ॥ १ ॥ केवलं पधध ॥ धुनगरधेवनेधुम ॥ धुनव
 नजलेधुमयेवधरिमीलिउः ॥ ३ ॥ विरुडुमेधएनगडिमरु
 गणउभगकेः कीलधुधेधकरमधुकाधुरिगडुभिध
 मडुडुडिउं डुडुनमठगुविधदयउं किभेनैवफउः
 धुमः मभेनेदरिः दुमः ॥ १० ॥ ननुभजनिसजेडिनवि
 कडुगपकवनिभा मडुः पियधगीउडुडुं डुडुडिउकेवल
 भा ॥ १०० ॥ मधुगः मधुइडेडुं डुडेभनिनयक मरगीवधये
 वफेउनेनिः मधुउं गः ॥ १०१ ॥ डुडुमिभेभेउवलमपिन
 विवमीरुउः कधंममभिउं (डुडुं यडुं मधुनिसमयेः ॥ १०२
 मधिवल्लाडुनमधुमधिमपेभपारमडु गणमधिम
 पयैधभुडुमधेभमभे ॥ १०३ ॥ येडुवडुमधुमभुमि
 धुलेकेधपेयमः भुडुमधेनमभेधिउचउडेनमंयुयभा
 मभविषपनंमगभुडुमभनवैः धायभा नधुमभनिस
 डुलमठवैधुमएउध ॥ १०४ ॥ गणमभुमकमः ॥ ऊ
 एयडुविमगः मभभुपेयपडिउमडिरेवाडिउध

क विप्रयुज्जितमे... भद्राभाधिनेन्द्रे रणीविडंरणी
 विद्रुकाङ्गीनगभनेउभद्रमि नववद्रभद्रभुग... भभय
 अनिकेमिक दुःपेनेद्रुमिड भुउमद्रुः भुउकभय
 भुपनद्रुउमेधेधगभः कमललेमनः उंविनउइयेधु
 देणगयडिनरणीविडभा भापवगभेकवडा नीयउगद्रभा
 दुडि यमिगद्रुकीनेहं भुउभवे सुविद्रिभाभा मडल
 भद्रुएनगंदिभीडिगडिभेधग लेधुंयद्रभयंउ भद्र
 गभनेउभद्रमि निममरवल्लेकनु भनेयमिउदेधुडभा
 मडरद्रभभापुजंभयभद्रवल्लेनय किंसीदगद्रभा
 भुउकभुपडद्रुधंमउ कियद्रुभा... केमेउडिवल्लय
 मेभद्रुभा कधकेनभद्रुउउधंभमे... गद्रभाभा
 भभकेवलेद्रुद्रुयवकुएयेपिनभा भवेभमेभ
 कगवद्रुधउधंभयग... भुउहंभुभद्रुनं वीदेी
 ऊदिगद्रभाः मयउदिभद्रुवीरिगेव... नभगद्रभाः
 भद्रुद्रुव... भुउभुवेसुवभेभनेः भमेउवभोपदि
 धं कगीकिल्लमडिः उद्रुभेनमजुभेवयंउभद्रु
 इनः कलेकलेधधुद्रु कुमिदीदविद्रुयः भुउध
 ह्रमयंयतिभलीयउमकेलीः मद्रुभिमंभेवयकु
 लेगव... मिधमउध नभभगः भुः भुउनियेउरेध
 निमयः उभद्रुभभापमद्रु उद्रुभभभुडके भभमे
 वल्लकगुधुव... भुभभेवभा देवमनवगव
 यद्राभवगधवगाः नमजुगव... येहं किंभनः भुद्रभा

००
 ००

नं.
०३

ॐ

भनभुङ्गिउमैदऽऽमैकङ्गयति रुकेउरुभनभे
 रुमिङ्गुनयथेपिभन नरनेयेविगुंमिङ्गुभिह
 ववङ्गुभा ३५५ कननभलेनरभे विपुधार्तिना ३६
 माभिङ्गुभिउनेववयापेसुभधगऽऽ नविहऽऽ किंभ
 कवपेउहउमसमेउमऽऽ उमऽऽ कभलथउहगति
 उहतिनेउवना गरणभसवविपुधयेमुगभगुग
 भा कभयउभिहउगऽऽ भेवपीरयतिपुठे पुधये
 भिहभउरगगत्रभयउतिउभा नउमुनेमेवक
 भिउनिहयसंभिउऽऽ नरनेनपुनिनेभिउनरगुनरा
 भउति नभभउयथेउमुमुऽऽ अनविठेउतिऽऽ नि
 मुमुभेनिगसेभेनिगीदेभेनिगसदऽऽ भेदेनगवि
 भउभेउनेउमुभेदेवयभा ॥८५॥ किंयेनेनकिभभकिऽऽ
 किंयेनेनकिभीकय उतिनिस्वयवानउऽऽ पुल्लुग
 भनऽऽ भिउऽऽ ठेगेधुपुधिरगुमाभिउधिरिभउति
 थरभउगभयउमुउकेवगुदेयषा ३५५ उहउह
 वमुभभगुविठवतिउभा संभेगएलभठेगिपुठे
 भिउविधायो उहसऽऽ मुनरुभउऽऽ कउवभिनभ
 कीउले पुठेउहवदरेउयेनिवेसयिउहमऽऽ उति
 नेयेयभायउसगपभभरसगलिनी मुधउभल
 भउउंभभेउउययथरऽऽ भनभिभेकभयमुभक
 भनऽऽ भकलभउिभाऽऽ किलभापुउभा भकलउंन
 यगीकभेकगदिनकीउविठकुरउभिव ॥१०॥

मे.
 व.
 ०५

मि.
द.
०५

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

दिष्टमस्मिन् नृमे॥ यद्विंशं प्र३ः प्र३ विष्टमं
 भि३ः॥३॥३३ः मम मम धर्मो ह्युक्तं भनिनयक वि
 रुद्री जय प्र३ प्र३ वी भवि भिभायलं भ॥ १०३ वड प्र
 कल्लेन भंभग प्र३ भिभं भम भवि वि के ए फ र उ
 नेध भु ए ल उ भि व॥ १॥ विवेकेन धरी उ प्र उ न रं उ म
 उ ध य भ॥ ठे ग नी भ य व ह्य प्र वि स गि उ र नि य भ॥
 किं न भे म व उ भा य ये यं भंभ ग भंभ॥ ३३ः ए य उ भि य उ
 ले के भि य उ ए न न य म म भि गः भ च ग ये भंभ म
 ग म र ये भि उः सु ध मं ध उ यः ध ध ठ व वि ठ व कु
 भ यः॥ ३॥ सु येः स ल क म म सः ध र भ म भ भि नः
 मि ए उ के व ल ठ व भ नः क ल य न य भु य॥ भ नः भ
 भ य उ भि मं ए ग म ठे गि म सु उ भ न स भ म गि ल
 ठ उ के न भः ध रि भे फि उः॥ १०॥ म भ उ व व यं क भं
 वि री उ भ र व सु यः भ ग उ प्र क म सु रे वे न भ ग भ
 ग उ व॥ न के न मि सु वि री उ वि री उ उ व भं भि उः
 व उ भ र व यं भे व ए न न सु धि स भु र भ॥ ०३॥ किं भ
 उ ध प्र प क्क भं ठे ग न भ भ रु क गः भु प व फि व यं भे फ
 म भि उ व ह्य ठ व नः॥ म ह्य उ व ह्य क ल्लेन ह्य उ प्र
 व यं ध ने भे न नि ध रि उः भु यः सु उ प्र य भ ग उ व॥
 किं भे ग ए न किं ठे गः के फं कि भि र भं ग उ भ॥ १०
 वं वि भ म उ प्र क क वे भु व उ उ भ म॥ ०५॥ ठ वे भु र उ
 ग य उ ध धि क सु भ रु धि व उ म उ ठ ग व सु फि कि

भं॥
 वं॥
 ०॥

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

उयभमिनिमयभंभवेपरिकल्पितः श्रीमनेपरिभि
 नयभमिनिनभनउम॥ उल्लभवकल्लनउ कल्लेन
 ननुभाकुल्लन॥ एतन्नुभुवतिभुगनु रभीवउ
 रक्षिणी॥३॥ मित्रादिकिउरैरुहुरिमुल्ललिउरि
 उः सल्लनभुवतुभुभुगः भगिउयेष॥३॥ ए
 धाकिधमभेकउननिवपतिउरुग भुवनिनयउ
 सगभिउमैउपुवति॥५॥ एतन्नुयतीधंरुंरुंभग
 भुभुगिउकभगि विनममेवपउउमीधलोयेव क
 ल्लनभो गुल्लगु विमरे विनेवकिल्लधभुग
 भो एतन्नुभुगिउरुहुरिमुल्ललिउरि
 उउनेउनेभविभुभनगसुगि देधमीविधवेगभ
 यदुमिभिमरायेउ॥ उवस्तीउभभुभनः धरेभेमरा
 नेरनः वट्टयेवदिभंयवविमुयनधरुभीरुउः॥५॥
 लः सुगदुउल्लभेसल्लभभवेसुये धंभभभवे
 भभः सुयउभलिनीरुः॥ नमीः भाययउरुव
 दुः एयेवेवदिकल्लेउ गुधुविनमनेपउभउंविध
 लउयष॥ श्रीभानरननिनुसुगसुगपुविकउ
 नः भभमिधुः भुवसुवमुल्लरुः भुभभभुयः॥१००
 एधकिविधभदुः एयेगिनंगकनगु के धनभ
 रुगलेनु विवुसैलभकएकी॥ भकुदधभुग
 नीमः कएवमदिक भभुधुमीधिकवहुकल्ले
 लेधउगि॥१०३॥ संभभभुगिधमवीविधम
 विधवचिनी केरगिक विकल्पनं एयउरुठयठेगि
 नभ॥

० ॥ ५॥
 वं॥ ५॥
 ०१

भं.
क.
०३

एतन्मपरिणीदो निनैकतिथयेवपरिष्कृत्यगता
 भा कलनः भस्मनेनवयेवननवभस्मते ॥१०॥ विनम
 भस्मनिहंराभरववृत्ता दुधंसिद्धवरेल्लवडा
 उनकिल्लधुते ॥११॥ भिरुडयभायकविडयउयाभउउ
 भस्मिउभउभकसुम एगतिनगभउधगुल्लवलिउ
 भगल्लभगलिउभायुरियंयध ॥१२॥ ॥वेगपुष्कर
 ल्लिणीविडगद्वानभभनः ॥ १८ ॥ सुगीमः ॥ भोपेव
 कुडिउभेकनमुपेवपरिववते भिष्टभयेनगीउभिरु
 ककुरम ॥१९॥ सुककुरवमपेधमेधकेमकुरम
 भा कुरगिमीनमीननं भेभगेवि विपादतिः ॥२०॥ सुक
 कुरवमपेधमककुरगद्वगपयः सुककुरवममीक
 पुककुरमेकभयः ॥२१॥ उभककुरभमिहधभंमिहवि
 ल्लभा नकुस्तेनेधिवधुधः किभेठगाकुरेधन ॥२२॥ मंभा
 रगद्वगमीकभभमेउभभोकिनी उउककुरमेधमकि
 गेउनेववपुग ॥ यानिदुःयानिमीउल्लविधभगल्लभ
 कडिम ॥ सुककुरगद्वउउनिउउगद्विगद्व ॥२३॥ मने
 मेः सौकिकेयधुगुल्लधमकसनिभा सुनभेधमक
 लभककुरगद्वधुधम ॥२४॥ नकंरभेनभेवधुधवेध
 मनभभनः साउउभिउभिधुधमिधुधवेधमिधुध ॥
 सुककुरवसाधुधमयकुउंउंउंउंभा भवंउउमवधु
 ववधुधकुरगिउउ ॥ सुकभिउभिमेधुधनकभधमि
 दःपीपतः भभधुधगिपउभभनककुरगिउपनः ॥२५॥

मरुत्तुं परिहृष्ट भवेमात्रभनभुषा मवतिष्ठे गते द्वे गते गे
 व्यक्तुगमये ॥००॥ इह वृत्तमरुत्तु वारिः भुविष्टुभ
 उ उवद्विकमभयति इह वृत्तमभुषी ॥ मरुत्तु
 धनेमतेरुष्टनवद्विल्लता सनुमीधमिपचोहृत्ताथ
 यामुतिमद्वभा ॥ मरुत्तुभनविष्टुभनेमउभउद्वराः
 विष्टुलतिधनभेष्टः भुनिउतिववारिः ॥ इह मरु
 भनमद्वधनमरुत्तुकेभरी येयभल्लमतिभनउने
 मंलगमउउभा ॥ इह उनुल्लवधुता वरुत्तुभनभय
 मरुत्तुगेगुमिष्टेन कल्लभकावलीकता ॥ भुत्तुभनकल्ल
 उगल्ल उनुभनुविवलिउभा भुभगतिभनेनेकमरुत्तुव
 विष्टु ॥००॥ भुभगलिउकमिष्टमिष्टमेष्टयभीपहृता
 भुभगलिउकवेष्टुवभवाण्वमुरापयः ॥ मरुभिष्टुम
 उमेनैः भमभमगलिनि भनेभननभभेष्टमिष्टकका
 धिगमिष्टि ॥ निरुत्तुवउमेभेष्टुमेकेनभीमः य
 किष्टुमिष्टु इह भुभगलिउमिष्टकमि ॥३०॥ भवथ
 मंनिल्लयभभुवभनुभुभनुजभउभगुल्लननसंभुय
 भि यद्रुमकल्ल इधमं धगिउकिष्टुः पिमेष्टुभंभभनु
 सपिभननरुव ॥ ३० ॥ वरुत्तुभनमरुत्तु मरुत्तु
 इगुभनभभनः ॥ ०५ ॥ मीरुभः ॥ इधेष्टु
 लगिउयउंभकल्लमद्वमेविउता वरुत्तुधिष्टुल्लवव
 मरुत्तुलतिमल्लभा ॥०॥ इह उनुभनुहृत्तुभव
 ठिपवति इह उनुभनुहृत्तुभव ॥३॥

०७

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

ॐ नमः

वृभभुखरभभभुवः पक्षु सुमिदुमीधुवसेधनीउभि
 मित्रय॥१॥ भभमिउभकगृहृभेकडिभिराकुले ॥
 सुदेउ॥२॥ विनीभउ इमभा सगधिसगमिक॥३॥ रलेर
 झिउनीकग ककुनवमयेकुल उनंविक्कभभय
 डिमिउभमेकेभभुगी सुलभेउकुभायेधइधुकव
 लिउमय सुयउगविधभेलाभभुमिधुनिणविव॥४॥
 उमभकल्लेतरवमेकडेवकडीवभ उगडिउउगक
 गउउधुउगडि॥५॥ संरेडुवेगभुमिडेवडेयेवर
 गडु॥६॥ नीउः कलधयकाधिइधुयगमिउमउकः॥७॥
 यंयभकभपीउकुभासुयगभिगु॥८॥ मिचभा उंउं
 कउडिभेइधुउडीभिवकुप्रधिक॥९॥ पयभीवरणइ
 लंवायगविवरणइ॥१०॥ नठभीरुसरनेधुमिउमेरे
 इमभुदम॥११॥ गनुभभमभाडीयभभभुपियेवय
 भा मिउएलेविधुभेएलेसकनयेयम॥१२॥ इ
 धुठिपानयउउमभुमिइल्लयउय यममकेध
 सभनभसकुनभउरधि॥१३॥ सुवेदुगभिउगडुभभ
 उयधनःधनः इमभसुमिगउभइधुमउउरदुभी॥१४॥
 एउसंभझिनीइधुदडेसुपेगभगभन कडुगुडि
 भडीनिइभयधुगुगल्लवउ॥१५॥ मउनुधितयमेक
 भभुभेसिइभानय रल्लेवसुवलीवमसुधुयवकु
 उएनः पउमकलइमिइधुय निइकधुय यगधि
 वकिरडेकएलंलेकेधुमउ॥१६॥ कययउधियेह

भ. व. १०

कृपी॥ ५०॥ मंदे मभायति मवमेवमभासमभा सन
 उंसयउउइधुमधुवमविकी॥ ३०॥ कृभायतिपा
 उलंकां यतिनकुलभा कृभायतिमिनुकृइधु
 कृइधुमधुमी॥ ३१॥ संभारमवमः यनं इधुकायी
 उधुः यनः सतः प्रभुभापय येरुयइतिमकृए ॥
 धुयसुतिपांरुंधुपभालेकैरिनी भेदनीदरगद
 नउधुएलमभलिक॥ भवेधांरुनुएलनंमं
 भगवदगिभा परिउभनेभाला इधुवनुन
 कृवः॥ ३५॥ विमिउवकविगुमीउभलिनमंभिर
 तिः सुहासुहाभमइधुसत्रकमृकयमिनी॥ ३६॥
 ममनिनुमधुनं कलिउमरुधये दिभंमंभउ
 रेरिगुभमंमीउयभनी॥ ३७॥ संभारनयकन
 लीकयलयविकृभी संभारपधुकरिनीः भगम
 मीउवलकी॥ ३८॥ इवदगविल्लुगीभेदभउधुम
 इल्ल भानउपधुलउधुः यकैरवमदिक॥ ३९॥
 गभगधुः यनभेकारउभभदिक सुयिहपि
 विल्लभानं निहभउविल्लभनी॥ ४०॥ कृभाले
 कविभलभाउकयलवधुभा इभवीधीमभाइ
 धुनीदरगदने॥ ४१॥ गमुउधुमभंइधु
 कयहयभसाउये उभीधनउभः कृययमरेनि
 वउये॥ उवधुइधुलेकैभकेविल्ललिउसयः॥
 यवमेवभउइधुविधविधमिक॥ ४२॥ लेकै

अ. व. ३३

३
म.
५.
३३

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

एतत्कले एतन्मेति भा इकले उषा भा ति भा भूमभेव
 विमेषः कये ठे गिरि दुयेः ॥ ८५ ॥ भंभग भे पि
 एते इष्टु कलकतुते मभुभिषु तिभजे के भुके यं
 कायक सुपः ॥ मदनै कयैष्टु निकयक भुनिशु
 रिमः भंभग भुवि के हते के मिउ भुनं विरुः ॥ मी
 द्यो रपु मल्लय निपु उल्लय नय नमेरु लउय
 कटं कि किम भिविवे किनः ॥ भल्लु कृम के मे भु
 रगि हव एगंगः नल्लु ये डय इमिरा दु कषं मे
 कदुदुः ॥ निः भगभ कल्लग भु कय सुधल व
 यवः रले भाने ग सुते म सुते ने क के न मिउ ॥
 वये मी पभु भन भे ग सुते डय उगतिः पुग सु उ
 ठग व व मगी र म भुनः ॥ ५० ॥ वहु सये मगी र भु
 वहु सये एग गति उ इने क भ मि र ने उ वि शि ग
 भु भुनः भुनः ॥ नां के म के इने मे के भ भन य भं के भुनः
 इति वि सु उ मि उ ये उ भने भु के उ भाः ॥ भान व भान
 वल्लु वल्लु क भने र भाः मगी र भ उ वहु अं प्र
 नि मे ध म मि न भा ॥ मगी र भ व म ग यि तु धि म ए य
 मल्लु य म क क र म भ उ ह द ले न सु लि उ व य भा
 भल्लु व र की स चे व क य व हु अ य न य भिष्टु ल्लु न
 उ र क भु सु लि उ क भु मे कि के ॥ न कि कि म धि य भु
 भि म ह उ ने क उ भु न मि उ म भु मगी र ल न य वि भु
 ल ह उ ॥ मि ने क ति ध ये र व नि न र भु क य य घा प उ

भे.
 वे.
 १८

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

मि.
व.
१५

धूलकुलं वरुणपद्मेन न निमग्नं तालमुद्यनिद्रः।
 निभनेन निन कश्चुमिड॥१३॥ तलेवत्तवता सुनभने
 रश्चविलभिन भनभाउधुतेनिहं गीधेले ववनभुल
 भा॥ विहृण्य कर्षते तालः परमेष्ठिकमज्जनाभा सु
 लानडवनगेन विधवेसमुठीधलभा॥ नानभनेर
 मभयीभिषाकल्लेउकुल्यन रुः। यययउमीयय
 तालउथेलवसय॥ मंहुधुं उदिनेकेकु भिन्नुभाय
 उमभुगज। वाहुतेयेनभेलेने उयायकसकवेडा॥
 मुउसिउमउ सुमीउउधनिवगले केविसेधेभक
 वेहुवल्लभेचीरुसुमा॥१३॥ उदुनिभठिवाहुतिथ
 कृष्टेकृष्टायलः कयाकयथगनिहं तालविदग
 पमिः॥ सैसवेगुतेकीतिः भउउः धिउउभुषा ए
 नेउरेधुवल्लभु सैसवंकयभविग्गभा॥३०॥ भकल्ल
 मेधमसविदिउ मयंसरलभुधु विवेकविल्लभिनः
 इकनकश्चुमिमेवभकभनेठवतिवल्लभलंधरिउधि
 यभा॥३०॥ वेगएभकरल्लवल्लएगुभनभसतः
 श्रीगभः॥ तालुनउभेधइकु भुभानठिकउमयः
 मुरेकडिनिधउययेवनसुकुसभुभभा॥०॥ उइनु
 उविल्लभभुलेलभुधुमेउमः वडीगभभुगुति
 रुः। यययुः। यययुः॥३॥ सुमिउविल्लभंभुनन
 नभभुभकारिल्ल वल्लभुभधियेमानविवसः धरि
 कुयेउ॥३॥ मिउनंलेलवडीनंल्लननगभिवकि

७७

३७

[illegible]

येवनेल्लभिविल्लभेकमुत्तमियः सरीरधुल्लगल्ल
 कुल्लंभतिधदुमीभा निवृत्तभेदेयदेधनंयवेनमनु
 भाः सरीरधुल्लकेकुत्तभुल्लयेवनवल्गरी लप्रभेव
 भनेकुल्लंभयदुत्ततिगुत्त सरीरभनत्तधुत्तंयुवत्तभा
 गदुत्तकभा भनेभागःधुत्तवत्तःधत्ततिविधभा
 वदे सरीरसवरीष्टेकुत्ततिउत्तकेभरिःभल लदुगी
 एविउत्तभेदेयदेवत्तभनेरसत्त मित्रनिकुत्तमिष्टेयं
 दल्लिउत्तभेदेयदेवत्तभनेरसत्त मित्रनिकुत्तमिष्टेयं
 भदुत्त रगिष्टेवधुत्तयेधसरीरधुल्लवत्तगगः
 लेनेवत्तल्लदुत्तधुत्तल्लभुत्ततिउत्तभाःदुत्त यदुत्त
 रधुत्तंकेदिभदुत्तयेदुत्तियेवनभा वल्गतिभदुत्तनः
 कुभाभुत्तनसत्तयेकेवल्लभा उदुत्तयेविवल्गतिग
 गदुत्तधधिसत्तकः नदुत्तभेदिसभभेदधधवत्तयेवन
 यगभनी नदुत्तविकवत्तदुत्तल्लवत्तकेदुत्त नदुत्तमिनि
 कदुत्तंउत्तउत्तभुत्तभाःभुत्तयेवत्त ददुत्तभाय
 तिउत्तभेदेयदुत्तधःदुत्तल्लिउत्त येवनेनभदुत्तभुत्तः
 भवेनरभागःभुत्तः भनेभेदभभेदउत्तयेवनंयेदि
 लदुत्त मिष्टिभदुत्तदुत्तःधुत्तउत्तयेनभदुत्त उ
 पदुत्तभेदभदुत्तभुत्तवधुत्तधदुत्तवि येभयेनभभ
 उत्तःभयेयेवनभदुत्तग भयेनगीदुत्तभेदि
 कुभभकवत्तः नदुत्तल्लवनेल्लभभभेदंउत्तये
 वनभा विनयदुत्तभदुत्तनभभंकदुत्तयेदुत्तल्ल

भु.
 व.
 ११

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

सुलतामधिपुगेधिमरम सुधनीरमभा भियेदिनर
 कशीनंमरमममममभा कीलवृकुरकवगीउर
 उरकलेमन प्रलिकुविधुवमन कुमभेकुरकमि
 नी लीलविलेलधमध कदसंफरकगिनी थ
 रंविभीकनंरुहः कगिनीमीद्रयगिनी भुधगिर
 भाभयुर कुरधल्लवलाभिनी इभरकुरविलभाकु
 भवकभुनणगिनी भुधकेभरगेगदीनरभगल
 उरु मरुडुभवेवसुंकउगविधमफलता भी
 कुरेकुसभेकुल कुरकुमलनेकुय कउयेकुय
 उरुनुकुरहेवेगेविलग कभनभगकिगेउनवि
 भीलभगुमेउमभा नदेनरविफरुनाभरुवरुन
 वपुगः ललन विभुललनेभनेभउभउरुलः
 रडिसा ललयावृकुरवृधिधुडिभकवडा ररुधध
 लभकुनं कभकेलमगिलभा भंभंमुचासन
 ररु इमीवमिधिक भकुगेवउरुलभा
 लनभिवमडिनभा भंभभुभिवलीनंरुवुनं
 कभलेमनः ननरभभयीमिड कुराकुभगियेभ
 ने भियभासिडसंयडाधगभिकदिभंभुडिभा म
 चेधंमेधरुनंभभभुकिरुयनय दुःपयसाल्ल
 यानिडभलभसुभभभियु किंभनेनकिभकुवाकिं
 निउभेनकिंरुव भंभभउकभगे कुरेभुधभव
 सुन इउभंभभिउरुभिउभीनिमवभवेः इरुक

ॐ ध्येयं यद्यपि श्रीविमलकण्ठम् यत्तु निधनमैश्वर्यं
 लालितः धातिः श्रियः उभनेधुविठकास्तुः धधति
 धिदुग्धमिध यमिधनुजनयं मेरुं भनेधुगुगमिधः
 कनेनगमिडावृद्धाद्वीहउड्डुगगुल्ले केसास्मसा
 नचक्रुधयतिमभगलेसउभा सुधीवुवगठा
 डिमिनेगवनिभकुले धिवतिधंभवेरुं वृष्टास्म
 धुनेकसः समनिलसिपाकुड्डुयं यतिधुल्लवाय
 वः उड्डुधाललनगुनभमिरेल्ले वठविनी भ्रिडि
 मयवक्कमिडा किं रुतिभवपायस कुतथाकुसुम
 दुभंभुनललनगठिपभा उभाभठिवकदेउड्डुभन
 भपियगतिउः सगपयितनगकन कड्डुभल्लस
 लिनी धुडालेडालताभेडिमिडाकात्रुभगिनी
 कृमिदुडयमेडेपनगचावुभाकुलभा धंभेध
 धामेडे पुषद्वेभगेयसा मेष्टुं धरभाभेडिउर
 भुगलीगः निवड्डुः कविनीलेठविद्वयपडेयसा
 द्विधः यधुधीधुकेगुनिः धीकधुनठेगुः धि
 यंरुड्डुलगाडुजंलगाडुड्डुभापीठवडा सुधउभा
 उभपरेधुगुजरेधुकेगुधनाकभलिधरुडिधैलवध
 ड्डुवभेभभवेगलगागिठीरासधुधुधं धरभुधे
 भिवनं धुयड्डुज॥ ॥ वैगधुधकरल्लुधुगुध
 नभमजः ॥ ३० ॥ श्रीगभः ॥ सुधदुधंरिवलरं
 वल्लुधिवरियेवनभा येवनंमलगापसाद्वुड्डुकक

सुउंभिषः दिभासनिगिर्वर्मेरं वडुवसरमधुमभा
 मेरंरगएगयडिभरितीरुतंयघा सिखिलमीउ
 भवसंरगएगीलकलेवरभा भमंधसुडिकभित्तुः
 भुधंकरठंयघा सुभायसकमडिउ गपदीउएग
 भाएने धलपुगसुडिभुसुभधुवकडासुन म
 भाःभइभियसैवरवृवःभहुम भुषा कभइउउ
 कभिवनंवाहुककभित्तुभा सुधुसंरगंमीनकी
 नंगुलधरावृभैः गपुहिराभिवमीउं गंचेहृहृडि
 वडुउभा मेहृमेधभयीमीउ हृमिमहभुमयिनी
 भवपममेकभायीवचेउवाहुकस्यल कउहृकिं
 भयकसंधवेइडिममभा सुभुडीकर्णयेपुंकिव
 चउवाहुकेठयभा केरंवरक किभिवकैरेभिकष
 भेवरा डिधुभभेनभेवडिमीनउमेडिवहुके ग
 वेहृमेडिमेधभभधंठुंनसहुउ हृमयंमहृउउ
 नंसजिमेः सुनवाहुके एगएगीलरकीयचहुभं
 रेहृरकगिली मेडिरेगीगकील कयदुभसि
 रःभुडा उवमगगएवकुडेडिधधरिमसुडे
 पनवृगिभिरकहृमीभनेभरल केसिकः भायम
 वृधुएउवउभःभभनयवडि एगवधुधिरुधुव
 भडिंभभनयवडि एगकुभभित्तुंमेकदुभंरुधुव
 मरउः सुहंनगरभठडिरुडिभित्तुलेउदुभः क
 उनवधुभनमेनेएगएगएगवधुः हृल विगिर

भि.
 व.
 १७

ॐ यैव कृमिजालिङ्कगिनी गच्छीवभिधभाउ
 उमैवनरंरग मधुवमेकुकेवकुभुगपुसिगभि
 म॥७॥ धलनगिरेगमेदं कभागीकैवंधषा भी
 कृमिगिनीधंभधनधधरिगलरभा मरींसगउ
 यदेधवदेवउमधल्लवभा एगमेधदेउमेदेउरे
 नरगंगउः ॥ ७॥ धनिकरकीलधरिगलनधुरासि
 यभा एगमेधुमिउवेयंसिः सियविधधुः वि
 कुमयतिभंगवउं कभजभधुगीभा धरिधकेमभा
 लेहएगमगविप्रमभा मिरः कुभुलकुंकुं
 भंमः कलकिलेधुरः एगएगकुभुउकुभुल
 उधनिकउति मरीगीरवममलकुपुंभिभर
 रभा एगभासगिककुधुयेवनगपुउयेपिउ ध
 रभल्लमभयतिमरीगीभधगचिली कमिग
 भिरगउभिन्नमलकुगीउघा यधएगमेस
 करीमेदएगलकधुकी कंभसुभमभीकुगमः
 एप्रभउंभेभयी एगएगलएलदेधाययभंम
 गुणवदि एगभावउताभेउमुल्लवयवधल्लव
 उउउवीउउउ ॥ लउपधनउयघा एगकुय
 गवल्लमेदकुयधमधभा भुनेभरलभउदेउ
 नभुगगिउ॥७॥ भरलभुनेगएगएगवल्ल
 मभरा सुगकुउनिदतिधपिगपिपउकिनी
 नरिगउमसूतिः भहूयेनिधिधुदिकेयः उएग

३॥५॥३॥

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

三
五

॥ कृष्णं गङ्गा नीरगीतमालनीभा सुल्लेलकनकको
 भाकरुठिउवनिभा भाङ्गायविष्णुपुत्रकेल्लेक
 कमीधिकभा एगङ्गाकनिकय ॥ १ ॥ कुकिभभीडिमी
 कोउ भूछाकनिनिभेभे ॥ भट्टाङ्गाधकवटलभा
 लेकधालकलपुडि एगङ्गा नीलवनारयभा ए
 गङ्गा नीलजरीकील नययडुगु केरने भूभा ॥ पु ॥ व
 लेकभभीनी ॥ इभभभके गुल्ले ॥ ए ॥ भट्टे ॥ येवलेकवडा
 वलीइसभा सुधउभिवडा भडेकडा कुयेनिकउडि
 मिनकभभभउय निसैती करभालय उरकेभरय
 एभुंमधलेवल्लयटलभा सैल्लेकडुयगसाङ्गा एग
 मल्लभुभेनिकः भट्टाङ्गाधिवडिभूट उरगडुक ॥ नः
 पि उरगडु नलिनीभेभ सुधमउङ्गा केसरी नउमभिन
 यभुयं उरगडु उरगडु उरगडुः कल्लकेलिविलभेन।
 पिभुभाडिउरगडुन ॥ उरगडु केवकभेनरभउधडुन
 इनि कउठिउरगडुभंरडा भडुभचधमंगडः भवभ
 चकरीडीमंनकरीडिनकिङ्गा न भकलभभकलक
 लिउउरंभठगडुठगडुपयंयधः भूकडयकलमे
 वमगेधयविल्लमडीकडिकल्लवल्लचध ॥ ॥ व
 गडुभकल कल्लयधवरेनभभनः ॥ ॥ श्रीग
 भः ॥ ॥ सधेइभरलीलभुडुगडुभकलधः भं
 भउरगडुभभकलभुडुकलिउरगडुः सुभिव्रम
 उमीनभुगुडुभगडुः सुययकल्लरिउरगडु

11

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

三火

प्रकृतं तदुत्तुविलभितं न भवतः ॥ ॥ श्रीगणेशः ॥
 देवभित्तवसे उभं कलानीनं भवतः संभवेन भित्त
 वस्तुभासमानं कवद्विद विद्वीताऽवतिष्ठुभापते
 वद्विद्विचयभा प्रोतः प्रभासुसुतैरुगुवनभगाऽव
 तमेनदुभभासाय कलकुवलनेन्यायः एगद्वि
 उल्लेकं पतययथा यस्तुवे यदुदुमुगमाठिद्वे
 यस्तुमेधुय लेकं प्रधनिकसाठि हलठिद्वे
 नेयसा यतिविमुगयेदुभयगुधवल्लठ श्री
 इदुठवसथला नियतिविद्यमेन्यापी प्रभोविगु
 इउल्लेकं मयऽवगनिलभा कताउकुसुमपरेण
 नीहृण्णगुधुः यमेनिजुगलेनैव नानाभा
 कभते भवदुउरयामपरेणैकलठतांगतः भव
 तवभनेकलु विठवाकुउल्लेकः नः एवैवमुता
 यस्तुल्लेककुमयः सुवुयदुउल्लेभा इवेककु
 निधुनः उरुभासातिउरलं वल्लु एउयदुउभा
 कलकलकिउल्लेकैवेवैवठववनुनभा ठिगठव
 भवतैगा सुधुमभा गइधुका मउवैवैद्विद्विद्व
 मउयउभमउताभा प्रकृतद्विद्वैवद्व भनगवभने
 विधुः प्रकृतद्विद्वैवद्व कलकुयवमुयः परिधेलवाः ॥
 विधुयसाधितुः भवभवउयः कताः नद्वैवभउ
 किउवेभानीरभउंगतः वधुवधुउयामउमिउम

उभयद्वये मरुत्तयेपिउरुवठवत्रेनपिगधुते ३५
 उकेवलंभयिभयिगुलिउरुग रगीरगीविलसतिवि
 रगनेभयसुति रलीपुल्लकडाचधिभुमःभंभयिवच
 उ नमपिगधुतेसंउभयउरुगः भित्तिरभित्तिउंय
 उभयिगभनेकापी यतिवैपुहभयगतिरतिविहभव
 भुनि भयिगधुतेनभलिनभयैकधरभंभयः सुलती
 वरगभयैकधुविभुलतिउभयभा यउनयगतिपुव
 उरुभयनभयतिः गतिविहउकमिपुमिनेमति
 भयउ भनेविभयुतीवउमिउमिगता नैपुल्ल
 कल्लेमतिउरुगभयगिनीमता पीरउपीरउभयि
 पतिउउभयैरगनः भुल्लेकल्लनसैधेकल्लः भय
 भयमः सुगभययिनेकवठवठवठवठवठनी नी
 यउकेवलंक्रुपिनिहंउउभयभय मिमीधनकिम
 उउमैमिपुधयैमकका सल्लभयिधिमिहउकै
 वभुभयमैरगने सुवउपिभयभुमिहउउरुक
 यधि भिभुभयिभयिउकैवभुभयमैरगने ॥
 मयवभयिमीहउपुवैधुवठगीविउः सुभयभुधि
 भयउकैवभुभयमैरगने सुउउभययधिउरु
 वनंभयिभयउ यगधियगतिवयहंकेवभुभयमै
 रगने मयैधुभयमैमयैधुभयिनिधयधु वयैर
 धुभययउकैवभु भेमीधयैभयमैभयिभयुधु
 धुभिययनभा सुउउभयिभयिउकैवभु भयभ

३५
 ३५

शुभनिधुवाङ्गुलउरुमिभधुलः कवेधुवउंयगिक्के
 वाङ्गुलः कल्लकुल्लउभेडिनियडिङ्गाधिनीयउ अप
 मधुलीयउनेनउकेवाङ्गुभाङ्गुसैरणे चसुहावा
 सुदुमसउउ७ सुनवडिना कुवननिविठधुउकेन
 मिहुममयिन सुककुल्लभउभचउउरवा
 भिन नमेभिरिधुलेकेधुयसेनदेनवउउे सिल्ल
 सैलकएधुभाङ्गुउेमिवाङ्गुः वनधाभाङ्गुवडिउ
 भवसःधरिमेउउे पवगेलकभउकुभरभरभन
 भदभा वेधुउेपिधुयउ७ धङ्गुङ्गेणभिवड्ढा मि
 विरेवकुविनराः धङ्गुलेधुगेडिगिनः कलिउः क
 ल्लभाङ्गुनीयउेएल्लरांमसाभा कभङ्गुएगडीसा
 नरा७ल्लधुधराङ्गुभः सुउमेलेवविउउेलेकभाङ्गु
 धुवल्लडि वभउेभउभाउडेभरेडुसभवड्ढेः सुभेडि
 मिउकजधुवसेउेनयडिवउउाभा सुवउङ्गनले
 कलेमनलेकिउाउेः भदधुकिउंभनङ्गुडेनविरे
 केभकनधि धरेधकएकारिधुधराङ्गुधगिधुषा
 वधुएवभापीभेधुभाङ्गुसीउल्लयापिया ७ इवधुमि
 नः कल्लवकुवन्नल्लधाडिनः भङ्गुउंकेनसहउेक
 ल्लेनएलीविउाधुपेः भचाएवन्नगेभेककुगसाभा
 सधाडिनः केधुल्लकुसाराङ्गुविमील्लएनङ्गु
 ल भङ्गीयेउेएगडिरएन्नधराभराधुलेकधुउेरिद
 उकभरिगधुवेउा सुकभधराधल्लउाउाभासक

लंयेभं कलं न कि विमर विमो धि विरुः ॥ ३३ ॥
यभ उरे भ उरे फ य उ उरे वः भाप भिं भ विमो भ
केगः ॥ ३३ ॥ भ पव कल यनु वि कल द एल भर्त्ते ल यल
व भ डि न ल डी फ ले कः ॥ ॥ वेग पु पु क र ल गे व रु
विल भ व ल न न भ भ लः ॥ ३३ ॥ सी र भः ॥ ॥ स ह
सु उ उ गि उ ग भ र भु भ ने र भ म क ए ग उ उ य न कि कि
स्ते डि उ म उ ए उ य न डि वि सु डि भ य डि मे उः व ल
ग उ क ल द उ क ल ले ले व य भ ग म र म री भ की ले
म री र के ए ल र उं भु य उ वि क य उ क व ल भ व ले कः
ए ग उ भ ग र कि द उं म री र भ री र ग नी क र उ र वि भ सु
क ल उ उ ए री वि उ म री र के ए न भु भं भ र म री र वि सु
कु भ य म य म थ क भ य डि न उं उ म उ रे य न य भ उ
ने डि ए ग उ र न ल न व भु भं न वि ए ल र क य ल
उ न ग ल भ ॥ इ भु न मी भ ग उ र भु व क ग भु गी य ल
न उ भ म उ ए उ उ र भु भे भ भ व र भु ल नि क म
म र र व क डी फ ले क म री र ने सु म नि व रु व रु क
व भु पु व ल लि उ र भु डी भु व रु उ थ क र वि वि
य ग पु र य व क डी भ क र य पी न इ भु ल उ क न न
म री र ले भी म ग य म उं क भ भ डी क य भ भ री र भ
उः री प य डि क लं भ ने भ ग ने क ल भ भु य डि ।
रु भु भ क र भु वि भ र भे कः भे भु भु र भु र भु भ ने
कि र भः भ ड ल कः भं भु डि भ क री कि र न क उ उ

३३
३३

क० ७ भक्तः उतिभउरु धरुउरुं ७ उरुं ये
 भयितेनमुगः मुगभापेकभनभुरुं येदीभिय
 भेपिभिमंउरुति मुलिधुपदउठलगरिभानमु
 उकमुमिरेवकमिउ। मियरुगसाकउमिउयेउद
 महुविमुगतिभयेडिलेकः कीडुएगमिउक
 उयेः मियगपंमहुचलेनलकीभा यधुयउरु
 उयेदवउ नउरुगहं भुलरुभक्तः मुधुउरु
 गिरिमेलडिउचरुलयाहुउरुभंभितं व भवंभ
 भायगतिभभिवेगाः भवः मियः भउउभापयउ
 भरुमुगपुपनेगवउ भुकलुउउउरुभायलं य
 उ। भवंउउत्रेधकरेरुभउयउरुगिभुविभउठनेव
 विधामयुजेविधभाभवकु भुधागउकयवयेवभा
 न रुवाकुरुनउपमरिउ। मुनेरुगवभनरु
 हुउउः कभउयभभुनमनुगठिभुयगिरुगे
 मिवभनिनीडु सेउललहुदि ॥ धिउल्लेलेविमु
 डिभगसु उकेनभंभः भूगेउरुधुनवाउभुभुदि
 ली उरुउरुकलैः मियठलैरेवसभुयेउचि
 उभुउठिउरुमिदिलेकः उभाउभनीडिविठविउ
 निकरु ॥ पदउभनेगभा ॥ एनभुएयएनर
 मुनेनएएगउरुएगयडिमउः धलनिमीलनि
 यभउउं भभेरुकासुलयंभुयति उमेवलेकः
 भविरेकलीनः भभेरुगसुडिउउरुदेरुः उउभुउ

गङ्गविहङ्गप्रविष्टुगेकंमिवसावसाने विवेकिलेक
 मुचिभापकमृगिजुकिषयेकउपैतिनिद्रमा विह
 विउसङ्गनेमभसुमभागायभठिउसुलकुभा
 भवतुपउनिभापनिघवडुवडुभायतिउतेधिभा
 इः ऊतेधिभंवविउउसुडुपैठवेरभीठिः ॥ १ ॥ सुधुन
 धुः विलेहभानाएनउरगाहंडरकुभाला ॥ २ ॥
 कुरुवे भू ॥ ३ ॥ धरुवेकधरानग ॥ ४ ॥ भैनेभनेकविउ
 यादरवि उकुसुमाधदममकुल ॥ ५ ॥ विधकुभाले
 ललडाः प्रियसु इउउउमैपगाडभैपवभमानभके
 उनिवकुठव यडुभभसडुभमानग ॥ ६ ॥ कुलउभिउ
 सुवकुरभाया भूमीधमगतिधिवकुजकुडुरिमसधति
 भेकनिवविनीध संभाभभायाभमलमलभनसु
 येउउभउडिकीध संभाभंभउजमतिकेयंभूव
 इयेवडुमकुडुगधि सुभावपानधरणधुवडेगिर
 भिरभूयभउनीति मेठेकुलमेववसाधिनधुगु
 ॥ ७ ॥ भिउः भभूडिरालरेडे सुसुभनाधरउंभूय
 उरणभुकेभउडवालिनीध भनः भनैववसाधये
 इधमेककग ॥ ८ ॥ ततिधकरः विलयउयउउकु ॥ ९ ॥
 रगसुभनेउरिकः भूमनः भनेरभाधुधुतिमेध
 यउरुविधपउयभभतिउध विधकुभभुवरणनध
 भभूमभउतेमंभुतिभुनेव कभूमसिधभुनभ
 तिमिधकभूमसिधभनः ॥ १० ॥ यमकः कभुः ॥ ११ ॥

॥
 ॥

三
火

धौतेयउपरावउपरागकिनयकुभित सुलहतेभित्ति
 विद्यंरुगतीरुगनिउरुभा नउवेसविद्यउवसंभा
 उरुलीनली गनुचनगोराकुगविपदभविपगिनी
 सुधाकुरुकुगेगरेवदभनेरभा उरुउरुलभल्लिक
 भाउवनाधनःधनः संभाउरुगनावुदुचउभउवरा
 एते मिवसमुभकउमुभमममुगविद्यसुताः म
 चंभमतिथमयाउंयभिवयमधिद्वल्लग भुदकंयय
 भायतिभुदकंययउधनः सुदुगधितउधुयान
 उेधुमगुभंभतेः उरुहंभुभायतिउरुगिनगभ
 धि मेवसुमेवउंमेउकिभिकैवविठेभिरभा उमय
 उमिरलेनगुदकानिधनःधनः सुतिवदुवविःक
 लंविनासावपिभीमते सुदुगविदुसुगदुसुभच
 वकुउएउयः नममेवउयवतिभल्लिलनीववउ
 वभा ह्यैःसभाययुरकसःधचउःभविउमिसः ।
 विनासवकवसुउउचंभंसुभुभितुनभा पनमिवउ
 वेदुहभित्तिल्लिकवसुये विनासकयकीउधुभंचे
 नीरभउंगउभा सुयउउवेमेवेउरुवगएगतिपीभ
 उः यवउउतिथमंयगतिनविनासउरुगसः भुतिम
 विपदभमयिनभकउभन रुगकुमेकेनभ
 पीभउधिनभेदितः सुमेसुहभयगतिद्वल्लमेति
 मरिमुउभा सुलंविगउवेगहंसुभाभाउवेगउभा
 उभःधकुसभल्लसंभुभाभाकसभभुल्लभा सुलंक

॥५॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यमत्रुमउउत्रुमचभासउउ
 गभा मउउनीकः ॥ यणनिभायणनिविरलनिम
 मउउगउरनीवविवउउनंभुति सुविहवउरिरे
 वरुगिहवववविनः ॥ यनभुभिरुउंयगतिनय
 मेनगभभयः यमभुमयंयथाः सचभायमिथउ
 यना देल्लगविवलिउमेधः ॥ यलः कल्लनवभितः
 मभविधभयसगविथ ककित्रगभुववनहुउथभय
 कल्लेयथाः मभयथवनथगतिः यउतिभुतिदिनभा
 उउमंभुतिभुमेहुः ॥ ॥ वेगगुभुकवल्लविरविथ
 दभभुतिथगनंनभभनः ॥ ॥ श्रीगभः ॥ ५३
 मेधमचगिमभुभकतिमेउमि भुभुगतिनेठेगसा
 भागइभुभगभिवं भुहंमगतिकेदुउंभेतिभंभग
 मंभुतिः कल्लथाकवंमेल्लगभिरभानिधलउयम
 ककिभायगतिमेल्लहंभेगल्लंयगतिउनवभा कगल्लक
 इमेगल्लनभुहंमगनमेउमि कल्लउभुविभदगग
 गिहवदिसंभुति सुभेवभाभभिकल्लल्लक
 नगवभा गल्लेहंठेगभुगहस्मिउवंनेनउभुगः नि
 भुभितुकल्लिकवरभेकनुसीलउ नगनयभ
 भेहंनंनभायगयभभमिथः नरुहयमभउसाः सा
 भुगभभनभाभक घनिरुभुभिल्लेकसुभुउउरु
 इरु सायल्लेयहुउंमेउकसंयभुगभनिकतिभा न
 किनयभभनं नगकिनयभिल्लेविउभा यमगतिभु

भिडिभुभित्तैवविगउरुभा किंभोगएनकिंकेनेकि
 भजेनकिभीदिउः सनरुवरसपेउरुपवगलिउभ
 म एनरुवलियरुपभविद्यगुउयेरुः येल
 प्रभुविभेराउं येयउउउउउभः रलिउंभनिनीले
 केरुनेभकरके। उन केभलापुनियेधेः कमलेकरि
 लयस मरुमेरुययभुभनीनमिकिउउ कुय
 सिउमिकिउयं कः किलः वसरः ठउः विधविधयवे
 धधनविधविधधपुउ एनरुपुधविधयपकमेरु
 रंविधभा नभापनिनरुः पपनिनभिरुप नवपुवः
 नरुपिउनभरां चरुयलुधुमेउभः उरुवभियस
 उरुनुचधरविमंवर वीउमेकठययभेउ भुमेध
 मिसासुभे वभनएलवलिउरुः पकठ कभरुए
 निधउरुउरुललाठीभपुधएउरुएवी उरुमेपुविनि
 धधंभेउंमंकेभुंभने भंभरुवकंउंनसविध
 भवेसभभा उंनराभीमभभीउिहवकविणनभः
 मुनेउीमंमलयेउंरेलिसिभिवनिलः उरुपुलव
 भेउरुपीवभाकयभेजिकभा मिसासुउयनिउंभ
 कमेसिउनयकभा भंभरुकरभरुडिकलएलवि
 कुधभाभे रेणयभुलभकंवरपुगभवकेभरी नी
 कंरुमयएलंभनभिभरभासुभे केनमिपुनमी
 येनकिनुउउविमंकर विहउपवेकनउभकाउंरु
 मयेनरुयभपुपडि येसभभेनेउभभनभानंनिसा

५०
 ५०

॥३॥

केनवाहवतउहंभंभगवनवीधियु गगडुधभक
 रैगठिगधुव विहुउयः कसंरुडैववणपेडुभंभग
 ३५५मरिः कसंरुवीवैगडैधडिउधिनगहुउ
 धवकेधगेउनेवरभेनरभसालिन यभगद्विल्ल
 गहभिवृवकगद्विपंविन नभुतिःभभुवहैध
 डिउधुमलपयध गगडुधविनिमुडाभापदःप
 विवलिउ कभाल्लिहकलीनवसिापनभीरुभडि
 य भनेभननभानिहःभउयकुवनइये कयेयुकि
 विननगभुहुउउभलभउभाः सुवकगवडैयुहुकः
 पंनयगडिभेयय सुववहवकगधुहुउउंगडिभु
 भाभा उहुसंकेनवाकिंवाकउभुभमेउभा प्रचेयने
 डिविपुंभंभधवनेभनः यधुपनभभुगवभ
 धभेकनिवाउये कृदिभेभपवेयेनयुयंनिमुःप
 उंगडः सुववउगुमीशुहुहुजिहदिनविहुउ नयु
 डिभधवाकसिदिहुभनभधिभुगभा सुयंम
 वनमप्रेभिउं विपुनिभउभाभा उहकंहुभवेक
 निरुहुगउंगडः नैठेहनाधिवपुधुनकंधयिमय
 धुगभा कुरेभिनकंधयपंभनननसनादिकभा
 नमडिधुभिकहैधभभपुधुपदुसाभम नकिपु
 ठिवपुभिकेहगगहुउभने केवलंविगडामं
 निमंभेगउभउरः भेनभेवेकडिधुभिलिधिकम
 धिवगडिउः सुवउभेभभुहभभुभेधुभभंविम
 भा

व.
 २.

भविवेसंहरभीभवनं मेहनभकभा नदभभुन
 भवेतः सभुभुभेदमीधवग भवभेवथरिष्टुह
 एभीसंकलेवरभा ॥ इदुठवन्नभलसीउकठठिग
 भिरभेभदउरविवेकविकभिमेटः कुंहीठवधु
 उभदउंभननंकेकरवमुभवसगमिवनीलकः ॥
 वरगुधुकरलेगधवधुधेनभभनः ॥ ३० ॥ श्री
 कल्मीकिः ॥ कपदेवंभनेभेद विनिवृत्तिकरं वमः
 गभेरणीवधुद्वेगभिनुरलकुभगके भवेवकुव
 भुउभु विभयेदुल्लेभनः पउधुगदेदकेदनि
 रः भुउभवेदुउः विरभवाभनगधभुमभभुठवव
 भनः भुउभभभउभेपिषीमिविलुलिउडव उ
 गिरिभभकदुभुउमुमिहदिउगिव भंमुताः सगके
 गउगनदधभिभीवैः वभिधुविभुभिहृमुनिठिः
 भंसाभिभुउः रणयनुधुधुभुभोयेमत्रिठिमउके
 विद्वैः कथेदमसगधुहैः भेगैः धगसवगमिठिः भ
 भेउगणपुइमइकलेमुकवमिठिः उमकुहभ
 उमभद्वैः उमभमिठिः क्रीमुभगेनभवेभुगद
 नउमचलेः केभहपुभोयेमवनिरुवगउयनभि
 उः भंसाउमुधुगवेवभदेवचनिउगलेः उहून
 वल्लीनिलेयविरुनिलेयैरधि मुद्रावधुभउठिठि
 विद्वैगि- कपदेवः भिहृउठम्वैवउमगवुच
 किउरैः नगमसभपुलकधुभोयेमनिधुद्वैः सहे

॥

सुमेवमेवमविष्टपरमैरगैः गभस्तुविमिष्ट
 गभैरैरगगिरगुताः सद्युष्टीभिः उवतिगभ
 गणीवलेमाने उभिः प्रकलकसमसमदुससि
 भक्तैः भापुवगगिरगभाचं भिक्तुभाजसभीगिता वि
 उनकसमभैष्टैः प्रभयभिः प्रभउरु भक्तैः कैस
 विस्तुतुभक्तुनुनगिनी भपुगभैमभैमदभ
 मिउनेमभानवा हेभवउविनुत्रेवउरकां पर
 भद्रा धतिउवपरापीं भनभ्रीरुभिउमुल वाधि
 पुकसमने धलववलिगिवमुता दैष्टुद्वीनिधि
 पुनभीगितेवधभद्रा किमवाधिरिवैमरा भक्त
 नमयेधभा तिकुवीरमिभभलेवकीरिमी लुमि
 वउतिः किङ्कुलभैमवलिता इमकुल कसधकु
 भीकुगगयमभैरु भपुगनिलेमेलिता प्रभभक्त
 उकहुल भभक्तैर्वैकुल प्रभउरु वल्लय वल्ल
 उवल्लयल्लय सधगिता पुनगभगा रुकुगनम
 इग उकुवीरपुगवमुहु वरनगीविलेकिता निर
 ईदलभैरु सहेभवाधिरुनकुल सद्युष्टप्रच
 सचधुल नधुलनिभय सद्युष्टप्रचभिष्टैथ
 कुरैकुभभीगिता सभद्रउम उरुगे प्रभयभिः
 प्रभउरु सधगिता भक्तैके सउरुभभवदल
 उभाभिकुग ललपगकुमुव प्रभभद्रः पुक
 लंभिष्टुभेनभक्तुभाकुठितेदिवभा सधचभक्तु

वे.
 २.

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

三

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

५०

भने कसंभप्रसभंयगि कियकुष्टकमेडिस ५ डिभमुन
भनिन' सुमेनगीपलभयुरे यषचरुभलं भुंजं वज्रं
विमिडाइन सुष्टुभिधुं प्रचभे ररुभिष्टुडि ३: ५
मुकः सुष्टुयवकु नवकुं वकुमवुड सुमेधिठगरवकु
भुष्टुकिधुयभीकु सभा भुष्टुयमभुनः भुंनं फंरुन
भितुडुडुः एनकेनभकु धाले विष्टुवभपउले यष
वेष्टुभेवेष्टुं भकु चभर्वभुमि भिष्टुजः मुकः भुय
भुमेवेचभपउलभा विष्टुननगंभी भुयएनकेनकिधो
लिउंभा सुवेमिउंभेयभुकि लनकयभफकुने इवि
सुभभेउरए कुकेरु भिउवनिडि लिष्टुभाउं सुकु
सवभुभेवेष्टुय एनकु भुंभी भुमि
नष्टुभि उडुः भुवेसयभभएनकः मुकभइनभा इष्ट
ननिमभभुवउं ववभभकुनः सुषभुवेसयभभए
नकेडः भुं सुकुभा एनकु सुउउवमिडिमभुमिननि
उभा उंनकुकिकु उकिठे एनेठेभभकुयः एनकेल
नयभभभुकंसमिमभभनभा उंठेगभुष्टुः ए
निष्टुभभुष्टु उननः नएकुभकुधर्वनेवकुभी ० भि
वमलभा केवलंभमभभुं भेनीभमिउभानमः सु
डिष्टुभभभुकः भभुल ५ वमकुभः धरिष्टुउधुठवंउं सु
कंभएनकेनयः सुनीयभमिउं नभर्वलेकुननभक
निः सभिउएगकु हभुभुगियलभनेरष किभीभुउंवे
इष्टुभभभुगभभकउभा ॥ सीसुकः ॥ भंभभभभुमि

३५

वविमृतिंभमपेक्षते गभवृद्धिः सरलक्ष्मीः एतलविमृ
 भलंयस्य मरुभूमिउविमृतेरुभ्यवसुभक्तपुनः य
 तिकषयउसीभमृभिधुठगवन्नयभा रभ्यलभवे
 भवेभंभुःकलपुनःभम भवस्तुःभवमजीयशिक
 लभममृजनः वमिधुठगवन्नचं कश्चिद्वरभियद्वय
 भा मुवेयेचेरसापुनंमुयेभमभक्तपुनभा निधेपाद
 मनीनंगभमर्नीभरभमडुले उधमिधुठगवतापुनंभ
 मृदुवतत येनयुक्तिभउडुदु पुनेनेयंदिवाभन
 संभवेनुनभायतिसंभंमुमेवठभेउ उदेवसक्तिभस्तु
 यंरभयपुनिवाभिन वृद्धुपधिसामुदंयेनविमृ
 तिमृति कसजनमृनेवधमभेदिगउकिस्त्रिधः निम
 लेभजेवतुभयउनेवविधुति उदुनेभमसाभुउउ
 हृमुभापमिउभा भविधायविरजैयभर्गेयमुधमिष्ट
 उ मुमिधायविरजाययकिस्त्रिधपमिमुते उदुयउ
 भविउदंगेद्वीरिंमुयउविव वीउगगठयवेयानिभभा
 गलिउनभः वमतिइमसाय उउउविमृभुडीकपीः
 इद्वेजेगपीभुइ हभनंरमपुचकः भनयभेउभवे
 जंभायभमिधुधरणयन ममेवमभक्तउएगपुंथवे
 हवमिउः वृद्धववृद्धः भुइवमिधुठगवन्नयनिः भने
 यममिसमिभेउमविधुंकरेभुदभा कःभमउःभमउदि
 भउंलदुयिउवमः मंदिदिरगपुइलं गभमीनंभ
 नभुमः पुनेनभनयभुमीधेनेवनिसगुभः भवभु

म. २. ५. ५.
 ९ ३

॥ ५३ ॥ उं सचं भं सगुरुमसात्रये निधयन्ति भुगभित्तं य
 सुनें थरुणान्न ॥ **वाल्मीकिः** ॥ ५३ ॥ निगमितक
 नर्भभक्तुपरिकुववृणकीउवकुतेः सकुष
 यमिभमस्तुतेथसात्रेथभभक्तुविषेपनंरभिधुः ॥
भभद्रवदरभुकर ॥ विष्णुभिडुवाहंनभभक्तः ॥ ३॥
मीवभिधुः ॥ प्रवभक्तुवतायसुनें थरुणान्न
 भक्तुलेकसात्रुं उमिंरुषयधुधमा ॥ **मीर**
भः ॥ कषयिधुभिविभीलं ठगरवन्नेद्रभं फिताभ
 उभंउवदु ॥ उं भं सचं भं निरागय धितुमुकुसुम
 चरुं गुरुभेभक्तुभतिः विमलभक्तिनकुषं कषं भ
 कः भउधुमः ॥ **वभिधुः** ॥ भभक्तुभक्तुसात्रुधिरा
 डिमरेवः ॥ उं उं उं उं लीनयेनभक्तुभभयतिउ
 वउभानेमयाः भतिइलेकुग ॥ केरायः सद्रुतेउम
 भक्तु उं नैवकामनेकेनमिडा ठविधुतः भभक्तुयेरा
 गद्रुनउगद्रुकः येमताचरिभक्तु उं भक्तुयेवनवि
 द्रुते ॥ **मीरभः** ॥ यद्रुतायठविधुतेरागद्रुनथ
 उभक्तुः उं भं विमलं ॥ युजं वउभानभक्तुकष ॥
मीवभिधुः ॥ उं उं उं उं भभक्तुयेरागद्रुनथ
 भिन्नवभुमेसभे उं मेवमं भुधुति सुतिरफिकुन
 भक्तुः भक्तुयेवरागद्रुयभा हेभिमिडुसरीर ॥ हे
 भक्तुउकवदुः ॥ उं भक्तुभक्तुयेरागद्रुनथ
 केरायः उं उं उं उं भभक्तुयेरागद्रुनथ

सक ॥

म.
 ह.
 ७

धृति भाष्यवृत्तल्लेखसूत्रं मादं मेति वक्षुदभा
 दूमे ७ धृभनगिउं हृमभृदुउकमः ॥ मंलहृ
 उवउरीयं मममेसीउमजिनः मृकुभवृभवल्की
 किपुजवयभनेकमः मृकुभवयभवेभनना
 कणः मभमसयः ठहृमभृधुनेनेकनउवग
 धृकंधनः कुयेथिकगउं नभमृउिदमंकगिधृति
 कइवेमविकगं मनीइनेनकुलं भृषभा इद्रुदं
 मउउः कइठहृवेमेदभेति ७ सीउमेकठयः
 मउेनिचा ७ गउकलनः रगीवदुकिरिउभन
 हृमेयभितिवलिउः विउववृवयः कइविहृवि
 हृनेमेधुउः मभगनिमउिउउनिकुममिउेवउ
 निउ कगिइजमउेभृनिठवउिनठवउिवा क
 ममिदधिभयेयभितुभउचिवलिउ गहृगीयंवि
 पदभंउुगिउउधरभृग सीएगमिगिरा ७ धृ
 धृभनः धनः धनः उनेवभविदेसनउमउेनधनः
 धनः भवाकरः भृवउउउरः कलवविपेः ॥
 मुसुभृउकः ७ ७ विकलः धृधमभयः
 धरभमभृउउधृधृउिविहृविरवरः ॥
 भृभृहृवकभृकुरल कुयेकुयेभननठवनंन
 भमनः ॥ ३ ॥ सीवमिधुः ॥ भृभृभृउउरः ७
 लिलधृधृउयमे भमेव ७ उममेदं भमेदं
 विभृउउ भमेदवभृमेदव भृउउविभयेनव

३५

कश्चिमेवेदगउच्चुवमुलउभा भुक्तनेमैदिकंमे
 त्रिद्विपेविद्विधेभभा भुक्तनेमुनेनसुभुभा
 ऊनलीयते यत्रवद्विद्वरुहमेःभुक्तैकदमभवि
 उः भवेधेनिगीदुते केवभुक्तैकधीकषा मभुनिय
 त्रिधेभभा परभा भुक्तधुभुक्तधुयभुता मभिम
 उल्लरुगभित्तुवतिनिभातुमभुनऊय कष्टंमि
 सुयभभुक्तः भित्तुवसभुंभेदसायंसनैरुल्लगुनि
 भीदित्तुकमल्लक मभमभविभुक्तः कष्टंमिद्व
 ल्लगसिधवउभरुधीभानुगल्लकउ कष्टंमिउभंवि
 ठगकरल्लधुनीनभुनीरुवेग ॥ ॥ भभभुव
 दगभुक्तल्लभेभभाभुभभांनभमभनः ॥ ८ ॥
 मीवभभुः ॥ भुक्तित्तुवभुभभांयभभाभुंविद्वरि
 लभा भुक्तवल्लेभभाभभांनीभचकभलभा
 भनभाभभुक्तुय उयभभाभुंनकभल सभाभु
 भउलीलभाभेभनीनभभांनी यभभाभेउतेवेन
 उभउनभुभुयते भकभेवतिवभुभुभुतिगिऊनरे
 वभका उभभुंभाभुंमेतिद्विपेधेभभाभभा
 उभभुभनऊय परभाऊयभाभुभा भेदु
 विवयुभेउभुभभाभभाभभाभे सुदीयभभुमीय
 सुभयद्वित्तुलभुयः भनः भभुयउभाभुभा
 भिधेभभाभ भनः भभुल्लवउउभुयंभुभभा
 परधेभभाभभित्तुभुभभाभुभुल्लयन सुभेनभु

ॐ नमः
शुभं शुभं
ॐ नमः

野

[illegible]

उद्धृजमेतेमेतभिन्नप्रथममभके भुक्तेः भूकल्पि
 उंमेवेभद्वैभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः
 लिउंमेवेगं हृष्टनीमधुयतेतिमेकंभद्रिययायसा
 सहेवंभुजनीउभद्वैभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः
 मधुयंगेकभमेवयद्वैभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः
 केनिभद्वैभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः
 कल्पवलाभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः
 यमुक्तमयभेकभभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः
 सपमेद्वैभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः
 गतिनेयभेतिमिउभद्वैभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः
 हेवभेकभद्वैभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः
 हे नेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः
 नभद्वैभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः
 रिउभद्वैभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः
 एनभेवनेभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः
 हेद्वैभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः
 वेगंभेवनेभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः
 मधुयंगेकभभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः
 सीवभिभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः
 उभा उभद्वैभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः
 केवभेकभभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः
 किवाभिभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः निहंभुक्तेयंगतः

म.
 पु.
 ३

उपमभजकभोगनसयलुविदिधः भंविदुनेभनः
भनऽदियभनपवम पतनिधकधजसुपुपुहः
कलेमयः यमभंवेमनंमतेभुषातुः भनमसुति उ
मैवकायसुलति उमैवकलकेकुता सुवगुमेउंवि
हंयउउयमाउमा मैवउनकुमिमा सुंभेउययिथे
कथभा भनभजेनमेवेमगुमेधवाकस्यतिः सैवेमेउ
दुगुगतांभुभजेनमभितुः मैवमविदुः पतुम
भिमपेनेरेउभाः भेकभेल्लवयउनयतामेवेउउल
उभा भनउविठवाकुयेननकुदभभासुयाः भे
कभेल्लवेमेभननकातिमितांताः कवाकवाभन
मुभमसाभविपिपामुम सुभेकभवसादेवविठउकु
सउयः सभुउेगुगउमैवभउमैतिरिभितु भचउभ
कभउभनमेवभककमान सुमुकेभुभभाविभुंमुकेभु
ववउगयेग यउनमिउभितुभचसभुभभदः य
मुयेयमाउंमयमभायविवस्तिउभा उउममयउ
नभरेतिगुगवः भितुः यमयमपुयउमेकलभासु
उमउमा उहकेभेकभामेवकलकाउउमेवः भेक
भासुउेभितुः भेकभंपीभतांभुंमः कलेउेभुउले
केमसातुरगभाभितुः मैवभासुभनभउंमः पयेल्ल
ववतिभु उहकापुभापत्रिहंभभाः भेकभः भुंमः के
ऊउधतिनकेकुगनुगमुतिनेगतिः वजवतिउमव
ऊभेकभंभकलेभुभा भेकभेल्लमरुतेहः भदुहः
भवहयः भभउरुयउननउभकउयानय येयेयमा

७०
५५
७

मननभसतः ॥ ॥ श्रीवशिष्ठः ॥ ननुतिप्रमकम्
मिनभसमनभगवतः उचिष्टाष्टनवैष्टेयं मैवनाभसि
भष्टे भक्तमल्लसंभ्राभिमभिष्टुभिर्तीकयः गिरभ्रा
मैवनाष्टेयः प्रभिष्टिंभभभगवतः उचिष्टाष्टनवैष्टेयं
वभसिर्गिनिष्टयः सुतुष्टववैष्टेयनरुष्टविवष्टाष्टनभः
रुभनीष्टभुष्टाष्टिर्मेष्टंभद्रिष्टयष्टाष्टयष्ट सुष्टेष्टंभुष्टने
उभ्राष्टुष्टाष्टकहृष्टाष्टव भ्राष्टनभानभभिष्टुंमैवयष्टाष्टि
रुष्टतेः मैवभ्राष्टेष्टुभवेष्टिविष्टाष्टनभवेष्टे मैवभवे
रुष्टेष्टुष्टभः किंभिवमेष्टुष्टाष्टनभानभसनभगवतंमैव
भवेष्टिष्टिष्टि किंभिवमेष्टुष्टाष्टनभानभसनभगवतंमैव
भ्राष्टाष्टेष्टुमैवनेकिंभिवमेष्टुष्टाष्टनभानभसनभगवतंमैव
रुष्टाष्टिष्टुष्टमिवतंविनभ्राष्टाष्टल्लसंभ्राभिमभिष्टुंमैव
वनिष्टाष्टकम् नभ्राष्टेष्टुमैवनेभ्राष्टुष्टभक्तुष्टाष्टनभ
मीनीष्टाष्टमैवनेभ्राष्टुष्टभक्तिष्टुष्टाष्टनभ भनिष्टाष्टिष्टुष्टाष्टनभ
वनेष्टाष्टाष्टयष्ट सुष्टेष्टाष्टल्लकिंभिवमेष्टुष्टाष्टनभमभसु
रुष्टाष्टाष्टिष्टुष्टाष्टनभमैवनेभ्राष्टुष्टाष्टनभमैवनेभ्राष्टुष्टाष्टनभ
भ्राष्टाष्टनभमैवनेभ्राष्टुष्टाष्टनभमैवनेभ्राष्टुष्टाष्टनभ
वभभ्रष्टाष्टनभमैवनेभ्राष्टुष्टाष्टनभमैवनेभ्राष्टुष्टाष्टनभ
येष्टाष्टाष्टनभमैवनेभ्राष्टुष्टाष्टनभमैवनेभ्राष्टुष्टाष्टनभ
वभभ्रष्टाष्टनभमैवनेभ्राष्टुष्टाष्टनभमैवनेभ्राष्टुष्टाष्टनभ
उभ्राष्टाष्टनभमैवनेभ्राष्टुष्टाष्टनभमैवनेभ्राष्टुष्टाष्टनभ
ल्लिष्टंमैवनेभ्राष्टुष्टाष्टनभमैवनेभ्राष्टुष्टाष्टनभ

३०
३०
००

2

वंनभीतिनिष्ठयः एकमेवमेवैतदेवप्रयउतेतिउता
 उनंउरुवप्रेतिधडावनमेवः भनस्त्रिउंरमनामक
 ममेवंभनिष्ठयः रामभुनिष्ठयस्त्रैः भंष्टुमादिम
 कृतः एवंनभदिभुमभेष्टुलवनयययय निहं
 यउतेरमठलभाप्रेष्टुलंउय एवंभुमभकपुंभव
 मेवरप्रष्टुल भुष्टुनेउरेल्लकउभुष्टुसुठुमे ॥
 मीरमः ॥ भुष्टुनेवभनएलंनियेएलपतिभंयय
 भुनेउमेवतिभुभिमठपलः किंकरेष्टुलभा ॥ मीरमि
 धुः ॥ भुष्टुनेवदिदेरभभुधः भुष्टुभिसासुउभा भध
 यंउभनीउनेभेकभेलेवनपुष्टु विविपेवभनपुष्टुः
 सुठुसुवसुठुसुउ भुष्टुनेविष्टुउभभुष्टुयेकउवेयय
 वभनेभेनसुठुनउमेमहुनीयमे पुष्टुमे सुठुनेव
 धंभुष्टुभिसासुउभा सुष्टुगमसुठुठुवेभुंयेरायति
 भक्रे भुष्टुनभुमभेयउल्लेउष्टुठुवउतलं भुष्टु
 मेउनभंउंनमेठभुंएल्लुष्टुः उमेवमेउभुनेनमे
 उंउंवेवविष्टुमे सुष्टुभुंमेउयतिमेउष्टुभुभतिकेधः
 कभभंमेउयेउभुमनवभुनवभुवी सुठुसुठुं
 भनहं वरुनीवभनभरिउ धेकभे भुष्टुनेयेरा
 नीयसुठुधधि सुष्टुठुभभभविष्टु सुठुमेववउर
 येउ भभनः भुमभेनवलेनवलिनां वर सुष्टु
 सुलिउंयति सुठुउभुधपीउता एंउेस्त्रिउंउभसु
 वउभउष्टुलयेकुलता भभउभभुनेनसुनसु

भ.
 ह. ५.
 ००

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

दुर्गनिर्भरसभा धीरुमेलेन्द्रियः सुसंयतुमभुतं
 नयः सकभुतमभिहृजं प्रकथय कलप्रसभा भेदोपा
 यमयवीवहोभंदितां सारभाभिहृतां सभननूक
 यनुभुक्तुभं सारयाडनभा मभुलसभसंतेभवा
 मयेरुगयगपिया मयचाधरवहृकुविमगरविधया
 स्यतां मनः सभरसंज्ञाभानुभवानभापुनि भापुः
 पद्मयकंभननैकभयनभा भेदोपायभिउरुभ
 वहाभा भिमंसा ॥ इभंभेदकसंभुद भवभवेचि
 देकिरिः थंयभुभिनिदुः थंयइनमिनविहृते इरु
 भुजंभरकलेवृद्धं थभेभुन भवदुः पद्मयकं
 थभभुभनं पियः ॥ मीरुभः ॥ केनेकेकगलनेमं
 वृद्धनुचभयभुव कसंमरुवता भुभेभुदभयभेवि
 हे ॥ वभिधुः ॥ सभुननुविलभपु भवगः भवसं
 मयः सिमकमेदिनसुदुभमीथः भववसुभ भन
 भनभभकगउतेविभुगएयउ भुभभनरभाप्रल
 डरगः भागगमित भभेककलिकडुभिमिगुलपु
 मयभुयउ उरककभरवतः थभेभुदएयउ व
 मवेमउमेवेसभुनिभलभगलितां मभएडुव
 लंभनं विकल्पोथंयभनः एभुद्वीथभुकेलमि
 चैयकगउनभनि भभसलएनंभैरुपिहृपिथरि
 भुतां कवकवविधल्लुजभुदउभंभउरुभा म
 तेभिभुउरुगीनभपुयनकंभभा एनभुउभुदः

भ.
 ह. ५.
 ०३

A close-up photograph of a textured, light-colored surface, possibly a piece of paper or fabric, showing several dark, irregular spots or stains. The spots are dark grey or black, with some appearing as small, distinct dots and others as larger, more diffuse patches. The background is a mottled, off-white or light beige color with a visible grain.

३५

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

कंठे एन पठे एने मा च्छु लने न्द्राय इन्द्र नि संभूय उ नि
 विषय जंभ की कुरभा म्भु उं भंभूय उ नि कु उ नि
 इ वि कु रिमः उ उ यं वि न कु भंभी पाल यि उं उ भ
 उ सुभभ ज भूय उः पूरु ठिः भ क सी न उ भ उ भं
 मै वृ धने म जं भ भू मा धि रू भय म उ उ भ म मि ठिः भू
 क भ क ई ए न रु भू यः अष्ट पृ वि कु उ ने यं प्र चं ग ए
 भ व लि उ उ म न भू भ उ लि क र ए वि कु इ म क उ र
 ए वि कु र ए गु ह भ पृ रू कृ म उ भ भ ए इ र ग थ
 व र ए नः थ रं नि कुः य उं ग उः च स र ए भू उ उ भ व
 रु भ भ ल की उ भ सु भ म म स र स भू म ए उ इ भ मि क
 र्ने उ व म ग उ भ भ त्र भि म उ उं भ न भि थ व न भ नि त्रि
 भि उ भि मं य क वै र ए भ गि भ म न भू च सु व दि रु स भ
 भ गे र धि वि दे कि नः नि भि उ प्र चं र ए य उ र भ र
 ए भ भ इ मं इ प्र च भू उं म भ कृ र कं भ उ भ उ र नि
 भि उं वै र एं भ गि कं भ वि दे क ए भ वी रु उं वि भ भं रु
 सु के न भ न वि र ए उं म उं उ उ भ वै र एं वि दे क ये व
 ए यं उ उ भ क उं भ क भू ए वि दे के न वि ने व दि वे
 र एं ए य उं ये धं उ भ भ ल भ न भः भ वि दे क म भ कृ
 र थ र भ च वि र उ य र ए उ दि पि य ए उ इ वे व न
 भ ल य थ र भ भ वि दे के न सं भ र र म न भि भ भ
 वि र गं ये पि ग सु ति उ भ भ भू र भः भ वि दे क व म
 मे व वि म दे मं थ नः थ नः इ न्द्र ए लं भ वि उं भ व रू

५.
 ५.५.
 ०५

कुतुबं वलगा। मम मनभापदं म्हेतुं म्भुकेन विगृह
 उ उहृगुं पं सुयः धृतेयमठि एयते चकति भविग
 गहं भकतु भलभा गतः येगी भिष्टुन भगवतु वीर
 सुवभं भुलभा भुभयभुभमसभुनभसुधभभु
 नः इह मभु सुव सुवि विवेक भनयवति द्वि
 र्भो भकतु उपभा नियमेन म मनेन जीजयतु कि
 विरकल विवेकिउः रुधुते म्भयभा धत्रे धभभजे
 विवेमने ककतलीयये नन सुहिलतेः भुवतुते ॥
 द्विधभभु वरुले म्भु कडिठिगम्भुतः रुभडीक
 एनयवत्र धभु डिधं धभभा यमभुतभिमं म्भु
 भंभगं उन्मीपियभा धरिहृधं यगति निरलन
 गण्डव विधमेयभनते रुभभंभगभंभगतिः
 मेरुधुभकतुतु चिनष्टुनं नधभुति पुनयुति
 भवेनैवभंभगतिं भुभुभभा भरुपियभभडील
 नेते म्भुभुद रुभिमंभुनयुतिं रुंभंभगभेपिउ
 रिल्लीभा म्भुधभुचकिउे रुभुनिहृवकिउयनय
 यभभनतुभंभगभुगते रुः यगीउयः शिरयभुतु
 रुतेउ विनभुतिभरिभु म सीउयतुतुधमीनिहृ
 रुः यनिगभ्यव पुनयुतिं विनकेन भहृतं यगतिभा
 यधु सुधतुतिभुतिधं यमकलं रुकतिम रुः यमि
 उ नंभुभं रुंभुभमिभियगडव भुलं विष्टुविष्टु
 नंभुभंभनभापयः नमरुतिवने रुंभुभमिभिसि

मं.
सु. मं.
०५

भनैदिमथलंगमसंभारवनभकुरभा संवेष्टुहृदि
 यत्रेनमुत्तुहृथभजगीः सुविवेकिनभसुनभम
 लूनगतिरेनभा सिरेदुवउरंजहुधुएनीयादिभा
 पवः निहंमलूनसंथकृद्विवेकउधायउ विवे
 कथामथमुत्तुहृगभेदीकलेभुत्तु भेदीदुवउरंज
 लसुदुवःपरिकीडितः सभेदियगःभुत्तुभेदी(उत्तुः
 भापुभसुभः पित्तुभेदीःधुयत्रेनगहृवेष्टुईयेमक
 सुगभसुएयत्तुभेदीदुवउरंजहुधुएनीयादिभा
 भवयत्रेनधुएयत्तुभेदीदुवउरंजहुधुएनीयादिभा
 गयत्रिमहृवेष्टुईयेमकः भविवेकेदिमभुत्तु
 नष्टउधमिहृत्तुः कएएनंमुधलुकरंरुक्कुरमुएभा
 भिव धनउधमयउंकिधुएभाभुभेदीभाभा या
 डिउवउरंजभधुएयत्तुभेदीदुवउरंजहुधुएनीयादिभा
 भेदीदुवउरंजभधुएयत्तुभेदीदुवउरंजहुधुएनीयादिभा
 उःभुत्तुःधुयत्रेनगहृवेष्टुईयेमकः भविवेकेदिमभुत्तु
 उःभुत्तुःधुयत्रेनगहृवेष्टुईयेमकः भविवेकेदिमभुत्तु
 निधम वेगुहृभेदीगनसभभेदीदुवउरंजहुधुएनीयादिभा
 इहंभुत्तुगभयइनमेनविहृत्तु सभुःभलूनसं
 धुधुधुधुःधुधुधुधुः सुईसंभारभुत्तुभेदीदुवउरंजहुधुएनीयादिभा
 कठिववयउं संभारविधवद्वेष्टुसकभभदभाय
 मभा सुलूनभेदीयाभित्तुभेदीदुवउरंजहुधुएनीयादिभा
 पित्तुभेदीःधुयत्रेनगहृवेष्टुईयेमकः भविवेकेदिमभुत्तु

५.
६. ५.

हुमेउमः उममुंमंभउंभापुस्त्रिउंमैयुंमदेउकः
 धगभूपुविल्लीयउंभवभननयउयः कल्पउपू
 गलभपुल्लसैलसिल्लडव रुःभकगभसंभा
 रविभवेसविधुमिक येगगाकुरुभउंभावनन
 भसभुति ॥ भसयेगः भरणननभकसाभउ
 विमगगुभभाजल्लनभउंलहुतापव सुवसुभिक
 विमगेउंमकल्लरुःयधगिकयेठवतीडिभनुहभा
 नउंविमगगुभधुयेवकल्लयपुहुहुः विमगवस
 उःधुमभेभकल्लभिरुभापिथाकुरुभदेइमभि
 वधगिभकुं धगिहृष्टविगउंहुहुंसीउल्लउकुरु
 नविनेरुडवरागगुपिल्लभल्लेहउंमधुयसनव
 उं सुमभुयसनवउंकिथरुःयभिमंविधुभेहउं
 उंमंभभगवेगकेगीवरुसति सुभिरिवस्त्रिउं
 मरुडववेययति रहुगिववेधुयति धवकुरुवमरु
 डि गडिविवनुयति सुमकिउंधरिधतिउधुमधभा
 भाहुवविधुमीकवेति रुगतिभुल्लनसयति ॥
 किउंभपुयति भेकुरुकुयेइधुयएल्लगीकुरे
 डि नउमभुधुःयंकिहृष्टभगेयवपेति रुगने
 यंकिल्लविधुयविधुभविधुमिकयमिनमिकिउ
 उ उरुगतिउंनरकनगरकल्लनुवविनीउउंकेरुति
 यउमिउगभिसउधल्लउल्लउंनभगिसोकेकि
 भावसकेहृष्टविकउंनमरुनमरुकरुमनपुल्लह

उतः परियेधेधुपरिभालनभनंरुतानलदुलवि
मल्लिउमाभननगमनिकरनिधउनिमप्यविनेमे
पगगपदसीकरवदुलंमिरुमुःभापनिदुभ
कीकरलंभाएवभदुभननधमयः उमेवविपेक
धुमेधुभनधुभनकलेभंभाभसाधलपत्रेभिभ
नुप्यवनवकेलेकउह सुवधुभिदंदिधिमर
भीयमेवंमाववेदुहंयधकिलभिविसगमुये
कभिरिगिउ महेधु रप्यजलेने यमिमेउभनउ
भनेयेभनद्वयधुविधुएगएनधु कयमेनवधु
पिउमगीगभुदुधभनःपदभा नुधिरुःपभवी
उभेवाउधचकंभंभाकमउनभनरुवतःभउभ
वधमिउभनभाभिवुति॥ इरुकि विरुउकवि
गउविकल्दविधुवयधभकिउरुकिरुधमएरु
यः नरेउभाःभभपिगउरुमीधकभुधभकिउरुग
उिविवदुवदुयः॥ उमम॥ धरिद्वीलभेकेलगति
मधनेदुनएललेधेरिदुउउभभपिगउभुदुह
किभउ विमदुहभरंगलिउवधुधैभनभउचि
यामधुउउरुभलभनंएगउभिमभा महेधुग
धव धुमेवमिउउरुमिभविठवेवज्जतिधरभभा
ठंगीदुउधुगियलकलनरुधुधुधरः समंयउी
धुउकुरलभनधुकिउभंपियामधुउउरुभल
भनंएगउभिमभा महेधु रमःभरिरेकेधुउ

ध.
ह. ५.
०१

५०
६०
७३

सुगतेषु सुभुजगभुसालिषु द्विधुभिर्भुयेषु रुज
 वैठगेठेगिषु उघात्रिभुजभाभुनंरुः। यामुः। यंठया
 रुयभा नरकात्रकंअरुभेठभजुवभुयः धरभर
 विनमिरेसुयभेनकमभान भायमुः। यमसिरभउदि
 इभरठरु येविरठभरठरुनः भविरठभरठरुसः
 भुमभा विठिउत्रुवुर्गभेठैकठगिनः विवकंभर
 भासिरेवगुठभयिगउः भंभरभरिउंभरभिभा
 भाभरभउरुग। नभभुहं उभंभरभायभिरुविरुन
 उ विभभठनभंभेठमयिनीधुविरुकिन भंभरभि
 भभाभाभुयभिभुहवठैलया इगलिउभुयकभेठैठै
 उउलभुभेठै यभुभुननिवउतुयभभभुनमेठै
 उभुभेठैभुभीलठभभुवठनभंसयः नभभुभउदिम
 उभुभेठैः केठवउंठेठै। सुभिमेउभुभुलीठविभुभ
 ठवठवउं भुवउिः भुभभभुठभेठैधायविमपल
 यभठवठभुउरुभेठैठगीभभुउ सुनधायिनिग
 सठंभभुविगउविभभभा नविनकेवलीठवंविठ
 उठुवनइये उभुभुभुउभभुभुनल्लेसभुयभुउ न
 भिभुभुभुउचउिनपननिनवभुवः नरुभुभय
 लनेनभेसभुभुभुभुः ल्लेसभिसयभभुवनीगय
 उनभुयः भुभभुउरुभभुनवभनेरुठरुठम ७ के
 वलंउभेभभुभेठैनभभुउथभभा विवकभभुभ
 भुउदिमभेठैभुनिसयभा इगउरुः। यमलनिन

३०० उग्रवपुते भापमेवमनञ्जन उद्विग्नयतः श्रुय
 भा नमिष्टुतेथरंभुपुनमकुप्येकिण्यते उग्रमभुभाप
 भाभीमभुंभापवेविकुः उग्रनुभनिःधुंभुभाप
 रभायनभा कयिष्टुचकवन्नंभुनभानुधुयेधुयेः
 भायनभुवभलिलेभागदधुधिवेउयेः मीभनेरय
 सिनुःसभमभुधमग्नः मुननुसभमभुगःभुभम
 ननुभुपुते रगीवउगमुतामेवकुभउपउताउम रक
 भाभनेवेनधिमवेनधुमभेभ भनःभुसभनेकुतेउ
 दधुधभंभापभा विकगभिमभधुधुविवेकेभुतेः
 केलभा हवकगभेभधिकदहवभभिवताः क
 चेनेवभुभुननेरुतेनमवपुते भनःभुसभुभटभु
 विसुनुंगउविकुभभा मनीकविगउकीधुनकिव
 सुतिनेरुति भेदधुवेधुगभलनिभाभुययम
 कुभभा यभाभेकउभमभुभेदधुवेधुविभुते कः
 ययेभयमगीउभंभाभभभभुली हनुःमीउ
 लउभेतिमीउलेनसभधुन सभेनभभुतेमुयःस
 भेदिधभंभयभा सभःसिवंसभःसगतिःसभेभ
 तिनिवभभा भंभःभुसभभुधुमीउलभुउग
 इनःसभेतिधुमिउधुसभुधुतिभिउगभा सभभुनु
 भभयेभभमयःभभलभुतः क्रीगुनीनभिवेद
 तिउभंभभभुधुता हनुमेसयकेसभुयेभंभभल
 लेसयभा भंभिकभितुतिदिदिहृदुदुःभभाकः

भ.
 ह.भ.
 ०७

५.
६.
७.

कुननभुनभासाधुभरतेपिनभा सुविमरकुगु
 नभाहृदेः।यगीउयः कल्लल्लोमभलिनभमिभ
 मपदिनी सुविमरभवीनिदूय।उउरगधवद्रुयभा
 भकथहुधिमीउधुसुविमरधरेनः ननिभल्लुतिभे
 रुधुतेरेगसिभुभाधुव भानसेभगभिसुसुविमरकु
 भलेदुरः उनविकगभउयेधुकिभवनिदुठतिभः
 विमरविकल्लयधुभतिभानुधुधेयुधः उधुमेइमनि
 सुदुधुययद्रःसिसेरिव रुः।यधधुकवल्मीकंवि
 धत्रवल्नउभयु गभमुधेधरिहृणेनिचिवेकेनरायभः
 येकेमनदुगगभुमुगयगमुगययः सुविमरे
 उठतिवेउल्लभुभभायय सुविमरिभकनुए
 रदुभभपद्रुभा सुद्रभंभासुकुदेधुमुनेउकरध
 सुद्र विविजं भनेरुगैरमवेरसुवलिउभा धरं
 निचतिभहेरिधल्लसुद्रुवद्रुनि विवेकिउमिउदे
 रुंभचंसीउल्लयहल्लभा सुल्लदुगेतिमहउंहुवेव
 लंनीनव धरभउधउकयपियेपवल्नमभभ
 विमरीगएउरुगैरएगुभिवमनुभाः विमरम
 रवेठवठभयउंमिसेमस रुतिठकुवमनुकुये
 ठवठयभयाः वल्लधुभभनेभीककलिउःधुल्ल
 रकः रउउभभिवेउल्लेविमरे विल्लीयउ भचा
 वल्लगमुक सुविमरमयवः सुविहभानभक
 कविमरविमरवः धुंभनिरभनेभीककलिउेन

भु.
 ह. भ.
 ११

लक्ष्मः। पद्मः संभारमिरेवेत्तले विमर्शे विन्नीयते स
 भक्षुं निरावर्णं भनतु भनथा सुयभा विदुर्भं कवली
 कवं विमर्शे गुर्तः कलभा समलक्षितिनैरुगभूक
 लैरुगते रसा जननिष्कभैतेमोति सीउते वीमते कुन
 मिनुद्वारभक्षे भृगुभा प्रक्षिउ निधल्लय इयेउभद्व
 भृगुयान विवगुतिनेरुति उद्वलधुनंमोतः भृगु
 भक्तसभागतभा नभुमेतिनैरुति गायभिवगतिउतु
 रभा नरकगतिनमरुते नैरुति नमभृति केवलं
 भद्रिवद्वद्वगमद्वनिउति नमसाभृतिनाभृउत
 भिवद्ववतिभृति नमनेक्षुभामते नमकमल्लभृ
 ति उभेद्वगते वसुभंभृभनवतु नमनेनगतिमाद्व
 वृकतिभृल्लवत्तवः पवंतुभेभनसाभंरुद्वने
 भद्वल्लयः रगेवद्वकएगद्वभिविद्ववतिद्विये
 गिनः उभिवभमिरेकलं पीरभुयवमीधितभा
 उवभतेभरिद्वद्वगति केवलतउतुभा केदं कभृभं
 भगद्वभृधिपीभत मिनुनीयंभृयतेन भभृगीक
 रभृना कद्वभृद्वभृद्वेदं गएएनगतिगभृव
 निधल्लंभद्वल्लवगधिविमर्शेवनद्वद्व वमवेमते
 भिद्वउतिउयः भित्तिकावभा विन्नीयते विमर्शे
 ल्लपीधेनेवकुवेनिसि घनभृभृकगभृवद्वेदः भृ
 शिवद्विउभा भृद्वधिवद्वद्विउ विमर्शे वल्लेयनभा
 विवेकवेद्विद्वद्वः मेभृभवेभृद्वद्वतिः मिद्वमद्व

विवेककुण्डरायहपिलवसुधु धरभाङ्गभयीभाष्ट
 भद्रनेत्रकभणनी कृष्णभेकंधरिहृष्टनविमपम
 भद्रुतिः विमपमपुनरुभेभद्रताभधिरिमेते धरिध
 कुंमभद्रुतिभद्रकण्डलंयस विमपकृत्तुभउये
 ननेकेधुभनःधनः लूठितुःपसुहेभद्रुतेधुगत
 येनराः नविगेतिउमपेगीनानउमउरगल्लरः सु
 विमपविनधुद्रयसपुःधरिगेमिति वरंकद्रभकी
 एडंसुद्रकठकडावरभा वरभद्रुपुनकिहंननधु
 विमपडा भचनऊनिएवसंभवभापुतिभ्रुताभा
 भचमेभिभ्रुभीभापुभविमपंधरिहृष्टेनु निहंवि
 मपयुजेनठविउहंभद्रुन कवद्रुक्रयधउते वि
 मपेहृवलधनभा भयमेवद्रुनद्रुनभवधुहृविम
 रतः भंसपभेदएलपधुपयेद्रुभनेभागभा केकेक
 सभयंमेधःभंसपगपुउधगतः हृष्टेनेतिधरभ
 नेविमपडतिकृष्टे मद्रुहृभेदभायंभिरंरुःप
 धकेवलभा ठउमिल्लयद्रुमयंरुद्रउमविमप
 लः कवद्रुवगुदिहंनसमभिकदिरगधव न
 विमपगपुउउंभचरुःपधरिद्रयः भद्रलद्रुल
 उद्रुविकद्रुलंभुकएउंकिल्लगपुउउंभडा भु
 एविमपद्रुमैवविमपिडा मभचउरुवउधिविमे
 उभा ॥ ॥ भुभद्रुहृवद्रुभुकलविमपनिद्रुध
 लंनभमनः ॥ ०८ ॥ वभिधुः ॥ भनेधधियरसु

भु.
 सु. ५.
 ९९

2

उल्लापयभा ऊहभायटुगिउमुसीउंमोरिवसासुउ
 भा भउिधप्रभुभनभंकुहडवभकडुयः गएनभयति
 भुतिकिङ्करडुभंगडः सुडुदेवप्रनिभुसुभलुसुभ
 नधोभिते भूमप्रतुगययः भवेभूराधयवंसुधंभवः
 निहंमीउल्लयगभकलङ्कपरिकीनय भुभयः सुडु
 यकाडुठडिधलउयेनुवड भभउभनरंरुंभुभ
 मभुवलेकयन उभभेडियमलिकेनउमयनेभड
 भैः भभउयभउयगुल्लमलिनंभुभयगडिकयः
 भभलङ्कडः उभभलंभुल्लभडिनठसुग सुधिमभु
 भुनयेरभुनन ॥ ॥ भभडुहवकरभुकरल्लभउ
 भनितुधल्लनभभनः ॥ ०५ ॥ सुविभिभुः ॥ वि
 मेभेभभलवभुभंभगिउरल्लभुभ भवेभक
 डीरभभुः भभुभभगभः भभुभभउरेल्लउंवि
 कठभभंसुठभा उरुडियेभलडुनेठगएनंउल्ल
 भियः सुडुभल्लीलउभेडिभाडिरभुडुययउ सु
 धंङ्कभमिवकडिविडुल्लनभभगभे किभभाभडु
 डेरिल्लभेकनीकभभकडः एयेहैकेल्लयडुभिक
 यः भभुभभगभः धरंविचनंभुडुगल्लनउमसा
 उनभा भभडुगल्लभपीनंविडुभभुभभगभभा
 विवेकः धरंभेगीभेएयेउभभुभभभभा भनेकैरु
 लेउनभभेकमिवगुमुकभा निरधयंनिरधयं
 निरधतिंनिरधेवगीभा मउउभंभुयसुडिभभुभभ

भ.
 ह. ३
 ९९

भ.
 ह. ५.
 ९९

विष्णुतयः श्रियकधुतगं भूतैरुसं विवसतंगतैः
 भनगधिनभनुहं भानवैः भासुभदुतिः भासुभ
 इतैलेकेभननतसुठमीथिका कद्वकुवक
 रिष्टैरुसैरुनविदधुतः यः भुतः मीतुभिउयभा
 सुभदुतिगदुय किंभुमनेः किंतीजैः किंभीतिः
 किमपुरैः नीगगगसुिन्नभनैरुगलिउगुतयेनथ
 भार्यवेयमिदिष्टुकिंउपभीजभदुतैः विमैउभन
 भैवदुःभूयत्रेनभरैरुकि मरिदुलेवभल्लयः भू
 द्दलीयादिभापवः भदुभागभभनैरुमालिनी
 पीभतंभतिः कभलेवाभूरेवानेभवेदेवविगएउ
 उन्नभलवित्तमैभुथरुभुगुवमुलत भूमिउय
 नरुहेननदुताभासुभदुतिः विमिन्नगुतयेभुदु
 भूयवभचभंभतः भवेभयेनभंभेहभुदुथा
 घाठवभूये उपेनरुकापीनंभंसुकेनतंगतः
 येद्वभूफेल्लयभनैरुनरुकावल्लवगिमः मरिदुंभ
 उल्लदुःपभिदुमिदिधभैरुभः भंभुसाभुदुमेभे
 भासुभदुभकेधरैः भनैधः भासुभदुसुविमैरुस
 मभभुषा पउपवठवभूपावुथायाभुवल्लनल
 भा भनैधः धरभेल्लठः भदुदुः धरभागतिः वि
 मारः धरभंरुनेमभेदिधरभंभापभा मरुगप
 उविभल्ल उभापवठवठने येरुभुभुउतील
 भैरुवठवठवठवठ पकभिमैवमैउभाभरुभु

नभ

विभल्लिगये मङ्गुगैधिकिल्लङ्गुठवडिभपियंवर
एकेष्टेकेदिभवेधामेधंभुभवकुविभ भवभंभिदुये
उभङ्गुत्रेनकंसभामुयेडा भङ्गुभगभभंतेधविम
गङ्गुविमगिउभा भुवउतेसभेधसुवकननीवध
गमे विमभभंतेधसभङ्गुभगभसगलिनि भुव
उतेमिरेएणुकेल्लयङ्गुमिउयध विमभसभम
ङ्गुःभंतेधवडिभानवे भुवउतेभुधलेकेभेदङ्गु
गुल्लुव भङ्गुभंतेधसभगविमभवेडिभङ्गुते भु
वउतेभविगएणीवएयमिषः उभङ्गुकेकउ
भंनिहभंतेधंभुनङ्गुन धेकभेभंनेरिङ्गुय
त्रेनङ्गुकेङ्गुभा धंभेभभमिहएङ्गुमिउ
भउङ्गुएभा यवमेकेगुल्लुनभुभुवत्राभुउभाग
डिः धेकभेभुधेनमउमउ विमल्लयने य
वत्राठिनिविधुंतेभंनेगभगुल्लुने मेवेठवध
यङ्गुवाभुनभः धंभेभेभिव उवउवभरुवकेनेभा
येभीरुक्कन एउभित्रेवठलिउगुल्लुवन्नभभा
गते कियेतेभवापवभुमेधविधममेउभः गुल्लु
विकहेवचेतेमेधः गुल्लुविनामनः भंनेभरुवन
हभित्रेगिनीवभनसगिडा सुठभुठवठङ्गुल
निहंठवठिगुभु भकिधीयभुयतेनयभित्रेव
निपट्टे कुलेतेनवठडियमेसुभित्तउरु ॥
वभभेनिरुठवभनमीभिरुठिउतेनभनगः

भ.
ह.
९९

भ.
ह.
९५

धिनेहमे भुक्तमयद्रुवेन भिनेवनेमुठउटनगउं
 दूमसःकक ॥ ॥ भुक्तमयद्रुवेन भुक्तमयद्रुवेन
 मगनिउधलं नममनः ॥ ॥ सीवमिधुः ॥ ॥
 यभाउविवेकेयः मभक्तनिकगधव येष्टुन
 गिरः मुंउंगलेनयकगतीः सुवमतेवमउधुवि
 सुनभुमकमयः लकमईद्विउगैयैः मगमि
 देहमनः इमेउयगयमि उयगुललकु मभा
 मिउः भिनेभेककं वहुं वहुभा लभिंमय ॥
 ५५ कल्लदुभेयमुकल्लकनः मिउः भुक्तये
 एयेउएउेमुमुं मुंउधुमः धावननभुम
 गलं धवैयेकमयिनभा वममं कएनं कुहेक
 हेकवतिनायमः भेकैधायगिपनेयं भंकिउम
 रभंकिउ इंसकुमभक्तभुगल्लुउनिवा लम
 यिनी मीथेयमविनिदुधुल्लितेभंभुवत्ते सु
 लेकेनिमुउेधुवंनित्ता लभनयकवेउ भुवसुउ
 मुउवधिइतिमनुवभेगएय सुभुजिवलि
 उमहेयमभाउउद्विनी यमगल्लुभकिइति
 चिनमुइवलेकनग उमउद्वेकल्लुमुतिभेति
 भंभारुः पीपउ यजिषुजउवेकनिकलिउ
 निथमदुभका कधुनुम उभुजनिमसुंभु
 कल्लनिभए वेगगुगंभुकरलं भुमभंभवि
 कीतिउभा वेगगुं वत्तेउयेन भेकनेवभगेउकः
 भचंभक्तभंभुजुधुयमिद्विमिविगति भुक्त

मसुद्धुतेतिभ० विवविभलिते भधद्ववका
 गण्डितः प्रकृतं भद्रात्मा भकभूमं गुरुभु
 क्रिपुतेनभद्रभा भुठवेदिभभद्रात् नगत्
 यस्वत्तुत्त पवंशकवेभेद्रात्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तु
 मसुद्धुतिभुकरत्तं भद्रात्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तु
 द्रुगुरुभकभूमि विद्वनभुतिथामनभा एग
 तीरुधुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तु
 क्रिउत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तु
 द्रुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तु
 ककसपचत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तु
 कभधचत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तु
 उनभा भधेधलत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तु
 गनुचनगरभुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तु
 विद्वन्भक्तभक्तभक्तभक्तभक्तभक्तभक्तभक्तभक्त
 लत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तु
 ठनितीत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तु
 भभुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तु
 दुंयत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तु
 उम्भुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तु
 प्रवत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तु
 रेववत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तु
 द्रुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तु
 द्रुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तु
 द्रुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तु

भ०
 ह० २०
 १५

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

५.
६. ५.
७.

रवेपः प्रवृत्ते वीर्यमिव यत्ते बुभुक्षु मवसुं कविभट्ट
 लभा सधिये कथमभयेयं सभुं मे दुक्तिरेपकभा स
 बुद्धमभियदृष्टं कं दं वृत्तैकमेविना यदियत्तभथा
 मेयं वमनं वलकामाधि सवृत्तुं भिवदृष्टुं मधुजं
 धरुणकन ये भुक्तुं भुक्तुं येयमिडि के थं थिरेकु
 इ दृक्ता गङ्गाधरः भुंते केन सभतिगगिभा य
 वेधमिधुवृत्तय भल्लिकैव सुमेधुति सभुं वमिति
 भाङ्गयं धुविवेक भुमेधुति सुतायं भुष्टु वमना
 दुष्टयं धुयमेव सनैः सनै विमगे वृष्टु संका
 रमुगते प्रचंडवमुमेदुत्तु संभं भुत्तवत्तु सभु
 भुत्तवली विष्टु दभक्त भुनक्तु मभा भगविगगते
 मेति भक्तु गुरु सगतिनी भययाम्ने कभायतिग
 एने एगगे इव प्रचा धरष्टुः भवत्तु नैठवति वडि
 भाना धमज्जनं यमामी धक्तु नैति मिधलेमनः
 लेठमेकपल्ले मेध भुनक्तु वं यदृत्तं सनैः पिपेमिमः
 भमभत्र सगमे भित्तिका यम कवलं भमभेदुते वि
 वेक भुमनं पियः नक्तु मनकलं पउधु भेन विना
 विष्ण भनः भुभामभायति सगमी वभक्तु रः धरं
 भाधुधभा मेते निमक्तु र इव लवः निवत्तु कलिभा व
 सु साये वभुत्तु मः धर धविष्टु लटलं भुष्टु धमज्
 भुविठगिनी मेवृत्तु गिष्टु मेध भुक्तु मधुये मसितु
 रः ननिठुत्ति भमभा भमत्रा कभिवेधवः कृमय

५.
५.५.
५५

यतिज्ञमिडा परमाले परमाले भववननिगल
 भा येथउवुडउवुधवीमियडाकपमुति नइमिभं
 भूवाडानिननिवाडानिकङ्कडि कट्टाष्टभभूवडेधि
 निधुवेपडवडूमः म्मुतेलेकभभवेयसाभूअ
 ववाडिभाना डभुनिधुदलभूअ कूमयेनाथगए
 ३ः वडुमभापिलसाभुं वमयिडा विवेमुव मउकु
 यडापेवेउवउजं वरसाधवडा साभुं भवेपभवेमं नन
 लङ्कवडुभिउभा कट्टरभभनं सगक म्भूउभूडि
 धामकभा वडुउभयभवेमं किङ्किडमथमउविडा
 भयंयभुनवेडी मंमुउहं उनधमिउडा म्भिमकुउभ
 उहउउथेपुनरुधामिकभा भेदभूअउउमुकने
 किङ्किडधयहउते णउमुभुधनहमभुनेनः प्रह
 नवीमिउडा एतेः धामिउधुवेकिमिउमं कउप्रव
 कभा म्भुंरुगमिडिभूरेडुधुमभुधिसामकः धि
 म्भेकेमेयेनैव भयंसाधुहविभ्रउः इभेरुगमं
 मेडिभिउाणवेधसाभुडि म्भुभेदः धरिहउडवने
 रभयहलभा यमभङ्कलनगभंभेदविधमि
 उ नवपडेउमेवभुः धरिहउएगकुमे मिभभयः
 धरिहउनेभदरुयेमेयसा म्भुभयः धरिहउभुष
 नभापडः णयः धरिहउनेनभदहं मिभभयहउनमु
 डि यमभउमेवभंभगः भिउाणवेधसाभुडि भभनः
 पल्लवेभदेकिङ्किडुडिर्कववेडा परभाउधमभूअ

५.
६. ५.
१३

सुविमलसुमित्रा गमाधुतपुत्रभाले सुप्रभमहस्त
 गातः मभयतिनकामन सवसुप्रवर्धयेत्तुभान
 विमगिरिभा यमगुणुत्तमधुतः भिदु सुवर्लभाः
 मातभा सुप्रभमहस्तनपुनवरसार्धभयमितिः
 येजसुऽदकसुधुता सुदुपहस्तगामितुः भैत्रेय
 यतुतापुतुकरे लुत्रेभियेकतः गुतासुधियमेव
 कतुवसुवेपुवेपने सुप्रकहं मरणगतः सुतसा
 सुववेपुतु मीधुनधादेवतुं वं किल भवतिनी
 सुप्रभमहस्तनपुननगरादुधमंरगात यतुता
 वसुधुता सुप्रभमहस्तनीलेतु सुकरं करणि
 नयं सुपयिधभीयते नतुमचसपुतुं संवदुध
 भाकुमेः उधमेयसुधभाने सुकंसेनभभनत
 सुदुमीकहवैपयपीभतनिचिरागिन सुजुव
 लेकनेमीधमकभतुतुकिन्ल नभुल्लेडलव
 तुमिकिहिरुधुधयुते एकमेसमपमहसुध
 भैयवैपनभा उधभानं कर्हिदु मीधेजं भुठयाय
 सु सुधुतुधुं सभतुल्ले वेपुवेपेयेभाति उधमे
 यतुतापुतुभकवहातुनिलयः नतुताकिरुत
 भैतुनसनीयपुवदुता सुवकुदधलपधुतुगधवि
 सुविकल्पितैः विमगेलुमनरुवकरिवदुयधु
 भदुता भुधगतभममगमिधु धियेकुमधुधभभा
 धिवमिदं वमेवमः पूलधनभेवनगाभः सुभमक

५.
५.५.
१७

चरुऽव^१ठेपिः भडिधुडियघपभित्तमा १० कं सेनेधभा
 ननभपभेयभयमउ वेषहवेष्टवेष्टयनभुयंमेहु
 महुन ययकयमिहुहु उवेहुहंवेष्टमेवउ धत्त
 येउत्रथष्टुडिहजल^२मेहुमहुवः हुमयेभंविमका
 मेविमयेउत्रठवाडुनि वभुहृनजंयः पूष्ट^३मेहुमहुः
 भउष्टुते चठिभनविकल्दं मेरह्लेष्टाभुं विकल्दयन
 वेपंभलिनयहृउमापंमद्यऽवभलभा भवभूभा^४
 भउनांभमभडिरधभिव पूभा^५मेकमेवेकपूहु
 मंगभउष्टुभा भवजभभभष्टुदंवेमनंविमकउभाः
 उनउडुडियिहृउडुहृमभमहुउभा भवमुतेवेमन
 सुभुडिधउदेष्टभित्तमा पूष्टभभित्तभमेकवउंणी
 वःभापवदि भापवभंविडुधनउकतापूष्टयाइकः
 भययेमेडिभंविडुभभयउडडिभउः भभहुल्य
 विकल्द^६हुकउननभुभेहुमेः एगउयभुभुर
 उधुउरहुमिउययम पूगक^७भमेवभुभन
 मेभनलीलय भुविडुकेरलीहुउंपूष्टंभय
 भभुनि क^८भभुविमयेभुलीवभुभभित्तभित्त
 भा भभिवभुंएगभुभभंभउंष्टुभभगउभा
 भयभेवविमभभुनाकजंभकंभभः नभयिहृक
 वेष्टभुपूष्टंभभंभभभा विमभयविमयेधिन
 भनभभियगभुडि यमउमनिकल्दंभभभेवभसि
 हउ भनभुनीदिउमभेउंभुष्टीन्दिभकभठिः नरु

कैश्चिद्भुजैर्जनकैश्च भुवनतः भनधनीदिउसा
 तेनभुवतुतापवते कदेचिद्यगलिकमयावभाङ्गवि
 उयत्रवतः भनैयत्रधमलनेकगलंवेमनंविदुः ३
 लीमनभमभुवतुतापवते उयत्रवतः भनधनीदिउसा
 रथमजः हुजलंरागाः विदुतेवेमनधुतचतेतः
 भननंयसा भवतुवेमनंमुहंयमेतिउमदुकमा
 ठातिभुभातिमिकलराहुतुपुथमेदुकमा रुधैव
 रुधुतः ठाभमभुतुपुठभयदितुः संयसाउयदुपु
 भुविठातिउमेवतः भवभाभुयसाउयमदुल्यहभिव
 गतः तिभुहसुउमउउदुपुठवराणते भवतुदुकुत
 यदुधुमभुहभिवयुहते रुधुतंरुधुमभुवेमदु
 भुहभिनभतः सकगलकमेवते रुधुकल्यभिमंति
 उभा भुहभमेवनिमदुउं सभुवपणयः भयत्रभउ
 उगुथकेयभुमेव सवजभभाभुदुवे सुवेभगीथ
 रभउभंउधुधेगभेलेवदिलहतेतः ॥ विमययमा
 दधभभगलं भउनभेहभभिनउयतः यवदिसुहं
 भयभेवदुधुभनतुपुंभगउभयेभि ॥ ॥ भभभह
 वरुभभुकरलं भुभलं निउधलंनभभनः ॥ १० ॥
 सीवसिधुः ॥ सुहभभभयदुमीभुहंरुधुंनयेदुल
 उ उभेभभभुभतंभभभभभललः येयेयेनउ
 लनेकभभभः भुविगणते सिद्धेउउंभवसुउभभु
 द्विविदुहये भनभभभतुहभसभभभिगुलंमलि

भ.
 ह. २.
 ३.

न्री मधुपुनं विनगरमभिदिमेतिनकष्टमिड। पुन
 सुभामयेयान्तिवादिंमद्रुमधुमभा। स्याथनीयः
 कलेनत्रुचधैविवनवापुः सभामिहेगुल्हसुव
 चेउपुनभुडभभा। मत्रपुकेहयेहः सगलिभाधि
 विवेडभा गुल सभामयेपुनसुभामिहभुमपु
 उ परभरं विवत्तुपिउत्तुमभभीषम पुनंमद्रुम
 भाभापुपुनपुद्रुमधुमः परभरं गतेवदिं
 नमद्रुमधुमभे। एकैधिनैयेभुवद्रुमधुमभेकभिदु
 डि यमकभलरदिह गीहविउउयवय। यीगे
 मेनमफिउगीउनयः भुमपुते पुनमद्रुमधुमह
 भकपुकरुपुधिल उमभुमनिगिमुनमभमभा
 पुतेयमभा मयमपुमः भुजेभयेधरभनन
 उमिधमिमुतेमभुगयंपुनभुमपुन उमंयसभुभा
 यधंभुमधुमकलभुमभा उमयभुपुसभुमपु
 उहंकिलपीभउ भुहउव भुनेमहभुलभु
 भुमिमद्रुमभा यमकउकभंमभुमभुमभवंस
 धयः विमिउवेभुमिंदिभनेभुनेविमसभेवदिवा
 डिधंभुमभा यमववभुभापलिउभुडभंउमवरेय
 मसंनएकडिदि ॥ ॥ उडिमीभरुमभयल
 वभिभु भिदोथयेभुभुमहवकरभुकरलपुनभ
 द्रुमधुमभेनभमनः ॥ ३० ॥ सभपुंमेयंभुमहव
 करभुकरलंदिगीयभा ॥ ३॥ सुकनिचलभवे ॥

09

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

यमहऽवेल्लमन। एगीवउभययातीवठविनभकमऊनभा
 ३३: भएगीवमऊऊ: कलनऊलनउंगउ: भनेठवडिभेनऊ
 भननऊऊगीठवउ ०८ भन: मंधुउउेनभऊउ: धमभा
 इन: मुझिगमभिगकरभुगऊऽववारिणे: ०१ उडुयंसे
 गभेकमुभऊन्ययडिनिहम: उेनेयभिकुएलसीविउउे
 विउउे ०७ यमकएकमऊऊ: धामऊऊँभिकनके
 ननभकएकैउऊल्लगमुऊऊअथे ०१ वूऊएवभुन
 उडुयमभिउभिमंएगउ नएगमुऊऊऊँभिकेभीव
 कएकमिउ ०३ मुभउैवभगीउअनडेवलदगीमल
 भनमेवकुएलसील्लगीभुविउउे ०७ मुविडुभंभाडि
 उँवैमयभेदभऊउम: कलिउनीडिनभानियमुभ
 कलवेमिठि: १० उरूएगवऊपंडंकहभानभिमंम/अ
 उउ: भुपुंभेदुहृहृभीनुमभानन १० उँवैमययंभे
 ऊऊऊमिउयंभकडिठि: गभभुभेदुमभेभिकनभुहृ
 नभुभिकुये ११ वूऊननेनयडिनवऊकलभूयउउ:
 भुभामदेवमेवभुधभुधमभइन: ११ नऊ:पंनभुपं
 नमेनएगभाडुगेवम नभरभुपुनकिडिहृउरूवग
 भुउे १२ इभुभाभुभुभउऊवउऽहकिपीयेउ इभु
 मभुवमइहृमभुठवडिभभुउे ११ एगडुभक
 भिहृदिभनभुमभुभुउे यवमेउइंठवडिउवनेकेने

32

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

मरीनभद्रिः धरभणिकः पुनैकनिधुः भउउंभूर
 नंमदिउउः १ मयिंलीवडियमउमभइगमिउय
 ग मचाह्वेवमेलुं कुउट्टिकिल्लकायः ३ १०
 उभाकसरंविपुनकममृकायधुका मउमेजिभि
 उमजिः १५ पुणगयमेले ५ डिमझिउं कनुभ
 गमउउंउम इराउमभभुजनकममनकेमन ५
 १३ भुमनंयवमुदः भुविमडिभयभा उवेमनंमकउ
 यिकलपउकुलनेयमः ७ मयिहूलभकाएलंवि
 मदाउनीधुमे विरंमभुमभमउं कमुनेमृदुय
 उउः १ नमामकयुगेमभुमभियरभुमउं विरंभा वे
 लवनधुवधुं भकन्यधुधंयम ३ मयगहयभंभा
 इगथंमृमंमयमिभभा किभिरुंनमर्कोभिठेउभाः
 कसरंभुठे ७ यमउवम भइनेकिझिमुजं
 मेकोभगयिउंवलण भगलीयधुकमलि इकुली
 केनेउग ०० उममेउधुविधुभगलीयधुयउउः क
 मटविमुउंभंभंभाकयेनेनभुपु ०० ३३ः मभइउ
 इभउकुमचेमलुमः ३ भइलनिमिगउं मभंमि
 मगिउमिसः ०१ वनलललललनिसेलभेपिउठ
 नधि डीधउगह ३७ निनगगलिधुगलिम ०३
 यभनयिलगधुलिमेसउगकननिम एवंभुभइ

भं
 उं
 ३

लंशुभजउच्चिकनिमिग ०८ उचुकसराकम
ल्लववाचुडुडुडुः वहुभरभिवधुः भदुल्लदि
भिवधुः ०१ मभय/मुममगडयभंमवजुकेविमभा
धगयलंदिधुवः भदुदेधुवलीविनभा ०२ भदुः
उकसराधुवमल्ल कुजिउनिवमरुठे पमरलीमभादि
नुभमिरंभुजिवनिमभा ०१ पमरलः उकसराधु
कमल्ल भदुभतिनकनिमिग १० धदुकसलेविधुले
उः १० पमेवकेवलम ०३ उकसमेवयेरुः भदुमेवम
लंठवेम भदुकगील्लनेमडि कव ११ उधकनिमिग
मधुः भुजनेनधुनभनगाधिकम १२ सुधिवहुभउ
धुवउधरुउठेउगि १० उधमरुउठेवधधयधुगल
एवम नैधुधचकमभिनठभीवभदुमः १० नैधुध
वमंमिउभठवधुचकम ११ मधुधमनेनधुत्रकिधुडु
मभाधुडुभा ११ एधदुकसकेसधुविसमकसमुधि
ल्ल मभगेसंभुजिनिहंम १२ धुनकनिमिग १३ भु
ऊननिमयैमडिकम १४ धुकेरुजिने किधुमधेवभधे
विधुनकसभउकभा १५ भुल्लभदुधुयकमल्लधुडेम
भदुमिठिः धुधुडेमठिरेवउठधुधुउकमपीः १५
मेधेधुधुधुडेमठिरेवधेउधुधुग १६ धिउभाकसभाः
मीयंसिधुधुभलठिधुकभा १७ धुवलील यमभुठे

००

३३५

निनकडुईनवामन १० अमुद्विष्टकमेविष्णुनधनभाउ
 ३भा ८० भूऊनं वामनएलंकिद्रिदधुनविहृते केवलं
 हेभुपधुठुपधुवउएसः ८१ केवलंवेमनभाइमेव
 मेधेवलेहृते वेमनभाउमंसाउवीममिधिनहृते ८२
 उमदुष्टमिमकासभुषउडुडिपउयः ऊउः किलउथ
 सुमेः कीमसः भठवः कषभा ८३ १० उमदुमलभाहे
 उमदुमयडुवाकव गलीउंयहृते हेभनकममनकेनमि
 ३ ८४ श्रीगमः ॥ बुद्धैवकमिउंयहृते भुषभधुपिउम
 दः भयभुगएणकडुविष्णुनधेडिभेभाउः ८५ श्री
 वमिधुः ॥ १० वभेउदयगभभुद्धैवकमिउंयहृते विवामभ
 कगेमइदभेनैउडुतेभग ८६ भवउरेभवठमैयमभाइ
 दगदुएः वलभेउडुएडुउवाभभकगेडुयभा ८७
 उमेवयमगएणयभेनभुनसगभिउः यमेवद्वियेउनिहं
 गिभुउवएयेउ ८८ बुद्धकिलधगकासवभगडुहृते
 कषभा भैनेभउमभकलदः १० सुमिगदिउठगिः १०
 यमिहृममभकुरः किलकगउडुगिभाना भमिहृभैव
 नैउभुकागलहंनकाहृता १० सुकसधुगकाकुरः भक
 लधगभेयम १० सुमिगदिउठगिभयभुठमोउम ११
 निमलेहृमिभजलीभकलदधधयेः भगभा १० सुमिय
 मठगिभयभुठमोउम ११ नमहृमभुनेदुधुधव

मङ्गलिकेवले भयंमिदुउषधुधभयभुगिठिभो ५५
 मङ्गलभभवेउन्नैवुकेडिकष्टे मङ्गलकसभभवेन
 सुधुमिदिष्टे ५५ यद्यमिदुमनुःभुनिम्लेठठति
 धरिका उद्येधठभोवुद्धमिमकसामुगल्लनभा ५७
 मिष्टैभकेवलभननुभनगमिभष्टं वुकेडिकठिनिणमिडव
 सङ्गुयभुः सुकरगनिवरभमिदवभुउभुवनुउउर
 उवनभुउउभुमेरुः ५७ ॥ भैरौभयेधुइडिभुकरल
 सुधुभाधिवलननंभभनः ॥ ॥ श्रीगमः ॥ पयभोउन्नः
 सुधुं धुमिगिउंनठः भनेवुकेडिकविउंभं धुमि
 वस्तिउभा ० उमइभुजनीनभभुडिकभभत्रकरलभा
 यद्यभभउषधुभुउन्नंमोडिभवम ३ श्रीवमिधुः ॥
 प्रवेमेरौभुयभुधुः प्रवकभभभविउः उधुभुडिः भंठ
 वडिकभलंभंभडिभुडे ३ वुद्धलः भुजनेकभयमकि
 धिउविष्टे भुजनीभंभुडिभुभुडेमेडिऊः कभभा ५
 उभभभकरलंठठिवभुमिडूककरलभा भुकरलभ
 नउभुभयभुः भुयभभुवना ५ सुडिवदिकभभभे
 मेरौभुभुभयभुवः नहुपिठेडिकेभभमेरौभुभुधु
 सुडे ७ श्रीगमः ॥ सुडिवदिकमेरौभुमेरौभुभुपिठे
 डिकः भवभंभुउण्णीनंभुद्धलंभुकरलवविभा ७
 श्रीवमिधुः ॥ भवेभभवेमेरौभुभुउन्नंकरलभभभा

५५
 ५

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

म.
उ.
७

छंदविद्विभक्त्यनङ्कभा भवः भुवः नीह भनमेदं विउ
 त्रु ३८ विरिद्धिभनमेतुं विरिद्धिभनेवधः ॥ धृष्टिद्विह
 जेउतेन धृष्टिद्विह ३१ धृष्टिद्विह धृष्टिनीवउमने
 हृष्टिभुहृष्टि भनेहृष्टि सौठिनेनकममनकिहृष्टि ३२
 उधमभुहृष्टि भनहृष्टि धृष्टिनीवउमने ३३ धृष्टिद्विह
 उधमभुहृष्टि भनहृष्टि धृष्टिनीवउमने ३४ धृष्टिद्विह
 सौठिनेनकममनकिहृष्टि ३५ धृष्टिद्विह
 क ३६ धृष्टिद्विह धृष्टिनीवउमने ३७ धृष्टिद्विह
 धृष्टिनीवउमने ३८ धृष्टिद्विह
 धृष्टिनीवउमने ३९ धृष्टिद्विह
 धृष्टिनीवउमने ४० धृष्टिद्विह
 धृष्टिनीवउमने ४१ धृष्टिद्विह
 धृष्टिनीवउमने ४२ धृष्टिद्विह
 धृष्टिनीवउमने ४३ धृष्टिद्विह
 धृष्टिनीवउमने ४४ धृष्टिद्विह
 धृष्टिनीवउमने ४५ धृष्टिद्विह
 धृष्टिनीवउमने ४६ धृष्टिद्विह
 धृष्टिनीवउमने ४७ धृष्टिद्विह
 धृष्टिनीवउमने ४८ धृष्टिद्विह
 धृष्टिनीवउमने ४९ धृष्टिद्विह
 धृष्टिनीवउमने ५० धृष्टिद्विह

गिरादेगमनहमभा उदरैकभगमसुदभभगिरेभुरभा
 उउभूमिकिकगभसुभगवनकुभिष विस्मनसुवलमउ
 श्रीलःसाउउडव १ उकुवगल्मभुगगएनरमभदि
 कुधि भावपानउयभैउभिवभउउमेधिरः ३ कायामी
 उदभारगमुचमिधुंवलनरुभभा डवसेउभमेधालं व
 भुनंणीककनुरः ७ भूतीकःभःभूहेकुहकवभुपपि
 थभा मेवभानक्षिएसभकलेहडिगिउहसभा ०० उउवमि
 धैठगवाचंहुडभपुगंगिभा महुउवमकगएसूउभउ
 वमसुवः ०० भूउउकुमिधैमिडहुकाभेनवनकुउ ५
 डकलैवमभुकाकुपडिकुडिवाहुये ०३ भधगुपहुस
 भनमद्रिणमनप्रणय भमेवदिभनीविभुनुरणयभा
 मभासमभा ०३ सुमेउभैभकसवभगएभनिभल
 उडलकीलरमुपधरिवेसावउनन ०४ धरमदगंस
 मडहुगलकुयुगककुल कगकगकउभुलधहुठेभुर
 उग ०५ सोपरेडनविमुउभुवभुभपधनैः मधुडभमि
 रेठगाभगडिगिवधरेः ०० कगहनकगलेहुउकनकी
 कगमिडुग कडिभुभनिवगउसंसउडियवाडयः ०१
 एगमुउरुमुगहैभकुमगकुमिभलभा मकूडिनमभा
 मगंभंभवेभुववेमभ ०३ एगमिदवउरेमुभयगभिनीम
 भमलमुउ एनमसुउनिमुउगकैवललङ्गनायम ०७

भ.
 ३.
 १

उल्लेखन विवेकवाडिप्रकाशं भनमीवनवेङ्कट ३२ भनं
 भनरुपाण्युत्ररुक्मभलीमगः कृष्णनेत्रभलेवकाउभू
 उभनरुभाः ३३ भाप्रचभत्रिवेमेन विवेसविभलभन
 वक्रुवाभन्रिउकाग वाउभेउवथकिनी ३४ सुप्रभभभ
 भाहुगभेभययगिरा उवाभभनिसाहुल्लेवभिसुं वम
 उं वरभा । ३५ श्रीभः ॥ कगवन्नभेदुपंकीरुसंवमभ
 भूभा यभनेनेयभाफल उतुउमेभभाहरी ३६ श्री
 वभिसुः ॥ गभभभनभेदुपंनकिरुमधिभासुउ नभभा
 रुकाउहेभेयभासुतुल्लुकाउः ३७ नवहृनधिदुमये
 भदुपंविदुतेभनः भवरेवभिउंमोउद्विद्विगभयभानठः ३८
 इमभभुभदुद्वेभगद्वभभत्रिभभा इधंउभाभभद्व
 भाद्विडीयेनद्वभेभभा ३९ भयेयेमउमउभुभ्रिठनं
 भुभंगउभा भेउवभुभेउवधिउन्ननेविद्विनेउग ४० यम
 भुभ्रिठनंउन्ननइठिपीयउ चउत्रकिद्विभभुभ्रिभनेन
 भकममन ४१ भद्वल्लनंभनेविद्विभद्वल्लउत्रठिहउ
 यमभुवद्वभुलिलंउमभद्वयेयभनिलउ ४२ यउभ
 द्वल्लनंउउन्ननेउउमभिउभा भद्वल्लभनभीठिनेनक
 ममनकेमन ४३ भद्वभभुभवभउंयमउभ्रिठभन
 भा उवन्नभंभनेविद्विभुद्वैभधिउभनः ४४ उउिव
 धिकमेकभनइठिपीयउ उयिठेठिकवद्विउउमपी

३३

भे.
 ३०
 ३

नमिगभ्रुतिः ८५ सविहभंभातिस्त्रिउंभनेवैभलंउभः
 ५३ पदयनभानिस्त्रिउविदुनउभः ८७ नदिस्त्रिउ
 ३३ किस्त्रिउनभेउपभातिस्त्रिउ सुंमैउभवेउत्रेतिवह्नाध
 कंधनः ८१ यसाकभलगीलेउः भिउकभलभाह्नी भ
 नमिदुभभापुत्रभुसास्त्रिउगदिउभा ८३ शुकासधुय
 सलेकेयसावउभुमेधनभा यसाधुवहंयभेस्त्रिउहं
 धुगीस्त्रिउसभा ८७ सुदुहंयसादेभिभागनहंयसा
 लभा तिउदसाधुधुगैसाधुधुगिस्त्रिउपीः त्वंउधुगि
 स्त्रिउभनहभिवयस्त्रिउभा ३८ धुनलयाधुसहस्त्रिउ
 मज्जेभलभा १० यदुधुगैसाधुहंस्त्रिउवेठवेठला
 ग ३३ तिउकेवलीठवेभेउपवभउः भउः ११ उउभध
 गेठवेगगधेभामिवभन सधुहभमिउवेउभमभं
 कधुयसा १३ सुभंठवतिभवभिमिधुधुकासधुधि
 मि शुकासेयास्त्रिउसंभुधुकासधुभलंस्त्रिउ १८ रिस्त्रिउ
 गधुभकंमैतिस्त्रिउभउभधगै स्त्रिउधुः धुकेवलीठवेभ
 स्त्रिउमेविभलधुनः १५ सुनउयिलमैलधुधुतिविभुति
 यस्त्रिउमी शुकादलमयलउकेवलधुधुधुधुधु १७
 सुहंइरागदिहमेधुसाउस्त्रिउभभुमे धुउास्त्रिउमीकेव
 लउभिउधुधुदवीक ११ श्रीगमः भवेउधुधुगीयं
 नठवेविहउभउः सुभउंमनविभुभिमिधुधुधुधुधुधु

नि ५३ उभयद्वयमभयं सुभेदुक्तं सुविधमिक नने सुभे
 भकरीः अपमउतिरयिनी ५७ श्रीवमिधुः ॥ सुभुक्तं सुधि
 सामसुसुभुभुभिमंसा ५८ गभयुतभयं येन भाति मे सुति
 न हूति ५९ यमभुतभुनसैभुनकममनगप्यव उभयु
 त्रभुभयुतगीरुतुंवेदुमि ७० भातिगीरुसिमकमे
 भनरुययसुपीः लेकसैलभुगकरं मेधं विउतुउतभा ७१
 उंनिमैद्वमेधः सुत्रमउभुंसमभुवः यमभुवद्विभनये
 सुभुतेभुजिठरणभा ७२ यमिभुगुगममींउंनुमै
 नकभुमिउ राहुभुभुदुदुंवा सुभुनासायकेवलभा ७३
 उभयमिमंभुतिदुंइंसा ७४ गभयिनीधलभा यभुतेल्लग
 केनउनंइभवदुसुमे ७५ सुयभाकसकुउमिउंयेकंमेति
 लमिउः एगसुदुधुगभजेननभुवकसुन ७६ य
 मिंसा सुउकिदिदु सुएलंभुगेउभा एवंपुद्वैवउद्वं
 भरणभभभयभा ७७ अलेअलंभुमतिथेसउंथंभि
 उभा सुभेवैमिउंहेभुदुदुदुलिभिभुति ७८ नसुभ
 भिनेसा नसुभुनमममनभा नसुदुंनेएदुंनेमिमुतमे
 वेदमभउभा ७९ श्रीगभः वदुभुदुधुभिभुदिः समसा
 सुंभुभयते भुभादुंदुएभसुउंमिलान्यदुतिउंउवभा ८०
 भुवतिभिकउंउलंभुदुधलभुद्विक गलतिमिदुएलन
 उदेवमंयमः भुके ८१ एगभगल्लः अपमिसेलकसम

भ.
 ३.
 ७

三

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

धनरायेभ्यः कुरुमान १ मेवेवेभ्यः नधर्तुः सुग
 मवपुते उपसाकेनतीव्रं लेमेन कियतामवा ३ वभि
 धुः ॥ सधेनधयुतेन विवेकेन विकभिना भवेवेष्टय
 उगभनउधः धनकमकिः ७ गगदुधउभवेपभमभाउ
 दवलनभा विनागभउधेननंलेसापवनवभुवभा ००
 गगदुधपुतेमिडेवाक्यिहधरंयनभा यमलेउधेनन
 यमुजउधउदुलभा ०० गगदुधपुतेमिडेवुतामिद्विय
 उमयडा भमभः धेष्टउधुलभा भिभनद्ववा ०३ ३
 भमदुधयुतेनभाष्टभेधयभादरेग भमदुधभमदुधनम
 नंभंभाडिष्टपिनसनभा ०३ यदेकंभेनभंयउंवल्लयि
 डुउगगतिः भवदुःपययधुतेनकमिदुधधधुते ०४
 मभाउदेनभंकीम गगदुधनधुलसुये येनसाधुदुमे
 भमगगदुधविधुमिकाः ०५ यमभंठवयवाधुलेक
 मधुविदुधय भतेधमउधुभनठेगगत्तंभरिदुधन
 यमभंठवभठेगगनद्वियययय भमभमभमभम
 धुधगंभुधभंमूयेडा ०१ यमभुधमउधुयेगेद्विउ
 भयेद्विउ भमभमभमभमभुधः सीधुंभमभुते ०३ वि
 मगधुधरिद्विउधुधयधुभमभतेः मभकभुधवद्विउ
 धुधविधुधुमद्विगः ०७ धुमंयंभुधनभुधंलेकः
 भमभंभमद्विउ भविमिधुः भमभुः धुउंभुधनभंमूये

भे.
 ३.
 ००

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

五

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

さ

ॐ

पृ: ०३

यमनेमंडकृष्टयरेमतेमृष्टुमयम विमययउयकि
 द्विइमभुंलनवदयम ०८ लीवदुजहभभिमंभु
 मूडेभभनकुयो भयमेवयमभीउनीरेगइंवरैभ
 ये ०१ सुयभाल्लदिसामुभिद्वेउवेडेउमडून
 यमवमिमभमगठिउउजेवरमभेवडा ०२ सा
 भुतिभंसाडिदुःपभिमंडेभुविमयभककसये
 व नेपनमनउधःसुडेवेमैभुसुनोइउयउमोन ॥ ०१
 उइडिभकरलभसुभुनिल्लयेनभमनः ॥ ३ ॥ व
 भिधुः ॥ उमिभु उमउभुल्लवेपयउःपभभभा
 कसयउमउत्रिउंउइतिमभयत्रिये ० उधंल्ल
 नैकनिधुनभपुल्लनविमयल्ल ॥ भल्लीवदुज
 उमेडिविमेकैदुजवेय ३ सीगभः सुल्लविमद
 भुजभल्लीवदुजभुल्लल्लभा कृदियेनउमेवकं
 योसाभुमंसापिया ३ वभिधुः यमभिउभिम
 यभुहवकर्वेउधिम भभुइंउंउंभभल्लीवदु
 जउमुडे ८ वेपैकनिधुंयंउंउंउंउंउंउंउंउं
 यभुभुहवकैउंउंभल्लीवदुजउमुडे १ नेमेडिनभ
 भायगडिभापेदुःवेभापपु क यमभुउंउंउंउंउं
 भल्लीवदुजउमुडे ७ येरुगडिभभुउंउंउंउं
 गुंविविहो यभुनिचभनेवेयःभल्लीवदुजउमु
 उ १ यभुनादुंउंउंउंउंउंउंउंउंउंउंउंउं

भे.
 ३.
 ०८

ऊवोवाधिमलीवदुज ३ ३ गगद्विधठयामीन
 भवुभंमगत्रधि येतुहैभवमदुसुःभलीवदुज ३
 सुते ७ यज्ञेधनिमधकुं विमःभूलयमभुवै
 धमुइल्लैतः।यमभाःभलीवदुज ३ सुते ०० ठेऊव
 येनठेऊवसुइवैकंगः वदुःभउडवमुतः भ
 लीवदुज ३ सुते ०० निदंमुवमदुधुलीवत्रेव
 भौधमः दृवदुवसैलठःभलीवदुज ३ सुते ०३
 यमत्रेद्विलेलेकेलेकत्रेद्विलेलेमयः कद्वभय
 ठयेदुजःभलीवदुज ३ सुते ०४ साउभंभरकल
 नकुलवनाधिनिकुलः यःभमिउधिनिसिउःभ
 लीवदुज ३ सुते ०५ यःभमभुजएउधुवदुद
 धिसीउलः धाजीधिवधलदुभलीवदुज ३ सुते ०५
 लीवदुजधमंइकुमेदेकल्लवमदुते मिदुइमेद
 भुजइधवनेभदुजभिव ०७ विमेदभुजेनेमोदिना
 भुमेदिनमाभुति नभत्रभत्रदुगभुनमफंनमेवेउव
 म ०१ अदेकुपुधधिविष्णुःधाडिएगइयभा कदुः
 भवाकंदरगिभवाकुलीधमलः ०३ यंकुउध
 वनधुवउतेभदुभगभगन। उलमलगल्लिकुद
 लेकधलधुगभदम ०७ कुभिकुदविठजीभंले
 कभुतिभापभुजभा इल्लगुल्लल्लकुदमगति
 कल्लभउतिभा १० विदुल्लल्लल्लकगुल्लल्लिदु

कृष्ण ३३

३०१

ललाटोपयोगीमोनाकंधपुमभिकिपुन वीमिदं
 नमोऽस्तु यस्मिन्नेवार्ति ३८ भद्रहंपवनमनुत्रक
 समनकडमिडा भद्रापवममवयलगतभ्रात्रवि
 पुते ३५ यमामुत्तुभाकमभुपावभगेराल
 भा उरगापवयमलेकैवैरुवडिरुमा ३७ श्री
 गमः ॥ भद्रकवमंधपुलागम) सुभभडा य
 येमोडभनेयकुडंमभेधमिसेडभाभा ३९ मिमःम
 भत्रयेम) धुम) सुयेरेकभंद्रये इयकवेभिडिभु
 डनिचलभवमिधुते ३३ म) सुभुलागडभम) मड
 उमभवेयम) वृद्धमेमंभुवभंभुतेवमभेडम)
 कयैडसुयेडयकु कषभेडभिमिडुडि तडभिमंभुभने
 भिडुनभामुभवमिधुते ४० वमिधुः वृद्धकलमि
 यंडुठभिम) विधमिक) उनंविममभने निडु
 लभपसुभुडि ४० नमडुडगगिरेवमभेडुमयिडं
 क) ७७ ममभुयडेनदुडु मभगेनवेदल ४१
 उम) मडुभवेगेनयकुटुयेपथडिठिः एगडुडि
 दम) सभेडुमेमंकसुडम) ४३ वमभुपुयिकं
 गमभमभंवेपमिडुये उंवेम) मिसेडुयेभडा
 वमिवडिभान) ४४ वमिडुडिभुकरंभयेमंडवक
 सुते यकिनेडुडुगभेडनभेडनडुयडे इयमिडुंलाग
 डुडिडुडुएवायडिक ५५ डुडिभुकरं कसुडमि

३७

कपयुन ५० यदिसंक्षुतेकिङ्किल्लगुवगल
 जभभा भवंसचप्रकण्डुंमभगभगकित्रभा उम
 कपुलेयप्रुमदुमिधरिभिनि ठवरभमदुंमुम
 कपियगिधिनसुति ५३ उःभिभिउगकींनेउले
 नउमभुउभा मनपुभनठिउंमकिङ्किल्लमवमिउते ५७
 नसुहंनगधिमकसंनमसंनमममनभा नमकुउथ
 मउंयेयमनउयगिउभा ५० किमपुहधेसा
 इपलपुल्लगगुति नमत्रमत्रमममत्रठवेठव
 ननम ५० मिकउंमेहगिउभननुभरणंसिवभा
 मनमिमपुधदउंयमनमिनिगभयभा ५३ यमि
 ल्लगुभुगिमाधिभोजिकुंभवउ यमेयमन
 वेमंमेवःभमममदुकाभा ५३ सकल्लिङ्कनभाउ
 इउःभवइभवम यःमल्लिङ्कनभाउ
 मतिधसुति ५५ भावभममदुधंयनलेकेनलकु
 उ भनमिभनहउंयपुधंमपुगल्लनभा ५५ मने
 कीलिउमगुल्लभपुगकवल्लगगु हेभेवभम
 ठसंभउधंयेठिपसुति ५७ यधुपुमधिनविठेक
 लंसममल्लवग यमेयमल्लगुहंउरमेधउवउ
 मः ५१ हल्लःभवउंममिउभलीधतिधुः य
 धुमिउमीधुठभठडिरणगयभा ५३ यंविन
 कसयेधेउप्रकसमिभिगेधमः मतिधमिदुवउते

मे.
 ३.
 ०२

[illegible]

३३३

[illegible]

पुपंभंरागमिर्वदुष्टे ०८ मुरुवेदकियत्रभिकारल
 मंठवदुयभा वउभानेपिउत्रभिनमःधुउरकीमसः ०५
 कभंठवदुउरुंथाधुमेस्तवधुनः कगलंठविउंमजुः
 सुयययुउथेयम ०७ कगलुठवउःकदंनदंजकि
 सुनैमिउभा यउरुपलभेवभुउमेवेउभवभुउभा ०१
 मुरगभेवयदुडिसंविदेकनभेवउ यल्लगदु/सुउ
 धधेसंविदुमनभेवउ ०३ संविदुमनभेवउदधध
 भल्लगदुमः भनदेवुदुमिउधल्लगदुमनभउउ
 भा ०७ यदिसंम/सुउकिउउउमेवउनिभुउभा
 नभुभेडिनमेदेडिरगकिउउकमन ३- यम/दुवहं
 मलिलंभनहंभवनयम यम/धकमभठभेवुदे
 वडिरगउम ३० यम/धगभिवभेउचिदेवधभमं
 विदि उधल्लगदिवाठडिभुदेवधभभुनि ३३ सी
 ममः ॥ एवंमेउउधंभुदुधपनभुदयंवर ५दंम/सु
 विभंणउभमउधुपनभुडिवग ३३ भडिम/सुकिनदु
 धुभडिदुधुगिदुधुग एकभउदुयववैभकिरेकमेये
 दुयेः ३८ मरुउभंठवेयवदुधुम/सुधनमयः
 एवदुधुगदुधुनंभंठवडिभेकमभा ३५ म/सुमेउंठ
 वरुमेधमपुयभभागउभा उदु/सुभगलुनउउधेव
 वेननसुडि ३७ यल्लमनमंभुधधमसधेवमिदुउः

मे.
 ३.
 ३०

२

विनाभजुधुंउडीरंमकेधसगीपनः धमवकुप
भा॥ सुवेमवाकविकमिउ ०८ उभादुमेधुउ
पिल्लरगसुमीसकुपुधिलः सकेधनिमिउके
धधगिलभविभगीली ०५ मिमेवंधगिवगभा
लीवमेवनकष्टे ठविसकुजएलेनवीरंकुडे
धसगीपनः ०७ मउमसविपंकुउएलभवलिउ
भुगभा रगल्ल००येनेधंधुभगिधुडिवउउः ०१
भुभंधुपठिपभगमिदुलीवडुपुगधुधः यामै
वभजउमरंठवनधुवडिगल ०३ धवनभ
धविभुगंवीरंभजैकसगीपनः भवकुउरियः
भदभभभंधुभगिधुडि ०७ उउयमिदिल्ल
भेनधुकमेनकवधुवेग उएभुमउकंडुधुवि
धुमठिपगमभा १० इदमिविगुठठिगीए
भल्लैकसगीपनभा उभादुधविठेमेनभंभगः
धुभगिधुडि ११ ठवम्लउवभवउभुभउडवम
उः धमनंउभुभउधुगभउमउउभुउ १३ ठवि
वगिविल्लभापुउडीरंभसगीपिनः महेहध
मेनभभंधुभगःधुभगिधुडि १३ ठविधुधुवम
कुल्लनभभैकल्लनभुक भकुल्लनभगल्लेगनु
उमउहंधुयधुडि १४ ठविधुगेलकडेनवीर

भादुसिगीयनः भवणं गङ्गा नमुन्मङ्गलः भवः भूमि
 हृदि १५ सिद्धि विठ्ठल भवन निउत्तुङ्गाणि धरमद
 भा भयं धरि उतुत्तुङ्गाणि वनिगुत्तुभा १७ उमे
 उनिविमिसुग विविङ्गा निपुनदघ नमुत्तु
 भल हृत्ते भवनं सत्तु मेवदि ११ भंविङ्गा भत्तु
 भिङ्गा निगर्गनेमरे ठवति वर एन नियमवो
 कल्लुत्ते १३ भूमं धरि पसुति सत्तु सगपं
 रतिम धरभा भत्तु भत्तिङ्गा उल्लुनी ठवतिम
 विवत्तु मेव पवति निविवत्तु निभत्तिम सिद्धेदिङ्गा
 निभवगिङ्गा उल्लुङ्गा ठवतिदि ३ उल्लुङ्गा
 भत्तु भूमं उल्लुङ्गा कंमिदिः वेदनं कसरे धेयम
 नकं वेवधत्ति ३० वीरं एगङ्गा नत्र पङ्कभा
 इभभुवीरं धर हृत्तु सिद्धि सत्तिङ्गा उल्लु
 उमेव ठवतीति सत्तु उल्लुङ्गा उमेकभरभा भूम
 उल्लुङ्गाः ३३ भंमिष्टीरं धेमेन भभनः ॥ ७३
 मीवमिष्टुः ॥ धरभे उल्लुङ्गा निभुगे भभं भभभा भिष्टु
 भवत्तु नठ भेरा भूमः भत्तु मिकङ्गा नि ० भवं मेष्टु
 कल्लुनं भुमेष्टं सभुमेत्तु उमेदिमिष्टु कल्लुनं सिद्धि
 सत्तिङ्गा मेत्तु ३ उमेदीवत्तु कल्लुनं मेष्टं भं धेयम
 उल्लुङ्गा उमेदु कल्लुनं मेष्टं कथगत्तु वसत्तु ३

७
 भ.
 उ.
 १३

उत्तिष्ठिद्वकलनभक्तुपरिलुभतः । तत्तमेवम
नभुमिसकउमइकमिहं । ५ । तत्तुत्तुत्तु
उमउठवनाकुडुधिलः । अयमिहंभक्तुगुल्ले
एगममिचिल्लेहउ ॥ १ ॥ तत्तिदेवदभेलेतिधप्र
भगभिवदुत्तमा भक्तकसभक्तएहभक्तुयेकुय
नमुतिमा ॥ २ ॥ एगकुगल्लजकुनंगीएभेउमवा
थरमा । नयेद्वेउकिह्मिधमिहिवदुनिल
मिकमा ॥ ३ ॥ तत्तुमिहंभक्तुधिल्लेहमिकति
धुति धप्रभंविदुगभिवमिहइकुमेवउत्त ॥ ४ ॥
एगमकुह्मंयउउत्तभधिमिहति एगउःध
ल्लकंगीएभक्तुधमिहय ॥ ५ ॥ यदीएउत्त
लंविदुत्तभक्तुभयंएगउत्त । एवभधभक्तु
मेभननेधक्तुकेगलः ०- मिह्मकुकमकुत्त
इकल्लिउभिनवभुवः । अनेनेमुनउभेयमथी
मंविउत्त ०० उमभक्तुमकुधक्तुलनइत्तभ
नयमा । नक्तुमिहभक्तुधियमभिमिहनापुत्त ०१
तत्तुधंयधिकल्लइकमंउत्तइगभियत्त । अम
मेद्वल्लकंइकुइकुइकुउयउय ०२ उमइकु
विपिःधुंउइकुवइएगकुमः । यमभुगतिम
नक्तुवेधधक्तुमभुवः ०५ उमैवइकुइकुइ

3-

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

[illegible]

भाविहमेहएगकुमे ३१ सभराएवकमडिअधुष
 इयनंयसा इहनेकुडाएवसोअधुःअधुअडिउः
 अडिवाफिकमेलाअधुअडिउःअधुअडिउः ३२
 भिन्नाधिसंधवेवडाअधुअडिउःअधुअडिउः ३३ नकि
 डिमधिसंधवेनमएउंनमसुउं इहनेकुडाएवसोअधुअडिउः
 कसभवेवमिउभसडिउभा ३४ भडेलनगरका
 रमेउइमधिनैवमडा मुनिमिउभरडंमाएउइमि
 इभडिउभा ३५ मुनउंमात्रकुउंमनमडंमहवडि
 उभा भडकलेदविभजइइइमीनभसंसयभ
 अडिउअजनीकमिडुअलेभाअधुअडिउः उने
 यमइअधुअडिउःअडिअजइमिमंमडाभा ३६
 मुनइउरुवमिउंयाएववनिउमिठिः अधुअडिउः
 कुउंअधुअडिउःअधुअडिउःअधुअडिउः ३७ अडिउंभ
 इमभइइमवइवमसंरागा यइयइयसा
 उयइवइमविहउ ३८ उइउइउमनइम
 नेभुभभभडिनि अडिउवमियंअधुअडिउःअधुअडिउः
 यंअडिउः ३९ अडिउंभभठइवइमअधुअडिउःअधुअडिउः
 डि मसभेवमिमंमडाअधुअडिउःअधुअडिउःअधुअडिउः
 ४० निगएगंनिगएयभइउंमहवलिउभा
 एगइंविडिउअधुअडिउःअधुअडिउःअधुअडिउः ४१

३
 भः
 उः
 ३५

12

9

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

३७

मिदुनश्च उरुध्वं रगमभिसनभिम मिदुनश्च
 कर्मिर्भे रगमभिसनभिम १० मिदुल्लन
 राः सैलधरभा गल्लगदुमः मिदुनश्च रगमभिसन
 राः रगमभिसन ११ रगमभिसन
 ०० मिदुल्लनश्च उरुध्वं रगमभिसन
 मिदुनश्च रगमभिसन १२ रगमभिसन
 मिदुल्लनश्च उरुध्वं रगमभिसन
 वीमिदुनश्च उरुध्वं रगमभिसन १३ रगमभिसन
 रगमभिसन १४ रगमभिसन
 रगमभिसन १५ मिदुनश्च रगमभिसन
 रगमभिसन १६ मिदुनश्च रगमभिसन
 रगमभिसन १७ मिदुनश्च रगमभिसन
 रगमभिसन १८ मिदुनश्च रगमभिसन
 रगमभिसन १९ मिदुनश्च रगमभिसन
 रगमभिसन २० मिदुनश्च रगमभिसन
 रगमभिसन २१ मिदुनश्च रगमभिसन
 रगमभिसन २२ मिदुनश्च रगमभिसन
 रगमभिसन २३ मिदुनश्च रगमभिसन
 रगमभिसन २४ मिदुनश्च रगमभिसन
 रगमभिसन २५ मिदुनश्च रगमभिसन
 रगमभिसन २६ मिदुनश्च रगमभिसन
 रगमभिसन २७ मिदुनश्च रगमभिसन
 रगमभिसन २८ मिदुनश्च रगमभिसन
 रगमभिसन २९ मिदुनश्च रगमभिसन
 रगमभिसन ३० मिदुनश्च रगमभिसन

मे.
 ३०
 १३

लोपनमन्त्रिते ३० पञ्चवत्तुल्लोपेभ्यमत्रिवे
 सवमत्तमा मृद्वनृत्तुल्लोपेभ्यमत्रिवे
 ३: ३३ ममभुक्तुल्लोपेभ्यमत्रिवे
 भा मृद्वनृत्तुल्लोपेभ्यमत्रिवे ३३ न
 ममभुक्तुल्लोपेभ्यमत्रिवे ३३ यम
 भित्तुल्लोपेभ्यमत्रिवे ३३ गग
 नऽवधुक्तुल्लोपेभ्यमत्रिवे ३३
 उरधुः परमधुक्तुल्लोपेभ्यमत्रिवे ३३
 निम्नधुक्तुल्लोपेभ्यमत्रिवे ३३ ॥ ३३ ॥
 उरधुः परमधुक्तुल्लोपेभ्यमत्रिवे ३३
 येभुक्तुल्लोपेभ्यमत्रिवे ३३ ॥ ३३ ॥
 एगामभुक्तुल्लोपेभ्यमत्रिवे ३३ ॥
 भुक्तुल्लोपेभ्यमत्रिवे ३३ ॥ ३३ ॥
 मन्त्रनममन्त्रः ॥ ०३ ॥ मीवमिभुः ॥ मीवम
 कसमेवेयमन्त्रितोभ्यमत्रिवे ३३ विभले
 कसिपदेवमन्त्रितोभ्यमत्रिवे ३३ मृद्वीले
 वरुणीवमन्त्रितोभ्यमत्रिवे ३३ मीद्वीले
 कीलनमेद्वीले ३३ ममभुक्तुल्लोपेभ्यमत्रिवे ३३
 मृद्वीले ३३ विमिवे ३३ मृद्वीले ३३
 विमिवे ३३ मृद्वीले ३३

ननुपि एगदुनंभुतिभुलातुनंभुतिपममलः
 एगदुनभनठनंभुदुल्लेष्टुतिरेकतः एलस
 दंमुएलं। इष्टुतिरेकवदुतिमभा १ पुनकुउत
 धीभनिएगतिष्टुभुतिपि ५ सुमीनिनभुते
 वधुप्रभदुल्लयेगिद ७ धिदुगुदेमहिहमिद्वि ५
 लुनकामुतिपि ५ भनदुंएलभिवनभंठव
 तिजइमिडा १ एगदुधिदुगुदेमिदुल्लन
 गीधमे भगेभगिदिवकडिमु सुडकुडिउधि
 ५ ३ धधुगदुल्लवरागडा। इलगेमेनको
 मन प्रगिरेकलनेदुजासुश्रीष्टिभकेवलभा
 वलपिदुल्लविष्टुएगदुदुदुठवनभा ए
 गदुदुपसदुनभजेनसेवठिउडा ०० ३
 मंडुमेहमिदुदुठनेठनंनठःभुति उषाअदुं
 यषमभंभुतिमदुल्लवगिदः ०० यषाअ
 धधुगंभुदुएगदुगवभंभुति उषाएगदिदं
 धधुगंभुदुलिउएगदुति ०१ उभगमेहमि
 दुधंएगदुमेवकेवलभा सुष्टुष्टुमेएगदु
 कोधदुयेविदुमिदुये ०३ उभगत्रकिष्टि
 ददुनंएगदुमीदुधंमुकभा पुनगदुभनठि
 सुजंयषाभुउभवभुउभा ०५ एगमेवभ

५८

७

मे.
 ३.
 १७

नकसंसिद्धकसमभठिडिभउ ३५ ससुभ
 ३५ उलयासुभप्रकभा ०१ सुकसुधम
 वसुंधिगुदविवलिउभा ३५ भिडेभमयंसिउं
 भकुलधगवउभा ०२ सुदेसंभाधगपुनं
 सभासुवकुमभा निःभनेरुयसभेडेसि
 उविसुत्रिभउउ ०१ श्रीगभः ॥ भडेपवाहुये
 सुकुभभमेनवसुभ भधधगपुनभापलं
 येनवेपेविवचे ०३ श्रीवभिधुः ॥ सुकुमभि
 नदीधीउकुलधमेविकभवना धमेनभच
 धः श्रीभानुदुभेडेडेकेसवना ०७ भदरुध
 लेनेभेपिधुभिभिठरुधुः कनुकुभमिनी
 मनुकेभउधुदुधमनः १- भेरुचिपवाधुनं
 यममेधुधुवल्धः भगः भकुलधमानंकल
 कभलठरुधुः १० सभुवभुधधवेभउभउध
 केभगी भभभुविधुधयिउः भवसुदगुधकः
 सुगभभगधेठविलभधुधमलः विल
 भधधधभधभेठगुधुभभायपः १३ नील
 लउलभुभरुधुधमेधुवकेसवः भेरुधुके
 वसमीकुलीललठिकनलः १५ ३धुभीधुठ
 गठदलीलनभविलभिनी भवभेठगु

3

यदुक्तमुच्यते धूमिगभागमैः एल्लकेलिवि
 लामेनधममभभक्तैः ०० चउगीउकलल
 मुतायवेकृणवाडिकिः भङ्गीउकैः भकचनैवी ७
 भुरणवगनैः ०१ उहुनेभभविडीगवाकैभवन
 वीमिधु मुतः भोभुकेमुभउभउभउमउम ०३
 भावलभापसंवाहुउभुयिनीधिया एकद
 मित्रयभभसुठमंकलमालिनी ०७ भाल्ले
 धिधियेकडाभमैधरणगीधरिः धैवनेल्लभल
 क्रीवकुसंभुदरणभरः १- कहुनेनभैकेड
 भनीजभभभदभ कसंभैरंसिंकेतुगभयव
 मउतुदभा १० उमयउयवभउभुधैरपयभ
 किउः ररणीसकमीरणयमभुदरणभरः ११
 लूनवाहुंभुधैवाहुविहवाहुनदंक्षिणनाथ
 मुभिउवद्वालंकसंनभुत्रुल्लभिउ १३ स
 सन्नयुसुभंप्रदुक्षिणदधुभानडा सुभर
 इंकसंविभुठवेदिउधनःधनः १४ विभुपुमः
 उधैरपयभैविमभभुगभिदुसिदुयः मंभु
 उभरहुंउनकदगनलहउ १५ इहकलुक्षिण
 भायमित्रयभभभभनः १६ मंभुधुधैवभु
 वीउधियवियेगः १७ भालंकहुवगुभयसिद

भ.
 ३.
 ३०

वदुविधुति उदुचदःपनिदुजभंभुअभापभदु
 नि ११ चमवदभदभु... कउमेमेदगिधुति उदुगि
 धुउमयेनरुविगेदत्रयाधुति १३ उदुभदुदुणी
 वेभिदत्रिलेमुदुभुभुधु कउर्वलेकिउनिहंनि
 वदुभियमभापभा १७ सधुवगहंउमंमेवील्ल
 धिंभरधुगीभा लधेधवासनियभैगंउधंप्ररग्य
 धुदभा ३० इतिनिधुिदभानाभभत्रैववगदुन
 यममभुंममगिगुंउधेनियभभभुिउ ३० रिग
 उधुिगउधुधहउदधधल मेवधुिगगुभुधुल्ल
 विधुदुधधधल ३३ भनमनउधेधुननिउधु
 उमगीरिका भवभुिदभदभुगकगिनील्ल
 मकगिनी ३३ यमकलंयधेधुंयममभुं
 यमभुभभा उधयमभकउभभगिधुउउधुिउ
 भा ३५ रिगउमउभेवंभावलनियभमगलि
 नी भनगउधेनिधुभगिधुधुमेधुय ३५ रि
 गउल्लमउनधधधुिउधुिभगभउ उधुठग
 वगीगीगीवगीमीदभवमउभा ३७ निगउल्ल
 उधमकउठकुडिसगयिन धगिउधुभमेउवमे
 गधल्लवभभीधुिभा ३१ गधुवम ॥ रायरा
 मरगगुल्लमकमेधममिधुठ रायकगधुवक

म.
३.
३३

वसन्तुवाकीवभनिनीभरलेन्द्रायी ५० यमउभाति
 भउविहल्लंभदमकमठवभरभउी मठंगीह
 ममेधविहल्लंभुमभन्नाधिरिवउकभद ५०
 उदुडिभुकरलेभभधोएनेगह्णीधरिमेवनन
 भभनः ॥ ७० ॥ भरभुदुवम ॥ सवीकुउभिभंव
 डेठउरंभधकधलेः उम्लुभुभयेकहंभनरे
 नभवभुमि ० भधगभभनिभेधुतिनेनमेध
 विनदुडि इयम्लउवकउयभमिरेलठविधति ७
 ॥ ७१ ॥ मयम्लगीविभवाकमविभमभुव ननि
 नभिधतिदिभुभधुतःभरभभभभा ७ भदम
 सेलनयनभभकलेडिववुठिः भभभभभ
 मिउगदभयेकिरिवधमिनी ८ धडिभंभुभुत
 इवभधभरभुगेधिउभा किफिमभुभिउडिभु
 इधलेवनियनिनी ५ उभिनेवदिनेभकउभि
 सुडुउभभभये मरगडेधरिनेभचभिभ्रिभुय
 कउ ७ सुडिंभगवंडीमेवीमुडुह्णनभकपिघा
 दुःपारुह्णययभभभेवपसंभयेडुभा ७
 किंभोउभिदुयवडेपडेकिभिडिसेकिउभा
 भंभगेकुउयेकडिभागदुधुधवदुय ३ लीला
 उभभभुभ्रिउउकिंकरेमकीयसः भभीधन

३

यमंउभुनैकसंज्ञेभिरणीविउभा ७ मेवी ॥ मिडा
 कसंमिमकसमभक्तसंगडुगीयकभा उहःसु
 तुभिभंविद्विमिकसंवरने ०० सुहमेवेमभ
 पिलंरागाडइविवक्तिउभा सुहंभित्तिष्ट
 ननननैवनिचयः ०० सुक्तिभयमेवेमंकल्य
 ननुभिउंरागाड इतिभक्तभक्तसंगडुगीयकभा
 वस्तिउभा ०३ उस्मिकसंज्ञेभिरणीविउभा
 ठवनडा सुविद्विभक्तभक्तसंगडुगीयकभा ०३
 मेसंगेसंगुभक्तसंगडुगीयकभा निमेष
 ॥ मिमकसंज्ञेभिरणीविउभा ०० उस्मिक
 भुनिःसेधमङ्कल्यभक्तिभक्तिमेडा भवत्कथ
 मंडडुगा सुभक्तसंगडुगीयकभा ०१ सुहउठवभं
 विद्विभक्तसंगडुगीयकभा ननुभक्तसंगडुगीयकभा
 उभक्तभक्ति ०० सुविभक्तिः ॥ इडुगाभा
 ययेमेवीमिद्विभक्तसंगडुगीयकभा लीलउली
 लेयेवभीविचिकल्यभक्तिभक्ति ०१ उडु
 रानिमेधेभातःकरभा सुदेकाय
 भिविद्विभक्तिभक्तिभक्तिभक्ति ०३ मरुसंगडुगीयकभा
 उभंउभक्तसंगडुगीयकभा भक्तिभक्तिभक्तिभक्ति
 भक्तिभक्तिभक्तिभक्ति ०० भक्तिभक्तिभक्तिभक्ति

भ.
 उ.
 ३३

पद्यमा प्रेक्षसीभुक्तुतेकचधरुवरिणरुक्कभा
 सुगुहभुक्तुतेकचधरुवरिणरुक्कभा नन्ननगरनि
 द्वा... भेष्टेगभुपतीसुगभा ३३ यथाउमभकरभं
 भगुंनरथोःभरुभा ह्येभगिद्वकंहेभभयीभिकि
 केवधुगएवीभा ३३ इभुतीउउभगुमरुसुभेन
 केसन सट्टमङ्गलरमिडंभुमभक्कभिनीभिव ३४
 उषउउंनमस्यसुःभाङ्गुतीधरेगउभा सट्टमङ्गलर
 मिडंभेष्टेधनगंगीयस ३५ भूजनेवउक्कवक्कम
 मत्तमठउले इङ्गुउवभभंभुअत्रगरात्रगराउरभा ३६
 उडेसंभुनयामगंभुसुउनेवउलकन ३७ उएव
 उल्लवनिडांभुंभुनेवमभडिः ३७ उनेवकुविडु
 थालंभुंभुनेवमभडिडन ३८ उनेवनमभमिवाकु
 टंभुनेवउक्कमान ३३ उषउउनुप्रचंभुभाभिड
 कृकृमभुस ३४ उवकगंभुसुउंभुधेगनउभुवेवम ३७
 भयुङ्ककलेदिवसंभनमवउल्लदिसः सउगिद्वं
 भमवुङ्कंभभेष्टेधनसुनिभा ४० भंकीकृमनंमीमै
 लधुगधउनभाभिडभा नन्ननगरविट्टमएङ्गल
 गुममङ्गलभा ४० डिगभुवदंभुथालंभुउउ
 लगेभेष्टिउभा भूजुनीएनउंभचंभभभुनुभ
 वगिनः ४१ भाउनलेकुललनमिउधरवस

३७

३७

भे.
 उ.
 ३५

ठवग ३ भिन्नगरवमुष्टकमुंभवेभाउडडि ८३
 धनः प्रसूतिविषेनपुत्रुतः प्रगुतभा सुलगा
 भद्रमज्ञासभाचगुंउम्वडा ८२ सवपुंभुतुं
 प्रधमभुगोधिभा निद्रुतलंभगिरुनंभविस्सं
 उम्वडाभा ८१ सुमभेउधयभभनिद्रुतंभाये
 एनभा सुकमगीवभेदःपैभभुनंमीयडभिडि
 वडुः भिन्नमनभुप्रधुवेडिधुतुंयदि धसुतीभ
 सुभद्रुतंउदुलीवभिनपुष्पा ८० भगएधगिवरे
 मउयेदुजेयिभभभा सुसीदुनिद्रुःभद्रुःभचःभच
 भकमभा ८३ धेगकहकभनेउंयवदुष्टीकध
 दुयः सुवकगंकलपिउभचीभद्रुकरडव ८७
 सुभुनद्रुभिंद्रुंभभलगाभभगडः भूरा
 दुयेमभल्लिनंयंमभभगडव १० मद्रुनंभुडि
 मीधेयभभुःपीडभेभुमः सुमद्रुमनयेवभ
 भनद्रुधदुयः १० एनडः प्रयभभुः प्रर
 भिगद्रुभिकः सुसीदुलपमंभुद्रुगभनडक
 भभा १३ सुलगाद्रुडिभभतः भंभंभुनभनिद्रि
 गः इलेडेभनद्रुनेनेकेपल्लयभभिसः १३
 वपुगकीलकुद्रुभभुभनयमील्लः उद्रुम
 उमभेद्रुतभंभलभेदिनीनिलः १४ पदुतेध

८४

3

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

भोभुतःभनभनरिभः स्रुंभनृयःसुत्रेयसकल
 सुप्रकः ०१ रेवी ॥ त्रिभेनरिभपूनेनकममनर
 यते नरिक्कवल्लुक्कहंभनृभस्रुमंक्रयिग ०३
 लील ॥ स्रुउकवल्लुक्कहंभविल्लनभभिके
 नभुमउभसक्रभ/स्रुएभुल्लभुमभमभा ०७
 रेवी ॥ भभनृउरियक्कहंकवल्लभनृकरिठिः भ
 एक्कवल्लवैमिडुंकिडिउंभवलेकुते १० नमइकु
 उभनभकिडिउंभुमिकवल्लभा नभुभभलेउकु
 भिल्लउउवगनने १० गउंभैमिडुंकीयउःभु
 मिडुकुल्लभा भनृकमील्लकह्वकवल्लउउकव
 ल्लभा १३ कवल्लनभनृवैधियेयउभनृकरिठिभा
 उउवकवल्लनभुइवेलेउउकुये १३ लील भभा
 डिभभदेविभनृउभभभुवभभगउ भभाउभुकर
 लंवेदिभनेयभित्तिनिस्रयः १४ रेवी भभाउभु
 कस्रुयैवयभउल्लभुभेवउ ठउभनेउकुउरिभ
 यभेवउभवले १५ लील भभाउकसभयःभने
 यभनृउभभेमिडुः उभेवभभनृभनृभनेउनियस
 नभा १७ रेवी भवभउभभनृनेठउभेठरिठभुवः
 उभेवयभित्तिभभुभेउभनृभने १७ लील
 यभभभुभुभेभभनृभनेभभुभुः यउभभभुयं

भं.
 ३०
 ३२

वरभरणगुहनिवाउये १३ देवी भूभुतेहृतिभा
 इन्द्रभनेयभदिउयेषा भुधभभुकेठगिउमंक
 सुउमभा १७ मभिकमिभिमकमेउमिउंभर
 भाधधः मुकमकममलवमुमनमुमिउकतिः
 भेरुभुभुलेकेमभरसीभलठल्लिकः मउमसा
 भवरकभुगउठनमीधकः ३० केभभुभुउवल्मीक
 सुउधवउलेधुकः मुनेकभुइरगठभूरेमभुइर
 भमभा ३१ दक्षीधकेमकगठुभैभुउलकलिभ
 नठेनिवभिमिभुधभभिककडिउधुभः ३३ थ
 येमगठुभुभुलवलिउकेलकः वउभानभल
 वंसभुउउवेभनिकदिभिः ३४ भगभगदिमुठल
 लीलकलकलकुलः लेकउरभगभठभुध
 भुगनिकरः ३५ मगिउउभिमसीरलेमिउभकीउ
 लः थउलकुउलभुनेठिगठभुकेरः ३७ ३३
 कभिमिभुकेकभिमिभुधवरकेमरे सैललेधुउले
 भुकेगिगिगुभकयउकः ३१ उभिमवमीसैलवने
 भगुठेभगिभमरः भउवनीगः नेलीरवभुए
 कयगिभुभुचगिभिमधभरेडिलेकुउ ३३ ३
 इउधकललीलेधगुनेमकलभनइउउध
 डिभाभनंनभभनः ॥ ०३ ॥ देवी ॥ विउवेमवयक

३०

३१

३३
 ३४
 ३५

मं.
उ.
३७

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

नंगकण्ठभाउद्विः ३३ शुण्णककुञ्जकमेमि
 मकसमयपुनि उभिन्विस्मवीकुउकुउकस
 मरीगि ३८ भउभुवृङ्गलीरुदुमेकेनपुउ
 कदिउ सुधेवभाभसिभिककृमयेनपुपगभ
 ३/ ३५ कउमकसवीकुउमेकभइरुपुउः सु
 उिवगदिकमेकेनकउरंभभथयये ३७ नमीनि
 पपउभिवउंठउगभउम/हमा सुलगभविसे
 कइंभवभउवभाइगी ३७ उइधुविधुधुभउग/
 कलि कुभुवगमीनिग/निभति सुइधुभं
 भभभुम/इलीवीगिगिगुभकभंविउः ३३
 उइधुकरलेलीलेधगएनेवृङ्गलभभलंन
 भभनः ॥ ७७ ॥ मेवी भउठउधुभंविउद्विस्म
 कुपउभगउः यभावगवृगीनभभुङ्गलीभउ
 भइने ० उदेभेकुउउगएउंउकेवउंभभभगी
 मइवकगविवनवो कुविउउंमेविगविउ ३/ १७
 भउकमिउःभवःभुङ्गनःभंभगीउकुभः इउिभ
 इकभकसमभेवरीवभउधय/उ ३ इभग/
 भगमिदममेइभेयंभुगिगिभिउः सुभइपवम
 भइकुवउंठवकइमः ८ उभभकुउिभयःकःभ
 केवभुवृङ्गलीरुदुमेकेनपुउ

३३
 ७७

मे.
 ३.
 ३३

त्रुष्टिगुणः ५ श्रीविभुः इष्टकलुमिरंगा
 कविस्मयेष्टुल्लेखनः कुट्टेवमवमेलीलाली
 लालमथकवगभा ७ मेविद्वयमनंभिसुखं
 मभयभीष्टमभा कविभूरीवःधगदिक्केभवय
 भिरुष्टिः १ इष्ट/मैकउरंभकुमुसैलभु
 सिमेस कसंभगतिग/रुष्टुउमकुउयेधवभि
 उः ३ भडापेगवभित्तुःभिरुष्टक/केले भ
 भके/रुउंयुंभिके/भैरुकेले ७ भद्रमैभु
 धिउभेरिगीलेभप्रभयिन भद्रगुगलिउंम
 इष्टिउच/इतिवदिः ०० सुभभद्रभभैवउरु
 सभवेसुरेपुरि उषग/कउःध/मिमीसैल/मैउ
 भभद्रमभा ०० यमवमेउमेवेसिकसयभ
 लयगपिय भभद्रग/कीउकिनेष्टिरुउभ
 केरुमः ०१ मैवी ॥ नरुंभिसुवमभीयंयम
 वसुभभयि केरुनंनियतीनंदित्रियेनभ
 रुदिठिः ०३ विरिडुभनभहेनभुययभु
 भवेयभा भद्रगंउंभयकिवांकेधःधल्लयि
 धुति ०४ भद्रभैष्टिरुगीवपुउधित्रेवभभ
 रुनि हेष्टुवेमंभकीगभुंहेभपुवभुधुति ०५
 यमभभैष्टिरुवनेभद्रल्लेष्टिरुगुम यमक

ॐ

ॐ

भद्रनीष्टु/गिनुधुयवेरुमिडावु
 सुष्टेष्टु/गिदुमउरुभद्रने

भ. उ. ३७

स। ७ ३१ यमैरुडिठभउंरगडुनवठभ
 नभा उमैरुडिठभउंरगडुनवठभनभा ३३
 क। कल्लरगडुनवठभउंरगडुनवठभनभा य
 स। ७ ३० यमैरुडिठभउंरगडुनवठभ
 यमैरुडिठभउंरगडुनवठभनभा उमैरुडिठभ
 भउंरगडुनवठभउंरगडुनवठभ ३- सुपेयिठभिकण
 गभुडिठभिकणउडि कभुधामभिमभेठभभा
 यभिरिधसुडि ३० यमैरुडिठभउंरगडुनवठभ
 सेडि १०३ भुधंथिउः भउंरगडुनवठभउंरगडुनवठभ
 उमैरुडिठभउंरगडुनवठभउंरगडुनवठभ उमैरुडिठभ
 ठवंरलेयिठभउंरगडुनवठभभासः ३३ वठभवठभ
 भुभेभवेउमैरुडिठभउंरगडुनवठभ मिठभकभभनैठभ
 उमैरुडिठभउंरगडुनवठभ ३४ वठभनभेठभउंरगडुनवठभ
 उः संभभभभभके नकिठभिठभउंरगडुनवठभउंरगडुनवठभ
 उमैरुडिठभउंरगडुनवठभ ३५ यमैरुडिठभउंरगडुनवठभ
 क। उमैरुडिठभउंरगडुनवठभ भवमैरुडिठभउंरगडुनवठभ
 भुयस्रनभा ३० यमैरुडिठभउंरगडुनवठभ
 सभिरिः थरलेकयमैरुडिठभउंरगडुनवठभ
 उडुप्रथरलेकयमैरुडिठभउंरगडुनवठभ नभ
 नगधिकेठभभुवीमीनभिववगि ३३ यमैरुडिठभ

विभु/३५ उंर
 ठवंरलेयिठभ
 भवमैरुडिठभ

३३

३

३१

٤٠

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

क०... रिक्तैवमिदं यैव भवति १ ननु कुतश्च कुतश्च
 भवति कुतश्च कुतश्च सुप्रसन्नमनसु भिन्नदिशि व
 धितुं भवति १ क० मितुं ॥ रिक्तं दृष्टुं भवति
 उभयसु ॥ कतिपयमनसु यैव भवति ३
 स्यात्तुं दृष्टुं नमीमन्नुत भवति ॥ क०
 सिद्धिं क० मितुं ननु भवति ॥ ७ भवति
 क० मितुं यैव क० मितुं विना सिद्धिं न भवति
 स० क० क० लीय वदुः ०० स० विदुः स०
 सुभेदः दृष्टिं यैव ॥ रिक्तं नीभिः उत न भवति
 न क० मितुं ०० स० क० वमं भवति विना क०
 गदुः ॥ स० क० मयि भवति न क० विभक्त ००
 स० क० मः भवति स० क० वमं विना स० क०
 भवति न क० मितुं विना क० मितुं ०० स० स०
 न स० मितुं मितुं मितुं यैव ॥ उ० क० मितुं
 उ० मितुं मितुं मितुं ०० स० मितुं मितुं
 भवति विना क० क० क० क० क० क०
 क० क० ०० लीनं क० क० क० क० क०
 क० क० क० क० क० क० क० क० क०
 क० क० क० क० क० क० क० क० क०
 क० क० क० क० क० क० क० क० क०

॥ ५

३

भे.
 ३०
 ५०

मिनिःधुयभा ०१ धरुणमिदुभायतिमउनधुयभा
जिउः महुयभदभिदुहःधुयनमःधुययउ ०३
ककडलीयवकुसुमवतिभुतिठभयः १७वभकुमि
उलेकेनकिपुनकममन ०७ कुमिमकुमिउना
भकेवलंसित्रठःजिउभा द्विविपायाःभोउरभा
कुवल्धमंभमभा १- कटुकवल्धवेभावेकमे
वमिमधुयभा कटुकवल्धेःभडाकवल्धःभरुक
गिठिः १० कटुकवल्धेवेकुंउमठवत्रसभुति
भदामिदुधमेवेमंभमवल्धिवेमनभा ११ ॥
कटुकवल्धवेउतेनसंवेनवभुवः १२वन्किद्वि
मद्वन्मसुंरिलगमद्विधि १३ मिदकसंसिम
कमेकेवलंभुनिभिउभा लील सदेवधभा
मधुमसिउमेविभेदया दुधवीत्तगतीभुउःभु
येवेद्वल्धुउः १४ इमनीभदमउभुंयावद्वि
उमसि नकुमेनविनउवद्विद्वीभंमेविकेउक
भा १० यउमोवुद्वल्धेनेद्वुद्वल्धुभाकिउवे
गं उमनंउंगिरिगुमंनयभंभवेद्विउभा ११
मेवी मसोदमिदुधमयीधमंभावंनीमसभा म
वलधुमभाकरभवभुठवभला १३ ३३ःभुभु
भुमेद्वेकंभुभुनंनठःजिउभा कुमिधुगिरिमद्व

11

यमभुप्रेयषापीडकलपुत्रेयषाकुमे यमभुम
 निभकुलेयषागनुचभउने ५२ वामनउन्नंवनं
 यमउभिउमेधुति उमउिवदिकीठवंभनगेधुति
 मेरुकः ५५ लीला सुउिवदिकमेरुकभुस्यथ
 नांगउ उभवप्रेयुयमेरुमभैदिविनसुति ५७
 मेवी यमभिनभउउधनममनममउभैरुवम व
 सुउेनभियेउवनमःभुउइकीमसः ५९ रहुंम
 दइमनभुभइवेपवसइउ भइननभुभउम व
 एवंकवमइम ५३ उमभइधरिउनइ सुउ
 नपिठेउिकः कलदनविनिवउउकलिउयमि
 केनमिउ ५७ भामिलमभुधभैवयनेरुमि
 कममन धरभइधरपुलभिमंरुमिकंकि
 उभा ७० इतिभइवयंठइधसुभेनमिधसुमि
 सुमिभनेठेवसिउंकलदनकलिउयम ७० इम
 उउःभुइठेकंभइंइसुमिवइउ लीला एकमि
 वेवभंसउेमिकलपुविठगिनि विइभनेधर
 उइकलदनवभरःउउः ७३ मेवी कएकइंय
 मदेभिउरइइंयमभुमि भइइंयमभुभ
 भइलदनगरमिध ७५ नभुवभइउरउमन
 सुवमिइमे कलदनइउिगिउइउइउवमनभय
 ग ७५ यमनभुभुयंभःधरेनभुउमकल

भे.
 उ.
 ५३

प्रकलकलनंसात्रुभिरुमेकभरंगुतः यद्वैरुं
 भेडकिड्डुडुवनिगभयभा कसनंकगुनगु
 नकउधुगिभल्लिव ७१ लील पडवउंसिं
 कलभेवंगविवयंवर इभिरः केसनभेभेडु
 डेडविकलनैः ७३ मेवी सुविमगि डलेडुत्र
 भिमिरभाकुल सुविमगः धुठवेडुः भविमग
 धिनसुडि ७७ पधेभेवेवेडनडुगविडुधनवि सुविमगे विम
 मुडे उधवेवविमगेभिनविडुधिनववुनभा डेवविमगे
 नभेडोभिनिरगवपंसुडवेपडिमंरगड पड
 वउंभिमंकलंडयेडवविमगिभ १० डमनभं
 ३३ डुडुं डुडुं वल्लवडुडुल सुडुडुडुडु
 भिविभडुभिविवेकिनी ११ वभनडनवेवी
 लेधडिउंउवेडभि सुमवेवदिनेडुनंमसुंभंभ
 गभकभा १३ यमउमकधंकेनवडुडेवभ
 नगधिका सुडुडुठवभंयडेमधुमसुडुसभ
 ३ः १८ एकडुनेयंगुडेनिचिकल्लभभापि
 नि वभनडयवीलेभिकिडुमडुगिडेडुडि
 डुभवेमयभेडुडिगगडुधगमिकमः भंभ
 उभभवसुयंनिडुलडुभयेडुडि १७ निचिक
 ल्लभभापनंभुडिभुभल्लभेडुडि ॥ विगडकल्ल

सुविमगे विम
 डेवविमगे
 नसुडि
 य

न कलिभ कलङ्क गगन कलत्र निमल वलेन
 भकल कलन कट्टक ७ उक्कुरि थय कट्टवसा
 कृविधुभीति ११ लीलीये एने विस्त्रुथ मेमेने
 भभनः ॥ १० ॥ मेवी यमः सुप्रथिगुन पु प्रमेदे
 नवभुवः सनकुडे थयं उड्डु भन उ न व भन
 यमः सुप्रथिगुन पु प्रमेदः प्रसाधुति वभन
 नवउड्डु गुमेदे धिसाधुति ३ सुप्रभङ्गमेद
 उदेदेयं मेदेयमः उमरुगु वन उ मदेव
 उवदिकः ३ सुप्रनिवसने वीरेय मेमेतिभ
 सुप्रउ एगुट वभन वीरे उमेदे विभुज ८
 येयं उरुगी वदुज न वभन भन वभन सुड्डु
 ३ भिड्डु विपन्न उड्डु भभन उ प्रमुडे १ यमः सुप्रभ
 न निड्डु भभन सुप्रभितिभाः यड्डु वभन एगु
 सुप्रने मेदे उमुडे २ भुङ्गी वभन निड्डु उड्डु
 सवदन कमुडे एगुट धिक्कवेड्डु विदिउ थ मेथमे
 भुङ्गी वभन येद री वड्डु री विड्डु भिड्डुः सु
 भुङ्गी परिगुड्डु भभन री वदुजिगमुडे ३ सुड्डु भड्डु
 न धाड्डु मेडेः सुड्डु वभन भ सुड्डु विदिक उमेति
 विभं उ थ मि वल्लुभा ७ सुड्डु विदिक उमेयं
 वड्डु मि उ उरुगनः भन एगु उरुगनः भिड्डु मि

मे.
 ३.
 ५८

लज्जितेतरा ०० यमतेयमकंठवः शृङ्गभासु
त्रिभेष्टुति उमेष्टुतिभृगम् शृङ्गतेयपेययभा
प्रतिवातिकङ्कशृङ्गभृतिउयेतिमासुगीभा यम
उयवृमङ्कल्लेकपुङ्कतिधवनीन ०१ वामनता
नेवेउमङ्कयउमनिमिउ उमिदेरिभभयउ
लीवमङ्कविष्टमि ०३ यवत्रप्रतिउभुधनि
मलेतेयमनुभाः उवष्टुमिभुष्टुलेकनुव
भवेष्टु ०४ मंभमेदेमंभमेदेनेवमंभमेधभा
सुति नडमिउमगीरम् शृङ्गतेयकङ्क ०५ यम
नठवभवेउष्टुमभितभमङ्कभा सुवल्मिष्टुमं
मिष्टुननभवरमभयता ०६ सुर्वेयथनङ्कभा
मृष्टुष्टुमृष्टुयउ मंभमवमनकंष्टुत्रनंमि
उमगीरता ०७ उमेष्टुगीमभेष्टुकेनमित्रेथल
सुउ केवलं उल्लेनमेदेभियमालेवलेष्टु ०८
मृष्टुष्टुयनभियउनाउलीवठिकिष्टुन केकिल
मभमङ्कल्लेष्टुमङ्कलीविउ ०९ लीविउं
भमंमैउष्टुल्लेष्टुमभययम सुभमवठुउ
मभिमृष्टिसगीरके १० लील उमेउष्टुमिष्टुं
भेष्टुनंमेविष्टुयभलभा यमिष्टुङ्गिगउमगति
भतिविष्टुविष्टुमिक १० मृष्टुभउनेउकेकिके

मलः ३३

कवचकलनिमग्नितुनिद्रुभउविदेकविरो
 वरिभैः ५ गलतिभिमीउलेविदेः मरुति
 भद्रभित्तिकेवमउभीति ३२ वल्लीकिः ५ इज
 वदुषभनेमिर्वसेलगभभायउनयविपयेभु
 भिनेलगभ भउंभकाउनभकुललगभ
 सुभाद्रयेरविकवेसुभदरलगभ ३५ इति
 द्वितीयमिना ॥ लीलेधगष्टेविस्तुनसुभ
 वलनंनभमनः ॥३३॥ श्रीविभुः ॥ इतिभ
 कल्पनंदरुउधुंनिमिवगदने सधुधरिए
 नेउनभमउःधुभभुथे ० रुधपिलजल
 दुगगवद्रेमद्रेमेउभी ५धुधुभभुधुीउभं
 भलभेभभउरे १ सुभनभलवभनसवध
 सुभनभुउ भकलभलपलेधुवमनेधुीउ
 भद्रे ३ भभापिभुनकंगरुउभुउविमल
 इके रउभुभमिर्वेकीलेमिइठिउविवादिउ
 भवभुदरुउविभुःभद्रेमंभभुधगउ मिव
 भउइवलिहोभुभउभेदलोपिके ५ वदुव
 उदुमंसउमुदुभद्रेविवल्लिउ गिर्विसरमि
 निवउइववभुभुभालिके ७ निविकल्पमभा
 पनरुउउविभंविदभा यमकल्पलउका
 रम

८

उप्रलभ्युत्तरेभमा १ सुदंलगमिदिउत्तरे
 सुधुमवतुवः यमगुह्यभवगतः सुधुतुव
 नद्वकः ३ उमफासुपिसमयेभलभभुदुभुये :
 सुभदुमेवमभकंसमसमभुभिवनथ ७
 सुमवउमयवगभुवउभनेधुउम कउंसक
 उमेवउभागरुधुधुवदुगग ०० सुठवःकेवल :
 सउःधीद्वयभभुभिव मद्रुकमिधमजेथ
 सुभभुभिवभुभमा ०० उनेवदुनमेठेनउउ
 सुधुमेव भनधीदिउ ७ सुधुनदुनउउ
 धि ७ ०३ गेरुउगेवधुमेमभभुभुवमिवः
 उद्वउसुमकसउधि ७ ७ ७ भगवती ०३ सु
 सुउललेनेलीललनेललिउलेमेने सुठव
 सुठभंविउउठेदुगभिवगउ ०५ उउभुगकमि
 सुधुधुवउनठभुलभा केरियेएनविभी
 लंदुगदुगउगभ ०१ सुधुभभुननिरा
 सुठवमकसमेकेसधुउभिमेउ धगभदक
 रविलेकनेनउद्वउःअदधेववय ०७ ७५
 उधुकरलीलधुधुविदुनमेठककसग
 भनंभभनः ॥ १३ ॥ श्रीवमिधुः ॥ सुगदुभभ
 सुठमनेरुधुधुगउ दधुधुभभभुयउ

भे.
 ३.
 ५७

कङ्कनगङ्गिभुलजिह्विकङ्कनभुलठभरभा ०३
 भद्रभरकडठठिः सङ्कलभुलनीलिभ दूधुम्भ
 धिक्कयभट्टरउसुतेडुकलिभ ०४ धरिण्डल
 उल्लैलविभनगल्लकेडनभा वैपभाङ्कगिडकगभि
 ववैडुदङ्कलभा ०५ भनैवेगभद्रभद्रुलिण्डव
 उगभणभभा विभनगल्लकेवभीगीउवडुग
 कुलभा ईलैडुभरङ्कउप्यभाङ्कगविगल्लनुरभा
 वट्टेवप्यधुमङ्कभभभरकुलकुलभा ०६
 भद्रउभिउकुठङ्कगिगुङ्ककभङ्कलभा वउङ्क
 वुभद्रवेगवडङ्कभनिकवप्यभा ०७ वडुडिभ
 नरङ्कभभधुगुङ्कभनसुनि गुरुङ्कगल्लभाङ्क
 रभाङ्कलङ्कउयडुकभा ०८ निकलउधमगुल्ल
 भिद्धिभिद्धिङ्कगल्लभा वङ्कसुभापवउभुम
 गुभगुविभनकभा ०९ लेकभालभुगेवभ
 ड्कगल्लभा मेवतुःपरिकरगुप्रथम
 भधुसचउभा १० विद्रगचउमेवभीधङ्कवि
 इधुङ्कभभा भभभुभिद्धिभङ्कगुङ्कः भङ्क
 उभैवल्लभा ११ वल्लवडिङ्कभङ्कगभगभवि
 प्यडिङ्कः प्यनैःभङ्कमुकपभुभुकिभवङ्कभभ
 रभा १२ कङ्कैल्लकैःभगङ्कैः प्यः भङ्कगुङ्कल्ल
 चउभा

॥

भे.
 उ.
 ५१

五

३३७

कीलंभरुःभसिरु/उभा उरुभनंथयःधुर
 द्विभालैककडिभा २ रभपुंयेरुभसुंभंग
 डिभकुंमठरुनभा धगलथरुनिमयनगोन
 सभा/ललकभा १ कडमिदरुभुपिकभ
 कभिरुमिदलभा सुपेनलगडनउमैरुमन
 वकठकभा ७ सुभरुसुवल्लदभंठगजभ
 भगय एउरुमदगीरुमयगीरुकुड
 य १ रभुडीथडिगडंविभलंउरुकलिक
 भा भगिडुभरिकनलंनगरगुभकेभरुभा ३
 कुलेसेलेडुरेउरुगीरुभभुकभरुगीभा भभ
 भेभभभभगीरुभुनठभुलभा ७ भवः
 भुलेयकनिकंवनरुल्लयुमिकभा भुले
 यभभुलउभुलनरुल्लभभुलभा ००
 उंयेरुनसाकैरःभुडिरुकांभुविपिकिः भगैरु
 कुभैरुभुंमिन्नु/उभुयसयिकिः ०० मिगुल
 भुकविभुभभुनभुभभभुभा कडुकिव
 ठिडुयेववपथरिकल्लिडभा ०१ लडुयेरुन
 विभीलभाकीलंभरुल्लवः ननरुनथम
 सुदभिरुभुयमीकभा ०३ डीथ/उडिगु
 लभनंलव/लवलोपय मपडवल्लिगंरु

॥
लि

हे शके सुभिव कथुन ०८ उडेधिदिगुलं मेकं मय
 टवल यदतिभा एगदुललडं हडं सा कण्ट
 डीधलोपय ०५ उडेधिदिगुल कण्टगि ५० धरि
 वेधुडभा ३३ गदीर पुल्लहिलोपय भादसीड
 या ०७ उडेधिदिगुल कण्टगि ५० धरि वेधुड
 भा नन एगन लडुडय कुसगड डीधलोपय
 उडेधिदिगुल कण्टगि ५० धरि वेधुडभा ३
 पुविलोपय निडं भडुडिड भुगेधय ०३ उडः
 केडुडिड डीधलोपये वंधुभा ०५ वेधुडं य
 डय मय नवं य धपरी भिव ०७ उडेधिसय ३
 भेपिलोपये वंधुभा ०५ उडेधिसल्लुलि डीध
 लोपय भडुडय १- ३३ः भडुड भेपिले
 यय धध सुडय मेध भुमेकल डय करि यडि
 भिव य ३० उडेगेभेक डीधलोपये वंधु
 भा ०५ उडुडलोपय पुवं कि भव डडुड सुड
 या ११ उडेधिधुड डीधलोपय दिगुल भुय
 सुडेधुड क भेपिलोपये वंधुभा १३
 मधुधल्लवलोपय भनैर उकल्लवतुर एल्लेव
 नडुल्लल्ल वडुवयिकल किडभा १८ उ
 उडेधिके रिमसकं उडुका डुन कडुय वलिडं

मे.
 ३.
 ५.

कविमालिङ्गवर्णीचाल्लेष्टया १५ सुप्र
 मधुलवद्वीपकेभेचील्लुभाल्लः उडेसगुल्ल
 नयः धाउलालगभिन १७ निगणवल्लयेने
 चैः सुप्रमंरुगुधिल्ल धाउलगभभनेल्लव
 लिउंठयमङ्गना ११ णउभाल्लमचभाल्ल उडे
 मसगुल्ल सुप्र सुप्रमभमडमिकं सुप्रमंरुगी
 भय १३ सुचेक्षनभेधुधलपनीलेल्लभए
 ननभगिल्ल सुसिपरकल्लारुभमल्लय १७
 लेकलेकमल्लेडल्लविधुल्लडुल्लभाल्लय
 वलिउंठिरुगल्लद्वीपभिल्लवल्लनभिव ३
 णउभाल्लमचभाल्ल उडेसगुल्ल मङ्गना सुप्रउडु
 उभाल्लनभमल्लेनभगलिउंभा ३० णउभाल्ल
 मचभाल्ल उडेसगुल्ल मङ्गना भेचडुधुमल्लनी
 कंनयडुल्लधंभवड ३३ वडुडुधुविधुए
 कविमचगिकगिल्ल निःसुडुडुमसुनभक
 उधगिउंठिरुग ३३ णउभाल्लमचभाल्ल उडेस
 मगुल्ल मङ्गना धगिउंठिरुग निःसुडुनेकडु
 धिल्ल ३५ सुप्रयेणनल्लकाल्ल मडेनधनडु
 धिल्ल सुप्रउडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडु
 डडिरुगल्लविमकडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडु

हेरकेभुभिवकधुन ०८ उडेधिदिगुलंरुदंमय
 टवल्लयदडिभा एगदुल्ललडंरुडंसाकण्ड
 डीधलोपय ०५ उडेधिदिगुलंकरणरिष्टधरि
 वेधुडभा ३२रुदीरुपुल्लद्विलोपयभरुसीड
 य ०७ उडेधिदिगुलंकरणरिष्टधरिवेधुड
 भा ननरुनललडुडयडुसगडुडीधलोपय
 उडेधिदिगुलंकरणरिष्टधरिवेधुडभा रु
 पुविलोपयनिडंभडुडिडभुगेधय ०३ उडः
 रूडुकिडुडीधलोपयेवंधुभा ०५ वेधुडंय
 डायरुयानवंधुधपरीभिव ०७ उडेधिसधुड
 भेपिलोपयेवंधुभा ०५ उडेधिसल्लुलिडीध
 लोपयभरुपुल्लय १- ३३ःभरुभरुभेपिले
 ययधुधसुडय मेधभुमेदलडयदरिधडि
 भिवरुडभा १० उडेगेभेरुकडीधलोपयेवंधु
 भा ०५ डडुल्लोपयपुवंधिभवडुडसुड
 य ११ उडेधिधुडुडीधलोपयदिगुलंभुय
 सुडेधुडुमकभेपिलोपयेवंधुभा ११
 मधुधल्लवल्लोपयभनैरुडकडुवडुए एल्लेव
 नल्लल्लुल्लवडुवगिकलुडिडभा १८ उ
 उडेधिरुसकंडुधकडुनकडुय वलिडं

मे.
 ३.
 ५.

कत्रिसगलितुदुवगीचाल्लेष्टुय १५ सुप्र
 मभुल्लवडीधकेमेचील्लंभुभा॥३: उडेमसगुल्ल
 नयःधउल्ललगभन १७ निपयवल्लयेन
 म्मेःसुप्रमंरगुधिल्लं धउल्लगभभनेल्लव
 लिउंरुयमइन ११ पउमभुल्लमचमइउडे
 मसगुल्लं सुय सुप्रममयउमिकं सुप्रमंरगी
 भय १३ सुचेमभनभेउधलपनीलेलेधए
 ननभगिल्लकुसिपरकल्लुगउभमइय १७
 लेकलेकमलेउल्लविधुल्लउल्लभल्लय
 वलिउंरिउल्लगल्लद्वीपभिल्लवल्लनभिव ३
 पउमभममचमइउडेमसगुल्लं इन सुप्रउउ
 उमइउनभगल्लेनभगलिउंम ३० पउमभम
 मचमइउडेमसगुल्लं इन भेचउधुमल्लनी
 कंनयउउल्लंभंभुवउ ३३ वरुगदीनुविष्टे
 कुरिमवगिकुरिल्ल निःसुप्रउमसभुनभ
 उधरिउंरिउंम ३३ पउमभममचमइउडेम
 सगुल्लं इन धरिउंरिउंरिउंम निःसुप्रनेकउ
 धिल्ल ३५ सुप्रयेएनल्लकल्लं मउनधनउ
 धिल्ल उउंरुइल्लउउइनदेभनगविधव
 उउल्लल्लपिभकुरिल्लेकधल्लरिमसभुगभु

॥
न्य

मं.
उ.
५०

उकननभा ७ भवेधयिवनगुभंभयउंभय
 नैः सीउलकामधायंमनुकुयभिवेमिउभा ०
 लधुलकलउलेकलेमनगलिविलेक्किउः किर
 कुवलयेमिमुभालीउभभेकुगना ०० दूउदेभ
 रभाप्रलभगिउरल्लदगि ॥ मेरुपूठभूवदने
 कनकीउउकननभा ०१ भदरयवधलकु
 लीलमेलाविलगभिन उगेवउरदुनिरु
 लवष्टवगियोः ०३ विलेलवदुलउिकयगे
 नमलधालिन भुकिरुनवंदेभकलदव
 कलउवनभा ०४ धमेरभासिउभनधधध
 लवकेभलेः कुल्लमलभालठरभासकु
 उलंभनः ०५ उलीउभालध ५० नं सुधुनंम
 मिगेमिधभा सुलेकनभाउभेकेलनयत्राल
 धलवन ०६ नभेभुवनमेवीहभिदुकुउभ
 भाल्लिभा उहल्लुधुमममभांचगयदल
 नेनभः ०७ धधउधमयेमेहैयेभकुभभाकु
 लिः भूलेयसीकरभगः धमिउउवधमयेः
 लेधुसममयप्रुमः लयउंवनमेहैनेमः ॥ य
 नमउभागो भूयः धमभिरुल्लभेवंकमनि
 रंभउभा ०८ मेहवठवगंभियुविरुपूकु

30
79

वेमनगं यमचालमुवेरल्लेनठडिउमवेमनगं २३
 यमथमुमिउठडिनथमुमिठवेरुल्लं ३ सप्रस
 प्रथगिहूनउमएणुइधिमुएभा २३ थमुमिाय
 उयवडुंयमिदेवउकुये उमफिद्वपुनंउ
 कुपियडवेकुभः २२ सप्रनगरभुचीवमुहंयउं
 मवहुउं सप्रनगरमजुउंमुहपुउरियंनल्ल
 भा २५ यिथमुमिउयवडुंथमुमिठवरिद्वल्लं
 भुययथल्लेकेपिभुहदभनकुये २७ वल्लेहमे
 वेउल्लंभुयभल्लेभुंगवनभा केमउकंयमउउ
 यमवेवेडिभेजिकभा २७ इभुद्रीवचनिहूम
 नेयनमममवोये वेउल्लवमममिथमुउ
 उठवउधि २३ भुमठविउभेधंथमजुनभमे
 वधुः महुभरणनिउठडिनमुकंथमजुः २७
 लीलयाउयमवमुवडुंथमुमिनभित्तं ३
 कसमेवभंविहठविहमिउयोमिउभा ५० ३
 इहैकमिमकसमभवेयवउभनः भुभित्तकल
 इहैकमिमकनिकमजुः ५० दधुःमिगभि
 यमडेलीलयल्लेधुममः उडुवदभित्तं
 भुमभेययमिउःठलेभा ५३ वेयोदिमेउडिय
 मवउममुठडिभुहउयमजुउंमउमविमु

८

मे.
 ३.
 ५३

मृष्टाधिमहत्तवः मङ्गलमेनमंययः मंयष्टि
 इतिमंठलिउंउवमृदि ०० इमंतीउमृष्टुंममी
 धंयमिगसुमि उडेनहवकागमेप्रचवकुंभृवउते ०३
 लीला इदेवमदिगकमेयडिचिधुमभाठवडा ५
 देवमभाउकुइमभदेवभृणपिथः ०३ इदेवउध
 मंमभाउमिनुमभलानुगे गरणपानेभृगडिमिनु
 गनुमिहवमिउडा ०८ इदेवउःभृगडिमिनुभा
 उमभकुमिथः इदेवउःभृगकमेउमिदेवभृन
 ३५ः ०५ मभदेवभृणपी० ननारणनधमेसु
 गः भवेरावरणीठवइदेवयमवकिउः ०७
 मभदेवगपकाकमेसचउकुइमभृउयः मिउः
 मभकुकेमभृयमउःमभयेकुगः ०१ उमृगम
 कंभदेउकुइमभभाइलभा कुमिहवमिउमि
 कयमभसुमिउकु ०३ मेवी कुउलानुवतिभ
 उठउगभृवमभृउ इयेनाभासवकुवउदवःम
 उमंमिडाः ०७ नीमीयमंइयांउडिहिरामुठम
 मभृउः गरणभलुभृगवःमंमिउतेःभृगमवः १-
 मंमभभाइयेमिभृडीयेवभृणपिथः भदमंभा
 गरणलपेपडिउकुमभभाउः १० ठेगकलेलव
 लनविकल्पकुलमउनः एदुरणल्लगमिहृडिः

॥
म

३.
 ३.
 ५२

मंसागर्भेपिकसुधः ११ मित्रागर्भकहासि
 जवत्रहजलपुत्रि भुत्तेराः भुत्तेरा नरेण
 ठिठवहमे १२ रंभुरेकभकंठेगीभिर्दुंवल्लव
 कायी ३३ ननुभक्तगह्वलिउवसउंगः ३४
 उह्ववमळउह्वंभमी थववलिनि वहुव
 ननुंगनुलेपाभिववनत्रये ३५ मृहाणवम
 मंसागर्भेपिकसुधः ३६ मृहाणवमउवउ
 ववदगभभगः ३७ मंसागर्भलानीकउनि
 धात्रेभुत्तेरा उनेयेरा नकेलीनं केरायसेधि
 कउगभा ३८ सुकासभउभेउधंभिमंथसुवधः
 धरः भेरुभनरकेलीनं केरायसेधिकाभिः ३९
 धरभाले धरभाले भनवननिरनलभा भका
 मिः भुत्तेरा नमीवउभरेलवः ४० भकागभउ
 उह्ववमधिबुद्धाकनिम डलयांणनकभा
 उभाधिउनिठवडिने ४१ ननरउमलदुउवनव
 दुडिपेयस ४२ सुमिदुउगदिता रगदुदुडि
 मिडस ४३ कसमिदुउगदिता रगदुदुडि
 भाठिः नडध ४४ सुमिमभनंभनमवेवकिडुन
 यषउरदुः भगिडिदुदुदुधनठवेउ विमिड
 करकलननदेसपुसुलंउम ४५ लीला एव

भेडल्लगन्नाउमयाभाउभिकपुन भमेमंगलसंल
 चउभसंनेनभाडिकभा ३२ बुद्धल्लभुवगील्लया
 सुधुल्लगन्नासउनिभ ननयेनीउगीउनिधसुभी
 कपुनपुनः ३५ भंभगभल्लेदेविकभिमिभिम
 वंभग लेकउरुल्लभगीविहपगवगल्लन ३७
 सुचभनकल्लभितउउदेभभभीभित भंभग
 भल्लेदेविभंभुल्लभेसुगकभिनी ३९ कगल्लज
 ल्लगन्नीरकल्लभुवनवभिनी भउभुगपगसुभा
 सवहल्लभसकवभा ३३ वनवभनयभभुभभ
 वल्लभंभेल्लउ गुल्लभुनयनपउरुभुवननित
 भिनी ३७ भुहभुभल्लउभल्लभनिभल्लपविदि
 उ वनभिमभुउभेवकहभुवभल्लभनेः ८० सु
 भुहल्लल्लभल्लु कल्लभंभारिल्लभः गल्लल्ल
 मल्लवभुभल्लभुभभः सउभा ८० उलीनं
 लकल्लभगल्लभुउभेधः नल्ललीनववदल्लि
 उभुनभुभिककवभा ८३ वदल्लभुभगभुभ
 मेविगेहंभयल्लउभा भेहंभुल्लनभुभुल्लल्ल
 धल्ललील्लय ८३ विहल्लुवैरिविहभुवगुगवि
 धिनवने लेसेनभल्लगल्लिभुभुभभनउव
 कल्लिकल्लेहसभुभुभिसुभल्लिनभल्ल धल्ल

मे.
 ३.
 ५५

धलिनुमलनु ५
 नगिकीलममपः
 ममभीमममलनु
 ममिकुममपुमम

5

१०५
 १०५
 १०५
 १०५

कदुप्रगेषुडल्लेषुहभनडर मिरंवल्लिलिउभ्री
 चेसिधेधिवममिधु ११ येनिधुनेकविपदःप
 मरग्विउभरुउंभयेत्रभनमत्रभनकुलकु मं
 भारमीउभरिउल्लयललददुचगवउद्विनी
 भगल्लुमे १३ लीलेधगएनेरुद्रउरवल्लनं
 नभमनः ॥ ११ ॥ श्रीगमः ॥ वदुद्रुभगदुद्रु
 ऊदुत्रिविउभल्लग केरियेएनेभंविधु कुषं
 उनिनोउठे ० श्रीवमिधुः कृद्रुद्रुंऊठुद्रुद्रुः
 ऊरुभेवदुभगउ किल्लयसुंऊउमेद्रुवउः५
 उरगधुवे ३ उभित्रेवगिरिगुभेउभित्रेवल्लयधु
 रे वृद्रुल्लः भवमिधुगएउधुययउरगएउभा ३
 उमेवभल्लधकसकेल्लकंसुद्रुभउकभा मउः५
 भदुधदुउंऊल्लमेउद्रुवना ५ सुकसगुनिकु
 धीठेउभिमंभुद्रुल्लधउनभा गएभमनठवडिस
 मभामधुनवृगी १ लीलठियनभाद्रुउयम
 सुधिरगसिउ सुधुभकमभल्लद्रुयभमदभनेक
 रभा ७ धुमेसभेउनठमिभउउवगंकेमरे वृद्रु
 धुउउभमभेद्रुगिरिवाभवभद्रिभा १ वृद्रुभुद्रु
 विनिनदधुगपेऊठिभययो धधुधुधुउंभुधु
 यमउल्लगउःधुभन ३ धुठिभभउमेवउद्रुवभक

५३
 ५३
 ५३

'रुभक'

१२

मकैसकुहुकवरिमा ५३ श्रीमभरिउः भिउम
 जकलपकभा ३० मलझाववनदुवउधडि
 उमिउरभा ननवनकुलेपउमुयामउमोउल
 भा ३१ मुघेउललनेउउरुमममउः धयभा उंगि
 रिगुभकंवेधः धनमभिवसुउभा ३२ वदुल
 लीपएलंथलधधुगिलीगलभा डिरेः उमउमे
 ऊरुमसगमुउकमुयभा ३३ गलमेवचक्रक
 कगलपिलकुलकभा गुलुगुलकधधुमु
 ममुयथनममुलभा ३४ मधुवेमकुकिरलंथ
 मदीरगुभभा उमउममगीधुलएल
 विमिपउभा ३५ मिलाकलकमुगरेकुल
 मुलनिउरेः मभरिउमलनिउउदीरेकए
 लमियभा ३६ कलभलभकठरकभुरेगिए
 मूमेः मुनीयधधभंठरंउमुदिरिधभकुलभा ३७
 उउरुलगुगुकरिभरुउकभिउः कालधध
 भदवाधुंमूमेरिवभकुलेः ३८ ममकिउमि
 लकुएभुवमुविदुगणकुः किडिउगवगु
 रमदः मकिउः एगेः ३९ उललनदगीधुउमी
 कगधुनजलेः नहुधदुयनवउवाडि
 ठिचिरुगवाउभा ४० उलललविमुउ

३.
 ३.
 ५१

ककालेकनसकनैः कालैः शृंगोपिडाभिरागपुं
 रीत्तभुमुकेः ३१ धधसोपरभभुवभनगुभ
 रालकभा कयधनिधराभीरगदनेपउसीले
 भा ३२ क्रोभानुपुभुगयाभल्लगीधलकलया
 क्रीलीयडुउगुंगुभापेएककउया ३३
 भरिउरडभडडुभंगवामुउभकुषभा कलर
 दुधनइभवगिडैकउभंभुडिभा ३४ मपिलि
 उभुदभंभैः भिगुधधलडपरैः नयैनेभय
 धकुडैरालैरकलमडभा ३५ गीरसाडुलर
 लीनंमेलनेलनरुगिठिः उरडैवडुभानधु
 लेपिकगिडैकडभा ३६ मपिकीरधनभेद
 भउभभुभदिकभा कलुडजडैनेधधएल
 रभुरगलकभा ३७ गेभयभिकुवलयकरनगी
 कउरुपभा पभिल्लवलनहगुडुभीविदभल्ल
 नभा ३८ मउधकुकेसुनपडुऊयवयम
 भा गपुनरुडनडुगीलकउकगडकभा ८०
 गपुनधभुभित्तुडुडैः कभभित्तुडैः भुडु
 कंभउगगुल्लभाकीलकभभरिगभा ८१
 मगसुभभभगडमलएडलधडकभा गुडु
 निजल्लभडुउमधभभुभागठकभा ८२ एक

५३

३३

लवकुलभा

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

केकेकेकिलककेलकेलफल्लमभाकुलभा १३
 मालालीउमालाकुनीलपचुलभलिउभा वली
 वलयवित्रुभविलभवलिउवभा १४ कुल्लेल
 पल्लवलउवलिउल्लवन्नभुल्लककल्लभि
 लित्रुभगविउन्नभा मारववगिवलनकल्लगे
 कुल्लगेभानीलमधकुभभकुल्लमेकिउन्नभा
 डीरदूमधकरपुभुभगिदुयल्लं नीरदुधधिलउल्ले
 गुविउगकेल्लभा उदुनककभककभगविउ
 नंगवदुभधमकुलउगिउधुएनभा १५ मे
 कदउलिउपुगवभदिगल्लं गलीवगगिगए
 भाकलिउधुगल्लभा रंकेवदुद्विगिनमीरवध
 दगल्लं कुमवमउएलमदुडिठधुगल्लभा १६
 मेयकुल्लेल्लभिउधधलउल्लयन्नलीलविल्ले
 लकल्लकठविकुल्लभानभा उल्लभिकेभम
 मल्लधुगल्लं कुयुनभाधमभवलिउभा
 विलभिनीनभा १७ भवउभमन्नवकुगमनु
 गल्लं देलेल्लभदुनलउकुल्लभानगल्लभा
 भादुउकेभल्ललेधल्लभकुल्लन्नं वदुदुयेदध
 एभवलिउल्लयन्नभा नीकगदगिदगिउकु
 लविभुउन्नं मेयभुमेधउडिउकुलिउदुन्न
 भा नील्लेलेल्लभिउमेठभमगल्लं कदुगद

११
इम

११
४
३०
३०
५०

५

३५

३:

५३

三

भगीरथी भस्त्रदुःखनभः ५ लभा ०५ वृद्धलेकैः उरंग
 दुःखधनं नमः ५ लभा गेलिकं सिवलेकं यधितु
 लेकभगीरथ ०० विद्वेदनं ममेवनं सुभगीरथ
 गभा कुरादुःखं गदुःखिदुःखं वदुःखं ०१ यच्च
 मल्लिकयामासभभगीरं नठभलभा यावत्किद्वि
 सुदुःखं गदुःखं लहोः ०३ उभाभुभगभी
 रभासं कुरुधकभा एकल्लेखं यधं मिलेय
 रधनं भुजभा ०७ लीला उदेविकं भुगमीनं क
 एभुलेगं वरु मिलेय ०८ गनिः भद्रं भुधुः ०३
 भः कः १० देवी गदुःखी भिभं वृधः यदवीभा
 गदुःखिभः चक्रमीरुधितं मियेः सुडापर्व
 यधभदुःखं यधः यधुः नैवलेः ॥ धुगे
 नउधेदुःखं यधः भदेवलेः ११ लीला चदेव
 यधवीभेः सुगभा यधभा गदुःखं भदेधुः यक
 यभनगाधिलहोः १३ इउउउरभदुःखं यधवीका
 नकीरुमी कधं यधनितुः कधुगभितु
 विभे १२ देवी इउउउरभदेः यधुः यधुः कध
 रभा यधुवदुःखं यधनभुधुलिलेसः भभुधुः
 सुवमिधुः इउधुः कधयधुः यधुः यधुः कध
 रभा कुरादुःखं यधमल्लिकुः यधुः यधुः कध
 १० मल्लिकेनैव उउभदुःखं यधनितुः गगनगदिव ॥

भाउउ

भे.
 ३०
 ७०

सुतः कं सिडिदमगीनसुत्रिउउवुसुसंविम ५
 यइयैडिमिउसंविहमंयधंयसयस उमउडिमि
 उंउधंउधंउधंउधउध १ नेदेवउइनभेवुनयेन
 मगभगभो महेमेवधमंकिहिरुभमेरुगभंदि
 उउ १ उइइइइउउउधयंसंविहउवउः सुभकुन्नेः
 मभंयगडिउलभकुलएलवउ ३ श्रीगभः कि
 भयः भुडिप्रुंभुडिउइइउउभवे डडिइदिभ
 भवइनिदेवयमिनभुडिः ७ श्रीवभिभुः भम
 चवउ ८ उउभरुइउविवलिउ वइ ९ १० नि
 ठभउवैधिकेमेडुकेयस ०० सुभउउः भुपच
 डिधमउसचापवयउ वइ ११ धगडिवैठेगैउम
 पः सुउभउस ०० धिधीलिकनंभुभउंठेधिव
 डललेधुके मममिकुभपः धमः धभुप्रुभम
 रुउभा ०१ वावल्मीकएलेनकेधंमिडुमिडुउ
 लभा भेडुकभरुमडेनवेधुउंठेभनिमलभा ०२
 भंडुउंभरुडेनमगुभभरुधचउभा ५ मंकल्यभ ३ ३
 लनेनधउमिडेभिवइम ०४ यमविहवुनठे
 गेभुभुरतिके ०५ उमउभिनदगठेगेवइ १५
 इभे ०६ उमिचउउः भचउइचंभचउ
 सुउउ उमभचभयनिहउमउम कंभुडि ०७
 सु इ वै प भ ये ३ भि न ॥ ॥ ॥

मरु
 भे.
 ३.
 ७९

३ ३

३ भल्लेकवरियो मरुभमेगसुतिशुक्रा ५७
 ३३ नकः ०३ मनुः सुहृभिजकेमिद्रकल्दमय
 गउयः ३३ ५३ वउयवे ३३ ३३ सुहृतालवे ०७ के
 भंमिमनुः कल्दनुः भुवो ३३ भुवगवः नमूउतेउ
 मसुउः भुठवगभनकुलैः १- मरेभंभुमभनभ
 भुवभुविष्टभुते भनः भंभजुवीरनं केमिद्र
 कल्दयम १० भनभुलयभंभउभुदमिभिद्रुवः विद्रु
 भामुयः भुवउगलिउं केमिद्रायेदिभकलुयम
 सुकल्दंनिभउतेव केमिद्राभुभयः यावदि
 सीदययते उमभंविद्रयाः किल भुवगवभि
 उः केमिद्रुमेभुकभिवभुव वयेः भनउवठति
 उमभुमिउभंविद्रः १२ भुवगवभुमभुम
 भुवगवभुमिउः भुवगविउतेभभनिउंभंभि
 उमभः १५ केमिद्रुमिभुभः केमिद्रिभुमिभ
 नभः केमिद्रुभुभनभः केमिद्रिभुभनभ
 वः १७ केमिद्रिभुमिभुभनभ केमिद्रिभुमिभ
 केमिद्रेकल्दवभुलभुलेउविवल्लिः केमि
 भिल्लभुनिभिभुः केमिद्रिभुभनभः केमि
 भुवभयगव केमिद्रभयभुः १३ केमिद्रिभु
 कभुभुभुमीलिउलवः केमिद्रभकभंभुल
 उमभुभुलभुयः १७ निहंभुभुभुः केमिद्रु

७३/३३

गंभ्रविष्टउष्णरावाग १ ममज्ञठइमकुल्यरा
 गल्लभलधल्लभा भादमीमैलकमलंउभे
 रालरुपक्षिलभा १ मेष्टेविविमउभेष्टेभेष्टेभा
 इकेरागाग १ इकाकेउहसपत्रभाइविचंधि
 भीलिके ३ इलेकाउग १ इनउरिद्रभागीहउ
 धाथउकुलंमैलभाकुलभेपिमकुलभा ७
 मेरालुल्लइउंराधुडीपंनवमल्लेयरभा ३ इषठ
 रेवेदेलीलानासष्टभाकुलभा ० १३ भिन्नउ
 रेउभिन्नकुलेभाइउवने मेदेवधुनंकमि
 इीभउदिउकुमिथः ०० उनमकुभमंरभुमेका
 जंमभभागाः इलेकाकुउभुमेभवकुवाउउम
 कुरभा ०३ मसकिउगेउउमेहोमकासउउठः
 नरुस्रगल्लकुउमधुपैरिवभगलिउभा ०४ मि
 इमरगल्लवगल्ल विहृपगविउभा सुवगुदल्ल
 मंगुधनलैकाभरेवाउभा ०५ उजमंमभापेच
 उकुउरदःधिसागकभा यंभुधठगपल्लदभुमि
 कुपगकुनभा ०६ वेरालयद्रजभुइनविल्ले
 लरभादल्लेः सुयपधउरदगगदीगदिउर
 कउभा ०७ मधुभननठेठगविद्वकुउभाकु
 लभा धनदकुगनयनहरेकुठरठभुभा
 सुगल्लकुउउकुलेकधल्लगुवराभा सु

भिन्नीव
 ३६३

इल्लेक ३

५ लिखी
॥
॥

॥
॥

॥
॥

॥
॥
॥

गमुमुगभसुउगव्वेनुपसगलभा १७ सुगे
कभरमु कल्लोदिउमसुलभा सुदेधमधक
काव्वेदकभेनेसुलभा १८ सुसव्वहीमभसुलभा
किंवरुतीधगपराभा लीलकभविलभेउभे
गीउउमभरभा १९ यमपदधुयजपूभनिधुय
नभुवभा संधवनेकल्लेकेसरनिउनवसंभुवभा
वीरिमेमल्लेधलभदभीगल्लकभा सु
लेनसुउयसभासदीउउमिवकभा २० सी
रभः कगवपुसमेनेकीधसः पूमेउरः सु
नेलकुगल्लकः सुदेवदिधु कउरवेउ २१ सी
वमिधुः सभेउमपयधुधुठेगेनेयेगलभा
उमवराणीवधुधुसुः सुलेकठका २२
सुवसुउनिउउमेरल्लेयेभाडिभधुयअ डिधु
कवकउः पूउः भननेरकभदभा २३ सुयस
सभुभसुववडिगेनेयुधुउ येनरभुधुभसुभ
भाउधुनिरयेदयः २४ यमभभुवसभुजलेक
मगव्वडिभाना यधुउउमसधुवठठुसुः
भाउधुउ २५ गेगेउरुधुधुधुभिउधुधुमभन
डिः सगल्लगायउनेभाउः धनेविधुधुभा धरि
धल्लधुमेसैकधल्लनीयधुडिः भद गलभा
उधुधुयः भवीरिगीलेकठका २६ धुलेधुव

[illegible]

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow. Digitized by eGangotri

विभक्तिमकरमुद्रमसंभक्तिभुगभा ०३ धउक
भासगीभक्तिविश्वभुनयकभा कभिकेउभित
करकननीजडापाउगभा उगुगलठप्रसथद्वस
कलायपभा एभदुभितिसद्वैससभैजैहृपाय
उभा मज्जुदुदकगज्जुउदुवाउभठठभउभा
गदउदुदसंभुविवलत्रगभादुपभा सेनदु
कविठिउगुसविवेसेत्रभदुनि मदेउभुदनिध
धधुधउमुगवाकभा ०३ विविपमुदविदुभभा
उगगवेठगवभा करभुतेलनेल्लभभउभदुभभदि
गभा कल्लायपं सुखलेनमुभीदउमिवाकभा
मनिलायउसल्लीलमुदुउगमरमुनि ०४ मुने
ककल्लकल्लउभदुभभिवसंभुउभा भूलयानि
लसंभुभेकल्लवभिवेडिउभा ०५ धउलउदुग
मुदुभभुकेगभिवेडिउभा लेकलेकभिवेडिउभा
उलेललसउगभा ०६ भदुनगकसमुउठिदुव
निभिवेडिउभा मुलेलउउभमलभिधरमुपं
मुमुभभयभा भिवभउधवगिप्रैः एकल्लवं
दुवनकेमभिवगिरे कडुंभभदुभभापभनउ
प्रैः ०७ लीलेपगमुनेमुदुवभुदिकगवत्तन
नभभनः ॥ ०८ ॥ श्रीगभः उगवदुदुभउदुभभा
भेनभनगुद सुउगल्लमुउमुउदभयेउठिउठि
ठिः ० श्रीवभिधुः ममापेउउउमुमुभभउदुवे

॥ ल

॥

ॐ

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

三

١٤

दक्षिणभुजभङ्गः भङ्गमेलापलपुल्लिकेकाकुल
 मेभली ८० अङ्गुलीपुल्लिकेकाकुलवदुभेनविदु
 नमः नगमवदिवगवगिदवीगपुगभङ्गकुमकुम
 भनङ्कवदुवद्वी कलङ्ककुलङ्कववेगविवदुभा
 नभङ्गमैलवलिङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्ग ८३ लीलेपा
 एनेमेनयेः भङ्गभाभाङ्गवल्ननगभभनः ॥ ७४ ॥
 सीवमिधुः ॥ भङ्गगङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्ग
 पि ॥ भङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्ग
 इङ्गभङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्ग
 ठङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्ग
 नङ्गः भङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्ग
 भिङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्ग
 लङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्ग
 लङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्ग
 भाः ७ वीगलिङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्ग
 भापलाः मिधिलीकङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्ग
 ललङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्ग
 गीभङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्ग
 गलाङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्ग
 वङ्गः धरिगङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्ग

ग य

ॐ: क० नैरियभा भनपुत्रेववनिउ मयिउंरुमुमेदि
 उ: ०० क० पउमभवलेनमिरेकुलिउज ५५ लभा
 भदधनिकरंनीउं कलेनेवधुभेगुरु: ०० सुधरं
 म० ल० पु० उ० भ० पु० ले० थलपुयभा इ० भ० यं० सि० उ० म० ५०
 पुंम० उ० पु० उ० पु० उ० पु० उ० ०१ येयेम० उ० व० य० भी० य०
 भ० य० य० उ० मि० क० ल० भ० व०: भं० ले० उ० न० भे० दि० य०
 भे० य० म० ग० भ० भ० द०: मि० त्र० मि०: सु० क० म० ल० क० क० क०
 ल० क० ल०: क० व० व०: भ० म० य० उ० उ० उ० ले० उ० ल० ग० ५५
 ने ०५ गी० च० ल० ग० ल० गी० धी० भ० पु० व० उ०: भ० क० म० भि० म०:
 क० म० ले० क० उ० रं० वी० ग०: क० म० य० म० उ० उ० क० क०: ०१ नि० मि०
 ग० उ० ग० उ०: भे० न०: भ० व० उ० गी० वि० म० ग० ग०: भ० म० उ० भ० क० र० पु०
 क० म० उ० ले० न० वि० भ० म० क० ल०: ०१ क० ले० भ० क० गी० ल० क० ल०
 प० ग० न० ग० म० ग० म० य०: थ० उ० उ० उ० व० भं० प० ल०: म० उ० म० भ० उ०
 भ० य० भ० य०: ०१ क० उ० उ० न० मि० रं० नी० उ० भ० मे० टे० वं० वि० व० द० र०:
 मि० र० भ० नी० उ० भ० मे० टे० वा० पा० ये० ने० व० व० मि० उ० भ० ०१ य० उ०
 थ० म० म० ल० वे० द० ल० ये० न० भ० म० द० रि० मि० उ० उ० भे० न० भ० म०
 ल० ल० ल० ल० व० ल० न० रि० य० उ० व० ल० ल० भ० व० न० भ० ग० उ०
 भ० क० न० य० उ० व० भ० उ० त्र० ग० न० नि० र० न० द० म० भ० क० र० ल० भ०
 उ० न० य० उ० ग० भ०: १- प० भि० द० ल० व० ल० न० उ० ग० थ० न० उ०
 ५५ भ० रं० ग० ल० क० ले० मि० उ० म० गी० रं० ल० थ० म० भ० उ० उ० वि० ले०
 उ० ग० भ० क० ल० ले० भ० ग० वि० द० भ० म० य० मी० उ० रं० ल० नि०
 ले०: भ० ज० न० उ० भ० उ० उ० न० द० ग० य० उ० वि० न० य० ११ ॥

लीव

भे.
३०

७३

विविधायुषमष्टादश्यामिउग्रमिकेदयः येमर
 त्रैगुणैः ५५ उग्रमिकेदयः १३ उग्रमिकेदयः
 वरुणवदयकवारिणि सवतिनिगमुतिगिर
 येष्टमपदुता १२ इमद्विजुदभनेधमिरेठिची
 रदुदुता सुयुगं सुलतनल्लप्रमिदल्लक ४
 केः १५ केउधुभा लल्लुल्लेनप्रमिल्लीभापेः
 वरुणल्लल्लदुदुनः ५५ सवः नता ३७ भाउ
 भाउममउगिरविधिपीलिकः ठीरवः धरिल्ली
 यउधियः प्रवदसीव ११ सुप्रवेउममेवदकउ
 ममममेभिनः वविविष्टपभुली भल्लकेल्लमि
 नेनिलः १३ कोप्रद्वीपयउधुमिनेधमेमदिक
 भा ५५ नेहयमेप्रदु नता सुदुता ५५ ठीरम
 प्रकउनिमेधे भवंपुः प्रकल्लमिल्लिगमिउं
 भुपुः धधधय ३० सुल्लमद्विष्टमद्विष्ट
 सुयेभउवाधुयः सुभवेभुभकउलीरः क
 वद्विष्टः सरेदुता सुल्लकल्लमेवठभुलभा ४
 १३ भाद्विष्टप्रलेद्विष्टलेद्विष्टवता ३३ विष्ट
 उगर्गनेनीने सुभवे सुभवे सुभवेः वतावपुताभा
 वतावपुताभा ३३ सुल्लमद्विष्टमद्विष्ट
 रकेतवः सुकसद्वेउनिद्विष्टयसः मलिल्लव
 ५५ वरुणद्विष्टधुमद्विष्टयः धुनीरः दयंसवः
 मज्जिवाधिरुपयउं मधुवीः सल्लठेगिर ३७

१० धाधुभाउमैर ५ ठरायकु सुनदुतिः कठिनकु
 लसुताभाईवेवेकुदुतिः ३१ केतिकल्दनिलकु
 लुमउनिजगवगयेः सनउद्रयकलेभिचुग
 नगानगाडव ३३ भमननसुभउसुं सुकउभल
 रुमे दलपिगुतिउं सुं विनसुं गसुपउनभा कड
 कडलकुकायकुभसुडुलकुउः कलराडुः
 भुचडनुगल्ले वील्ल ववडुउ ३० नरेठसुमिवदि
 हेयेसुतागउनिजगः भसुउद्विदुभिजिनवायुन
 मलिउमिसः सभुं सुललेपेष्टेभिकुलीमिजग
 भेमके सरकेरकउभुगुभाविदुमिवभिउ ३३
 सुननुगउभंगउभेनवनिठिराययेः कुवनंठडुति
 सुलभयिल्लेकभिवजलभा कुभलीसजिसुल
 भिभमलभुभवधुयः सुतेउसुमठमठंकल
 भुकरगभिउः ३२ सुद्रौलैकभुकरल्ल मवकुडेउ
 मेधुउभा भंगठवेमल्ल भुल्लेगल्लं भुभिवभिउं
 सुननुमकुविगउरउदेतिगल्ल सुल्लैः गायती
 वदयद्रौठभुमिउेगल्ल ठैवः ३० सुतेउरउदेउ
 गुसुल्लपल्लेगल्ल लवः वल्लकभयाणवकुसि
 त्रसुइउरकुः सुतिगठभभभुमिगिउरभुति
 वुभुतिउल्लेकभाल्लेकः ३० गिगिमयभगुभद
 मद्रः भुविभाउचउडवभुगेयुगाउ ३३ दलपि
 कुविकएककुलएनेहदुदुनीनभुकएउउकिमुलः

५

भ.
 ३.
 ७७

भुउभुः रेङ्करभुगतिगुलेगिउर... उनेरगमाः सि
 पगिसिल्लिहिरवकडि छिनेम्लसुभिडिनयवम
 नंठंनकुचडिहल्लमनलेहल्लः ॥ ५ ॥ धङ्कः उच
 दुग्गुडभिडागदिभिडयभेयभेयभेयभुवकडिवमभ
 सुउउः ॥ लीलेपाएनेभुङ्कक... एनेडिव
 लनंनभभनः ॥ ३८ ॥ श्रीवभिसुः ॥ सभभेडु
 यनेडुङ्कडुङ्कभउरङ्कः उङ्कडुङ्कवभउरङ्क
 भगल्लवः ० सुइलिङ्गीगिसुउमिउधुमकर
 डुरः सभेठमैहल्लनकल्लेलाकुल्लेकेरः ३
 ननयुपनमीनीउमैहवडिविडिभन भउरुभि
 धएयपी० मल्लमल्लकुल्लमल्लः कयसुवमड
 वउयडिङ्कउमिरभुः पुल्लेल्लपीउडुभउ
 नुपुठल्लः ॥ भकरहुकविभुगकयठपठे
 गुनेः भकगुडगुडवउधुडिसुनककरः भी
 नहुकविनिधुउमरनीलेधमधपः देडिवीमि
 धएल्लनपडकेवीमिभङ्कलः ० सभुवरिक
 उभेठमभसवउकुङ्कलः भंगठधनमधुगध
 लडिभिडिभिङ्कलः कधुयभधरीपानमल्लुने
 धुठीधः कचहुवउलेपउउडुमैहडिठीध
 ॥ ३ ॥ सगमीकरनीकभभुकरकजुः नि
 उधमेसिउमेधमकधुडुभः ७ धउनेडुउन
 उगुमिरः सकलमीकरः उवउगुहुकउः ५५

५५

३३७

मरु कल्प धुम वरु धल ह्ये भसग धुमः सुभु क
 ल्य धिनिद्रु मृ चले क उरु उरः १५ के उव द
 सनि छिन्न कु उरु उल कुपरः गर गर गर गिरि व
 उध उधि धु रान वरुः १५ मरु पग पग नी क
 मे ध सुत्र भली नरुः भली नी क ल व द्रो क म रु
 हु क नि न ग वः हु उ उ गु निले सु उल ल हु ल
 न ल म लेः मृ ते रु म ल ने रु ग र उ रु उ रु ले डि उ
 सु र ग भि म रु म र म डि ग म रु म मी धु म म ये
 वि म ल ने न भि म्ने पु न उः मी धु म म म्ने म्ने म्ने म्ने
 उ म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने
 भा १३ ली ले ध ग पु ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने
 म्ने म्ने म्ने ॥ म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने
 मि धु ग म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने
 न म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने
 रु म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने
 वि म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने
 मि म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने
 डि म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने
 म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने
 म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने
 म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने म्ने

१

:

०७

子

११

五

79

ऊरुभुपरागुल्लभल्लल्लवदः वल्लन
 विलनल्लमीउकेसल्लवदः ५८ उल्लपु
 निकः।यभगुल्लल्लल्लल्लल्ल ३३ःभीगल्ल
 भल्लल्लगेवधधल्लल्लल्लल्ल ५५ सुभेउगल्लल्ल
 भवकुल्लल्लल्लभभल्लल्लल्लल्लः कल्लभेवभभल्लल्ल
 भुल्लल्लल्लल्लल्लल्ल ५७ भल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्ल
 वः सुभेनकः गल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्ल
 नयभुल्ल ५१ डिगल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्ल
 भिनः सुभल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्ल
 सुभल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्ल
 सिलनल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्ल
 मेसल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्ल
 भल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्ल
 ल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्ल
 भुल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्ल
 उल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्ल
 ल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्ल
 वल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्ल
 नयल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्ल
 उल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्लल्ल

भे.
 ३.
 १३

मञ्जुविन्द मञ्जुमित्रमनः ७५ भद्रवानभुगष्टम
 वनगधुमुषेवम कैरुचिन्नाः भिन्दुप्रगभुषाम
 भवउत्तलः ७६ भादुकः धावाकाः कस्मीर
 मरुतमुषा मरिभारणमवाकाः धल्लेलकमि
 रैदुनाः ७७ किण्डाः धमुधाल्लममीलः धल्ल
 भद्रौउतः मेवभुलेधवनकुमुयजगिगुचिन्ना
 वभेमुयत्रभदिगभुभुधु कैलाभकुमुयत्रभद्र
 वनममैलेविदुपगभगविदुगविभनकुभिः
 लीलेधगष्टनेरणधमवल्लननभमनः ॥ ७८ ॥
 मूर्तिभिः ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥
 ल म्भुधुप्रवभेधुप्रवभिदिचिन्नाधगिनि ० ८५
 उमष्टेमवधुवभुउरुभद्रभगताः धुविमतः ४
 यद्वनमल्लठः ५ वधुवके १ मष्टेभष्टमेसी
 धरणननेमल्लभय इनिभकुगवधुभि
 धहुंल्लीलभकीष्टः ३ उम्लिकः मुगभ
 नगुगभुधुनीधकः ३ उमष्टेगिदिगुगलि
 धमभष्टभिकमयः ५ भाधुभाः केउकभद्र
 मेलेयककधिधुलः भाधुधुधुनगरभ
 गृहीवगुगुगुः धगियताः उगष्टमयभ
 नेमधुगधुधि गल्लुगुलिदभभुकुल्ल
 केदिभभुलः ७ कधेलपमगष्टमभुधुव

म
 ७७

५

उरुमदिलः पद्मलकः उरुदेरु सुषाभाभुजल
 नः १ सुवतीधुनमे लीजतेः पद्मनदीगिरिः भद्र
 भावविदुवतीचपधभक्तुगे १ कस्यबुद्ध
 वभाउसुधिवः भाधुवगीरनेः कुभेनिधिरः म
 उभेधिरः भद्रवलेः ७ सुगमसभुगसभुविकडे
 मगवतुगः उरुमदिलिगुधुयेरिगुयेरनेरुमे
 दधिकरुनकसुधुमेधुसुधुमगदिरः धिकुलेध
 धुगंयगधुलेमेधुभद्रनेः ०० वनवमिधगिरये
 निलयेनिलयगिरः धिरः धिरपवतुः धिरग्य
 भनद्रुमे ०१ लीलेमरविनिदुगधुतुतीनिय
 तिरः गरिकः सभुमधुगः धिसमेधुविडा
 निमि ०३ उरुदेरुगिरिः भद्रभाधुवमीक्रि
 रः मेगीगोधुनिदुधुगभनः कभेनद्रु ०४
 विदुदेवधुवधुजविदुविभक्तुगयः मधुकभु
 निलेधुउदेकयधुगिरि ०५ मत्रिमनुवि
 निधिवमरममलिगयः नीगगुभक्तुनद्रु
 धुमलधुधुवधु ०० नगमेधुविगुमीनली
 लरान्नरलीविरः सुधुल्लननिधुमेधु
 गधुगनवधुगना ०१ कल्लरभुधुदेकीनकुतु
 कलिउकतुगः उरुगधुगिगुगोयधुगनिक
 गमि ०३ कभेनद्रुभक्तुगुधुगधुगधुगधुगयः

मे.
 ३०
 १८

कैसकेमिदुतागभु विनेमुद्रमकःमकः ०७
रुसात्तमसनिमुकुमपुल्लएललीगवः नि
लीनगरकुलभुलेवैउभुभुभयेयमा १- पुल्ल
रानीकनमेनपुल्लगीकैमलमुनभा विदिउउद्र
नेउद्रमाउसमुमिउरलैः १० भिधिमःसभुका
भेदुभिदुदुनेनउद्रवग सगपरावुननीव
भीनदेउभुभुमग ११ कुभभीभभुलेकुउ
मुभभेउउकीरुभु भुलीगभुगयःयेउनेगल्लरु
गिउभुव १२ कउककनकउद्रनीनगउद्रनव
दिनी कुकुगेउठएनाद्रनापकेसनिकदलैः
रल्लद्रगनगभद्रमुद्रमुद्रविकउनेः उद्रनाः
कल्लसाःकील्लकद्रगपुद्रभुभुकेः ११ लभुद्र
लेठनेद्रीनंगेउंगुद्रगुद्रवरभा मुद्रगनुग
गवेगुद्रदुःभुभिउद्रव १२ उकसगल्लव
भुष्टेवलेमुद्रकमेभुकः भुकेउद्रमेकनंथ
नेनसाभेद्रभा ११ भद्रगल्लनेनेद्रीनायभुद्रा
रेभभद्रगे वननीवायुपपुत्रभंमुद्रभुलेयभा
वनि १३ यद्रभुद्रैरिवेद्रीनंमभुवनेउठने
उद्रभुवीमिवलयेलेलैःभुउभिवल्लवे १७
साउमंभुभिउद्रःसैःसल्लनिकरभा सजि
ठिककनीगुंमभुभकसकननभा १० मी

५

2

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

[illegible]

ननभउभा यावत्रपरपदे ॥ ३३ ॥ कल्लानि
 लेणमा ॥ १३ ॥ सुवदिमममंयज्जुनाथ
 कउदेउयः थउयिहययेकल्लमसल्लमुल्ल
 काउव ॥ १८ ॥ एउरुहप्रभुगः काउिउरिणकु
 रिणवैणमा कसयकुभल्लनीवसुधुमे
 उंभुनेणमा ॥ ११ ॥ उायणभकल्लकील्लः सर
 मकुधुभुमेः विमुउनगेदिभुः ककेए
 मुल्लनभनि ॥ १२ ॥ केरुदेउमुमुवमेमुमु
 येपिठिगवउः मु॥ ५॥ वयल्लमुउगउ
 मुउभमउउभा ॥ ११ ॥ मुभयेवणपणनं
 ल्लनमयभभकभा ठल्लेः थल्लमुगउ
 विल्लनकभल्लउव ॥ १३ ॥ भिषः भगमुउगि
 उमुदिनउंउउणयः थदिउउववम
 भुनेदिप्रनपरणिउः ॥ १७ ॥ कवणः यवि
 उमुउवणपनेः थगवउः उल्लः थभभा
 एगुः सउप्रयउवेवनेः ॥ १० ॥ कियमगु
 यउणउल्लिहनिमेयेः किल्ललभाउलि
 उभा वभकिगधिवल्लयिउंनभभेउ
 वंभ ॥ १० ॥ लीलेथणपुनेणनभम
 उउयुंनभभनः ॥ ३१ ॥ मीवभिभुः
 पवभउल्लेयुमुभुमुएठल्लभकुए मु

भि.
 ३०
 १२

कपलघमंसांते भुङ्क्ते वडकऽव ०१ सगदिदेति
 भगिउविभीलेगगनकुले भुवडऽसिधभागनुमा
 २५ः भगिउयेस ०२ येयमेदुमभाकुवभुनगभाय
 येमनैः कुकभउतेवनभदऽववडऽवल्हवः ०२
 विनिननुभववडऽ०३ ॥ १॥ कुलकुयभा वगिप्रस
 ५५किं भुलयेकलवगदिव ०१ ॥ ३॥ कुभमदगद्वी
 रभभुवमनकुलभा मैतुं भुसभदवडऽमनैः भपु
 भपाययुः ०२ ॥ ३॥ भिन्नुकुतेन विकलेमरकीध
 ॥ ॥ भगभुपीउलववमुदमेवगल ॥ ३॥ नभा सव
 भउतिभंपुलवददुजभरुदुमभा भगिउएनग
 सुप्रलगिजीवनेधमभा ०३ वरुदुजभगिउते
 भुगदुवधउरभा भुगदुवभाउदुउधउ ॥ ३॥
 गुमानवभा ०७ भउवभाउदेकोधउते ॥ ५॥ भूति
 निजगभा भरणीवनगधुभुसवभदवनकीतिम
 भा १० कगीदुमवगभुगविमूनुधुमापऽकभा
 विमीलरघभदुउरिउडिउभदवनभा १० व
 ददुजनमीरंकः भूदुभानरघद्विधभा सगसकु
 धिभभलगमभुभासिमकुलभा ११ भद ॥
 कुलभत्रककवमवडकुलभा केउमभरध
 ॥ ५॥ गुभुसवसगीरकभा ११ भुगभुगकुली
 रजलकुलकुलीभा सगसिधलसोध

३०
 ३०
 ११

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

निदहीउरनेदिउभा देउलिनलउच/द्वैः भविष्ये
शकववकभा सुभाइमीवदुभिकएकदुनेग
भा ५० गजभेउः भुगमुल्लवभुदिगीगिध
कभा भाइगविपउडिभुभाइविमित्रभानवभा ५०
इउमैउमनिपउडववुनवमानवभा पुचअलहु
मैरेपधुमित्रमैवदुवल्लनभा ५१ गजनिभुवठक
गदिकवाचभाउगवभा भिरभापेल्लमदुउपग
पेउकुरगउगभा ५२ भउलेउलवेउलउलउल
वमदुएभा धदभुगमवउचउगिउमदुएभा
भुउः भुमदुगीवठएभदुभुमनठीउमभा गजक
ममभल्लभुकिदिल्लीवउभुवभा ५५ किदु
ल्लीवनेगदुवकभुमभुववायमभा एकभिमै
गुदुएभयदुकेलएलकुलभा ५६ एकभिम
भउयदुएभाउदुएभमदुलभा विवउमदु
सुदिरमभुभणीसुगमभुवउभुगीवभुउडि
रुपिरेदुभुभरिग २०० दूनेभाइभुमठवमस
भुयपलउभेसेलंकुलदुएगमिवविपदभुभा
यिलभा ५३ लीलेभगएनेभुववठननभम
मः ३३ ॥ श्रीवमिधुः ॥ सुमवीरउवगउः कुले
नभुभितेगविः मसुउएः धरिभानभुयधुमेभ
दुगः ० २०० गजुमिधुममदभुगिदिधुउ
भुदुः भुदुमिधुमेभभुलोपेभुदुलभा ३ ३
भगलनठमिधुः भुलयाधिरल्लेभुवउ भम

एतन्ममभुलवेजलवलयऽव ३ मधुपुत्रमि
 मलिउमिननगेमभुके भवुगगामुकीलंड
 रनिकभोजिकभा ८ निःभुधुभवेधुभरःधम
 मालिध भुधुभययःधमभुडनंरुयेधिव १
 भीलरुकाःधुधुःककाधुडिकवुरः कल
 येधायगभुभचधुधिवदेयः ७ सुभत्रमधु
 ठगलिकःकभमधुयः उल्लभधुयारुवीरि
 धेधुधिवमियः १ रजवगिभयीभयभधुगुमि
 लीभायः भुधुमधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 नी उधदधुधुभमभुगभुभमभुधुधुधुधुधुधु
 धुधुधुगिविधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 उकधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 विभेधुनिधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 गयधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 कधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 उधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 नलभा ०३ मवधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 लुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 उभा ०३ सुककयधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 लभा भमगभेनधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 रजभभवभभेधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 धुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 मिडलिकधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 पधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु

भ.
 ३०
 १७

५

मणिकममकसंगेल्मुकभा १७ मुकम
हुपनिजहुगुदुगल्लपिदिधभाभुउउमे
धुमपी०५भा हुल्लेलहुउकैरभाकुल्लकल
वउहुपउलेककमककुवणकल्लभा ३०
लीलेधाम्पुनेनिसमरकुलगरि० हुनव
लननभमनः ॥ ३७ ॥ मीविमिधुः ॥ प्वनिस
मरमरमिग्गेगे० हुने उल्लभतीधुवेउल्ल
हुउअहुभागेवेः ० नठः धुदकमेनभपुग
उभयमगाउभा विमुउधिवहुयभरममिधु
निएभमे १ भकभगेरल्लडवरनेमिधु
० हुने मुदनीवरल्लमगेभुउमुभाभगे
दिउ ३ कभुददाभः पि० हुमुएकुहुनिसाग
दे लठेहुवेमुल्लमिउहुउभउधुयडि ८ ॥
निःसदमभुभाहुगेनिधुभुदककुल्ल लील
धीरुमरगु किदिदिहुभनडवे ५ भउकुदं
विमरगभुभाविदिमनुकेविमेः मीउमनुम
भाकगेमयेनेदिमसीउले १ मने मरनिठेव
भगदमिमिरकेगे निधुभुदउभगभदुदि
उहु ० भुधुः १ ममउल्लनेहेभाउदुविउहुउ
मुदभा गेवुविमिउचउलोपल्लभकुल्लयम
मीरमः ॥ १५ यदुडभिदं भुल्लमगीं वणियं व
१ गेवु ० हुउनुनकमंभुविमडिभुठे ७ मी
विमिधुः ॥ मुपिठेठिकेदेयभितियभुभितिउ

मे.
३.
३.

३

भः

३५ भावः ५५ गतुं स कैरि न न ०० ३
 पिडे क भनने निभ भुडे रिउ भुणीः मरु कुउरु
 विनीठ वगीह व कुयउ ०० येन न कुउं च चंग
 सुभी रिभउ रिउः क संठ व रिभ च ग भनने
 यमउ नः ०३ व रिनै व भय रिनै ग सु रिभ
 वकः य य मे व भु व रिभ उ मे व रिभ उ सु
 य य भु प वि भु उ उ भु प न कु उ यः मरु सं व
 मने उ उः के न मि न न कु य उ ०४ य य म मं भु
 य उ मि उ उ म व भि उ उ ग उ ध र भे भु य उ न
 नी य उ उं म मं भु नः ०५ म य क भु य उ ग सु भ म
 उ भु य उ ल ग नि व उ उ उ म उ उ ध रि भु उ व य म
 मि उ म ०० य म मं वि उ म मि उं य म मि उं उ मे
 रि उ म व लं भु उ धि मं मि उ मे उ न न कु उ व न
 यः भु नः भु भ म कु ल भु भ भु रि भ न रिः सु क
 म भ उ क क रः भ क मं के न वे उ रि मि उ म उ म गी
 रं उ भ च उ व रि भ च उः वि उ उ व न उ उ उ मि उ
 गी व रु रु ०७ य म रि भ उ मे व भु उ व उ भु भ यी
 म य म सु मि भ ने भ क वे उं भ म उ उ उ क र
 म ३० मि उ क मं मि क क म भ क मं म उ गी य
 क म वि उ उ य मे व क भ वि न ठ वि व म ग ३०
 म उ मि उ म गी रं उ वि उ भ च ग उ म य म य म भे

११
५

मनेसुहृदुषमंवेमनेयभा ११ वमडिभवेभुउ
नीयउगगनेमरे लीयउडुगकेमेधरभीठवडिपल
वे ११ उलभरधुवीमिहृभुनरडिमिलेमरे ५
वदरधुमेहुहमलीकुयवडिधुउ १२ यमेसुभ
भुरेयगडिलगेधिमहुहुभा भुनभकमवध
तउमधभाभाभा ठवहडिचगधरेवेधुपी०
नठःमिरः मेरुभुउडुकिगधिमपडुनउमरुना
ठवहकमभाउडेकेलीःधदलभमनभा भुन
तुःधदनाभेपिरवडुगमनाडव ११ भुनकिनध
वेपेभेभनकेमिउमेरुकः मुकसाभुभनकुह
वडिभुनडिउंगडः ११ भुनभवेवमिहृभुनरेडी
वडुम वहुभेरेयभभीडियमभप्रभुभनरः
मीरभः किमिउभेडुवडिकिंवा ठवडिनेकध
भा कधभवेभयामुपंनउडुवडिवदलभ
मीवमिधुः भूहकभवेयमिउउमेवंडुधमडिम
ग धमदुहकभदिउः प्रडिमिउंगलगदुभः १०
का कलदलगदुभुभुडुतिगलडिम निमे
धकुभुमिडुलपडुभुमिडुभंभा ११ भालुमे
मरुभेके मनउगभियंजिडिः ५० मिगकेमे
हउउउमेहुभंभा ११ भालुमिभयीभकध
हेकेनउहुयउ यधेउंविदिभभउभकधूलयवा

म

नम

मे.
३०
३०

भिनीभा ३८ उमतेनउमनमचावथमदुषका
 मकराधुप्रमदुल्लमंभुममलवाडवडा ३५ मकर
 लयपहतेविगडुभनेवधः यमेमंडनउउडुडे
 कंभाइनउरभा ३७ मीरामः भउरननुंभनेयय
 भउइनकुयउ विनडुषानठवडिनउविमुभकर
 ॥भा ३७ मीरामिधुः भकडिभूलयेगभमचेरु
 विदगमयः विमेरुभकुडंयगतिभउडेः कडवमं
 ठवः ३३ सुभरुमिभुवडुडु किलवमुंविभु
 उ कसंठवडुभभकु विमेरुः पदुएमयः ३७
 सुडडेउदिरणीवयेअंभर ॥ एनदुभ भउडिकर
 ॥ उभउडिभेदुठववसामिद ॥ एविदेमिभु
 कुतेयमनः भेदिधत्रिव सुत्रिभडाएवभुउडुए
 नभमदुउभा ३० उडुभभुदडिः भेकुउमवुंउए
 डुएडुभा मभउउभउडेवडुभाएभठवेमये ३९
 वेपेदुपेदेकिभकडुडुवडुंयमठवेडा उमउनु
 डुमिकुलत्रियाकुडुडुमेडिपणउ ३९ उमेवेकुन
 भवडुठवडीदियधकुकभा उमेववडुडेमेदुम
 एधेभुडिवादिः मिरकुलभुडयउः कलनप
 रिधवरः सुपिठेडिकउवेभभउडेभधाएववः ३५
 उडेमिकुलकलनभुमयगडयभिरः ३८ उडु
 नमिडाएववयेभकडुत्रियाडव ३० वडिभिडु
 भयंयउभेवकुवनभुमः सुभडुनमदुभमः

५

कल

सुनहुतेभमयः ८१ यरेवाभियेउएतुः पसुहसु
 उमेवमः उरेवदुवनगेगभिगभिउंभवभिउभा ८२
 हेमेवउवउसुभकंएगगिउिउभा हेमेउपंहेमे
 उधीएगीवेरेणउवउवभा ८३ प्रापउनेसेलकुउ
 गनिकरउनुवभा एगभर वैल्लहृदृगिभकृए
 केएभा १० सुठवठवभंभुलभुद मगमभा
 भगिदुचीनमीसकेगडिकल्पकयेमयभा सुकं
 एउेभनगिधर किलनेइह उनिमयभा ५५ भउण
 नभिमंभमेइमिउवभनभा ११ भउउउमुउंमोमिभ
 मेउिउउकल्पनभा वल्लेकुवभकंइहृयवेउिविल
 भउमि भुहेकभवभमिउः संभगवनधभकः ३
 गउंभभिउनीलभेधमल्ललधल्लवः ५८ मगत्र
 उभागनीकभगभगविकुदभः भल्लेककेभभर
 लेभायगदनउल्लकः सुविभुधुगिभीधलेमे
 वउमल्ललेधुकः मिउभुधुवरीलेनुत्रिलीनउ
 ठवउरः १२ यरेवाभियेउएगीवभुइवंपसुडिद
 ८३ भुहेकभमिउभुवेएगमुदुधुगिसः के
 येवुकुनेदुभकडिमुविभउभा भवविभभल्ल
 द्वीधलेकउरमंसंगः १३ यगयभुडियनुउ
 मधुयेनधुप्रिध १४ यवुकुधुधुधुधुः केग
 ८४ यिउंमभाः ५७ एवंकुभयंविमंनभुवभन
 नमउं भननंमायभेवउभुमिनी विमय ७०

भ.
 ३०
 ३९

यदेवउस्मिन्कसंउदेवभननंमउभा भननंमसिम्
 कसंउदेवधमंभयम् ७० यदेवधुममुर्वेनइ
 सुवउवभुमउ दृष्टुवभुमसभिवमसुंनइभ
 वभुमउ ७१ सिद्धिभेदुनरुभिकमनंयदल्लरिव
 उल्लगदुतिननदुगइंमुइभिवभु ७२ भदुइ
 कल्लगदुइविदुउधमंभयम् ७३ दृष्टुवभुमसुव
 इभउमदकवधि ३५ लीलिभभभुवकसव
 धुमभुउ भवगेधभभुमवइधुतिथेनध ७४
 यइउउमइधियमकसंयसोधिउभा ७५ यंउरु
 उभेनउइदेउभुतिंग ७६ भवउभंठवतिमिदु
 गनंउभुभुमनकल्लनभभननंविभगि ३६
 विवदिकभिकदुगउभुवेदेकंकसंकडवउं
 मकिंरु ॥ ७७ ॥ लीलिधमभुनेभभभनउ
 उंभंभटनठवनंभभनः ॥ ८० ॥ श्रीविभुः ॥
 ज्येःधुविभुयेदेदेःधमसमवकुवउं मनुदुयेम
 येदुउपवलीमभभनभा ० केभलभलमगे
 दृभभभनभभनभा ३६ कवेननिकुलनयथे
 ३७ ३८ ३९ ४० भोठगुनननेहंनंविदुउपिपि
 मभभा भवभउंवनभिवदुल्लंभुउतिवभुएभा ४१
 उयेदेरुधुप्रःससिनिःधुनसीउलेः सुदुमिउ
 भोदुयेरुएगेदिउडवभुउः ८ सुभनदुयविसु
 उंभममचभुगेयभा भनसुदुयेलीनंमनुदु
 यभिवेदिउभा ५ निभेधभिवभभिनुभविभमने

५

३३

५

डमनीदउरुडेसिम्पडेसिम्पडसंसयः साधुभिध
 रिनिचमिभायभासेयकेवलभा २५ भगवती ५
 गीयभाउडकुडिठवेउडुरिमंडभा ननकरविक
 गकुभलेकउसभाडुर २७ यमिमेवभुडेउडेभा
 डिभकुगडःभुर उडेवभुडिठभउभयभवेदिउकु
 मि २१ एकभभवउवलनंउकुपउयभाभरभा
 क्रिभभवनमीवकसिडुवकभुमवः २३ सुवउउ
 उभंमिभुयभावःभुवउउ कयमिमेवभनभूदिभु
 भिभुमवचउ २७ उभिभुडिभुडेउभुडिठनभुभा
 गडभा १७ उलभभभुधंमिभुगेभभिवभुडभा
 यभाभभुभुडेउःभंवडुरसउभः उभाभकुल
 निभाललीविउभुरलंभनः ५० यभागनुचन
 गउकुभभुभवेमनभा यभानीयानभंभुवेद
 भवउमेधनभा ५१ यभाभुपउभंभुठभुभचउ
 नउभुभा यभाभभुभुसंभुभुमिरःभुविकउनभा
 भिभुवेयभिकभुभुठकुडिगउउधिल्ली वभुउभु
 नएउभिनभाउभिकमयन ५२ सुभुविभुनभुभ
 भुंभाउभभुनिभुसि भभुभीवैयभिल्लनभभ
 सुभिकिभुन ५५ भवेभुकउयनिभंभुकमभुभुन
 भुनि भकुभाल्लिर्विभुभुल्लेकडवठभुभः ५७
 वभुउभुनैभुभुभंभनभभुवभभा नमेभेगिर
 यभाभनभुउभभवेवयभा ५९ गिरिभुभकविभ

५०

५५
मि.
उ.
३५

٧٣

मूलहोयस ३३ अभिभवमिष्टुभिलहोयस
 मेहो ३० श्रीवभिष्टुः मनुरभयमेमंस्वीष्ट
 भिविकुसभा कहुवेणभोस्मेकैविवेकसुभ
 रभा ३१ मरभुगी ॥ उदेवमेधालंहुलीलाज
 भयवलिः अभिउगुगभिष्टुवेमधुमधुभुत्रु
 धुयः ३३ श्रीवभिष्टुः ॥ इतिपूजेमभुष्टुगिरभ
 परवलय उवपावसनंतीभानुभिधालेविकु
 रभः ३० विकुसभः भगधमसनंमेविभेधंठ
 वडिनजिनि भेदफलधुमयसुकमंडवठविष्ट
 ति ३- मरुमेकंमभुष्टु ॥ इमेकंभुत्रुभिःधरभा
 निरभायगभिडेविष्टुधुधुभुत्रुयस ३० मरु
 दिसासुभंभाः ५धत्रंमरुगाभा ठजेवली
 लावरेभकडनविगण ३३ यंधुमेसभकंय
 भिडेवयडुयंमभ भुजीजभगीमेवयंठलेति
 उरुमेयभा ३३ मरभुगी सुगसुगभुमिष्टु
 इविमयगभुधुमभुलवेउरुनिविस
 कभा मभुमिष्टुगिरभनकभनिरठगिदिमधु
 नकमनकममिमधीडिविष्टु ३८ लीलेधगष्ट
 नेधधभुभभुष्टुनिउधलंनभभनः ८९ म
 रभुगी मभुमिष्टुगिरभनकभुष्टुठवडभुन
 धुष्टुधुजंनंभुभुष्टुमेवडे ० उभभुभ
 डिमेवडुयमभुजंनंभुभा सुगउंमवीक
 उंभुष्टुगिरभ ३ सुवयवेयसययंव

५
 ५
 ५

7

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

कभउभरुदुवुभउवसुगगकभमपन ३०० इगव
 रंलीनसुलनरुदयविदुः ३७ कापदुपगभुले
 यमीउदेकभुमतिनभा लप्रभनभुभरुभिव
 विस्तुनभुजयः ३० काउदेउयेलप्रभुभलीकव
 गीरुली सुलतिमुभुधलेभउववीगनिलेगिः
 सुवउवतिनीमीउरुदुवुउगदिमी भसुयंपुभ
 यभनउभेभगदंभुएवति ३३ वरुदुल्लककभु
 सुगभनीप्रभनिभ्रग वैभनिकननुयतिभसु
 गिकल्लवदुप ३३ सुभुभउगधिरुदुएभउ
 उनयःभउ सुभिकरुनिनिद्रुभुभुभभुभि
 सुति ३२ काककगसुठिःसीभुभेउरुभभति
 रभा यउःभुवउंथतिउंभभेःसिपयंयष ३१
 सुदेसरसिलससिउउभुभमिदेउयः सुल
 भनुदुपएलंविमतिमल्लठउव ३७ केतिभुव
 कासुलननंनठभवेविमउदे वरुवगलभसुल
 भलःप्रगउवल्ठवउ ३१ प्रभयउभरुदुलि
 सुलसिपयकेरिष भभभउधिसुधतिहमय
 नीवगगिलभा सुलनरुभुभेवउमतिरिचम
 भदुयः सुगदुएकएगवंथउउगउदुहः ३७
 लुभुभुभल्लकवगनुमीकगदुभाः गग
 निद्रुभभवभगदुउउवदीनरभा २० भउगधि
 इविनिद्रुजवलकभुभिगवलीः भसुउंन
 भगसुभउदुधउेनरुदुः वउविद्रुविउउुध

३३-
 ३०
 ३३

三

ॐ
ॐ
ॐ

五五

二

ॐ
ॐ
ॐ

होमिकेमेहुकनीवनकमतिउवमुतः १७ यम
 उरुलालयेउमेभाःभापुयःपरे ३३इइइलीय
 उरुसमीवभकनिले ३० उभंहुतिभयठमेभि
 सुभकभपूके भागदुष्टलालयेकवभभन
 ठमनि ३० इउयमुनइतुभुभुगएवधंधम
 भा धनेउभभियकाठमुभाएवनयकाः ३१
 उभाल्लुभभातिमिरेहोभाकंहुभिमंडभा भचं
 सुभककल्लमउयेयमवमिष्टे ३३ नाउःभहभि
 मंमधुंनमभउंकममन इयमेवउममववुद्र
 त्रेवभभेवग ३२ मुकसधमभाउदुहमेरे
 केधिव एीवभदइउमंलगडुडिनिलेवधः ३४
 मुगिरेभुंयमवेडिनिलेववभुभेमिउभा यमु
 गीमंडमेवदुविमुद्रमिग ३० यमभदउधेगेके
 इभतिइभगेवः उमेभधमभाकमेवुद्र ३३
 भगेवः ३१ यमवयेगभिउःभनःमुभमः
 मुहभधरे धिगुएविनिमजंउमविमभिउं
 धरे ३३ ठवठवगुकेइजभुलभुद्रमगमगः
 विवलिउधुवयेवेठववुद्र ३० मंमैः ३०
 भाकरमुवेरेपायविष्टुयाठवउपुन मुनउ
 धपुनउमुभुगेवयवाइव २० यमभिउभिं
 विमंनिलेववभुभेमिउभा गिजंविमसकउगन
 उदुद्र ३३ भिउभा २० नउइइंनमभउंरुंभध

विठे

॥ वम्रुः ॥

॥

नवि

इमेपमभा भिष्टुत्रुतिः भट्टभमहंसदगीक्षिता
 परमंकरं विदुः स्त्रीयदभिववेदुलभा उभयेव
 उठवास्त्रीवदं विदुः भुएभा ८३ भट्टवदभट्टव
 पोथिकउभिरुगता गल्लयेदेवलीव ३ भट्टकि
 १५ कुतिः ८८ सुत्रकुतयापउभुकमिष्टुव
 कुतिः सुप्रवन्नक कसिद्धमभैवमभमभुः
 कसिद्धमिष्टुगवकमिष्टमभमभुपि कसु
 भट्टः भट्टकलीवकमेवकुतयः ८३ उकुलभु
 इभमभमभुल्लभनभमीक्षितः उपवभतिः ३
 ४ः भुतिरुनेठवतिवः ८५ उमेवपुटलभट्टमेम
 कलेक्षितः भभाः भवगापुभुधायः भुतिरुय
 इतिभुतिः ८३ यमभमभुनिष्टिभुतिरुमेतिम
 चयी उभनगगुगेमेतिभट्टवभुतिरुभु ८७ इ
 मूलिभुभमभमभुल्लभुधायी इतिनीले
 यमभमभुतिरुभुतिरुभु १० भवगेभंविमभ
 मेभुतिरुभुतिरुभुति यममीयभमभुउमेमेति
 निगुग ५० रलीवकमभुयउः भुभुतिरुकम
 तिभयभा भवदिः पेमिभमभुभुतिरुभुति
 भुति ५३ पभभुभमभमभंभुवभंभुमिभमभुति
 चभमभमेवविभुभमभु मिष्टुभविष्टु ८०३ विम
 गद्विष्टुभुमेतिमभुभलभभुयमभुति ५३
 नीलेभगभनेभुमिभमभुतिभुल्लभुल्लभुल्ल

मे.
 ३.
 ७०

३३

नेवधनउभययोऽमः ०० प्रययः कृपिमीधिया
 दिवमेनेवउरकः सुययउलभलिलनेमकुउपर
 भयः ०१ मरुसुभुनययुहुंइलीलेभाकभगि
 कः प्रभुगदुमेनेउमेवीरुडभकामः ०३ प्रमेभ
 रमेगेदेभेपुहुहुएकएवः एकलवपयः प्रमे
 रुवडववदुयः ०७ सैःभनंभभकद्वएधरत
 लाउरभा विवेसधरुपुहुनेभेगेकभिवलवभा १-
 सुभेगुहुहु सुनसुएसुएमिडिधुएभा रमिडि
 भयभेगुभुः सरधरभयः १० ययुरधुभामिडि
 ननादेडिविकरुभाः प्रभभरलभासभभिकि
 कः सभुमीप्रयः १३ रुहुभः सभुभइहुहुलन
 उल्लकगिवड एगल्लः सरयगेधायुहुउवीर
 वगिरः १३ विलेगुहुहुवहुगवीरहुधुमेउ
 यः भेउः धएयएगवहुडिनिधिधुयेधुगे १८
 एगदुः सभंउभंभुं सुसभुहुलनमीधकैः रुहुव
 पिलभेननवनगमेभमेः १५ उउहुहुउय
 रुयंकवहुनएधहुयः एगल्लसुवहुंहुंथिसाहु
 रल्लमरिकाः १७ उमगुमउभइहुहुहुहुगमतिन
 वले पुहुः क्रेधल्लधधल्लभउनेहुनरुभुले १९
 योउसुगभभइउः भंसभुवनधल्लवड निदयेले
 किउनहुगल्लहुमाडिवदिः १३ प्रमेभः भंभवे
 उैभभंभुयपवकिठिः यहुकुहुनउमकाठय

मे.
 ३.
 ७३

निभातिनिमुयैः १७ मठवक्त्रेवलंयुंमसकभपभं
 भभा मनाजलधुवाकाकायद्वसीमिसगणकुडभा ३
 भवधवरवभंवदसुगेथंकएकएगवभंधउकुभभि
 गणगण२वभंभिलचक्रभुंनिमिनववगलभम
 भधुवउडा ३० लीलेधगएनेविदुगमनिदुलंनम
 भतः ॥ २७ ॥ श्रीवमिधुः ॥ एउमिचउभनेउधेव
 भभभंभमे लीलादुयभेवमेमंलुपुंठगवडीध
 नः ० लीलादुयभवम मेविकभमकभमत्रेके
 उएगयडिनैले वरुडुयुभिउधुयभभिविदुउ
 वगल १ भभधडी मिभभगपिउनेनविदुगमच
 धगि ७ मठंभडिरगयजेननविदुगमकुकुए ३
 उेनभवेवरगयडिरगीयउमविदुगमः लुपुिगउ
 नउभंविमेभभेयेयमयम २ मेमयडासुउउधु
 उमभंभययधुदभा येयममेयडिभंउधुडि
 धुभिउडुल १ नधुठवेउंउउवदुगेधुभिवेधम
 एयः धुचभभभुमेडनेनभिमप्रलिउः ५ धुडि
 भपुधिमीउनेकलेभभेउभेउध विदुगमनेउभउ
 भसद्धिनुभिवेपिउ १ मुनेनमेवभउः धुभकभि
 उमिठविउ ३भमिदुगमेमंउंधुधुभककहय
 दुयानयमकलेनवलेभउठविधुडि एउमीयधु
 यंसउः भिवुउभभकीपडिः ७ केडेनंवभपपी०
 एगीगहंकडिधुडि ०० श्रीवमिधुः एवमेहंव

3

五

五

जगदीशं: पूरुभनमवेकुरभा कुभडीमडिउ
 उभिसुलधामा... भडुलभा १८ सुलसभुदति
 छिन्नकवचभानगविउभा उल्लउ... विउल्लउल्ल
 रसुकलगरवभा ११ सुदेउ... सुनेमीउ... धममि
 वुरमोमली सुमसिउ... नरुसिउ... मनुभदेमिनी
 वउ १२ मरुसुलकुम... सुधुभामयपसभा उ
 ले भदमु... भदमु... वीर... धरिवरिउ ११
 विमवेउयमकभंभ... लेविउउवने भमीकु
 भदमसुधुधुनीकभाउभाउ १३ उउउउउ
 भरिउभउव... लीलया केममेवल्लभंमुत्रम
 रुकुललकुके १७ वरुसुलकुकिउकेधरि
 उकुल्लवरले भलिभउग... कुवर... कुवर
 केउ ३- वरुल्लउधउकगुधउउल्लपल्लव
 मुत्रयउभदवीरुगिठिठिउमनिके: ३० ठ
 रदपदि: उउन... मग... पत्रधममि सजीनं
 भसमसुनं मरु... कमाउंरुम ३३ उउउ...
 भवउभ... लैकुमिभ... ले: उउउउउवकुवउमभ
 पवयपधुम ३३ नरमपगनिकमविमोप
 करकधने सदेउभकिगल्लउभउविउल्ल
 मविउ ३८ यि: भुलउउउ... वसपनरमिंरु
 यि: ध... भमलकगउभविभुगि... रना
 कगवल्लकल: केमिनु... ननक: भवे सिउम

३ भाषा के मित्र मित्र सुवत्सुकः के मित्र मित्र भाषा
 ४ ॥ के मित्र भाषा अधि के मित्र मित्र सुवत्सुकः ॥
 मनु भाषा अधि ३१ भक्ति भल भाषा के मित्र मित्र सुवत्सुकः
 मित्र भाषाः ३२ सुवत्सुकः के मित्र मित्र सुवत्सुकः ३३ सुवत्सुकः
 लः ३३ सुवत्सुकः के मित्र मित्र सुवत्सुकः ३४ सुवत्सुकः
 गति मिली भाषा अधि ३५ सुवत्सुकः के मित्र मित्र सुवत्सुकः
 नी सुवत्सुकः के मित्र मित्र सुवत्सुकः ३६ सुवत्सुकः
 धन सुवत्सुकः के मित्र मित्र सुवत्सुकः ३७ सुवत्सुकः
 श्री व मित्रः सुवत्सुकः के मित्र मित्र सुवत्सुकः ३८ सुवत्सुकः
 गभा भवत्सुकः के मित्र मित्र सुवत्सुकः ३९ सुवत्सुकः
 सुवत्सुकः के मित्र मित्र सुवत्सुकः ४० सुवत्सुकः
 सुवत्सुकः के मित्र मित्र सुवत्सुकः ४१ सुवत्सुकः
 सुवत्सुकः के मित्र मित्र सुवत्सुकः ४२ सुवत्सुकः
 सुवत्सुकः के मित्र मित्र सुवत्सुकः ४३ सुवत्सुकः
 सुवत्सुकः के मित्र मित्र सुवत्सुकः ४४ सुवत्सुकः
 सुवत्सुकः के मित्र मित्र सुवत्सुकः ४५ सुवत्सुकः
 सुवत्सुकः के मित्र मित्र सुवत्सुकः ४६ सुवत्सुकः
 सुवत्सुकः के मित्र मित्र सुवत्सुकः ४७ सुवत्सुकः
 सुवत्सुकः के मित्र मित्र सुवत्सुकः ४८ सुवत्सुकः
 सुवत्सुकः के मित्र मित्र सुवत्सुकः ४९ सुवत्सुकः
 सुवत्सुकः के मित्र मित्र सुवत्सुकः ५० सुवत्सुकः

३० ॥ पद ॥

३०
 ३०
 ३०

मधुपर्वनेष्टुप्रथमं नीवमदुर्गैः मयः धिगुदिवे
उभयगुडिउकुं धुयः ० एतथयेभमडवमीकर
डवनिन्नगड उदुगप्रिभककक दुलिङ्ग डवठभुगः
उयेसुगमलभुगं मधुकेरुडयेः दुयेः बलदुय
भकुदेरुप्रकं सनुडवधुपिः ०० वदतिभ्रमगुय
गगङ्गप्रगडवधुवे भिद्वेगठिभोयेथदधुगगव
रंरुमः ०० कमकुनकनगममवदधुनगउभा
वदकुवसवममं निदये एउउधुमग ०३ गल
भदकिनीप्रं वुलउं भिद्वेगल वउयननुभले
कुलीलगदुगवमिनी उनरल्लभभुदेनएयभा
मकुठगि उवमवकुभानन विकमनुयथदुए
एयमेविरायेधनमभ्रकं विलेकय किल
नेनमीगयेनभेनरुपेडिमुलउभा ०० सुविमिष्टु
धुभेवंवयनुं उधनप्रेरुवकुलभा सुदल्लभु
गुयेदेहदभुमनुधंरुग उगुगलवभममत्रभ
धिवमिद्ववदुवः मरेधल्लगभेनएकुमदकिनी
भिव ०३ गल्लवेदल्लभकलंभयकेधं धनं धनभा
सिदुउडेधुपः गदमिद्वेधगगनल्लवे ०० यमगदी
धधुसाउधनधगिद्वयेउगडिः उंमिद्वभयकभपं
धुमगधुपं धनभा ३ धेधिधुमगयभमभगद्व
धवगविउभा विदुगभभुधुमुद्वभद्वयकेउभैः
भभभुएल्लमंभउकल्लउधवनेयम गउधुडिद

यद

तैवेता... वद्वेदलीथो ३३ सुजीदउगनयं भूकरभ
 विगभिले सुषमपेभेदनभुंभितुगवचभेदुल्ल
 भुंउनेययुल्लेक विनभेदंविदुगभमा त्रुभसभु
 भुगभकविभ... वमनेद्व ३४ भुडडवृठवदे
 पस्मिइहभुडवमव यवद्विदुगभसंभेदेनया
 डिभद्वडभा ३५ उवद्विदुगभेगएभुवेपभुभभद
 मे उडःभुवेपभभत्राःभूरःधउगिवाह्मिनी ३७ वि
 दुगभेकवद्विदुःकूडिकुडवगद्वमे जगभुभभद
 कीभंभसवतुनोयमदभा ३७ उगववरेठएभुंठे
 गिठिःधवेउधभैः भद्वेविवलिगभुभिभ ॥ ३८ ॥
 भगभीयस ३३ भभद्वगगिरयःभचेठभुभत्रग
 कभुलः धमद्वभचापेवभोधिदिगभुदिविगु
 दैः ३७ भभचउवनकेगययेविवमडंभली
 पडद्वगक ॥ कील विभवेगभुसंभिनी ३० व
 वरुधेभुनीलगावउद्वलनगेवः विदुगभेभ
 भोधलभमपेभुंभदभुविड ३० उमउनरुडभु
 नभेवल् ५वधचडः कद्वनीदउभचसभचस
 भविप्रकः ३३ धद्वधचासंभुलनिडभुलया
 निलः ॥ ३९ ॥ विवलनगभुभुभद्वगभभुलः
 भद्वधधगवप्रगिभेद्वधकः भुप्रकं
 उमद्वेधंभभधलधल्लेधिवड ३८ कभुंमलम
 लयउभगभुडववगिपिभा भद्वकभुलनिभुं

भे.
 ३.
 ७१

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

उभाले धाडवे डीनः भाड्डिडाडवरडयः ७३ कड्ड
 ले धाडवे डुडाः लेकलेकडवे डुडाः उभाडल्लगुड
 ठेगाडवे डेमामिड्डावः ७४ भड्डधुनधुगगववड
 यंकिड्डाडयः उभाडिमडुडिमडं भासगभाधुमंड
 ७५ डवनडधनीमडुभासुडधुवयाभिनी उभाडि
 मडुडिंधीड्डाडयभासडुल्लभा ७६ ललसीमडु
 उंमंडनिडुवडुडिमडुधी एवंविणनधुमंडविडुडु
 नेवेनड ७७ भिड्डेभासभासयनये धुडुडुवडुडुडु
 लेडिठगवडः भिड्डेः मडुगडुडुडुडुडु ७८ डुनीव
 गडः डुडुगडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडु
 धुंमडुगडु
 गडु
 उ ७९ येभाडुडुभाडगवडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडु
 भड्डकध ८० डु
 लगडुगीलवनविडुगकडुसः कडुडुनकनिडुडुडु
 मडुगडु
 भिवडुडुधडु
 भडु
 वडु
 केडु
 डु
 डु
 डु
 डु

॥
न

विनेगन

७३

[illegible]

मं.
उ.
७७

३००

पु ११

मृण्डिगिह्वं भाउरुजलमलभा पणक्ति
उमभेधमभुयेदुभनयेः ०१ भमभुवपलने
वयः कलेमलपूनः धयंकियलडिभिर्वै
डिलेला ०३ विदुरमेभुभयेयंडुएमानिमव
३ डलयाभमभगभंभितेः कलभिवरसभा ०७
१३ भित्तउरेहोभितेडिनिचिवरेहो भमत्रकेडव
भुव/एयेमपलिनीवव ३० सुभुरेहोमंनहृय
हुंभमभमभमभ सुहेहंमभभयउंभवीदेभ
एविव ३० १३ भित्तउरेभुग्रीरभंनहृयुठमभ
३ भुभमभुवनंभितुंभगेनुभिवकभगउ ३० मि
वुरहोमिउभुवकलभुमभमभयन रंभंडहुवनि
भुभुपहुगयएकवनहुउ ३३ सुहेमिभभभउ
रभभुनेमिधेःपुगन ललचकगवलेनभा
लानीवलपवडा ३३ विदुरमेभिविगंभेवकुवभु
एकभभभन भमभुयोभमभेकेमेगडमभल
मिडे १५ देवकमउंयउमिभःभुलगेभुयेः मनुभ
लेयभभुवमलेमचयःभुएः ३१ मजिभमय
मिहोपापहुंहु विदुरमः भित्तवहुभुगवभ
केहुउडवमनिभा ३२ सुविष्टिउंमभयउीपडि
उभभुवकमि सुभियभुयभहुडनिमुउीधक
भिनी ३१ उनमजिभुलगेनभोभमभभुवन
केवलंनपिगभुउनेगएलभिवहुरणउ ३३ उहु
मलीलउरुभुउउमभवेहुन भविकभभ

॥
॥

ननकाप्रचलीलभवायक ३७ मेविपसुचभिंदेन
 कीठउयभावेयैः सजिकेदिनायेदः भिवरुद्वरकव
 ३० भः भुलभनगेनुकरदुडुडवगविवरु मिधु
 रभेनिदुडिरुं मलमलेगेवेः ३० ककधुंगमभ
 नीउं भिवरुगेकुभदुडः भेवलंभेगंसां ५ धुगवउ
 केयघा ३३ धसुमेविरुमेभुभेभुदुगे ५ वसुलिः
 इभदुचउधगेनभेवलंनगरंयघा ३३ भुवउरेमभ
 रेकुभानीउं धाउरेधमे कधुं वदु भिवेनु ५ भमलेमि
 वुनेगिउभा ३५ वदुयिदु विलभेनरमभकदुला
 धवउ धसुठउभमीयेभेभकभुनिउगंरले ३५
 कणिकधुभभेभिवरुदुधउरुमंवलउं करिसुदु
 भिवरुदुः भवेनचभिवदुभभ ३० एवदुडिः धु
 यउंभेभेनुवंभमलायुयभा ३५ नरेदुउंभंभं
 वेठउ विलेकेय ३७ धदुगगगिरिदुउंभिवभ
 दुडिमेभंभंभं कणिकधुभेउंभिवरुदुधउ
 पयघा ३३ एवदुयेधेधुडिभुवः वेकमेनेवधमधः
 कणकउभिमगुभिमभंभुधकउभिम ३७
 भुलेधवसुत्रेभेभेदुधुसधिरुननी धुदुभभा
 मलेठउठउठवठयउर ५ लउधरसुठेउवभ
 ठिउधउठउठ विदुगेधेधिनिरुः धुदुनेववि
 धिधि ५० धधउभुदुनेधुसुधुत्रभलधवदुभः
 धउनेवधभेउंभेनेवधवकिः यधउमकठिउं
 धुकठमभिवरुदुः सवधिसुत्रकठेभवनय

भे.
 ३०
 ००

उममिबुन ॥३॥ शुद्धनेन विसृज्य पद्ममिद्विदि
 रैयम भगवती धरुवपुंड्रवेधुमभेगपलम ॥२॥
 नमस्कृत्य धिक्के भुक्तिभक्तदुल्लेखं वध ॥ यदुर्व
 दउगलगउगल्लुवगउउसुल्लुभुगिउवभुउउउ
 गउभा ॥ उहल्लुगवगीभक्तिगेलुउः भुः भुवि
 सुभुगिल्लुगलेगीरि ॥३॥ लीलेधगएनेविदु
 रमभरल्लनभमनः ॥५॥ श्रीविमिधुः ॥ कौटिल्य
 कौटिल्य श्रीरत्नेन संयोगे इति मेवमभुउउगधु
 भाभी सुयजलभा ० कौटिल्यभुउउगधु विदुव
 कल्लभरुभा ॥ भुउउउकल्लुपुं सुवत्रगगमुन
 भभा १ धल्लयभनुभाभुउभा नल्लुउवप्रनल्लभा
 महेदुल्ल ६ नहल्लेकल्लयभक्तल्लवभा धरग
 धुरननीकड ५ वैल्लभनगवभा निरपिधुउभा
 उल्लकयमगधउल्लनभा २ कवटयल्लनेद्वीनके
 मेउगवधउभा लुठिउभल्लुकेमेयधुवउगि
 ठलेदुभा ५ धुरिकेद्विगिउउचभा उल्लगल्लक
 ल्लनभा गल्लउः भुविभुउउमल्लल्लयधुमेद्विभा
 गल्लधल्लुउठेद्विउठेद्विउठेद्विउठेद्विभा भक्तम
 ठगमेद्विधुधधल्लुउठेद्विउठेद्विउठेद्विभा १ सुधचउल्ल
 उउकेसल्लधुरिकल्लनभा मेवल्लभुउउउउउउ
 मनुगभनमिका कयेठगवभल्लुउउउउभभनुभ
 ल्लभा सुठिमेकेद्विभा मेसधरभाभुधरः भरभा
 गल्लगल्लनीविनिमल्लभाभुउउधुधुधुभा सुधका

३

७

१५

मं.
उ.
०३

जलः मभीग मसिवगु ५ वमचः कल्लन ३२
 लीलेधगसनेमिद्वगुं नमभनः ॥ ५० ॥ सुवि
 मिधुः ॥ अमिद्वगुं लीला मभवमममभुडीभा
 सुभावेमममलेहप्रवेठडाभगुगभा ०५ वउ
 मेरुभउधुंमठुगयमिद्वधिके भिउमभा डक
 लेयलीलेनिः भद्वगडिक १ मेदेननेनगउ
 वृभनयवीरुदया यइवकुं मउडुनंकमंग
 उहभाधिके ३ सुधिरुवम ॥ एवंउधंभद्वगुं
 महुभेगधुमकुं मे मंधवेधिमिउधुं विमिइ
 गभुभेउरे मे नकिद्विद्वमधिमंधवेगधुं नमभकीउ
 लभा नभिउंउमनधेवंधधुं कभिमंयः १
 उधुं कभधधुं उः सवधुनिकरुधुं ५ मंहुग
 धुमभउडिठुलीवधुं नधे १ धुः धुगधुं उ
 उमिंमं धुं विउमभा वभिधुविधुगेदेउः सवगे
 देरुगधुं उभा १ एवंमभमद्वगुं देरुगधुं मंय
 कभः उयभयनयनेनमंधुः भल्लवविनिः ३
 गिरिगुभकगेदेउमदेगगनकेसके एधुवक
 मडिधुं जेनकगधेववधुमि ० एवंभगभुधन
 येगधिमभधुं धेधुं यः उमं सुद्वभाकसभेगधिन
 एगधुमः ०० कभधुधुं वेदिकीधुमीकभउ
 कभ नधुं वं कभभउउयमभिउद्वं धमभा ०० क
 मंयधुं सुद्वभधुं धुं धुं धुं धुं धुं धुं धुं धुं
 मठवमधुं यधुं एधुं धुं ०१ उधुं धुं धुं धुं धुं

५

५०

不

मकः इभममे० नैवलीला सुमयिडा भिउ ३०
 हुंमैधमवगैकेधप्रभउवगदुने उषाठवरेठउध
 उषेवकभधिधुयभा ३१ लगेसुठवमंभांम्यसुभ
 उमिनेसुते एउमेवपरिदुउंम्यसुमयकुदुडि ३३
 एवमेधउमेवमंभत्रैवभमेपयः सुंमसुनि
 मटहुंगतः भवउयदुनः ३० ऽभेवयभिकउते
 मंभत्रासुदिउऽव ऽउंमचउकउयभकमिदुनमं
 भिउः ३० एवमेधभिउगदुनीकगिकभविला
 भिनी लीलाविल्लेनयननवयेवनमगलिनी
 धमलमपमपुगमपुवेमगठभिल्ली केकिल्लधु
 उभदुसभमममममउग ३३ सुभिउदुलधउका
 वउधीनययेपग कउकासुनगेगदुनीपकविधुठ
 लपग ३३ इउदुल्लयदिकसुधयमठदुमनः
 कल उमदुदुमसकगभिउधमिदुभउते ३४
 इउदुभगल्लिउंमभनउमेवके इउदुधपुवेमधु
 इउदुल्लयदुनभुन ३१ यमपिठेठिकठवंमतेन
 ठवउधयभा येदुममयमेवउ सुउिवकिककल्ल
 नभा ३० यमपिठेठिकठवंमतेन उनममयभा सु
 उिवकिकमदुल्लयमममइधुएयउ ३१ उंमभगल्ल
 मंविदुधनल्लममयेदुम हुंकिमंविमिउनेनइय
 वगउपधमः ३३ ऽउंइमधुवनेधमधुसुधइयेडि
 य इभमभुनिमंभत्राभचुगदुगिदुनः ३० वरु
 भवगउयभा हुमपयययेमिउभा ठवउसुउमउउ
 उउमदेवधसुडि २० भवउभचमजिइइयंमजि

३३

उल्लि

१८ श्री

॥ अत्र भिन्न उरभ २५ मयसु कभारिकभ ॥ भाषा भिवथरि
सुतं कुधियतं वरानन ०३ भाषमालेकुभउसुधुः
सवउधिः ५० सुवद्वडीमहं धुठिठवसः ५३ ०७
मयमठुमसुभेनिकडेभमभिवन वीरलेकनिभा
कुधुः ॥ मेडेयसभायभा १० सुदंमेवधुभागेनम
मगीरेनभीमसभा ५० सुधुवडीपटुभउभनभिक
मन १० ५३ भिभिनुभनभनभनभनभा वीरप्या
भमभननु ॥ उंहुचवनिभभुलभा ११ लील उ
कुधुभनवधुः भनवधुवधुवधु वधुतिव
मउंमेविकिकयेवकधपिया १३ देवी भनवधु
मडेकुधुः भनवधुवधुवधु मिककमेकउयिगा
मवयसुधुवधुः १५ भनमिडुठिठभनभननि
यतिनिमयधु मडेवधुवधुतिभिधः भंधुतिविधि
उभा ११ ५५ भनभनवधुवधु भनभनवधुवधु भ
भनभनवधुवधुवधु भनभनवधुवधु १३ केवलन
भनभनवधुवधुवधु भनभनवधुवधु ५३ सुधुभनभन
हंनउकधुवधुवधुः ११ लील सुधुवधुवधुवधु
किभननगडधुतिभा ॥ भनवधुवधुवधु लील
ललिउवधुति १३ भनवधु सुधुवधुवधुः भिधु
लेकधुवधुवधुवधु नभभनः सुधुवधुवधुवधु
५० वधुवधु १० सुमिभनेतिनियतिः सुधुवधुवधु
वधुतिः यधुभनभलीकेननभिलेवधुकिधुन ३
यधुवधुवधुवधुवधु किलविधु निवेधुल

३०
३०
००५

कर्मिउंविना नमः३३ः भूयलतिवेमनाहुभाः भूयभा
 एगममववदनेयमेमभवकुपे उंविह्वेभकम
 नंभधुभीभगंयम १- सुभरभवमहंभउठनभि
 डिभिउभा ५३भठवभंपडिरियंहुउत्रहुउयः १०
 भनरैययमउठभंविहुमनभउतिः भाहुनियम
 लिउनेनभिउगनियतिमये ३१ गंकीउठेभउभंवि
 सिह्वेभवेभउंगउभा गंकीउकलउभंवि सिह्वः
 कलउगभिउभा १३ गंकीउललभंवि सिह्वेभवा
 विह्वेभउभा सुपेयमदिभुधः पमुहउनिववि
 उभा १२ सुभरभविमठउठवेधायमभउ मि
 सुभरभउदहभभेउउउउते ११ पदंभउभुवी
 उभभुभगिउभभभग वेउः सुभमकुल्लेभुनेधि
 वमिउिभयभा १० भवउनउरंकमठलनठवनउ
 भभा भवभेनदसभुउंमंउमुयभुंमभा ११ उ
 उठमिभननियडिदेकसिडिमउमिउ ५भुमिभु
 यमः भंभउभुधिनियडिमभा १३ देमकल्लवि
 यउहमुहुमुहुीधकमभा पुनदेमगिकदेम
 गंलंकरलभयुधः १० भकमपमभुभउिहुभह
 यगलभिम गहुवादिभथायगिभभभवेठवेम
 वल्लभाइभुमेउंलेयवयेवनभाइमैः गहुभाइभुमे
 वाइः कमठिमंठिभासुडि ३- येयमसभुभगंयम
 उभनउिधुडि ठलनंठवडिभीभाउयमसभुभयुधः
 एवंकमनभेभल्लनउरंमसभिः कवउभुनउव
 मेमल्लमकेमिवेमिनः ३३ लील भवभंभमभम

५०

५०

मं.
उ.
०७

54

गंमिनभयेदेउंठुमिहमिननए भंविहीएक
 लानसंनकममनगमुडि ७३ भंविहीदेमनंनभभ
 ठवेइडिरेकवना उभपुठवसंविउवपुठव
 एमनी ७३ कुमिमव ७३ वमिभुंकुमिवहंए
 लंयम कुमिमिहंकुमिमिलीवपमीमंमोनंभुम
 यमलउयःधनग ७३ मीइयमभुभपुउः उम
 मोनभउयएएननिभम ७३ निम ७३ नएयउने
 भियउमोनंभमभः कुमिडा सधभंभुभवकुउभउ
 मुडिकवलभा ७३ भुभभेउनभउभकमकेवन
 मुडि मोनमुडिगिजंमवमउडिभुभकुवेग ७३ ।
 कहुयवमउंइकिमोनंककुकिंकमभा भिय
 उमेकलका ७३ मोनंभुउभकयभा ७३ सुभवि
 धाउमेमिउभकभिवउन ७३ सुठविधउचाव
 भाउहकभाउविह ७३ वभनभउवेमिउंयली
 वेउठवेइयभा उभवरनभभलनभनीधरिकलु
 उ ७० । प्वनकिह्मिहियउएयउनेमकसून वभ
 नपउगउधरीवेलु ७३ किकवलभा ७० मुडनुभ
 भवमवेम ७३ मुभुभेमवभन नभुवेडि विम
 ७३ म्म ७३ एनेविनमुडि ७३ मुनमिउभमिउंए
 गमुवउंठवठयउंठभनेचिलेकुभभुका मलभ
 नुमिउवभनेदिलीवेठवडिविभउ ७३ इरुभउ
 वहउ ॥ ७३ ॥ लीलिधगएनेभम ७३ विमपेनभ
 भनः ॥ ५८ ॥ लीला ॥ यमेभएनेमियउएय
 उमयमभनः उमकमयमेवेमिभनउेपविवाह

भं.
 उ.
 ००३

ये ९

मेवी नम्री प्रवादे विप्रेयमावउविमंभुउं
 एतुः प्रीतिदिउमसाभुतीवभुमेउनभा १
 सुकुंदिमेउनंनिहंनैमोतिनमसाभुति भुवेरए
 सुभेहैभिमेलैमोपवेनभुउभा २ केवलंवाउसं
 गेणकुमभनः प्रसाभुति भुउडुमुडेकभुम
 मएकनभकः २ उभिमेदेसवीकुउवउाएनि
 लउंगउ मेउनंवाभनयउंयउउउवउिभुति १
 एगीवडुमुउउभनभालेचभनयउः उउवमु
 भमसवागेगगनकेउम २ उउिभुउसकुन
 भुउउववउरिठिः मेउनंवाभनभिमः भेभेम
 निलवउिउः १ ५मंसचंधमिहएयमभुमसुन
 उगे मभुप्रडवमकुल्यडवननगउिभुम ३ ३
 भिमेवभुमेसेउः प्रववउ ॥ उिठगठवेउ ॥ उमैवभा
 उिभुउउेभमुउउमगीरकभा ७ सुकुउभिअए
 प्रभुभउभुभेकेवलभा सुएवकुलेसकुंभाकम
 मसिवभरभा कउिधमिहएः भुउभुभंठमभि
 भंसा ॥ मभभुधनधनेभभुधनधनः भुलधधि
 नः ०० मभभुधनभभुभुधनमेउभभभवन
 एउधं कभुमिहमे सुइयेभभकभुमिउ ०१ क
 डिभकभभउकवउउगभ ॥ उिभुउनग ॥ विभुठे
 नकवउउः धाध ॥ हृमयेभभाभा ०३ उउकुले
 नभंउइवभनए ०० गेमिउभा सुउकुयमिरक
 लंवाभनः यभभउभा ०२ कुकुयनिसउउ

ॐ नमः शिवाय नमः कुरुमि सुभभा यतिभंभा
 रश्मिप्रविभं ०१ सुभवाभातिभेकतेरादुःप
 मउकुलभा ॐ सुभमिभेवदुःपभनवति
 उ ०० सुभमननुभुभा ॐ नमः शिवाय निनरकधनः सु
 ननुयस्येनीधुयते सुलेमिरा ०१ सुभम
 सुभमधेयभातिभेकमननुभा ममिलार
 रंरुं कंमिदुलंभुपसुति ०३ ३३ः सुभकलेन
 केनमिदुलंभव विदगमिदुलंभुयनीभंभा
 रमेधति ०० भागवतवतिकमिदुलंभुप
 की सुभमननुभा ॐ देवं संभनमदुभा ३०
 मकुलदवमकुलदवेतिमउमभा उमिदुलं
 वदुलं सुभमिदुलंभुयते ३० येदु उमभन
 ५० भातिभेकमननुभा सुनंविदुलंभुयते
 सुभनवति ३३ उतिदुलंभुयते सुभम
 निरंरुलभा रयतेभनभेलेकंममीकंमदुलं
 नभदे ३३ येसमभुपमले भातिभेकमननु
 रभा ३३ देउं उचतः भुयं सुतिदेकभा
 येसमभुपमले भातिभेकमननुभा उवे
 भवयुवलिः सुयतेधपिधल्लवना ३५ ३३
 मकुलं सुभमिदुलंभुयते सुभम
 पिदिभुतिगंरुयतिभेमि ३३ सुभमननुभा
 उलंभुयते सुभमिदुलंभुयते सुभम
 लंभुयते सुभम ३३ सुभमिदुलंभुयते सुभम

ॐ
 ३०
 ००

३०
३०
००

मि.
उ.
०००

लोपेववायुन ७ सुपष्टुदुग्धमुत्रात्रीयभानंम
उच्यः वदुधिः धुमेननसरीरंरुभाङ्गनः ०० भजे
कमलैल्लभतद्विदग्गेभुजभा वैवधुप्रंगलु
भुजभनिवगिउभा भुजंवेवधुप्रंगभाभिभुंगउ
यस्य सुभुकमगि सुभुगिनेवभतिकममन नि
उभेववमउनंकउसंमुठकमभा कगवदुभ
उधुदुवेगंयंविद्विउः ०३ भुजनेधुमवीकुउ
मेदेभिजभभाभुरः धुविमदुभुंगदुदुदुभाभिद
वेदुभः ०४ उधुजनेठभनयउधुनउवधुः सुभ
रणीवकललीलधुप्रिभेउिइयनठः ०५ धुभवे
रणीवल्लोपदुधुधिदुनेधुप्रि उभेववभगउउ
भभल्लदुनरुभुलिभा ०६ लेकउगउउिदुधुविनि
नदुदुगदुदुग विगीयंरगमभदुधुभभुलभ
धुदुम ०७ कउमदुल्लदुधुधिदुभदुउरणीवल्लोप
य धुदुगउधुप्रधुलीलउःधुभभधुभभा ०८
दुधुविमउःधुंरंउलेोपेयधुभभा भदुउ
धेयधुभेदुधुभुगठिःधवनंयधु ०९ सीरभः द
दुधुधुःकधभभेसवधुनिकदंगदुभा कधंउने
धुगिदुधुभनैभाउसगीरि १० सीरभिधुः उधु
धुवभनउःधुभवधुंकिलगधुव उधुचंरुदुउ
उधुभनभेधुधेउउधुभभा १० इतिभउभभेदुधु
एगदुधुविकल्लेमे तीरुवदुधुभिवधुिंकेव
नधुधुउ ११ यधुधुवधुधुलीवभउरंरुधुधु
उि धुठवदुधुंमिदुधुधुलेदुधुनिसयंउधु १२ नैयेधु

कमेसमुद्रमेसमुद्रगङ्गा मंथसुगिनिपानंभ
 नमानगङ्गा १२ ३३: ध्रुवभनउभुभकीधुंधरिपु
 ३ रीवेरिसउदेधिरुभधरिगेधिव ३५ श्रीग
 भः रुगवदिधमनमिवेभनगकिरुकिः की
 रुसंधुउदेकः धिधियमेनमीयो १७ श्रीवभि
 धुः धिधिसमीयउंभउधिधिमैडुभमेडिमैडु वस
 नरुमिमंडुगउदिधकल्लरुद्रः ११ यस्मिउभ
 नयेरुद्रुवगीटनकुडयः भदेधुविमैकभनरु
 उरुमकुमि ३३ मधिधिमैडुभमिधुनिधिधि
 दिमधिधवना निधिधिमैडुभमिधुमधिधि
 नधिधवना १७ यस्मठवनमेडधंधमज्जनंदिम
 रुठवनपधमज्जः कवल्लुउमेडिदि ३- यस्म
 वभनयएउविधमधुभाप्यउ मुभटः भट्टभमि
 धमज्जठवनउम ३० कवल्लेनविनेमडिनकममन
 कधुमि ३ कट्टकगिमिधिमैडुगिनिमयवठव ३३
 कवल्लेनविनकट्टभभरुधुल्यंजमि ३ नमोभुन
 मुडंकिधुयंभकययउ ३३ विमैववभनमेवप
 उमप्रडवज्जुभा कट्टकगल्लभमिभैवभट्टवडिधु
 श्रीगभः यमेनभुभभट्टवयः भुउवभनविः ३
 भुमेडुद्रुमकुगियमः कट्टभभदिः ३५ उरुमउभ
 किंपमेनधुः धुडठवनभा भट्टज्जधुभट्टज्जठव
 नडिंवल्लगपिकभा १५ वसीयना मेमकल्लदि
 यडुभंधुमेडिरुवन यडुवकुमिउभभुडु
 येगपिकेरायी १० पमपउधुवधुमेडुभनउउम

भे.
 ३.
 ००३

मं.
उ.
००३

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

मं.
उ.
००३

३.
३.
००५

३.
३.
००५

मदेयं ज्ञेयं भुम्भुः ३७ भन्नेनः कऽवर्तुधं
भसवेदिविवेकिनः यच्चामुं विमधुते ज्ञाणं
विमगल ५० यच्चालेधुले ०३/३ वल्लयिह सुग
मुति चरुदेवाष्टुगनत उच्चदुप्रिभगमिकभा
यच्च भुप्रवधुपेन एने केवगमुति चमह भवउह
भाउधेवेदपिठेडिकभा ५० सीरभः ठगवतु
भसायगीधुपेकेवगमुति ५३ भेसंसयं छिन्दि
मगदुभिवानलः ५३ यमिधुः चधुभेभमदु
लेधमगुः भवउमयः भविमते मिल्लुते भन
नाटुनिलयध ५३ चभनमहयधवायेः चभ
कुतेचिमइलभा चनटुपुडेवयं चभजः भंवि
मभलभा ५५ चभपुजवठभेन भंविमेवधुव
लभा चधुगती डुतेनवयडेकडं उमडिक ५५
भंविधुप्रजयेधुडेनकममनलहते यच्चधुवद
धयभेदधवाभनवययेः ५० यधुइधुधुड
तेपभुमधुनभवउभभा मैधमंमडिदिजभिधु
धुनडिकेदि ५१ भनकरिकगल नभठवे
किलवीधसी भंविधुप्रधमगुनं डिधधुपेनि
जिक ५३ यच्चधुप्रभुधुगुमिंनडभिमं
मयः चधुप्रभमभुडिमनयेठहमधुगज
नमंजेठविउंमजः भहदेधधुमेमिउः भंविनि
हभहदेधधुनभमह ५० रणगिहवयधक

म.
उ.
००५

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

याः भभसुभिवठिडिभ ३० ग्यदभलेहृधुगेली
 लसुभीविलेहृउ उडयभभुभवडी ड्येः थमेध
 भापड ३३ भसुययागउमेहृएयउंरलीविउ
 भूमे डरुप्रवभंभुधुठवहृन नमेपनी ३३ डदु
 उवहं उभुंउभनिहृभउयवनाः उथविमविभु
 रधुलउभेसिरिभुव ३४ सुप्रिः भउवमक
 संधुधुभभंभसभमिडः किंवाउंउहृयभुं
 किंमवभुनिक्र ३५ विदुगभलील मेवि
 उभिल्लुमेसभासुउभुठउमठवभा डिगीयेवडे
 लेवहं कल्लउं सुलयवाड ३७ नमेउंभय
 किडिउंभंविभभमेवव उउधुगलपभुउविनि
 भीलुविलेमने ३८ उंभगलभुठउंथसुभिय
 रभेसुवि यवमहुमिडभसुभुउंमगगनेर
 भा ३३ कुउकमेनिलगभंभभगुठभुठउंउः
 सुनीउंगनुलोयेवउंनदभिमभल्लयभा ३७
 डरुधसुभिममननयकेनहृल्लसुउभा दीउ
 दीउंविगकुंभभदहृमयनविउभा ३० थडिभा
 लेकयभीभंयवमेभविदुगभः मेउंउभभगुधु
 हृभयः प्रधवेनेयस ३० सुसभसुभभंभभसुभा
 उंयंभुधिल्लभा डडिनिदुभयभुयंमेवेसुगिन
 वगिड ३९ सुनउगभिमंभेसंधुधुमेहृविभेडिडि
 यमभुठउंकधिउंभभनगुठकगि ३३ सुप्रिः

मे.
 ३.
 ००७

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

लक्ष्मणजीमदवचिउ वगज्जेवसंसज्जुभिउ
 भंसेधमालिनी ८० डयंलीलज्जिगीयगभदिल
 देलयाभय ७५ गलिउडुमजेनकस्यविमुदभी
 म्ममभा ८१ मिरेठगेधविमुयंयककेभमदम
 न १०५ भाभभुगीदेवीइलेकुएननीमिवा ८३
 सुभकंभुभभुरिदभाद्रुधगता सुनया
 मिधगलेकमिदनीउभदीथो ८७ डहकलुम
 भुडयगएगएगीवलेमनः लधभात्रुधगपरः
 धधउल्लुपिधामयेः १० भभुतिभभुहंभवले
 कदिउभुमे भुयसुवगेमेयंमीउभायुचननिम १०
 डडुउवउंकेमेनधमज्जल्लुपिदेवता उभइठिभता
 ऊडुठवेडिवमनज्जिउ १० भभुगी भवाधमः
 भकलदधुउरुधुयसुगसुउवःसभभनउभाया
 निभभुका सुयनुनिहभमिडाएनताठवतुगसु
 भिउा सुविलभनुभमेवलदुः ॥ ५१ ॥ उडुडिभु
 करलेलीलिधगएनेधमूलीवनंभमनः ॥ ५३ ॥
 सीवमिभुः ॥ भभुगीउदेइकुउइवउचिभाय
 यो भूठोपदुलेःभाचंववुपेभकलेएनः ०
 सुलिलिदधनंलीलंलीलंमदयिउंभभा
 धनःधनमदुनंकेभाउभूलीविउेधः १ डमभी
 दुरगभमनंभमभमभभुगभा सुनमभउएन
 उवेडुगेयवजलभा १ रायभइलभुडु
 धेभभुडुमभ्यदुभा हभुभभुएनकीलं

भ.
 उ.
 ००१

[illegible]

मं.
७३
००३

मं.
उ.
००७

[illegible]

पुनः

३०
३०
०९०

ॐ.
ॐ.
०१०

[illegible]

मि.
३.
०९९

99

एगकुल्यभक्तभुगलमहानीवविठनुलभा ० उधुधु
 भुधुवतुःपरभाभक्तभुति इतिरेवभनतुदेडयभि
 इवठभते ३ वरुतीभःपरभतुसातुःभनपरभतुः
 भलिलइवउवतुभुएवतिवक्तिः ३ भिष्टुइके
 वभनभुचिठतीरुभक्तभगे डीरुभल्लेउठुपुध
 लीवउगदिमी २ सुधेदुएलधुवइकेमेठधुग
 दिवतं भक्तुदवमभेइवठडिभनतुइतिः १
 भुगभः ऐकैपुकेउयेवंकिरेउभभुधिमगल
 म निविकल्लइनिष्ठुनेधरिष्ठुनवउंवर २ किम
 इभिकुडिधुतिमेठभुइविठभाधि मेवेनेवभभा
 इउमेवभउमकिंठवेम १ वमिष्ठः सुभुठनिय
 डिबुइतीमिष्ठुतिभनतुधिमी। सुवसुठविउठेक
 भउभक्तलकल्लन ३ सुधिमनेदिनियडिठववे
 मिठुभक्तयभु सुनेनेउंभक्तुइभितिमभुउधर
 भा ७ भक्तभउडिकविउभक्तमिडिरिडिभउ
 भक्तमडिरिडिगडभक्तमधिविडिभितु ०
 भक्तविपेडिगडिभक्तमेठवडिमुडा भक्तमभ
 डिउठेठभक्तमेकयेमिडा ०० इलीनीडिराग
 तीडिडिमेइःभगडि डडिनागडडिनागडड
 कल्यभडिभितुः ०३ कडमिदुडभउय। सुठि
 मनेनभीयते मिठुभक्तमकेमेवनाहुधनियते
 भितुः ०३ विरिष्ठुइभुठिदुइनेययविमिडा
 इनाभा वंठुल्लेवनियतिःभनेयभितिकहु ०८

भे.
 ३०
 ०३३

99

भ. उ. ०९३

३०
०३५

नष्टुगिमेजताभा इत्तुजंउमउरुधंगववेवेवधः
 श्रियभा १० कश्चिदुवगभेडिकश्चिदुमभउभाधि
 कश्चिदुगिपवदुमिदुधंमकुल्यःधरण ११ म
 नगदवगिलेमेदरेगीवमकुल्यभंठवः नुभेल्ध
 मभाभाधुवेगिदुंउमउरुगता १२ अमरुःकेलन
 इठेयमकुल्ययडिदुग १३ इठववसाधवणउ
 भवधुधसुडि १४ मिदुठवपुभायउंइरुइंभवक
 गल्भा मंभाडिकगल्धसुडुमनिमयमंभुउभा
 मिदुंभउवपुगडिमिडःदेनउवभुमः कमठिउध
 उधसुडि १५ कीगभिवगुठिः १६ मकुल्यःक
 मलिरीलंउमेइवदिल्लीवकः कमधसुडुनेउ
 मैरुजयकमकनुभा १७ ईगीदउरुगधुवेवी
 रंगपडेधवीरणभा धसुडुनगधुभायडिधुडु
 गदलदुमैः १८ मटोपापवयेलीवगपवभेव
 दुडिगडः धवेइरेगगडिउयडिदुगमिडःभु
 डिभा १९ मकमठिउरेगभभडिकगल्धंगौः
 धुयडुवभापभाधु'कममिदुमउसुडु २० मिदुम
 नंठवडिकमउमेवमेवंमिडुंमेवमाउमेवसुठसुठ
 दि उभाधुवडिदुवननिरगगडिधुवेइरुनिमदु
 उभाभनिगैरिवदुग २० ॥ उदुडिधुकरल्
 गीरुगुगनिलयःभनः ॥७३॥ श्रीवभिसुः ॥

33/110911

[illegible]

३०

नमस्ततः ॥ ७५ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ भवभूयैष्टीवैद्यकं
 ठवेदुग्भङ्गनः कश्चिद्वर्गभङ्गभङ्गनकैवद्यं वदभेधनः ०
 श्रीवभिष्टुः ॥ भवभुमज्जिकमिउं वृद्धमवेष्टुगं भद य
 येवमनुष्टुभुगतिभुगं उं भेवधष्टुति १ भुयंयं वेडिभ
 वदुभिमिउं मउननुधिल्लीभा भर्षुऊ र्णीवमवेनमेव
 भङ्गल्लकारिल्ली ३ भुठवकारल्लं सिद्धेधवं भङ्गल्ल
 मिष्टुयभा ननकारल्लं पञ्चाष्टुतिरान्नभातिभि
 ३ ५ श्रीगणेशः एवंभिउं भनिष्टुभुयं नभकिभष्टु
 उं किभष्टुउं भकद्वकारल्लं मकिभष्टु ५ श्रीवभिष्टुः
 भदभदभुठवं किमिद्वउं भिद्विष्टुउं येवउं ५
 वउं भुयं भंमउं भद्वष्टु १ मिउं सिद्धेठविउं भद्व
 नद्वष्टुउं वपैः स्यष्टुठविउं मउं भद्वनभिउं भ
 उभा १ भद्वष्टुगतीमिद्वनेनिः भद्वष्टुसमष्टुउं भा
 र्णीवकारल्लं कद्वष्टु सिद्धेधुठिधैः भद्वः ३
 याववठवद्वष्टुयं मिद्वने भिभाष्टुकि र्णीवकार
 ल्लं कद्वष्टुवेवीरभेउं भिभंभद्वः ७ कउं सिद्धेमिद्व
 ठभवमवेद्वउं पञ्चउं भङ्गल्लद्विविपउं मिद्व
 नेठवं सिग्ग ०० कद्विष्टुभुयं भुयं कद्वि
 मेकेनएभन भुठवकारल्लं सिद्धेमिद्वभेद्वष्टु
 मुति ०० भनभवननरकवद्वकारल्लं मनेः ६
 श्रीवकारकमिद्वं कधुलेधुभभाभुउं ०३ मेद्विउं
 धुतिननउं र्णीवठवविकारल्लं भुयंभभ

द्रुपं पसुती भंरुभंभनः ०३ एतः भिजे भजेभीति कुभा
 त्रुः पतनेयसः चक्रभमेरुभद्रुपं भवेयः प्रथमसुति ०४
 सुमं धुपभभजद्रुवसमिद्वभभभिति भेषुगपिथ
 उगल्लेयससुधमभभुमः ०५ सुभीमेवंदिमिउष्ट
 सुगतीयंरगगिदिः भवभवेभनेभउष्टुल्लभवि
 सुभुल्लभा ०६ इमंरगीवउयनभभुष्टुल्लठठ
 वडा मिवपुष्टुल्लुष्टुचंमिसेहकलनेनभापी ०७
 उमेतिभेष्टुल्लोपः पयः भन्नेभनगिगि सुभुल्लो
 वमरुष्टुमेष्टुमिउंमिउंगउभा ०८ मिष्टुगिष्टुल्ल
 लोपेष्टुमनउष्टुयभा सुभुमेष्टुभभभुष्टुल्ल
 सुवष्टुल्लभा ०९ सुष्टुल्लः भमिदठभभुष्टुल्ल
 भिवभुयभा मिष्टुमेष्टुल्लोपः भभभुल्लुष्टुने
 वेडा १० सुष्टुमेष्टुभभभुष्टुल्लोपः ११
 सुष्टुल्लनप्रचउनेडीमल्लगननः १२ सुभहंभ
 भभुसंगवृचनगरंयसः यससुष्टुल्लसुभुगभ
 कुवल्लुगिद्वसनभा १३ यससुभुष्टुल्लसुवउस
 मिउष्टुभंभातिः सुष्टुसुष्टुनिष्टुल्लसुवसुतः भभ
 भितिः १४ सुभसुष्टुल्लसुवेभंमिउगष्टुभप्रविष्टु
 भभा भंभातिल्लुगिद्वसुभंभंविद्वरकडुतिभा १५
 मिउभभुष्टुल्लः सुष्टुल्लुगिद्वसुभंभंविद्वरकडुतिभा १६
 मिष्टुल्लुगिद्वसुभंभंविद्वरकडुतिभा १७
 सुष्टुल्लुगिद्वसुभंभंविद्वरकडुतिभा १८
 सुष्टुल्लुगिद्वसुभंभंविद्वरकडुतिभा १९
 सुष्टुल्लुगिद्वसुभंभंविद्वरकडुतिभा २०

मे.
 ३.
 ०९१

[illegible]

लोपल्लङ्गऽतिवल्गुमिधुपमा यधेमेतिधेमेति
 धेवद्वल्लङ्गीवऽ ३७ भानभेयगदिकसुद्ध भट्टव
 भट्टवद्विउ विवेवमनवित्रभद्रुद्धल्लङ्गीवऽ
 क ८० यधवद्वल्लङ्गीवऽ सुलीवऽ कल्लनलीवऽ
 उधल्लङ्गीवऽ सुभनेभननेवेमनभा ८० मिउउम
 उभननंभसुद्धसुधुधवऽ १०५ भसुद्धनिल्लनवधुधऽ
 भुगिपपुत्रे ८९ उधसुद्धभेधेवद्वल्लङ्गीवऽ सुयकल्ल
 धमभा भवेमनद्वककल्लकलिउकउभपुनि म
 ककिभितिसद्वज्जवेमनं भेधभविमभा भविमउ
 सद्रज्जलीवऽ धसुद्धिभज्जकभा ८८ उधसुद्धवेमनं
 धरभसद्रज्जवेमनभा उधविमिधुद्धनअकमेवठ
 वडिद्वल्लङ्गीवऽ ८५ उधसुद्धवेमनल्लङ्गीवऽ सद्रज्जकाय
 उंगतऽ उधधेवद्वल्लङ्गीवऽ अकमेवठवडिठभनभा ८७
 उधसुद्धवेमनऽ भेधधुद्धल्लङ्गीवऽ उधविमनगं भिउय
 भिठविधुद्धीउवद्व सुमिउद्विउऽ ८१ एवंधुयऽ
 भलीवद्वककल्ललीयवधुद्धनऽ विमिधुभत्रिवेस
 उंठविउंभसुद्धिभऽ ८३ भसुद्धभत्रिवेसधुद्धभेध
 भऽभऽ सद्रठवेकमेसुद्धल्लङ्गीवऽ उधविमनगं ८७
 सद्रठवेकमेसुद्धल्लङ्गीवऽ उधविमनगं ८७
 उंठविमिधुद्धल्लङ्गीवऽ १० गद्रठवेकमेसुद्धल्लङ्गीवऽ
 कहेनधसुद्धि एवंठवभयउउ धुक्लीकगल्लङ्गीवऽ
 भा १० उधविमिधुद्धल्लङ्गीवऽ गद्रठवेकमेसुद्धल्लङ्गीवऽ
 उधवभगिणीवधुद्धल्लङ्गीवऽ ११ उधविम

भे.
 उ.
 ०९३

५३३॥

सुश्रुकीर्णमंविउः मभ्रुंवेमनदयः यषामभ्रुउ
 श्रुकीरः मभ्रुउउषा ७० कीरमुद्रुद्रुउ ७१
 वलनगुद्रुकमउः यमवरीवनंरीवेमहेद्रुपम
 यद्रुकभा ७१ उमेवधीनधंउमिचक्रं कद्रुमेवम
 श्रुकाः मभ्रुउदेउकीरमुद्रुमभ्रुउ ७३ मिउ
 मभ्रुउकेद्रुउेद्रुमभ्रुउठवद्रुय मभ्रुमभ्रुमेयडे
 नमिचक्रउउयेम ७० उमेद्रुउेद्रुवामद्रुः समसा
 द्वालिनीमभः ठवमद्रुद्रुकं मिचक्रुद्रुलं वि
 कहेउ १० सुद्रुवकेसकगेल्लाल्लनुधद्रुकं यषा
 मभ्रुयश्रुल्ल यद्रुद्रुमभ्रुल्लं विठविउभा १० ३
 उषाद्रुल्लुउेद्रुः धरुवमुधनिमुयः यषायद्रुदि
 उं वमुद्रुउउं विनठवेउ १३ निमधमधिकलेव
 धरुवमुधनिमुयः मुलीकभिमभ्रुउत्रभलीकं मवि
 वउउ १३ मुलीकभेवभ्रुउउषालीकं विलीयउ
 मुद्रुमभ्रुगउश्रुल्ल नउमभ्रुउीसंमुरवचेपवसाद्रु
 मुद्रुमभ्रुमभ्रुवनेकभिवभ्रुगभिवववद्रुउ
 ललभ्रुउउेद्रुमिउिउल्लकल्लनयठेमः परि
 कल्लुउाव नवभ्रुवः उभ्रुदेयभाठीउठेदः भके
 वलभ्रुउविद्रुः परिकल्लिउेद्रुमभ्रुदिहभिव १०
 वंठेमठेदसंक्रुठिउयेववद्रुल्ल वमंठवउ ३१
 मभ्रुगिउियेनैव। द्विगीयभिवनीउं यषामल्लि
 नउद्रुकल्लनय, भयलंकरकपरिकल्लनयव
 भिउ ॥

भे.
 ३.
 ०३७

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

१:५८ लघुऋषिर्धर्ममिनिर्देवतिभिरुचर १
 भिरुविदुस्तुतनेउभालतुतउरक वैदुदमुद
 गुनापीठमनीदरकमिनी २ निमंभनरैके
 थपुधभुगभदुधिता भवद्वेगुनुमंभुतेमवभा
 लविगलिता १ वेउल्लवेमविवलकुलकक
 लजुडल मकुमनेकुमीपुडुठीभेगुकुलभ
 कुल ३ उभुविपुलकयडकुलकुलविपु
 मः मडुपुलवलाययाडवाकुलकुलनलः ७
 नकममनभपुधुधयगडिभकेमरी वडवड
 लालिह्वमिनुयभममैकम ०० लधुडीध
 गडकुचविगिरगभिरनकुमि मुनगडभन
 मुमंललरमीनिवत्तवः ०० भधनभागड
 धुवेउनेकुधमपुडि मयिकुवभापुडिद
 यधमिदिरणीहते ०१ भेउधमिउधेनमव
 धरुमिगडिउभा भमभवरनंमवनिउगंकः ५
 वणते ०३ उधःकैगेभधरभभीयेत्रनैवमउभा
 उभमेवभकेगुल्लयकुगपंडमपुते ०४ डडिमि
 नुमभवरनकुलउरिणधुय उधेभमभम
 रधुमेसंकुडुनभभा ०५ मुकुरेकमडकुलंभिर
 विदुडिल्लेमेन कमुधगदिभेकुलमुभले
 वकुभाकुली ०७ उडधुगधुगभुडुउधःकुडु
 उभिरिः मुडिधुमेकधनेनमकुकुभकुल्लेम
 न ०१ उभेमिवसाःधकाभुभुभाभउवधयः

मे.
 ३०
 ०३०

मीउउपेधुलैलायाः गउयाऽवमैलः ०३ भा
 उकुवाकुमालयाः मभमंमभित्तुतिः ०४ मेति
 उकुकेमीपभाकडुभिवमेकुए ०७ सुलेकुउं
 धवनल्लतिउडकडुमीवंमरणकुडिरल्ल
 वनवपुः ॥ उकुभउतल्लमः परल्लैदयानंउ
 गेधभेजिकमलः मभधरणगभ १० उडुति
 भुकरल्लगकुमीवठनंनभमनः ॥ ११ ॥ सीव
 भिधुः ॥ मभवदभदमे उं धउभद पुयये
 मनुल्लतिउधः भिधुविधुगिगधिसीउक ० म
 नमेवपुल्लेनंमउमेवभित्तुमती केवरः कुकु
 रायल्लभित्तुमिउगित्तुठवत १ उभउंभुउ
 यिधेकंवरभेकाभिमंविदुभा मनायभीमयभी
 मभुभदंलीवभमिक ३ मभेकुडिविपअ
 मीकुइल्लकुविमभुदभा भुल्लनभदभवेभं
 कूमयंभगठिदध २ यधठिभेउभेनगुभयं
 भकल्लंएनभा कुमेल्ल कुडिनमयकुडिनमः
 धंभायभा ५ उडिभाडिउयउंतीउभुवमकभले
 कुवः मनुल्लभुभयल्लभुभुभाउकुवैधभभा
 उकुवाम भुडिककुटिकेगदः उल्लमैलकुभा
 लिके ॥ उडिधुइयिउधुभिमयल्ल ७ ठिभउंवरभा
 ककुली ॥ ठगवकुउठेसंभुभदंलीवभमिक
 मनायभीमय सीमविकल्लयमभेवरभा ३

मं.
३०
०३०

[illegible]

कैमल मधुःप्रानमभसुनठलवलविलभिनी ००
 उतुविभगिर्वैकुण्ठिनरुहमाङ्गरेकेउकडा इङ्कनकि
 विवेङ्कजरकिगिनुंभुभनगी ०१ निघडेन्दिपसतिःश्र
 र्णीवेनवेरदिभुज वेङ्कुगीजिकविष्णुनभउनवम
 लकिडा ०३ सुतुसिह्नुतुसिभिकरतुनिललव
 ठया की०मीधंसुभमेवगीह्नुयानपलह्नुया ०४
 गुभसुंभमिडंयतभमभुनेधयुह्नु विमगिं
 उयनेउमदेभेह्नुविह्नुभिउभा ०५ भागुसंमिनुया
 भसनअमीपुधाउह्नुभा मिउभीदिउभेवकंधह्नु
 भुयसजकभा ०६ मविमदेवभमिह्नुउयअरुपि
 यगिउभा ननउवह्नुःभुगिधवापगविमग ०७
 भजविह्नुभभह्नुयगिठवनयतुभा धमज
 ठिभजगुह्नुनिःसुभनेवमह्नुः ०३ अमीठवं
 धवायभुह्नुतुःधीवंवधः भनभर०भभुअ
 गह्नुह्नुःभभगपकिउभा ०९ एकवभुनगगा
 भदेनविभभगतिःदेह्नुधिरु०वह्नुउगह्नुह्नुनि
 एयेमुया १० एकवभुडिगिगचे०नसुतुवकि
 भंविह्नुः गह्नुह्नुगुभगचे०देहनमोधिनेकिउः
 नमोधिभाययह्नुभेकवभुडिगिगि०भा अमी
 ह्नुगविह्नुधधगिउभेजगह्नुभी ११ सुतुवह्नु
 वउह्नुगभउह्नुलीवअमिक ह्नुभगिह्नुनिग
 कगह्नुभवाडिसगीविक १२ उरभुनुभुवह्नुठ

भि.
 ३०
 ०३१

भू... उतुभयग्निका सुलभंवेरुनकण उद्वृकं
 सुभंरुगी १२ धासकुवमिपगभाथरभा १३ व
 लीवम कोभभीगवृलेपेवकल कलनमुधिनी
 धाधग्निकाभनेवाडिः भगिउधुभुमगकुडा ५
 १५... मसावेपधभउधगयल १० त्वभभु
 भुनलउभमिदुयभयीकिभा नीवगमुकवउत्री
 कयभंमभधेलव ११ उद्वयेनोनभोभुवि
 सुहमयंयलभा वेपयतीउः कृपुठकुभमि
 मेरुम १३ भवःभमकुलवमल्लभठवडिवगु
 कः ककुईगुंवभुभुभुमिदुभगीकुडा १७
 उद्वयेनोनभुनंयडिभुनीयउभा भगी
 वक्रधिमगमिदुगद्वभुउधभगलिउभा २० ग्रधि
 भुटमगीगलं एडिवेनमभुडि भुनभमिधिसा
 मिदुगद्वभुमभयगलिउभा २० उधंदिगनुकुभ
 लभुवउयंभनिलैः उद्वभगनुः भुलागलि
 उमभगद्ववग २१ ककुमिद्विवमभुभुकीवध
 विभलभुव भुविभुउवगभगीठवडिविधुमि
 क २२ ककुमिउनेरुसभभुभुभुपिपेधिय भु
 विभुलीवभुमिदुठवडुविधुमिका २२ त्वंके
 मिदुभुडिभाभुवद्विहृयभुडि ककुमिद्विद्व
 उधुद्वैभुपिगुभुः २१ सुभीद्वुनिवद्वलि
 इभलकथगयल मेरुद्वयेनगभुगीविभुभुभिउ

लेउवा ३० रणभिमोदिउकुभेदमुदुलिउगिदि
 ३१ ३४ उगिदिउहेधिवमुभउगिदिउ ३१ मउ
 अभायभगिउदुगेथंभधुनि सुभुलोयम
 रिउउभुदुगेयणगउल ३३ मउनीनेगउमुये
 मुउउमुभकगि ॥ भदिकवउल ॥ मीवाक
 धगिवलिउ ३७ भुलभिगउदुलिउनिउकम
 भुउले मनदीयमुनीदरमुदुमुकउउम ६
 कि ॥ अउ गविमुउभदिकविदुवायमे ३
 मउउरमउउविलेलेदुलिसगीयनि ६० भल
 इलायमंभवेभुदुलिउ ॥ गउके भुदुवमुय
 मुमुउधववलीकधवउ ६३ कयउंभुललक
 उनीयणगरकउमे कयिउमिउरकीउकीउय
 कउपउके ६३ विरलमुभुमवुधधिरकभ
 यलले भउभुलोयभाने ॥ यमीउमुभनगेम
 गभुयकनेभयभ ॥ दुलभ ॥ उनीयभुउभा ६
 पउउधुयके ॥ उउभवउधरिना ६१ ननवि
 यमनमिउधयउनगभिनी गभगभधरिमु
 उउउउमिगयग ६० नगरत्रगेउभुउउ
 भिकठरिनी ॥ भुभुकरलपउवलीवववि
 डिनी ६१ उउविमुभ ॥ येवभनकूरधरिमुउ
 उउउभापकधुयिउकधिविमीदउ ६३ उ
 लकभा वेपनं कलसंमिधुं कठिनधिनभाकरी

भे.
 ३०
 ०३३

नदिउद्देवदिधुदेनीमहं विरलकडिमो २७ ।
भयः अमीभनः अष्टु वलिउ विरलकडरु डिडुधि
वसिला पुचीन वल्लु वलिउ भगी ५० विमभगदि
गतेधुभातः क० भउय ३० लोपेव धवनमकु
भंभा डिउधय ५० भापेन अकु अइउं इरलीभम
गेभने भापुगे इभेन सुएउव हूयय विउ ५३ ध
गप्रगभेनेव अष्टु हूविक भिउभा सुनगउवभउ
कुअइउ भिवभुभने ५३ डीहूगधिमिगदी ५५
देउनि विमग ५५ भा सुभेउइ ५५ सुभुभिउरे
लरः धरः ५५ अइ सुनिन उदे सुभुभुहूयभ
लिउभा धरप्र ५५ येव सुउरे सुभुभुहूयभ
सुकभउेन उरेन दी ५५ धर ५५ धि ५५ हूयेय
कुभीअमीक ५५ उधुउवभा ५५ वेमापुगवे ५५
वकेरेडीभउयगिउ धरउेन निरेन गधोयका
यहवकागिउ ५५ भाहूयय डिउ सुभुभुहूयभ
पना सुमीउं वभन उं सुमीगि धिउवेयन ५३
भाहूहभा ५५ वेगेन पावडी वकिपाएने सुमसिउ
भायणवे सुलनभमेपिनः ५७ धरु वधुएव
भेउवेय हूभायभीकडे कसभेनं ठिनकी डिगीहू
नभेउमी भिउभा ५० सभभेवमके मेयकी भमवभ
नेमिउ लरः कडववनभ गु ५५ गु ५५ भधकाउ ५०
भायमने हूल अइभुधु धुलिधीगि सुउउ

म.
उ.
०३५

पिरविदुन अमुंकिभिवभाउतुमुमुअमिमुद
 हुग १ मिनुयभभककमुंकिभिमंमुमिउंगड।
 अद्वभिमदउमजिमुभयिपेभेभगडिम ३ कुभ
 उनिविमलनिगडुमुनिदुविचयः कल्लमेथ
 विलभगनिवनेमीलनिधलवडा ८ भयुमुंभन
 ठगुयंभनगधिनभगडिम भयभंभभगुभेव
 भावमिउमुभवः ५ थकेउचिनिभल्लुभिधउभिय
 उलीले कडभिरएनधंयेभुदुवेल्लिउभिम
 म ७ कडउदभनभनभनभनभनभनभनभनभन
 दुःपदुःपेनिभल्लुभिभकल्लुदुकेलेधिम १ न
 मेभापीनभेदभीनभेभगडनभधडा नभेवदुउमे
 हडेनभेदुउनभेभउः ३ नभेदुकेनभेभनंनभेक
 विद्वभमूयः नैकभनभभभुभेदुभभिवनध
 लवडा ७ सुधंमुगिउिधुभिनिविधुभिभभम
 कल्ल सुठवभठिवगुगभिभेधिसंधडेउनभ ०
 भुकेदेदःधरिउडेभुदुमोउनयभय कडभुदुवि
 भुकेनरुभुविउभाल्लदुस ०० सुधउतीभनभ
 कंधवभभपदुयमुडि पसुगनरुविभुगदुयल्लु
 विदुभुडे ०१ वभेधधरिभभुगभभनेधुल्लि
 उभिमम सुल्लधुधुभिउभुउदुभेदुःपधभभग
 धरुधुधुकीनिउंधभभुगभभगिभी धंकरु
 भयउउउधरवसभुल्लम ०८ इडिकेभेभउ

भि.
 उ.
 ०३५

सुवभाधिवेपनपुथिली सुदेभभाज्यठगुयामे
 सुवभाधिवेपनपुथिली ०१ उडिउः सुवेवडलः उचवु
 साडिमेवमे भवनमेपनः मनेभुवडायभमेदिउः
 किभययभयडाय कुरुकुंमफवपुः यधनमे
 नवठवुंमिमेहसुठभाडिः ०१ भभवतुगनिमयं
 वुनंकीरकममपि उडुगिहडिमेनभधंभग
 सिधुफगिडभा ०३ विविजंभनमं वुडे कुरुगि
 कडमयाः गुभमपुडु नीवगिरेठधगिगमि
 नभा ०७ भिउनभल्लमभुपेकधमकुमयेठवेड
 सुधपुमेडिपुकासुंनपडुडनेमेविनः १० सुउः
 कियउंनमेनकलमचलिडाधमभा भयधकु
 गेठधलठिउंनडेफया १० कमभुभल्लनभन
 मेलपुडकपुथिली सुवभाधिवेपनपुथिली ०४
 उडिधुडी ११ मेधमल्लमभकुएडिगि विडुमुटे
 डल नीरगएलवमनापुसुकेसगभिडभुग १३
 लधुमेगडुमचधनडिउसिपिधनी लधुले
 लधुनीसुभमेरुधपउडुवडुग १४ नभठमसु
 एकउभुदभधुलेगेपिनी कडाउभुभनेडुजगेरे
 कडडिपगिनी १५ उल्लेलायलवभीसुद
 भुगभठगिनी धचउडुवेसडिउसुधधंविह
 गिनी १७ कमभेभुडुसुठभुगउमकेमभा
 कमभेभुडुसुठभुगनायगवली ११ क

ॐ
ॐ
ॐ

सीभमिकगपुमेलिङ ८० लठगेयकगडुडुभाय
ममुडुमेठन विहृदूरटविधलनिउधुभलविध
क ८० ककवेधुधकः कसनवउडुडुअसीविध
रेमेनुभमः कसमुजकः केसमअसीभायभा
कगुभैवदुभंभठगवदलः कविदुनरेपनंभदु
मुउमिभयेवगमिउंभदुदयेनएकभा ८१ ॥
उडुडुधकरलेविधुमकथरिमेवनंनभमनः ॥१०॥
सीवमिधुः ॥ असीभमभठवदुनीमिउयिडुडुक
लदयग धनभुदुदलकयठवदुमुउधमिनी ०
डिमिडुडुमिउंभंभदुदलनभमभा उमेव
दिभवमुदुलगाभउधमेभिरभा ३ सुधमुमेवं
असीडुंभउदुनभमभुनि धुल्लवउडुडुकभु
लेः धुविमुदुउभनव ३ सुधमुदुदेवअसीडुंभ
मुजीवभनेभयी धुल्लवउसगीरभोरगाभ
दिभवमिडुः ८ दुरुदवन्नलेउभचकुउवि
लिउ भदुमिलउलदीठुदुधंभविपुभे ५
उभुवदुडुउकभेनिसुलेविधलभुले भग
कभमडुडुउमुधुदुल्लमिपयध ७ अदुमु
कधुधगधुभचेनैवविउवग धुभंविमेकध
मडुउधः कडुधमनुमे १ अदुधगउलेनैधव
धयगभभदुलभा निवदुगधगदुदुहउने
सुभापीभिर ३ गधुदुकिभुगउदुवउध

वनामनैः यत्रुमंनिवप्रतीरेषां पलमकूटे ७
 वगहेकुलिंमंदीकुल्लेकजभरिउभा भुमुकेरि
 भिउंथउल्लेलाभनुमकरमा ०० भापरवुविनिधू
 उउधुठभुगमीपिउः भापीवकुवभुमुठभुमुठ
 गैकरदिमी ०० कोइधिसुएनीकुउयउरिवकुलउ
 एनः मीपिउधिसापीवउंभुमुः भुमिउयकउभा
 वकुवउधुः भुमुय विगीयउधमीभापी एनभु
 मीवभलिनउयधमुउउवभा ०२ भुमुभुनिन
 उकुंमुधउउधभयकुलिउभा धमुउयउउध
 धुभापुवउउकवलमी ०३ प्रवृणधिपुहउय
 उभाधिदुभलउययः भकउधभिनीभुमीकुंमुने
 कुठयउिके ०४ भिउवकुधमभेनंभभेनवाउभ
 डिउभा मुनिलः केठयंयकुमुपनिनउठकुउः
 भुप्रउनिठविधुभेनिगीलवुनयगिगभा केभ
 भगिनरंभुमुउउधुंधधयन ०५ उधेकउमु
 भुकिउवउउत्रगभिधंगलः उयउकुइयएन
 ननिगीलंभापेधिसउ ०६ ननिगीलवडीउनि
 उयंभिदुठनिमुय मुतः भगउयकदंलभ
 वेधुभुवउिकि ०७ नधिवउभुभुमुनिउय
 भुधगरंभुधि विभयंयवनः भुधभभेकुमुल
 नयिकभा ८ मुमिगः धिदिउधकुः भुमिउध
 भकउल्लेः विप्रउधिवरुकुउभुमिउधिउ
 डिकुमः १० भभुमुउधिरल्लेमः केठिउउ

भि.
 ३०
 ०३१

इगलितैः सुधिवदमरुमैः भामिउभुमरुनि
 सुय ११ थदुगकमभेवनकमउउधमिनी
 निवडयवदिः भद्रममकलेभमगउ १३
 विमययनुभुभुः भमभुउभुमेउनभा सुन
 लेकः भमभुभुधगवरममिनी १४ वक्रुवनि
 मलभमीमिभुमीधवनेपरभा सुगविमिउवह
 भाभयभेवउयपिय १५ उधभाभुमेउमीलभ
 मीभभाभुमनी इतिवदमरुभुमिभाभुमे
 मलउयः १७ भभुभभुभकलेकभभुधकरभुभु
 मी उधः कलभमिठीभेनउधभादिभवनिनिः
 वक्रुवेनहगलिउरगुलेवउउरगउ कभुमेउय
 भाभुउरगमिहवभवः ११ नगरमधरिधभु
 सुभाभुभकभयभुभुभा भभुवदमरुभुमिभमी
 मीउधमिनी १३ भायविहउमेरुभेउनेमं
 हगलिउरगउ ॥ नगाः सुभतिविदलतिनगाः
 भउतिवेभनिकाएलमवगिययः भुयति ॥
 मेभंमिमेकभदिभमलिनीठवतिभुमेनुपसुउ
 थभाभुभययव ३० ॥ उधतिभकरलेभमी
 उयः भुठवेनभभनः ॥ १० ॥ मीविमिभुः ॥ क
 कलीकदेवाउभभचभाकलुवभवः नगरमं
 रिधभुभुभनलउउरुलः ० मरुः भमीवाक
 थिसमीहंउधभेभलुउय ककहदिभवहं

केकुजविठवभने ३ नगरः रगीपुत्रीधिसामी
 इंगरायः मुकयेलवभा सुभीकुपुयसीधिसामी ३
 पुः धुभवलधुनभा ३ उडुभालधुनं डकुपुभव
 रघभय पुः भयउभा जेः उयमेरुधुविधुय
 भवभभनुउडी लं भयुभेमेवभभयभा गडु
 भुभदिदेवउडिलीनंभलिनयय ५ ययं
 नहुंनयेवपुडुगडिउउधयेउय उडुमुलंनउंभलं
 टुगुपगुडवेडुभा ७ उडुगीगिदियेभुनिउय
 तुनिवदुनिम डकुनिनभभं निठेरननु
 मिडनिम १ भुंविवलिनलभलयभगु
 गलय कउवदः भुलधुउस्तिधुभउकधेलय ३
 विहउंवीउमेकभविहडुवनवीधिय कलपु
 भेउभयडुडिगु लं भेउधडिधु ७ धीउभुभे
 मिभनभभकडुक लं भवः वनेभुभमेलन
 भलिनलिनिलीनय ०० सविउनिमवडु
 निगडुगवगडिवाडुय १५ डुयधुवभडुभेवी
 रडुनिरनेडुय ०० भवडुमेकनडीधुमिडु
 वनिललेपय ३ डुनिभवडीनंमकडेवहंभ
 वीधिय ०३ विगडुडुडुमिधु लं यउभुवः
 भुगडिपे ययउयभुभुगडिंभुमिडुगडु
 य ०३ भवभुलं मरीगधुडुंमिडुडिगडु
 य मीधभुठभुभयगडिदेवभभभु ०५

मे.
 ३०
 ०३३

३.
३.
०३७

[illegible]

अदं सुजकुमैलिपुंलगमदुं सुमदनाभा वि
 लभिनीभिवहृष्टोवउसीकुगयनभा ७७ म
 उडीपमभुदुभुनमभसुनेकेमेसामुयंकुपींथ
 मिउविचधवनैमीदुपुनरगतः उंभुपुगु
 गिरिभुलीभलिवभुहृभानलगभिवहृउनउ
 मिगउप्रकचकमेदेविमसुभमः ॥७७॥ ७
 दडिप्रकगभुमीउधवलनंभमनः ॥७७॥ ७
 वमिधुः ॥७७॥ उंभुसुमभुहृउंभुप्रभदवने म
 मचभेउंभुमीपुडिउंभुसिपभिव ० एकधा
 मंउधभुंतीसुहृतीमिरभुधधभा भउभनमनाकु
 कं पिडीकुउमहमभा ७ भदक्षिकभउभुनग
 कडिउभानिलभा पसुपुएउंतीहृमेयेधेवभाती
 भनगभा सुकंमंभुसुकिरल्लल्लगंवनवयुधिः
 भुमलंतीनिरपुनभुधुधुभिभुगमिठिः प्रचंर
 लेभनैकेनमभापिधुभभुकभा ८ कउउदेकल
 यउममउहृधुनभमेभा मरहृउेवमउंमि
 गडुउभियागभव १ प्रवीवधुधुधुधुधु
 लपुगएवगीभिव उंभुहृधवनः भुमीविभमयउउ
 लेमेउनः १ भुधुलेहृमरिउंकीउकीउडवगुः
 भदउधभिनीप्रमिकिभजंउभेउथः १ नेउिवउं
 मसकभेउउेलेगमिनिलिउः उगवहृभद
 भुधुभुलेमिउंभदउथः ३ उहृवकेवलंभुयम

मं.
उ.
०८०

ययैवम विमयितुविवडितु सुमिनत्रुमयदि
डा १० केमेयअष्टुल्लवनेनःमुदेनिलिः
मल्लनिडुडिच/हवेयुजयहउयेमिने ११ मष्ट
क्रुडधरुडिविसनुभाडुगुवभा मष्टमगीरव
म/मष्टुगःमुष्टुमल्लया १३ मष्टमवेकडेकु
गुडधमल्लनिमल्लडि मल्लदेविमरडेवल्लने
गीरवमडियभा १४ कयअमिमुयअमिमु
येहमरुडियेय रिक्केल्लउथमप्रउवगल्लमुःम
मंरुडभा १५ गडुमुनडिक्केल्लनडिवल्लधविणव
ग वयवःधमवेयोधियेधमंभुजिभागाः १७
विडिउधमभकगल्लमल्लउधयभमयेनमंविमं
विमद।मभननकलननुमगाएकडिडलिगुः
धमभनगधवतुः॥ ११ ॥ उडिउकल्लमुमी
उधःधमिधकवल्लननमभनः॥ १३ ॥ मीवमि
धुः॥ मष्टवदमदमुल्लउंथिउमदमुयये व
रंभुडिगल्लडिमुल्लकगनमुल्लडा ० मुमी
कमेमियारुवमुलीविभाउकल्लवडी तकिडिमु
ल्लकगमेमिनुयामभकेवल्लभा १ अल्लमि
गडमनेककिंवेमुल्लकुवेमुदभा मष्टमिधवि
निवमभभापममेमकेवल्लभा ३ ल्लउंल्लउंम
यिलंमनुःमनेकल्लिकाः मविवेकेविममि
३ःकिमहेनभुयेरणम ८ यमभुडेयमभमी

۱۰۰

959

09

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow. Digitized by eGangotri

श्रीवामिष्ठः॥ १॥ अभिन्नतरेरकिरात्तनभङ्गले क
 भुकेदुमःपि ३० वदुवगभिउयभिनी ० नीलमेथय
 एषुवनिविदुगगनतुरा ३ भालवनसंधि ३० भङ्गले
 इनिक्कल्ला ३ लउधनउयगुभकेल्लेकात्रुभ
 ऊर गालसउरसधुयनगरेनवयवना ३ मउ
 रेधउमःपि ३० पुलिङ्गीउमीधिक उल्लिककि
 इनिधुउमीधिकरेभगल्लिक ३० सुवयसुवक्कु
 एधगिराउदिममिक भउक्कल्लेवेउल्लिक सुभे
 नभिवभिउ १ ३० भउभउभउउउधधननीकरका
 रिणी भउभउभउउउभउलेयसीकर ३० भउ
 भउविउउउगिकेककेकउगिके सुउःपुउभउभ
 ३० वगीभानना १ ३० ल्लेभउल्लेभउल्लेभउल्ले
 ल्लेभउल्लेभउल्ले केमरेधुभभमेकधुभभकभिल्ल
 दिला ३ नकभेल्लिउभनधगिराउउमउक वेनध
 विल्लभउउधउधुधल्लेभउ ३० सुउधकेमिकभु
 उवांयभाउउउगवा ३० उउउउउधउउगउउउ
 नककुसा ०० गुभेधुमेउनगुभुनगरेभभुनगमा
 वेनधुविभउउनीउधभनधुधिल्ली ०० गुदभ
 भउभिल्लेधउल्लेधुभुभिल्लेका येभउवमुय
 निकगविधिल्लेभेनयगिल्ली ०३ कल्लल्लेभेनभउ
 ककगमैलेमरेधभा धकुपि ३० उउधनगयदुकेदु
 त्रुभभल्ल ०३ धुलयगिल्लविमउक्कल्लल्लमल्लम
 ल्लल्ल

३.
३.
०८८

मधिभापवः ११ चधिस्त्रीविउमनेनगुलिनेंधरि
 भालयेडा गुल्लवड्डुभेधुभाइरुपुडिभिड्डुभा
 यइरुभाधिगड्डुभिरुगसीगुल्लमगलिनभा उइरु
 सुवजुइउंरुडिगगभिवभलभा १७ उमगु
 ल्लपुऊयेविउरुतीरुमेदिनः परगुलेरुवःभइ
 रुमसीउलयडिउ ३० भाडिगुलिगिरुगुलेलीवि
 उंरुलिभंसुयः कलंधनधवजगदिलीविउरुलि
 भंसुयडा ३० उभमिभेधरीकोरुकरुमिड्डुसली
 लया किंभनरुनकवेडा विडिउभममेरु ३१
 सुमेविमदभुगुल्लगुल्ललेसयुडिभागभुउपिकउ
 रंमगुल्लडिडिडा उइरुउःभभधधडिउमनरु
 लंरुड्डुल्लधुमरुलंधनभभवेव ३३ ॥ उइडि
 धकरुल्लभसुधागएनेरुगसीविमरेनभभनः ॥ १७
 श्रीविभुः ॥ सुमभगड्डुभीरुगः उलकननभा
 गी उभसुवकुलेयेवगभीरंनिननगड्डु ० नगड्डु
 भभवेमंभीरुगधरुधंयः गलिउननुंरुणक
 रकमनिसरुवडा १ ठेठेधेगएवीहेभधवीस
 मिठभुगे भरुयाभउभःधी० मिलकेरुकीरुके
 केठवडे भरुड्डुहीरुड्डुहीवभभगडे भसुभध
 धभधवेरुल्लरुगल्लकेविदि ८ गए ठेठे डुउ
 ककिंभुधुंकाडिधुभिममरुकरुभा मसुयभुभुव
 गिःकेविठेडुलिनीधनेः ५ भिरुवड्डुवेवेगेनधउं

३

मि.
उ.
०५५

भावमयमभिरललकुललउउउभा उभवेकुभक
 वीगिउसैवकुठिउमिउ ७७ नउमभिविभेकय
 यद्विउउउमोउमः ॥ भउी ॥ भकगकुभिसंगभेक
 भउ किमयउउ लथवेकुसवर्नहेलथवेकुउम
 भुमः १० इलभंगभुमभंगनयउउविगएउ विभ
 येदिभउउउपीभउः सुउमणकः ११ इदमीनंग
 कभुगिभभिकलभिवरले सुभकंरभनक
 इदुनिरुथलवडा १२ मंगभउरभउइम
 भयभुयगपिया युदुमविवरिभउः भुदु
 नभउउ १२ सुनैवदवकगे कदंमिदुउभउवः
 भकनियगिनीडेवकुभभुवभगेदिकः १५ कसय
 ठिभउकिंउकिभउयभवगिनी सुजीसधेधिनभ
 कभभुभुः भुगेगः १७ इदुमभउमोउमिउय
 भभगकुमी सुदेवविभलामभभुभुभभिमंरुयेः
 नभभभुगविभेभेसिउवेयंमभउः वीमेवकु
 ७७ देववमउउविनिमिउभा १३ वीमेवकुमिउदु
 वीभउभमयगभिसः एकीठवउिमगिंथयंगमि
 मलनैगि १७ सुदंभयः परिणुउमभठवेनये
 मय नविनगे भयेभेवभयभेविनगमिने १
 भदेठवउमुदुलेनदुलनगयउभरिः ५भाभभस
 कठवठवभुठयभेः ३० उमेउधरिपसुभिकि
 सिमेरुभउिभा भुदंभनपसुतियेकिंमिउने

मं.
उ.
०६५

[illegible]

मे. ३. ०५१

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ २ ॥
 अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥ ३ ॥
 कस्यचित्कामस्यैव ॥ ४ ॥
 अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥ ५ ॥
 अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥ ६ ॥
 अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥ ७ ॥
 अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥ ८ ॥
 अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥ ९ ॥
 अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥ १० ॥
 अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥ ११ ॥
 अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥ १२ ॥
 अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥ १३ ॥
 अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥ १४ ॥
 अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥ १५ ॥
 अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥ १६ ॥
 अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥ १७ ॥
 अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥ १८ ॥
 अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥ १९ ॥
 अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥ २० ॥

मि.
उ.
०५७

दिभुंभनमेवभनप्रभा ३७ निमेषल०रकल्यमं
 रभःभभेतिदि भननुगरनिद्रांभनुरेनुगि
 भले ५० निमेषकल्यमलविप्रयेरनकोरयः
 यडा०वेवविहउउउउउउउउउउः ५० कउवाचु
 गिरभनभितिवहुवमेतिदि ५० इहभभउंम
 मधुप्रःसुप्रसिद्धाः ५१ इःयेकलःभरीउ
 दिभायेलभुडःभन गडिहुमसवडा०क
 गिरभुसुमेदिता ५१ निमेषेयअमेउःभेव
 भडाएवव केअवकएकगिरभभाएवमिडिग
 एउ ५२ ननिमेषेभुनेकलेनदरनमभुगडा
 गिरभभुडिठेववभुडननुउवभुवडा ५५ भु
 कसउभमेडुगदयेः५० कल्ययेः एकमिडे
 मयेरेवनेकेभुभनगाथ ५१ भुडभभभा
 गडाभुडकउउउडिगभा मधुइनेवमेडिगिह
 मधुवभभुपः ५१ यावकुएकभविडिभुवत्र
 भुवकेभडा यावभभुसुउथडिभुवत्रभुवभा
 कला ५३ कएकहेमोउमधुभुवठडभिवउ
 उभा केवलनिमलभुडभुवधरिमिभुउ ५७
 भवहुमेधभभुथेनलमेहुमभभुपः मेउनमे
 उनमहेमेडभभुवउभुमिडा ५० मिभभभु
 गभाउभुभुभुडिठभुनि एगरनिलव
 मधुमिभभभुडकलनेउउः ५० यमउथभुभीनभु

३.
३.
०५.

मंमिन्द्रयभवेदंरगमिरेवविह्वलभा वमनुसभवे
मंविद्विधपञ्चवगुलकभा २० भवचयविभगदुद्रु
धुकरलेमनः धरभा ११ रभावेवनिह्वनयवेदस्यः २०
निमधंसववेपेधिमिमलेः भुतिठभउ यउः कल्म
रुधेधः सुधवधुकरलुवडा २० उउः भोधनिमध
११ः कल्मकेगिसउतुलभा भवभउविलमेनभुति
ठकणिलुभउ २१ सुकुजवदेवयसाकुजवानकभि
टलभा एयउधयधुविभमेकल्मनिमुयः २३
सुकुकुजवानभरीदेवंधयसालिनः मसुतेव
भनविधुः सुधेधभरलं यसा २२ रगतिधमिडि
धुतिधरभा १० मिमदुनि भुतिठभाः भुवउतेउउ
एवदिरगगः २५ यमभियउउभमभुमेति
मेवउउ सुकरिगल विकगगमिमेधुनगगनभले
मिडिदुगनिदुगनिवउभाननिसंभुति ठविधुति
ठविधुतिसजिरीरुमभुव २७ निमधकल्म
वेउनउमे १० वकलुविव वलिउनेधमउदुभाः
११ः धादुदुकरिउः २१ उमभीनवमभीनेनमं
भाधुभनगधि एधठेदुदुकरिउः एधउवधु
गनुलेभा २३ रगउउमिउयंफिसुधुमिदुभा
१३ः धरभले सुठेदुदुकरिउकेवसंभुति २०
एगत्रकिडिडियउभचमेवनकेनमिडा विलीय
उमनेकिडिडियउभचमेवनकेनमिडा १० भवभम

भ.
३.
०५३

9F

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

मि.
उ.
०५६

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

ग। कृतं तं न भवं ह्यस्य सुलनभा सभमेष्टि
 लेके भिक्क कषा भवेत्तमे १० विगैवाभि
 किंमते यदुग किं भित्तमे एन सुहृमयं तं
 नते वेपुद भगवः ११ किं मिह गज भं भानि
 भवुजये भय रणाः उहे विपु रन किं हे यरे
 उभे धि उर मः १३ गण विप्रमिक भवः
 मेयं संधत्रावते न किमपु वर भभिदुः भापु
 भिदु कि पुन १० मते मते किं मेध सुल
 नं धरिमात्रये भवे वेपुद १० उर गण विप्र
 ग। क। ३० सुग सुनिक रं न सु ग सु म
 भवुदु पते भयमात्रं भयमात्रं वदुं भवुदु
 मते ३० वभिदुः ३३ उर भं गण गणं गणमी
 भविदुदुः लामु भु मरि उभीं भिदुः भापु उ
 भोदु मः ३१ सुवयवु विरि के हं गण सु भोदु
 मं उर सुहृ भि उर उर भयमात्र वदु वत निव
 भिने ३३ उर सुहृ पमि भु भोदु भुदु यमत्र
 भभा अरु विप्रमिक भवः भुदु रं धा भिदु
 मः ३४ ३३ः भापु उ भोदु मं उर विभा सु निमम
 री यम गणु भवुदु भोदु गण सु वीदु मः ३५
 गण गण भुदु भयमात्र विवय भु मं भनि वत
 निमत्र यवेदु यत्र भु मं भुदु मत्र वि ३० नभु
 नं उर भभा कं विरि विरि भुदु मत्र भि भोदु मं भ

एतन्नंगदिमन्नमेववत्ते ३१ लभ्यमेव
 मयजंरुद्रकर्मनेरुभा सुगमुभम्भु/दंरु
 हृडिधुयसभापभा ३३ गद्गमी भगुभीडु.
 पणरिष्टे मेउं सज्जिधिरुएनभा भउदयभिम
 केनगद्गमीउपणरिणीभा ३७ रद्गेत्रमेवमेउ
 धुनभाभउएनसनाभा प्रवभिष्टुःधरुवेयं
 भग्नेरुनधुवउते ८० गद्ग देमभुगभेवलिउ
 मिननिकडिमिष्टु दे भमभीडुधिणीरिधुयव
 मिष्टुभनिमिउ ८० उरुधुगिनमेगउहृष्टु
 भद्रभसः भग्नेलेहः भमनीयमदेउहंभुठे
 एने ८१ कउपुधंथरिहृगालीहृगद्गभव
 धः सुगयवहृगद्गसः धरुधंभुवभुभिहृगाना
 नयधदिभवसुहंउरुधुयसभापभा भद्रभ
 ननभेकउठेएनंदिभीपयते ८२ भभुनि
 दुंधरिहृगउवहृयः भभपिठक भभपिदि
 गहृयेधुगहृधनरुहृ ८५ नेधुधुहृधुन
 गहृिभनेधामपद्गः धपमे मदिमेवभद्र
 कगल्यभभा ८६ हंमभेधभिसवसुंभंम
 भगपिदिगभली सुभगभधिमंउरुंभेकगुंन
 निवउते ८७ गद्गमी यजभजंइयगएक
 धुवंभद्रभापे भेकमेनधुवउधुकेवहृनगठन
 मरि ८३ वभिष्टुः उरुधुगद्गमीउरुंभंधवभा

८३

३३
 ३३
 ०५३

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

लैनननः ३ दुधुपिथभेदुमैः शकवलनभुम
 यतीमिभा ३० अमुधगएनेरदसीभेदुमै
 नभभनः ॥ ३० ॥ श्रीविभुः ॥ किगउभलेउ
 भित्तेयेसतिभकीदुः उभेः भकधगभेरीभुः भ
 भठिण्ये ० भवेः भुभेदुदुदिसगममिठय
 उधि रैगंभुयेगभिदुभानिवपयतिगदभी ३
 वरुवेदगले नैधायुनद्विगिभागउ उरगहभभ
 सुतिवपुगउदुभुभाद्विगिभा ३ सुहृधिउरवष्ट
 भेउमंमभकीदुए मीयतेभिभंभानेकेदिन
 भावभगयिनः ॥ ३० ॥ भुननिभः भुयं किगउए
 नभभले ननयएतं मिठंकलं एनमिधभुसउ
 ये १ भग्नेवीकनगनभ्रीभदुलेउनभिक भं
 भुतिभुधिउपेभुभेगदनकेए १ ॥ ३० ॥ भुहृति
 एतेयेयेकवतिदुभिधः भकनगंठगवंगीभुतिभु
 भयतिभयभा १ यः कनगंभुतिभुं वनकरीतिच
 भेपमः भुधायनिमयः भुरेनिधुतिउदुः
 उदुएनगवधिउरनभुइभिउंठलभा भुठ
 वनवमेभुनभनगयभुधरणभा ७ वष्टुले
 केधकने भग्नेवीधतिपुष्टे भुतिभयंभुउ
 दुधिमिउभुठलमयिनी ०० भकलकेभल
 भदलकगिनी कवलिउगीपलवष्टुभकएन
 एयतिभउकिगउएनभदमधभवेपवतीमि

भि.
 उ.
 ०५१

[illegible]

माधयेहृदयमिवेमिउभा मुकेममेकभउयन
 केमःकलवीरणयेः ०३ मिसैर्यैसुवायैगि
 वसुनिकसन मुविमगयेउकेमनेयैकथपह
 ३ ०३ यःऊउमिदुमिःमुविमगेनमुति इ
 तिरैधयगउमयउरप्रदुद ०४ सुभुमुउदु
 इभुभनंकेवलभउर इतिगुकेविइतिउम
 वकिमुव ०५ सुनमदउठमनंयउउउ
 भुलंभयभा मिउमियभनदुमीभुमुभयेउमु
 भदुजिमुव ०६ देवमात्रिभधुभंमयभा वरुः
 भवभदुवंभवंवुकेयमेरि ०७ भदुीरिःभंभुव
 भाउमुहलभनिदिः ०८ श्रीगभः ३भदिमभि
 डि वरुवुडिरेकउपादुभीभा नउकिंदिमेवेम
 मठिउंभवाभइधि ०९ श्रीवमिभुः ॥ ३भदेमय
 माभुधरणःमदेवकाजुलः भुडिगेगहवमुयम
 सुलका १० धकावना १० केमैसुतापवायंहवका
 गत्रवभुवः वेउलेवलकसेवकादुं धरिकलि
 ११ १० डेउकुभधिनेयभं यमकुउउमंभिउं मुभि
 ३भाभीरुमःभुउःभदुल्यविभवः १३ कद
 कारु १४ वेदि यमभुभगभिलकाः नेउमुदेउ
 भंमुवउमेववयवदुभः १३ वुडिरेकवुडिरेकधरि
 १५ मिविदुमः ३भाठवविकगमुविदुविदुभ
 यभाये १६ एवभादिमयीभिमुभदुल्यकलने

म.
 उ.
 ०५३

30

दंकदभादुगं मुकहं वददं मभादुदं पादभा
 मगं ३३ पवभहुतेगमिउं विरुतिरिरागमनः
 मुहं भापुगभिवउं सुभाकल्लं विरुभुते ३७ ये
 यं मिउं भुमिदुगः मेभाभचकुवीरणा यमभुल
 कठगः धभुल्लगद्वेद विरुमः ८० मुविदुभानभ
 वेमभादिभनेपगमिकभा निगदुतिरणाः धधंध
 सुगीवनधमुति ८० भद्रमिमीउं भविदुमेला
 मिराकभं विम भद्रं भद्र विम वेति मेदं सुतं नव
 भुवभा ८१ भवेगेन इनादुं धमेदुवधमनः
 सुतलं मेधु विभलं वगीवरविरेणभा ८३ मिउं
 वल्लेरागदुदं भिष्टा धमुद्वेपिः वेपिरेभेध
 दुधंधधमुति निगभयभा ८४ यमभुदु सुतं भेति
 विरेदुदु भमयिनीभा मभाउते भुवदु भिवदु
 भानकभानुमेः ८५ यदुमुते किदुमयदु भयेध
 भानयदु गिराभयुरभुधुधुयय म भुउभुमन
 दमयं धरिरे विभगि दुरेपिरे उल्लं भिववगिनिव
 दमदुः ८७ इतेधभानभभनेदुधंधं दगं मुधं
 इगविपुगिं विनिगील्लवल्भा भुउउयगिदुम
 धंधुविनमभेवभं यगिमादु भिवठं भनिदुय
 भाने ८९ उाष्टनका निदु विगनिकभसुयय
 धदुभेयभुमिउं धरिधे मलं व मधुउमधुिदुध
 नेउमेतिभयेध कभुभासुदुवनं भिउर मनेव ८३

भि.
 उ.
 ०५७

३:

गणपतिमस्तुतः भक्तिमस्तुतः ०१ यम
 किं उच्यते मस्तुतः भक्तिमस्तुतः ०२ यम
 उच्यते मस्तुतः भक्तिमस्तुतः ०३ यम
 भक्तिमस्तुतः भक्तिमस्तुतः ०४ यम
 निलः ०५ भक्तिमस्तुतः भक्तिमस्तुतः ०६ यम
 नयः भक्तिमस्तुतः भक्तिमस्तुतः ०७ यम
 कलमस्तुतः भक्तिमस्तुतः ०८ यम
 कलमस्तुतः भक्तिमस्तुतः ०९ यम
 भक्तिमस्तुतः भक्तिमस्तुतः १० यम
 भक्तिमस्तुतः भक्तिमस्तुतः ११ यम
 भक्तिमस्तुतः भक्तिमस्तुतः १२ यम
 भक्तिमस्तुतः भक्तिमस्तुतः १३ यम
 भक्तिमस्तुतः भक्तिमस्तुतः १४ यम
 भक्तिमस्तुतः भक्तिमस्तुतः १५ यम
 भक्तिमस्तुतः भक्तिमस्तुतः १६ यम
 भक्तिमस्तुतः भक्तिमस्तुतः १७ यम
 भक्तिमस्तुतः भक्तिमस्तुतः १८ यम
 भक्तिमस्तुतः भक्तिमस्तुतः १९ यम
 भक्तिमस्तुतः भक्तिमस्तुतः २० यम

०५

भ.
 उ.
 ०१.

३: भगवत्पुत्रः १२ गीर्वाणः पद्मिभुजः भुजः
 नीलगिरिगिरिः धर्मदलभुजः वलभुजः
 भुजः १५ वलभुजः विठ्ठलभुजः भुजः
 भुजः १६ विठ्ठलभुजः भुजः भुजः
 १७ विठ्ठलभुजः भुजः भुजः भुजः
 १८ विठ्ठलभुजः भुजः भुजः भुजः
 १९ विठ्ठलभुजः भुजः भुजः भुजः
 २० विठ्ठलभुजः भुजः भुजः भुजः
 २१ विठ्ठलभुजः भुजः भुजः भुजः
 २२ विठ्ठलभुजः भुजः भुजः भुजः
 २३ विठ्ठलभुजः भुजः भुजः भुजः
 २४ विठ्ठलभुजः भुजः भुजः भुजः
 २५ विठ्ठलभुजः भुजः भुजः भुजः
 २६ विठ्ठलभुजः भुजः भुजः भुजः
 २७ विठ्ठलभुजः भुजः भुजः भुजः
 २८ विठ्ठलभुजः भुजः भुजः भुजः
 २९ विठ्ठलभुजः भुजः भुजः भुजः
 ३० विठ्ठलभुजः भुजः भुजः भुजः

३०

[illegible]

14

मि.
उ.
०१३

कषण्डभचक्रः। पण्यमलनभा। धर्ममनंरुगदु
 हुं विगिह्मिदभवधुमः ३३ इउडेनधनः ३४
 इउडेनधनः ३५ भद्रजंमचापेउठवतुः धल
 यदुलभा ३६ धर्ममनर्गउठवतुः धल
 मेउमे ३७ एभिभंरगभीडिधुनभभुमिराय
 वः ३८ सुगुलेनेडिकधितुगंठकडउउउभाः
 धुनगीनपियभुधुः भद्वैवहृयभगभग ३९
 लिधिकमदिउकगधुनभजामसेवउ सु
 उः भनेवभनभगमिनुयभभग ४० ३१ सु
 यभहुलकभलकेसमरेवउभनः धुनकंर
 गांभधुः कउठेजभदेसुगः ४१ यल्लुदियधु
 भयउः भादेधुनसकदुयः भगधुनभगयधु
 यजवेमवगडभ ४२ लेकधालभगयधुभग
 गदिधुभगलः सुयभधुभसेकयः धनः धगवि
 दुधितः ४३ धचउधुधुधुलपिकननेः भभलधु
 उभा ४४ मंहुभगलुनीलंइलेकीकलठकधुलभा
 पउधुलठकधुनभदेसुगभ ४५ सुभाउधु
 गलकीलं गधुनकनकेरभ ४६ सुयभिनै
 भकवधुवधुलठकधुनभदेसुगभ ४७ सुयभिनै
 धाडिधुनयल्लुधुन ४८ धीधुनलवगधुन
 उवधुवधुनधुनभा ४९ धुनधुनधुनधुनधुन
 रिठनवः ५० लेकधालधुनलेकधुनधुनधुन
 यउयः भद्वैवहृयभगभग ५१ धुनधुनधुनधुन

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
माधव उवाच
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
समभद्राभवेत्

मिश्रभूतिविश्वभिवर्णपिचः ७ सगीरभविवेसभ
 इणेरगोभउयम निष्कर्भेरगवाकुवेनगठि
 छुतिनेरुति १ मारणीमंडममेवविनेमसे
 वक्रुप धनःभंरुहसंरुहमिनंमिनधार्तिदुष
 उवनिहभसंसकुविनेमयेवकेवलभा ५ मके
 इहभेवेडिएगत्रउधनेसुध ७ मधिनम
 केगिधुभरुहपथभानुनः निहकभधगिह
 किमप्रचभवाधुमि ०० यषाधुपुंकिहउहम
 भजनमभमम भजुले कलकेनभूतिवि
 नियायम ०० यषेवकमकरल कभनन
 भिपीभाः उषेवकमकरल कभननभिपीम
 ३ः ०३ सुतःभधुधमयाचाइनिष्कभमन
 य भधुधुहमभयाऊककहंयमगाडभ ०१
 भनैरषेकपुडा उषेभोधिरगगडिठ इमडिध
 पिधुतिनडांभनःभगेसु ०२ मिडनेडिठभ
 इमननयसुतिनेमसा सुधसुंममभनंभा
 सुभिहववेडिकः ०५ येनैवभनभमनेत्रिमि
 ३ः यभेसु भावभमनेडु उंयसुडिदिनेरः
 नमैरुससंभगरुसनीरगभठवना कभि
 वसयिउंमजुसिरेगुसिगभुना कभयिउं
 पुयोउंइं किलयुहउं नभनेनिमयदुं कभि
 पाधिउंमः येरुधमगांयडिठनेमनभिमि
 भनैवविनयुहउं नविनिवह

मे.
 ३.
 ११५

वरुणकलं यमहं भनमाचरुनिस्त्रयभा ०७
 सपथेनगधिनउभुगभिरुयेनभुभिरेकके १० य
 वृद्धी० भठिउभनभिरुउं उरुधाणवधुभुभेठ
 वरीकनउः ३३ यनगमिउभउ किलकुधायंमै
 लेधमेकभिवनिभूलभवभउ १० उरुतिभुक
 उरुलेपेचवनिस्त्रयकचनंनभसजः ॥ ३१ ॥ ॥
 ठनः ॥ भनेदिरुगउंकमभनेदिप्रकधः भमः
 भनः कउंकउंलेकेनसगीरकउंउभा ० साभउ
 वृद्ध ७ उरुभनेठचनयकिल पिचवउरु
 उंयउभनसः पमुसउउभा १ भनभाठउभा
 नेदिमेकउंयगिमिककः मेकठचनययउं मे
 कपमेउवउउ ३ उरुधुभिदिनियउंभापकः
 यमिविकउि नउभापउययेगीमेदेवेउिभु
 यभिये ८ भनः कउं कउंभा उगदिविपवि
 उभा ३ उरुभाकउयभाउं वउउं उं निमचनभा
 उरुयम ॥ कउंलुगकचउंने केवउं उंभु
 नमे येयेकउं सुवलभावनरुभिउउिदि ७
 ठनः सुयउं कभमेवभगयेभभलीपिः ३ उ
 उरुउं उिउउउं उरुउं उं वधरः १ उं उं उिउ
 उं उिभाठउकभललेमेन सुकलुनभाउर
 भीसमाउं उं वेदिनी ३ उं भिउेवभुमिउः
 किलभीकलवनिउि ३ उं नभाधरः कभिउी

५

93

मि.
उ.
०१५

93

मे. प्र. वर

दंतप्रयेवदुभक्त्या ८७ यश्ययवगणंभिधु
 धुतिधुतिभिवा उरुधुमभक्तुकिधुतिवठवधु
 रुभा ८९ वरुधुमयितनप्रभनभेदुधुतिभनः
 भंभक्तुभिधुमयितनप्रभनभेदुधुतिभनः
 ककदनिविधुंदिभनेपीधुधुधु नमालुभेक
 विववमयधुलेगधि ९० देवदिवसमयधुभ
 वृद्धभयगधुति नउपीगंभनेगणविदिगीभुधु
 धुतिभा ९१ नमिगधुभनभंनमकधुनिगणधुगी
 रमकलधुमभुतिगनि मेरुदिकधुमभीधुम
 गीरकेधुवगीवभचवनधुलउगमेधु ९० धुधु
 मगीगभिधुविधुभनेभकधुनधुलियरुगति
 उनमगीगभधुः उधुमगीगभठिधुतिधुयउयउ
 उधुमंठलतिनेगधुधुधुमः ९१ धाधुधुधुभठग
 विधुभनेदिधुधुमेरुधुधुःधुविभाधुभुधुधुव
 ठः नधुधुधुभनठेतिनधुधुधुधुधुधुधुःधुधु
 भधुधुधुधुधुधु ९२ मेरुधुधुधुधुधुधुधुधु
 कगेतिधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 नकगेतिधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 उगधुभा ९३ धुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 गणधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 विधुगीनेधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 वधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु ९४ ॥ उधुधुधुधुधुधुधुधु

मे.
उ.
०७

ठवउभुउरुभउरी ०३ सुदुडिभभुभरभानविहंम
 दंउयेभुभभीहृकउभा वद्वपुधिअकरभान
 विहःम।इमेभुजुलिउकवति ०४ उदुडिभ
 कल्लुदुडिभेनुदुहृवगनेनभसनः॥३७॥ क
 रिभेनुदुहृथगएनंभभपुभा॥ ठवः॥ उनेउ
 इमिठगवउसएउंभनेभने धनिगृहमेठहंम
 साधेगधिदुगभैः ० पियवनाभउःम।धिवृभा
 लंभुविनसनभा यदुणेननमवुदुउभउम
 ददुनः १ किंमभिरुगहभिविचिपधरुगउ
 क उधगधनभनभभुयदुहृयभदुनः २
 भनेदिरुगउंकउभनेदिभुभःभउः भनःउं
 कउंलेकनमगीगउंकउभा २ यदुनेनिमयक
 उंउदुहृधपिदुहृनेः कनुंनमहृउरुनेःधुडि
 भुभलेवि १ भदुमेउरुडिभुउरुभुःभनभभु
 भैः इंमभुदुभरुमिभुवदुकमेधनउकः ७ मि
 उकमभिरुकमभुकमेधुदुगीपकः भनउभु
 यावैउमिदकमभुकमिः १ एकंभुवदु
 वधिउभनभुगहउं भुयदुनिधुहंकिं
 कीउंवेदुवैः ३ भुयदुभनभुलेठनेउंभ
 गहउं भयभाभुभुधमिरभभुभंभदुभने
 यउभउंइयठनेविउंकिकिनभुभा भन
 सुविउंमगधिमिदकमभुविभुः ० उदुभ
 ठिभउंभनंनिहंभुकेभुभा कल्ययभिवदु

मे.
उ.
०७

ठवउभुउरुभउती ०३ सुदुतिभभुभरभानविहंभ
 दंउयेभुभभीहुकउभा वक्रासुधिअकरभान
 विहःस।इमेभुजलिउरवति ०४ उदुतिभ
 कवलेदुतिभेदुदुहवगिनेभभनः॥३७॥ क
 रिभेदुदुहवगिनेभभनः॥ ३८॥ उनेउ
 इमिठगवउसुखउभनेभने सनिपुहमेठहंम
 सपेगधिदुगभैः ० पिदुवनभनःस।धिवभ
 लंभुविनभनभा यदुनेनमवुदुउभउम
 ददुनः १ किंमभिरगहभिविधिपुखगु
 क उमभिनभनभभुयदुहवभनदुनः ३
 भनेदिरगउंकउभनेदिभभःभनःभनःउं
 कउलेकेनमगीगउउभा २ यदुनेनिभयदु
 उंउदुहवपिदुभनः कनुंनमदुउरुभैःभुवि
 भुभलेवि १ भनमेउउरिभुउरुभैःभनभभु
 भैःइंभभुदुभभभभुदु कमेभनउकः ७ मि
 उकमभिरकमभुकमेभनरीपकःभनउभ
 यगैउमिदकमभुकमिगः १ एकंभुवदु
 वधिउभनभभुगदुउं भुदुयदुनिभुदुकिं
 कीउंउवदुवैः ३ भुदुयदुनिभुदुकिं
 गदुउं भयभाभुदुभभिरभभभंभनभने
 यउभउंइयठनेविउंकिंकिंभभभा भन
 सुविउंमगधिमिदकमभुविभुः ०० उदुभ
 ठिभउंभनंनिहंभुदुभभा कल्ययभिवदु

मि.
उ.
०७३

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

मिहृगोइर्वेपंमेरुंमंमेहंकिहृमुता ३३ गिरिर्वि
 रणदुर्गिधसुनसुडिलेलां ३३ मिहृगोइर्वे
 वेभेमुहृपैवंइयीगः मुःभचंरगइवइंउंल
 वुंसभेवडा ३७ सुभेवतुडयाहृमिडिहृमु
 उयंरपः निहृगपेकठगाठंभजीवइभपुग
 नहृतिगमिहृभठइवेइवकिनिमुयः धगिप्र
 ललेवपुहृमिडींभंभुडगमिडिः २० भचइ
 इहृभमुहृंमिडिमिहृंयवेइडा मिहृगोइर्वे
 पंसभुहृतुएरुंउयः २१ मुहृतुमिधेइहृभ
 नगधिनविहृउ उहृमीवधंभेउयेभंविहृंकि
 इडाः २१ मुहृंइहृयसंमंइंमेहंविहृभभडिउभा
 भगइहृभुवतभुतुनविहृगपवने २२ मुहृंउ
 पमभइहृधमंविहृनिगभयभा विहृंविहृगपव
 मिहृभेवयभकिभभा २५ मिहृवेमेहृउएहृंभ
 सुभरलेभभभा भचइहृइचमकेः ऊचउनीति
 भपुडभा २७ भनःधमउगमिडयाभचउंविहृ
 भउ ननंइमिहृमेहृयभकमविममहृडिः
 मेहृमिहृयभुडिहृउधउतुलाउभम विमहृ
 भुडिहृभइमिहृमिहृनवेधुएभा २३ मिहृगोइर्वे
 मेपिडिहृधभउभुवतउभा गेउगडिभमुनमः
 किंमेहृधलापइकैः २७ यविहृउमेहृउइहृः
 केनापभामयः मेहृहृविहृभइमेहृउगपडा

भि.
 उ.
 ०२७

[illegible]

धिक्कदिनेधरमेसु १ ईश्वरस्य नमस्त्रिगुणैः
 मेसुठकमत्रधातिन यद्देवमे... सुदेननमभा
 भाष्टेरानैः ३ सुवृद्धमुवगुंमभवमभव
 उयः भवगपवरगहमिदु मरीः मरीरिभा
 एकंभनः मरीरिउदिप्रकारिभित्तिसलभा मरि
 द्विदुभहउमरीरिभंमनिमिउभा ० यउभंभ
 भयः कयः भवमेववमगः भवगपपुमभा
 भुषापिषापिभाष्टयैः ०० भुक्भुष्टेहमउम
 नः द... विनसुतः धरुधरुधुमधलेमेवगमि
 वसभित्तिः ०३ भनेनभमिडीयेयः कयः क
 यरागभिक मभुयउधिनयउकुउनकुवनइय
 धेरुधंभुभयधुहपैदभल्लधु मभुउभा यमि
 तिधुहगभेभेदः यनउमनिमिउः ०५ यम
 यमभेयउउभनेमेदिमेदिनभा ०५ मभुलिभं
 मोठवतिधुनिमयल्लकठका ०५ भनेमेदुमठ
 भमेदुधनकिफिदेमधुमः भनेमेदुमठ
 लंभवभेवधुमेधुउभा ०७ धुविइभवभुनं
 उभायः भयकिउः निधुलभुइमधुः
 लयगभिवमयकाः ०७ धउइभुमिबकिव
 कभमेवकलेवभा भनेयमभुउउमव
 भेतिनिमयभा ०३ भुधगडिमयः भवः भव
 वेधभमरः मरुउविधेनल्लंभनेकिभनभा

मे.
 उ.
 ०१.

भने ०७ भेनमे... वलेनउ सिउं कइ धियम
 यम। कइमेने... रुः। पण्डितरु... सभन भुधि
 धेनमे... भनः कइनीगंगविगउरुभ। भा... हने
 गिउः क्रेमः सुले भुते धिउिधुउ १० सुवकुथ
 भिउेनधिभाने भेदइ भोइयेः दधि... मीउउथ
 भा भं भुं वं वं धम ११ इनेः भइउउवेधुन
 भा पुवमयउः सुनेन रुइउ भु भुये भयधि
 नाय पुउ १२ सुवेधि भा वेपनये पीरः भवभ
 रुइयः सिउ पुभन भवने नइए उिभनगाधि १२
 सुपये हयये वेवसाधः धाधरु सभुसा नाय
 भुयउिउ नरु पइ धाउः सिलभिव १५ वे
 वाधिया भिउः केमि सुधु हुरगपिभयकेः सु
 विवेक मं उं धं भने भवे विधे नम १७ नकय
 मन भं सये भा वेपन भन भनका सुधु धिकसि
 सुवेवे धे धलैः यली गउः ११ भन भव भन भुभ
 के नमे... भुभनिरु सुक भव सुकेने वये एयेइ
 वने धि १३ भुउिठउं ये मेव सुउ मउ थं ठव उलं
 कल मेव भनः धीनें वल वेउल वदने १७ भु
 उिठ भभु नधं भु उनी भिउिभइउि उलल
 कभ नधं धं भे भिउि उग भिव ३० भुउिठउ
 उउ भे उिठ मेव भने भने भदभ भुउ के वरि
 यम। उइउ गइउ भ ३० सुवभ वन भउ... भद

धिक्कदिमधमेसु १ इहैवप नमभिरुगै
 मेसुठकमत्रधातिन यैरुमे सुहेननमभा
 भापुउरानैः ३ सुवृद्धमुवगनुमभवमभव
 उयः भवगवरागहमिदु मरीगः मरीगिभा
 एकंभनः मरीगोउद्विधकविभुतिंमलभा मुकि
 छिक्कभतुउमरीगंभमनिमिउभा ०० यउभंभ
 भयः कयः भवसेववमगउः भवेगयभुउमय
 भुषापिहपिभापुयैः ०० भकभुयैहमउभेमी
 नः क विनसुरः धमपइधुमथलेमेवगमि
 वमभुतिः ०३ भनेनमभुिडीयेयः कयः क
 ययगभिक भभुयैउधिनयउकुउनकुवनइय
 धेरुधंभुभयधुहपैदभलधुमभुउभा यमि
 डिधुहगभेमीः पनउमनिमिउः ०४ यम
 यमभेयउउभनेमेदिमेदिनाभा उमगम
 मोठवतिधुनिमयकलैककका ०५ भठलेभं
 भमेकभुनकिह्रिमेरुधभुभः भनेमेरुधभ
 लंभचभेवधुमेधुउभा ०६ धविउभनभुनंम
 उभायः भयकिउः निधुलभुउमथपुः मि
 लयगभिवमयकः ०७ धउइभभिवक
 कउभेवकलेवभा भनेयमनभुउउमव
 धेडिनिमयभा ०३ भुभगडिमयः भवः भव
 वेधभमरः मरुविधेनकलंभनेदिभन

भे.
 उ.
 ०१.

ॐ
भं.
उ.
०००

मं.
उ.
०१०

ध्येयभुंभभुः उवविभुः ॥ उदुतिः भवलीक
 नभित्तिविभुः ॥ भवति ॥ सुविभुविभुः वरु
 गठवगिनी ॥ १ वभनविभुविभुः सुदुष्ट
 पविनी ॥ पुननुभुः पुननु कदभुः कविनी ॥
 नानगिनी सकलानु सैलकनगिनी ॥ गमि
 ३ उभवेमिदुविदिगवुमभुः ॥ १ गधाराग
 सुललर्गलिबलीमभुः भलेकलपुगडा वि
 लीनविभुः भनः सगीगुयेनभंरिदिगभुः ॥
उदुतिभुः ॥ उदुतिभुः ननभभनः ॥ ७९ ॥
 श्रीविभुः ॥ ७३ भगभभभुः नभभुः नभभुः
 ३ः उदुतिनिविभुः गेयं ॥ १ वदुभिमगधव ॥
 ३ उदुभभुः उदुभभुः भिभुः विभुः ॥
 भविनी उदुभभुः उदुभभुः ३ उदुभभुः
 श्रीभुः उदुभभुः सुललेकभुः भभुः
 कदभुः विनी ३ भभुः भभुः भभुः
 कविनी ॥ उदुः कविभुः भभुः भभुः
 उदुः कविभुः भभुः भभुः ॥ १ भभुः
 भभुः भभुः भभुः भभुः ॥ १ भभुः
 भभुः भभुः भभुः भभुः ॥ १ भभुः
 भभुः भभुः भभुः भभुः ॥ १ भभुः
 भभुः भभुः भभुः भभुः ॥ १ भभुः

मे.
 ७.
 ०१३

भवापेविनिधुतुद्रुलीवरसयः भुतः
 भुद्विगैगद्वीधनमेवभरीमयः १० भवापव
 भवद्ववद्रुलीभुतपद्रुयः भुभगीमिर्लेद्रु
 दल्लगुद्रुली ७५४ ११ भवापवोद्रुभुभद्रु
 लीवरणयः भवभद्रुगीधुभुद्रुविभु
 वंसयः ११ भवापवभभद्रुद्रुलीभुद्रु
 धुयः यमविगधिनमिद्रुभुद्रुधुविगधमिः
 भवापवभभद्रुद्रुलीलीवसतयः कलक
 नमेकयुगयुतयः कनेकमिव ११ भवापवोद्रु
 गभद्रुलीलीवरसयः निवृगभलेद्रु
 गद्वयभभभवविद्रुयः ११ मरुभुवगीपल
 भद्रुभभुद्रिकल्लन भुक्तमभुधुलीग
 कसमयेयम ११ भवापवोद्रुलीककल्लन
 द्रुलीः भद्रुली सीकगवुल्लकरीविद्रुयः भु
 भेयम ११ भवापवोद्रुगभद्रुलीभुद्रु
 धुयः भगद्रुभुद्रुद्रुलीयमठभुद्रुलीमः ११
 भवद्रुलीभुद्रुलीभुद्रुद्रुलीभुद्रुलीभुद्रुली
 विद्रुलीभुद्रुलीभुद्रुलीभुद्रुलीभुद्रुली
 लेकनभुद्रुलीभुद्रुलीभुद्रुलीभुद्रुलीभुद्रुली
 विद्रुलीभुद्रुलीभुद्रुलीभुद्रुलीभुद्रुली
 भुद्रुलीभुद्रुलीभुद्रुलीभुद्रुलीभुद्रुली
 भुद्रुलीभुद्रुलीभुद्रुलीभुद्रुलीभुद्रुली

१५

भ.
 ३.
 ०१३

भवाग्नेविनिधुत्रुद्रुलीवरसयः भुत्तः
 भद्रिउठेगद्दीभनमेवभरीमयः ३० भवाग्नेव
 भद्रवद्रुद्रुलीउथद्रुयः भुभगीमिर्लेद्रुता
 मल्लगुद्रुलीउव ३३ भवाग्नेवद्रुता भुभद्रुद्रु
 लीवरणयः भद्रगभद्रुगीउथद्रुविभुद्रु
 वंसयः ३३ भवाग्नेवभद्रवद्रुलीमेद्रुद्रु
 ध्रुयः यमगविगधिनसिद्रुभुद्रुधगविगधमियः ३४
 भवाग्नेवभद्रवद्रुलीवरसयः करक
 इमेकयुगयुत्रुयः कनेकगमिव ३५ भवाग्नेवद्रु
 उगभद्रुलीवरसयः निद्रुगभलेद्रु
 उद्रुयभभिवविद्रुयः ३७ मुरगभुवगीपलगा
 भद्रुभउद्रिकल्लन भुद्रुसभुधलभुलीगद्रु
 कभद्रुययम ३७ भवाग्नेवद्रुलीककल्लन
 वद्रुलीः भद्रुगी सीकगवद्रुलकगीविद्रुयः भय
 भेयम ३३ भवाग्नेवद्रुतागभद्रुलीमेद्रुद्रु
 ध्रुयः भगद्रुभुगद्रुद्रुययभद्रुगुल्लमः ३७
 भवाग्नेवद्रुलीमेद्रुभुद्रुगिगिउत्रुयः सीगमे
 गिवद्रुद्रुः भुलीकडवेद्रुल्लमः ३० भवभेद्रुकि
 लेकनगद्रुयविविगामयः भद्रुमेवभभय
 उगभिवेवविसत्रुय ३० कभुद्रुद्रुभभद्रु
 उगययगिगकलिकः कभुद्रुगिगयगीउल
 मद्रुययवभुद्रुः ३३ उद्रुगगद्रुविगिगधवि

३५

भि.
 ३.
 ०१३

3.
3.
०१५

कुतनां बुद्धः धर्मः १३ धर्मो नेन ठगवन्
 वडा एन कम्मः ३३ धर्मो नेन ठगवन्
 विउं उयेः १५ कम्म एन कम्म बुद्ध कम्म मिथु
 लेधु ३ कम्म एन कम्म भसी डिह्यै लिके भु भगलि
 उभा ११ भाहु उ भहु लेके कम्म सुठल मयिधु
 भु उये विल भडि न मा प्पव मिधु उ १० किं
 उं उं वे वं ठगवन् कि उ उः १३ भं भं मयं
 धुं कि दिव र विमं वर ११ धी व मिधुः ॥ भा
 धुं धव धा धुं मिधु धा धुं मिधु सुठल मयिधु
 वहुं मिधु येन उं मं उं ने मये ठव १३ भन भेयः
 भं भं धः कल कल न उ धः १३ उं उं मं उं वी
 एं कल भं व विधु उ १० यमे व कि भन भु उ धु
 डि उं बुद्धः धर्मः ३३ उं व कम्म एन नु नं री विमं
 रु धा मिधुः ३० उं भं भं मये ठगवन् ने य धा ठि
 उ ये रिद उं व कम्म भन भं मये ठगवन् भु धि ठि व येः
 वि य भं मये ठगवन् मिधु ये रि क मिधु उं व येः
 धुं उं भं भं मये ठगवन् कम्म मिधु भव दि ३३ न भ
 मै ले न उं भं भं मये ठगवन् डि विधु धा धुं मिधु उ
 कल न भं भं मये ठगवन् भं कम्म एन मं ३३ रि दि कं
 धुं उं नं व धि कम्म य धु मिधु भं मये ठगवन् धो मं भं
 धो य उं न कम्म य न निधुलः ३५ बुद्धः धुं डि
 उं मिधु कम्म विधी दि ने उं उं ३३ व र ए न उं वी लं

विशिष्टाध्वनेऽगता ३५ मेसादेसात्रधुधे
नभुनदेऽतः प्रचदिकरांशोः कर्ममिउम
मेविदुः ३७ सुदुभुभागरधुधुः मन्मय
मिमी यामिदुदुगुमिउंरुनरुणीवदंग
भा ३७ मनःकर्ममनेरुणीवः कायमुनेवाउ
मुतः कर्ममकउमनठिउंरुलिलवडा ३३ क
उकर्मकवडावठिउंरुनिउमेवदि सुवेपाठ
मभायडोकलुभानेभुपेवदि ३७ डुकर्म
भनमीरभभुलानंनउपीभडाभा मभदुधु
रुधुवृलाननभवठेयपीः २० धदयसका
वैदिविदुदुमिउकर्ममी धदयसकाउठु
मिउदुववेपाडः २० मनःकर्ममकुं प्रचंध
मभुधुवउउ सुभेदुवेवउ सुभंदि विपाडति
धमधडा २३ कउकर्मठिपानीकमेउंमुवि
उंधमडा धरभुधुवउउउरुधुधुभगाग
उधुउवेवमिंसुलीवमंरुनिउनिउ भु
गिउधुविलीयनेउरुधुधुभगागे २२ मन
भगियउकर्मयहउठुलठवेग भनधेव
नकायउं कउकर्मभनमुतः २५ सुलेकल
मिउठेगेभउरुगणउभायभा सुदुधुधुभा
धुकुउंभनभिमदुभा २७ गुलेगुलिनि
मेनुमिः धलदेभंमिउयम त्वाभनभिक

मे.
३.
०१५

1875

मं.
३०
०१०

177

मं.
उ.
०११

मं.
उ.
०१३

3

वाकेकेविमदंभनापवनः ७ उनेमंभवभठेगि३
 एगमकुलंउभा भेटुडुडिगिजिनधमभूवमि
 धुते १ सुडुभचपमडीःभवगःभवसंमुयः ३३
 भासेनभंभगेभनेपवविजलि ३ सुतेभेटुभनः
 कभडुगरीधकभ ॥ भा एयेउभियेउडिउनडुनी
 म/सिपेगु ॥ ७ भनापवंविमने ॥ भेटुविल्लय
 भेटुडि भनेविल्लयभउ ॥ ३३ःसुयेठविष्टडि ०
 भनेनप्रधरिदी ॥ कभ ॥ डिउभभुभ भउडु
 सुतेएनुःधनडाभनएये ०० सीरभः ठगवठ
 वडभुजएउयधिविपान ॥ ७ भा धमभंकर ॥
 उभंभमभमडुकभा ०३ उडुभंमुडुमित्रभभुडु
 सुडुविवलिउभा ॥ डिउंभुगंयउंएगसिउ
 कभंभनः ०३ श्रीवाभभुः सुकमसिउयेगभव
 उतेविउउनुगः मिउकमसिउकमेडुउक
 मभुडीयकः ०५ एउकिमचभाभभुःभवउव
 हवभुडुः सुडुमिउडुसुडु ॥ उल्लभुभउकउंगः
 भवहुहुनुगभेयेवेडुभउवविपकः हधीमभ
 भउडुनंमिउकमःभ ॥ ३३ ०७ भवहुडुडिउ
 भुधुयःकिल्लकल्लनडुकः येनेमभउडुभवं
 मिउकमःभ ॥ ३३ ०१ मसमिडु ॥ ललेगे
 रविमिउवधुदियः सुडुभभेयभकमःधव
 नडुगदिभंमुयः ०३ सुकमसिउकमेडुमि
 मकमवमेडुकी मिडुग ॥ डिमचभुकदे ॥ धभ

भि.
 ३.
 ०१७

इन्द्राय नमः ॥ यद्गुणैः संसागराभाति यत्रुतः ॥ ५ ॥ यमि
 गभर्गि विडता सुतु सातु विहीधल ॥ यद्गुणी
 नेठयसुंल ह्रुतकोलभाडकभा ॥ ५ ॥ उभेकेदि
 धनधः भद्रभुकरलेमनः धदकुलभरिहीमः
 मंभुतेविडताकतिः ॥ ७ ॥ भमकसुं वरुनभा
 मयपरिधातुन ॥ भुकरहृदुनः ॥ यद्गुणैः
 वपलये ॥ १ ॥ म्भुकरहृदुनः ॥ भुकरहृदुनः
 नदुनि ॥ भुविदुवडिहीडु भयेरणसतुपि
 इन्द्रलये भने भोगहृदुगभिभुतः ॥ सुभवा
 विवसाकरे विमीलमाल ॥ ७ ॥ धरिउ
 वसावसुभकहृदु वक्रुपके कृष्णगडिउभे
 ठीभनेगभीरकेले ०० ॥ उतः कलेनभकर
 भेवक्रुपाभुभुडिउः भनः भुकरहृदुनः ॥ भुकरहृदुनः
 हृदुनः ०० ॥ भनदुगडिगहृकगहृवनगु
 लकभा भुविदुः कृष्णकहृपुंमलकः भवक
 यम ०१ ॥ उभेकगहृगहन विनिभुधुमाल ॥
 मिव भयंभुकरहृदुनः ॥ भुकरहृदुनः ०१
 भनदुगडिगहृभेवक्रुपके भमभुवि
 भुदुगय विमीलमाल ॥ ०५ ॥ यद्गुणी
 भुभुदुय भुविदुः कदलीवनभा भनः भुकरहृदुनः
 कविदुवहृदुनः ०५ ॥ भनदुगडिगहृम
 साककरसीलभा कदलीकननं कानुंभु
 विधुदुमत्रिव ०७ ॥ कदलीधककडुभा विनि

मे.
 उ.
 ०३.

पूष्टम ७८ नः कमलीकाननमुद्रकराव
 नगुल्लकभा ०१ कमलीकाननपुष्पं कुपुष्प
 वनातुरभा भविष्यपुष्पं चैव भूयभा निमंभु
 ३ः ०३ एवंतुपनिरुमाः भवलेह्यमरापुष्प
 सुवधुहृवल्लभेव भूजुं परिरेपिः ०७ थ
 सुसु कसुं किमिं केनेन केनेधिव किंनभा
 ठिभं उंष्टा किंभापरिभूति १० ५३ थ सुन
 कविउं जेभयनन नरं कसिन्नमेवमं भ
 नेकिपिपुं पुष्टम १० इययभवठेपेभि
 इंभेसुगिन्म इययधुभिन्नधुभिन्मः १
 यमेभापयम ११ इहकुभं मभावेदुल्ले
 तुभानिउभुवना केमउगंमीनेभयेवद्वि
 वगवी १२ कलभउल्लुभुभुधसंहरिगन
 भा धपुष्टनिमल्लेह्यल्लभेनं सुवद्विभा
 सुषादुल्लभपदुतेमभुभुगुंभम नुभे १
 निउल्लेधुपुष्टनिमभउः १५ भुभंभपि
 उंभुमिरः धरभकल्लभा ३३ सुवद्विः धपु
 इहभुभुनेमेमभा १७ सुषदल्लेनमभुभंभु
 पुष्टनिमसुभः भवभउविभापुंभुपेवेव
 रेयम ११ विमदुनियेः सजिं उं गनुभपि
 ३ः मधुवगनकभेकउंभनरुं उंभनभा १३ मे
 धिभुगुगद्विः भूयसुभुयभापुनि वद्विः

३.
०३०

यथा २० विनिर्वाहकपेहः केमिव भूतिः
 पुनः कमलीधरकपेहमिष्टिरेण धिननिनः
 केमिभुदितः भूरेकगुणवनगुल्के नकुमि
 डिभिभायतिकेमिभुमधायः २३ एवंवि
 पाभाविता २४ भुदुभेकएवी भुदुधिविदुते
 यभुभिउं २५ भुधः भुताः २६ मधमधुएवी
 गभदुयेकहवकमि २७ वल्लुउवदुिउभुनः
 भगभिरायव २८ मधीधल विविपकेठक
 मंकएणीधेरएवीधुनभेगहनधिलेकेः २९
 गहनिचाभिभुदुिउउउएगभेहोउभुमगुल्क
 कवणिकेव ॥ ३० ॥ ३१ उदुिभुकरल मिउधगह
 ननभभनः ॥ ३२ ॥ मीगभः ॥ कभेभकएवी
 वल्लुकुदुधधुकरभभय केमोभुधभुइकिं
 उदुिउउउमाः ० मीवमिधुः ॥ ३४ भुनभभेक
 वल्लेसुधवदुभिउीयेलभा नभभकएवीग
 भदुरेनैवमोउनः ३ येयंभभगधदवीगभीग
 भगकीएग उउंमुदुं विकगगुं विदुिगभभक
 एवीभा ३ विमगल्लेकलकेनयमेकेनैववउ
 न प्रलनहेनभंयउ केवलैवउमेवभा ८
 उयेउभककगः भुधः ५ भुभुदुि भनं
 भिउनिविदुिउंरुः पेनिधउउलभा ५ म
 धुयेयंभंउं धंभविदेकेभकभउ विवेकेनभ

03

30

श्री.
उ.
०३३

470

नमोऽस्तु कल्पेऽस्य चरितम् । तल्लभ्यं च लक्षणम् ॥
मगपविषयपचवर्णा । वक्रवीर्येयस्य चरितम् ॥
मं बुद्धिः । भिज्जम् ०० भुक्तिमत्समयेव भवति ॥
मिदुःखं दुःखैः । लीवोऽगच्छिष्यं मिदं भवति ॥
मुने ०१ नानाऽल्लङ्घ्यं तुल्यं एतत्तल्लभ्यं च लक्षणम् ॥
यद्यपि सज्जय भुक्तुं लीवोऽगच्छिष्यं चरितम् ॥
भुक्तवत्तु सज्जय भुक्तुं लीवोऽगच्छिष्यं चरितम् ॥
डिभ्यः । भिज्जम् ०१ भिज्जम् ०१ भिज्जम् ०१
कुम्भः । भिज्जम् ०१ भिज्जम् ०१ भिज्जम् ०१
वेमिदुः । भिज्जम् ०१ भिज्जम् ०१ भिज्जम् ०१
कमिदुः । भिज्जम् ०१ भिज्जम् ०१ भिज्जम् ०१
इत्येवमस्मात्तुल्यं च ०१ भुक्तुं लीवोऽगच्छिष्यं चरितम् ॥
भनिदुः । भिज्जम् ०१ भिज्जम् ०१ भिज्जम् ०१
मनः । भिज्जम् ०१ भिज्जम् ०१ भिज्जम् ०१
उपीदुः । भिज्जम् ०१ भिज्जम् ०१ भिज्जम् ०१
नि ०१ यमेऽन्तेन भेदः । भिज्जम् ०१ भिज्जम् ०१
लीमज्जिः । भिज्जम् ०१ भिज्जम् ०१ भिज्जम् ०१
मदुः । भिज्जम् ०१ भिज्जम् ०१ भिज्जम् ०१
तुल्यं भेदः । भिज्जम् ०१ भिज्जम् ०१ भिज्जम् ०१
किदुः । भिज्जम् ०१ भिज्जम् ०१ भिज्जम् ०१
जिदुः । भिज्जम् ०१ भिज्जम् ०१ भिज्जम् ०१
मनः । भिज्जम् ०१ भिज्जम् ०१ भिज्जम् ०१

ॐ
ॐ
ॐ

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

म.
उ.
०३५

सुविनेययपडीउभमभो सुष्टयिकं कषय
 ३३ भमत्रभयगहगभा ३ कषिइतिभमभनेगल
 भइभयः सुठः विभीलेसुत्रनगरेष्टेभीविभल
 उवकाः ५ सुनरएउमेकसुगहापवदिन ५
 ३ः सुठायः सुठकगड ३३ ठीनवेयष ५
 सुषडुभलठउमेकसमभवायः निववः
 पियत्रभायः मेकेधरुमेउमः ७ उउम सुत्रनेग
 गत्रिनउविउदननः गगनगमिभमं सिधु वप
 सुडुसनेसुगः १ सिरीधसुभमपाः ५ धुउके
 लउधडाः भनेलनिगागरीधडापात्रभल
 वडव ३ भउभनमिकड मगुधमभरुनः
 काउगेभेउमिमेउभंगयसुडुडव ७ मठग
 ठिउमल ७ यधिविउमभयः उलउडुभमभ
 नंयलिपमभउयः ०० भडुगीरललिल्लंठ
 लपल्लविउभुभ ७ गधमिग ७ पांभुभ
 नेउडयभा ०० उमिउ/मइयेवमी सुनरएउ
 भनगाधि वीरभेवइगीय सुधरिउधनविउडे॥
 विमुत्रभेपरिमुत्रभुडेकसुउरेगः धरिण
 उलेधनेमनुनिलयभाडव ०३ ठलउभउ
 भधुनिउडुपीइमउडुसभा कडागलसुकैम
 लमिगंविमुभुडेययः ०५ धनमउरंगडभभु
 डेमभधमिउ मरिउडयभमेमभरुडलपव
 भा॥

उ० क० परिसुक्तेवभनगधुनसुयेः विहृमरिउ
 मधिरवलेमनयोरिव ०२ परिसुक्कसंयभो३
 मुंउमधुगसुः ॥ अमृतमिविगदुयं वृद्धवि
 मुकगडव ०१ मिरंजकएललीरं पीडद्री
 रंथमंथयः लामुमेगएलनयाः प्रुद्धभनमः
 भायभा ०३ सुमममममिनमुनेलधुभनमिव
 करे ठविधुत्रवनिम ॥ नगरंनगमत्रिठभा ०७
 भउकधमिनीहधुनीलधुव लालमयभा
 सुमसुडिमधुल्लभगयत्रगरमधुलभा ३०
 मसुसुडरधुनी ॥ डी ॥ मधुल्लवनिउ भा ॥
 क० नगेकनिम ॥ मीवभदुगिरः ३० सुनि
 मिउममनोपकनिठिउडवे सुठिउममि
 मकधुविधुमुनगभुयः ३३ मंभुविमुधविधु
 सुविकरउवगननः भुभः भुलीइयउडउ
 क० नकलिउभा ३३ उ० क० गउंयउडेकुपक
 मुळउं गउ लामुमुल्लउधुं भुलीउमीउ
 वृद्धयः ३५ डी ॥ उवनवडउं मुमुं डी ॥ नमनु
 भुः उ० डी ॥ मउकीनंगविउं वृद्धेगिठिः ३५
 उ० डी ॥ नमउवृद्ध ॥ नमउभुभ ॥ डिठिउ
 गएभउधुधुगनिधुमिभगउः ३७ ठविधुत्र
 गेरमिभगएभउभुयेधिउ भायमडुभिउः
 भउभागयवृद्धागिः ३१ सुमयिकेभक

म.
 ३.
 ०३२

धिउभयगभुउवन्नय ॥ १३ ॥ इमिउरुपुल्लवि
 मउमुठविधुति १३ यडुडिकधिउगभवत्त
 यगएगयिकमुठ ॥ ३५ ॥ एगभवल्लममुठ
 एगयिकयानय १७ ॥ एगधिकधिउगभमि
 डाएनकधंभुति तालकगएगयिक ॥ ३६ ॥ भ
 यकभल्ललेसन ३० ॥ यंभंभारगमनगिउति
 भेवभुधगडु तालकगएगयिकेवेगुः भकुल्ल
 वुगुकलिउः ३० विकल्लएलिकेवेयंभुतिठ
 भाडिकानय वतुभेकगदिकलनगुधेल्भरि
 एभुठे ३१ भकुल्लभउगिउगिउनेककिं
 मन भकुल्लवसः किडिउत्रकिडिउडिमेवव
 डुः कभावायुगकसः धवः भगिउमिसः भ
 कुल्लकलिउंभवभउडुप्रवमडुनः ३२ गगभ
 उभुयेनडेठविधत्रगरउंघ यमभकुल्लरमन
 उधेयंरिलगडिउतिः ३५ भकुल्लभउभठिः ध
 रिधुरडिमकुल्लभे धयेभउडुकेठपिगभुभीक
 इनीडुनि ३७ भकुल्लभउभउत्रभुधंभधभउ
 नः उमिउंभुगउंयउंयुधनेदिवभंयघा ३१
 भकुल्लएलिकलनेवएगडुभउंभकुल्लमेवन
 वविडिविलभिमेटभा भकुल्लभउभल्लभउ
 एगनिकिल्लभगिउनिमयभवपुकिगभम
 डिभा ३३ ॥ उडुडिभुकरलकलएगयिकनभभनः

३३

०००

मि.
उ.
०३७

220

इभुं वभनंगमभिष्टैवाकंमभजिउभा इलथकी
 सुंरुंभेगभनेकुडवाकुभा १० यधकिभनसी
 सजिउरिधुनिधुनवविनी पुनयेमंभयाकुपुभु
 वरुकिगलिउभा ११ सुविहैधकुगुनेधकुः।ययै
 धादिवतउ सुधरिहूनभनेधउनेडीमभमद्रय
 भा १३ १०धउकुइवमकुसं।उधभनलंयसा थ
 रिधसुडिउविहूनुधुपुधुधुठवः १० सुभदेवे
 मभरभमकुरेसमिर्वमिउभा कलिउलगमठ
 गिदीउधुधुवैउया ३० ठवनभाउभेवधुःध
 पुपंकउउंगउभा लगडभाकुलंमकुहैधिधिउ
 कउभिव ३० लयभधुःधुपुंउंनयगभविम
 २०३ यधकिभमिलयसुउधनगद्विवसगि
 थः ३३ किमठवगजिनेकुधुभेदयेनेकिउंयसा ।
 मिष्टुवविमयेभनेनमगजिनेकिउभा ३३ सु
 विहूसंधु।उकिविउगनकुनभा ननेवृएल
 कलनंसधुरेवेदवद्वि ३२ सुविनससिउंमैउं
 भनापवकरहलभा भनेहूवपनभनगकंधरि
 चहडि ३५ पुगुनभीकोमेःधुविनससयकेवल
 भा नकिएनगडिउरुडि विनसंधुधुधुउभा ३०
 सुमकुल्यनभेउ सुविकल्यमसगभिमभा भनःमं
 भापयहसुलेसेनउधयहउ ३१ सुविकल्यवि
 कल्यसुविवेकंधादिउंभनः।भनुहूउधभगभि

भ.
 उ.
 ०३३

भनः ॥००९॥

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

93

सुभानेसधुमुके थ० इमसुमीः प्र० प्रः प्रः प्रः प्रः
 निम १५ भक्तं विवेसमभेयः कश्चिद् भवदुर्लभः
 वक्ष्ये किमभवे भवभित्तवगिरिः १७ भवनभ
 भलीपलं सियरे मरकटगर्भा धर्मपत्रगः कनु
 सैलं ललउदृष्ट ११ भक्तयश्चैव इमं भुक्तलिनः
 धुधपारिः भविवेसभुगएभुगएकथिदृष्ट १३
 मथलैलुभएइनं सभेसभापभाउभा उवरेकु
 नुरं कुं सधमभित्तधम १७ विलेकयविठे
 उवरेकभित्तपरेलिकभा भी० भूपवभसुदं
 उवरेकु इववनिभा ३० इदं कुभित्तनेधिक्त
 ककुभमयिनी नन विरमनगीरं भयेवधर
 भाउन १० इमं सभलीपलभेरे गायविग
 रिउभा सत्रः भवविमानभुः धकमकुलउमि
 व १३ भक्तं भववभभुवे विवेसभिमन्त्रे इमं उ
 रयडिकगकीलं उभेवीषीभित्तधुमः १३ इमं
 नरगभभुः सधुः धरभवेगवना मेवलेकेन
 यभुः सत्रभुः सुवइव १५ भक्तभभुधपराय
 धाउवेभभवमक मेः सुवइवकीरभगरेभ
 कं धाउभा ३५ इमं भुः सुवः धाउं कयउं भली
 धेरे एवेरायनमीलं उभुडिभनित्तभाउः १७
 धुधयभभुकुन भुकेसं धुडिउभुयि गणोडि
 धमगसीमकभभुधु ३१ इदं वडिउभिं
 सुभुवभुवदुर्लभः एलमभुनिउमभुम

१३

केदुपारंयस ३३ भद्रसुभनभक्तुदुवनंविदुधुठ
 सुधुपधदिउनलमेठभंचीरविदस सुसुभले
 कयभभेउनेउडिधजिवः निद्रुभुसिउंभयंन
 युरडवेडुकः ८० सुभनिभेधयद्युधुगणमिउं
 भक्तुः वदुवलेकयत्रसुलिधिकमदिउंभभ
 क्यभलेकुधिदुधुसुभभुगिउंकाः सुधु
 क्यभभदुदिठीनिकउंयस ८१ उंभुदुउय
 मउधुनभउडयदुनि वीउगणेधनिदुधुः धगन
 डधुजिउः ८२ वेपिउकुनमित्रभे सुधुपधलिउंलि
 उः कयदुभभयंमुपधुजिउंमिउयडीडिदि ८३
 वदुः केवलंडनिः भद्रमिउमभः मभगिउंदि
 मचदः भुभिउंनुकणुव ८४ विरुणविभयय
 लानिः भद्रभुसठभः निभयकिकुल्ल
 लाः धरुयदुदुउव ८५ धुसमभभठ
 लनेकेलफनः सनेः धुसनुधुधुधुधुः भ
 भेमभिवनलिउभा ८६ भद्रकभभगरेम
 मसिउंभभजिः विधीमडिगमधालुयम
 गणविवाभः ८७ विउविभिउरिगिउय
 उयलनउयठवभेकनिधः ८८ मिभिउम
 धिदुभिधुंभिउंभुजलिउववधुधुधुः
 ८९ ॥ उधुधुकरलं डनुएलेधगधुने ९०
 सुभकनभभः ॥ ००३॥ मीवमिधुः ॥
 कउडिउयनधेयभभभकीधडिः धुवम

भि.
 धा.
 ०७०

100

भनश्चिभल्लनभियल्लुडे ०५ सुनहसुविवेकं
 किमेसकलवसन्नगभा भनोधपवसंयगिभनेन
 मगधडिभडु ०५ निहभगुविवेकसुकसभालीन
 सीलडा पुनेडिविडउमेडेवडेवविदुयमलभा ०७
 डडिण्डभगीडुडुडुडेः कडिगननभा कुधया
 भाभमीडिं सुंभभाडुडवधुलडा ०७ गगणगग
 भासुदधमीलिडविनेमनः गडेकिभडा वल्लमभि
 धुधेधडवभापवः ०३ सुधगडिभभुभासुदहिय
 वभिडभयिवडे सुमत्रभाडुभलेडुगडुभिनुभि
 वधुडे ०७ गेनुएल्लिकभलेडुपुवमगधकम
 निव वडुंदिभभुडुंमभुभडुधुवीवडुडकः ३-
 एल्लएल्लएल्लनकिभडुवडुडुडभा भिनभ
 दधभवेविः दधमेडिभुसवडुभा ३० मिडुमि
 किमेवधुधडुडसडसडुयः भुमडुभाधमेमिड
 भगिमेडेनिवेमिडभा ३३ कुवयंलेकधदयव
 डउधमेवेमिनः कुभनेभेकमयिडेविडः भुठ
 गधरः ३३ सुधुडुभभकल्लनंभनभिधुडिमेक
 कडमिमेकभभडेडुदधभडिभडाभधि ३५ डर
 भासुदभगडुनंमभडुगधसठभरः भभसभ
 गिकेलेकयनडुडुभुमसिडभा ३५ दधुवन्नक
 भेडभिसुलीः कदमसकुलः भुडुडेभुडिडु
 भुमडुः भधुगिवाल्लरः ३७ डडुडुमपनेडे

३.
 ३.
 ०७३

धुमहेधमकमत्रिव गणवन्तयिउंमिउंवाउत्रुभय
 मकुमे ३१ गण ॥ इकविदिपपमउमकुल्यं
 कुरुनमपचउधउनकुल्ययभा कुलसिपयिभ
 भइमकुल्यंकुविदिठवावलिउमुयधुमः ३३
 उयउधुमकुल्यं लव ॥ धाउनेगणपुविपेनभम
 नः ॥ ०५ ॥ गण ॥ मभिरवमयंमेनेनवन
 नमीयः वभयभाकुल्यमुमकेरडवनरः
 मभिरवमयंमेनेनवन ॥ ३४ ॥
 धनडवभुंउमठयभहुमंकिः ३ यवमहु
 गउरगकुविमुभुगिकभुयभा गभगलमकुदि
 उभायीभयडवभुयभा ३ चनेनकुभिरुधेकधि
 डिक्कगलिरगलिर कल्यउधवनउ मकुमा
 धल्ययभा ५ कुलेकुभमंलेलाभमुमुमु
 गःकिः ५ धुमभुववनकपुनकुनुभानमः
 उउमिभलयकुपुभुगवउकेयभा उधमलनुम
 लिःधुमभुववनकभा ७ गनुभुवउभगय
 मेकेरभमरंरभा उवगभिवनिठउंकल्लेलःभुल
 यधुपेः १ उननिलविल्लेलनरुंनीउभिवगल
 न ठेगकुमलेडनमुभुःधुमनमयभा ३ म
 किडनभनःमुनुभीमिउभिवकुठरभा ३३ःभुल
 यनिडगुलगकुमलेडीधभा ७ निधकिडर
 नीकगंनिचोडभल्लंभका मंभुउरुमपदुभः

०

५

७६३ उवाचनः ०० उद्दिगीयमिव कसं उवाच भूमि
 वधुपिमा पद्ममं भागगमिव मंसु कंसु के एव मा ००
 ह्युमेव विउं मे उ प्रत्वमेव रुधे एव मा चर्यधु एव
 मंसन भएव ह्य पल्लव मा ०१ चर हं भद्र मा ह्युम
 रिद्रो ये मभा गत ललने वै रुधु निरुत्र कल्लव
 रुव मा ०२ कस्य मं न मगी सुधु प्रभु उ कज भ्राये उ
 भद्र उं मिने उ उधु उं मी मता भय ०३ उवा हं भय
 गी मति रुधु ये मिना विवे किने व सं म रे भद्रु
 उ उ उ उ उ उ ०४ उ मिने न गति व रुधु कं भु उ व रुधु
 लं उ मा ग सभा रि म वं पित्रः यं मु उं रुधु व रुधु
 उः ०५ लधु रुधु भु ये भु कल्ल लः ध उ रिः
 य उ रुधु रि ध रुधु भु उ न ग भिव रुधु वः ०६ य उ म
 ध मि पा ये रुधु रुधु उ वि रुधु लः भु ले क रुधु ल रुधु
 रि रुधु रुधु मी व न रुधु उ यः ०७ प्र व रुधु रुधु
 भा उ रुधु कि रुधु रुधु पा व रुधु मा रुधु रुधुः य रुधु रुधु
 रुधु पि रुधु रुधु ल रुधु ०८ उ रुधु रुधु रुधु रुधु लं मं भु
 रुधु व न रुधु मा भ रुधु रुधु य रुधु व रुधु मे क रुधु व रुधु रुधु
 उः १ रुधु ल रुधु रुधु रुधु रुधु रुधु रुधु रुधु नील
 रुधु ल रुधु म रुधु ले व रुधु रुधु रुधु रुधु रुधु १० भयि रुधु ल रुधु
 भने रुधु रुधु रुधु रुधु रुधु रुधु रुधु रुधु रुधु रुधु रुधु
 रुधु रुधु रुधु रुधु रुधु रुधु रुधु रुधु रुधु रुधु रुधु
 रुधु रुधु रुधु रुधु रुधु रुधु रुधु रुधु रुधु रुधु रुधु
७६३ उवाचनः ०० उद्दिगीयमिव कसं उवाच भूमि

भः
 उः
 ७७३

[illegible]

३६३ उतुवकनः ०० उद्विगीयभिवकमंउमभुमभि
 वधुपिमा पदुमंभागगभिवमंसुमंसुमकेरमा ००
 सुमेवविउंमेउप्रत्वमेवकधेरवमा सुमधुएन
 मंसनभएगहपल्लवमा ०१ सुगहंभकमभाहम
 रिमोपेदभागा ललनेवैरुमरिदुंनिगत्रकलर
 वुवमा ०२ कसममभगीसुधुप्रधुउकजभापे सु
 प्रहउंमिनंउधुउंभीमउभय ०३ उमहंभय
 गीभडिदुमुपेमिन विवेकिनेवमंसमभेभसु
 उउउउउः ०४ उमिनेनगडिवाकंभुउवकल
 लेउभाउ सुभाडिभाउंमिपत्रःपंमुहंहउवक
 १ः ०० लधुकमधुपयेधुकलालापाःधउडिः
 यउमुरगिधधुभाउनाभिवववुवः ०१ यउम
 धमिपपेहंमधुउेधिलःभुले कमजलकु
 रिफुधुहमीवममवाउयः ०२ प्रचमरुम
 भाडिहिकिहिकुपावकमा सुहउदःपाकम
 रंहापिदितानुध ०३ उउलाभीरिधधुउलंमंभु
 उवमनकमा भकुहयउवगेकुमेकलवविफा
 ३ः १- सुलधितभयउधुउंमंसिनीलउ नील
 ललमभालेवउपउपेनकुहउ १० भयिधुलध
 भनेधुंभुयउःभाउरुमः गडुवलधिनिलेनेय
 मधुधउभाउयः ११ मिरंमीउपुगःपिपत्रभउधि
 सुउवमनकमा कउरभुमलिउडेउलेकलपउरिगि १२

मः
 उः
 ०७३

32

मि.
उ.
१७८

वाक्यद्वयमेव तत्र कुत्रेभ्यः धिः समानः
 वेदः कृपितोऽपि लिख्यः ५० उद्देश्यं च वारिठ
 इदं मीयते भिजे भूले रधि निभयः वल्लः भू
 धायः ५० सुमेतुः मभयः ठा ठवा भिः वभवे
 केनाधमि विमद्वे वल्लपमज्जलः ५१ उद्देश्यं
 यो मनः सत्तमं भूमेकं सभयित्ता भयवीर्यं तद
 तमिदं यथा प्रभो भू ५२ एतद्भुल्लसिधेयः भूतः
 भूक्तं भूमेनः विमुक्तं सभयः तमेकं पदं मेतम् ५२
 भंगः कभिवत्तमे भूत्तं भूमेला गतं कभेन स
 भूधाय भूत्तं वल्लि विवभि ५३ उद्देश्यं
 गतं भूमेन सभयः भूमेन धिः पीवकः भवीति
 भिवसा सत्त ५४ उद्देश्यं सभयः भूत्तं भूमेन वि
 सिः भूत्तं यद्भूमेन विवनेन नल्लिग्रय ५५
 भूत्तं यद्भूमेन विवनेन सभयः भूत्तं भूमेन सत्त
 वत्तं यद्भूमेन विवनेन ५६ नीलं यद्भूमेन सत्त
 भूमेन विवनेन सभयः वेदः वल्लः सत्तं भूमेन
 सत्तं यद्भूमेन ५७ कल्लेन भूत्तं भूत्तः भूत्तं
 मीयत्तं यद्भूमेन सत्तं यद्भूमेन सत्तं सत्तं भूमेन
 यद्भूमेन ५८ विकारितं यद्भूमेन सत्तं यद्भूमेन
 यद्भूमेन यद्भूमेन यद्भूमेन यद्भूमेन यद्भूमेन
 भू ५९ सत्तं यद्भूमेन यद्भूमेन यद्भूमेन यद्भूमेन
 यद्भूमेन यद्भूमेन यद्भूमेन यद्भूमेन यद्भूमेन

कवभापि ॥ ५ ॥ प्रलानिदलमङ्गभा म्पि ॥ ३ ॥ भुमङ्गुज
 कुमङ्गुवमम्पि ॥ ७ ॥ बालकभुङ्गुज ॥ ८ ॥
 भुङ्गुमि ॥ ३ ॥ भुङ्गुमि ॥ ४ ॥ एल्लरहे ॥ ५ ॥ मङ्गुलडलिङ्ग
 लिङ्गकम्पि ॥ ६ ॥ ३ ॥ भुङ्गुवयंकीलेमिङ्गुंकीमभ
 कम्पि ॥ ७ ॥ भुङ्गुंरगङ्गुलेदङ्गुतुमङ्गु ॥ ८ ॥ ७ ॥
 भुङ्गुमि ॥ ९ ॥ नल्लक मलीमलपी ॥ १० ॥ भुङ्गुमि ॥
 ३ ॥ भुङ्गुनेवेभुङ्गुमि ॥ ११ ॥ भुङ्गुमेकेकाङ्गु
 उनाभुल्लवमङ्गु ॥ १२ ॥ भुङ्गुमि ॥ १३ ॥ भुङ्गुमि ॥
 १४ ॥ भुङ्गुमि ॥ १५ ॥ भुङ्गुमि ॥ १६ ॥ भुङ्गुमि ॥
 १७ ॥ भुङ्गुमि ॥ १८ ॥ भुङ्गुमि ॥ १९ ॥ भुङ्गुमि ॥
 २० ॥ भुङ्गुमि ॥ २१ ॥ भुङ्गुमि ॥ २२ ॥ भुङ्गुमि ॥
 २३ ॥ भुङ्गुमि ॥ २४ ॥ भुङ्गुमि ॥ २५ ॥ भुङ्गुमि ॥
 २६ ॥ भुङ्गुमि ॥ २७ ॥ भुङ्गुमि ॥ २८ ॥ भुङ्गुमि ॥
 २९ ॥ भुङ्गुमि ॥ ३० ॥ भुङ्गुमि ॥ ३१ ॥ भुङ्गुमि ॥
 ३२ ॥ भुङ्गुमि ॥ ३३ ॥ भुङ्गुमि ॥ ३४ ॥ भुङ्गुमि ॥
 ३५ ॥ भुङ्गुमि ॥ ३६ ॥ भुङ्गुमि ॥ ३७ ॥ भुङ्गुमि ॥
 ३८ ॥ भुङ्गुमि ॥ ३९ ॥ भुङ्गुमि ॥ ४० ॥ भुङ्गुमि ॥
 ४१ ॥ भुङ्गुमि ॥ ४२ ॥ भुङ्गुमि ॥ ४३ ॥ भुङ्गुमि ॥
 ४४ ॥ भुङ्गुमि ॥ ४५ ॥ भुङ्गुमि ॥ ४६ ॥ भुङ्गुमि ॥
 ४७ ॥ भुङ्गुमि ॥ ४८ ॥ भुङ्गुमि ॥ ४९ ॥ भुङ्गुमि ॥
 ५० ॥ भुङ्गुमि ॥ ५१ ॥ भुङ्गुमि ॥ ५२ ॥ भुङ्गुमि ॥
 ५३ ॥ भुङ्गुमि ॥ ५४ ॥ भुङ्गुमि ॥ ५५ ॥ भुङ्गुमि ॥
 ५६ ॥ भुङ्गुमि ॥ ५७ ॥ भुङ्गुमि ॥ ५८ ॥ भुङ्गुमि ॥
 ५९ ॥ भुङ्गुमि ॥ ६० ॥ भुङ्गुमि ॥ ६१ ॥ भुङ्गुमि ॥
 ६२ ॥ भुङ्गुमि ॥ ६३ ॥ भुङ्गुमि ॥ ६४ ॥ भुङ्गुमि ॥
 ६५ ॥ भुङ्गुमि ॥ ६६ ॥ भुङ्गुमि ॥ ६७ ॥ भुङ्गुमि ॥
 ६८ ॥ भुङ्गुमि ॥ ६९ ॥ भुङ्गुमि ॥ ७० ॥ भुङ्गुमि ॥
 ७१ ॥ भुङ्गुमि ॥ ७२ ॥ भुङ्गुमि ॥ ७३ ॥ भुङ्गुमि ॥
 ७४ ॥ भुङ्गुमि ॥ ७५ ॥ भुङ्गुमि ॥ ७६ ॥ भुङ्गुमि ॥
 ७७ ॥ भुङ्गुमि ॥ ७८ ॥ भुङ्गुमि ॥ ७९ ॥ भुङ्गुमि ॥
 ८० ॥ भुङ्गुमि ॥ ८१ ॥ भुङ्गुमि ॥ ८२ ॥ भुङ्गुमि ॥
 ८३ ॥ भुङ्गुमि ॥ ८४ ॥ भुङ्गुमि ॥ ८५ ॥ भुङ्गुमि ॥
 ८६ ॥ भुङ्गुमि ॥ ८७ ॥ भुङ्गुमि ॥ ८८ ॥ भुङ्गुमि ॥
 ८९ ॥ भुङ्गुमि ॥ ९० ॥ भुङ्गुमि ॥ ९१ ॥ भुङ्गुमि ॥
 ९२ ॥ भुङ्गुमि ॥ ९३ ॥ भुङ्गुमि ॥ ९४ ॥ भुङ्गुमि ॥
 ९५ ॥ भुङ्गुमि ॥ ९६ ॥ भुङ्गुमि ॥ ९७ ॥ भुङ्गुमि ॥
 ९८ ॥ भुङ्गुमि ॥ ९९ ॥ भुङ्गुमि ॥ १०० ॥ भुङ्गुमि ॥

भु.
 उ.
 १०५

[illegible]

मि.
उ.
१७५

१ प्रभुः। पदं कृतं विपद्ः। यत्रियमिव भाकृ
 वद्यपेमीभुं अत्रमिउवधीवरी ३ भुनः प्रभुः
 वद्विभुतिः प्रभुमिठनभा भुनः भिवद्विभुतिः
 धम्मविपयकभा ४ भुनः प्रभुः कृतं सभुनः
 कृतं उः कलः इव नदं एव नदं एव नदं ५
 उयभदभभा भुः भयवद्विभुतिः नदकेमि
 उयभभं वद्विभुतिः नदकेमि ७ सीः वद्विभुतिः
 विवमेन वनः नदं मिः विल्लिः वद्विभुतिः
 धल्ले १ कलः इमिः उयभभं वद्विभुतिः
 नयः २ भुः कृतं सभुनः भुः कृतं सभुनः
 व ३ भुः कृतं सभुनः भुः कृतं सभुनः
 कृतं सभुनः भुः कृतं सभुनः ७ धीः क
 कीलः एनः कृतं सभुनः भुः कृतं सभुनः
 मवलीकः नः उलेनीः धनः गभाः ०० कलः इ
 उयभभं वद्विभुतिः नदकेमि ७ सीः वद्विभुतिः
 निलीनं वनः कृतं सभुनः ०० ननः कलः इ
 धधुभभं विद्वः वधुभभं विद्वः नदकेमि
 विद्वः ०३ यमिः विद्वः नदकेमि ७ सीः वद्विभुतिः
 धनः सिलः उलेनीः कृतं सभुनः ०० कलः इ
 कलः इव नदं एव नदं एव नदं ५ उयभभं वद्विभुतिः
 वद्विभुतिः ०४ भवः इव नदं एव नदं एव नदं
 लीलः भायः कृतं सभुनः ०५ भवः इव नदं एव नदं एव नदं

केमभाः ०५ म०५ लीकल्लेकेडिग्रम०५ म०५ ललल
 नैः भायंएललगां यउभिनुगदुरमैरिव ०७ मवि
 ५ः।यविउधुनेद्विधीधिमिउधेमयः नुगकदुडवि
 डीउपगरेडेरभन०५ व ०१ किमवकुनरेडीललम०५
 केमउवयवः मडेनिरभुरेभेठम०५ इडुज०५ वेधवः
 लरगुग०५ अडेनभुल्लनिकी०५ इडुगभा भुगउन
 भिवैकेनभभुडुडानिकुरिसः ०७ मगवकेधुएडुं
 मधलुलपडुभमरग०५ मभुधुनरनेडुजुडकलडु
 वडभय १- गुकीडेएः कडयेवडुवडु विकरि०५
 ठगयेयभिवडुडीयविडुडिं०५ मभुडुः १० भूए
 नवधुधः मभुधुडेडुडेधेमयः सुयधः धरिविडुडी
 उविडुधुक्का०५ इमिधु ११ एगुडुगमकधेडुं मंधय
 भिवयडुये सुवकील्लमभुकील्लम०५ ललगभुमिधु
 मधुंजुडल्लकं०५ धुएडुधेमभभुडुय रेगवधुडि
 डेनेवडुडकः भिगुडुंगडः विडुडकडुगुल्लनं०५ वडुड
 भिवगमुड भुलिगवधुधधुधुयेडेभभडिडः ११
 उडिडल्लगुडुभुल्ललिगडुकेलेयरेकम भुडुगः
 कडुनेनगुभकडुमिडेन १० मगभगव०५ डुडु
 डुडल्ललेनिमः नीडग०५ डुडेनभकंविधिनव
 नैः ११ रेभडिः केरिधुधुडेः सीडेनेडुधुडुम व
 धभभुजक०५ वडुडुः भलिल्लविडुवः १३ सुय
 लिभुलाय०५ डुं०५ डुडेकी०५ डुडि०५ कल्ले०५

०१

१३

म.
 उ.
 ०७१

भद्राष्टमं कृतः कलक पुकलः ३७ वनेगालि मनेन
 मीरकेकरमकुध भद्रीभलिनगणे वेडलधुरन
 यिउभा ३० मरिडीउधमकुजं कुतं वडिसपरिलि क
 लेरणगकुकुजं कुतं नधमिनः धीउं वरुधवमने
 मभा कुडान्नेगेरमः इकुलकेधुंरुपिंभउः मुनध
 येयम ३३ मसमनभंभुजान्नेगेरकुजकुडलमि
 नः विदुडवनवेडल म्भिकठिदुड ५३ व ३३ व
 गुगविधिनमुधुववुजं मगधदिलिभा मुसा ५३
 विवकुजं पुडमकलइएः भयभयभयेलेकः
 म्भइएलभयेः पगः एलेलललउं नीडमिसस
 भकुजयमभा ३१ इडिउधुभगेभनभेकुडिउये
 मुसाभुभगिउधुंभुवधिवउगिनी ३० ककु
 ५३भेदे विदुडमरुडिदिया मरेडकुडयदेक
 कुरणगेनेवककुमभा ३१ इदेभापगभंगभिसर
 वधिनिनगमिय मुझीकुं निमधुनेनठसेवमिउ
 धुदः ३३ विकभित्तेकउकगमुं धरिदुडरणेः
 मुकुलवजभाइदसिगभुठभयधदः ३७ मुक
 ककुलकेलभनरकेकुमुभिध ३५मुधुडवीए
 नंभुधुयेभेकवधुयः ४० वगुगमिभाविदुकन
 रभुननिमयभा कुडिधिवकुजनेनभागेधुधरिवलि
 उभा ४० धभरीककुडुधुविमुउसिरभाभय
 मुधुममुविकलनसेधुधुधुवसेगिलि ४१ वि
 लेलपलधुय मरवेलाभयभय मभउत्रम

الحمد لله

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

प्रिविकननमा भागगेमिउमिवसुधुवाकमिव
 सनिः ३ सुकांभरलेकीनमभुसुलभभुलभा
 निरत्रहृथधुविहृकसुउमययो ७ नववति
 धनवृउमधुनधुमिदिउ प्रउमरकलेमिसु
 गउवदतिभकउ ०० सीलभमरपलभमवउ
 प्रिवलिउभुम वनभुलेधुसुउममिधुवलिउमि
 व ०० सुकांभरवकीमभुमभमवधवकभा मे
 धिउमेधगदनंठममेधउलेधलभा ०३ धांभ
 प्रमरभवांभुपिउमेधभानवभा निरत्रहृथ
 नीयमेमेधुवमभुलभा ०३ कमनलभरीसु
 धुभल्लनदिधमभुलभा वउउमेकउधुवववि
 वाकहृउधुमभा ०४ धानीयसकभेइकसुवले
 कुनरधुमभा सुउथाउउमंमेधभीमउकलभान
 वभा ०५ धउगुमनभंरधुकिठिउमिउलीविउभा
 सुधुगुमनभंरभुलभुमनभभुलभा ०७ भं
 भसधुनिगीलेगुयमिगधिकलेधुमभा मधुक
 मवमगुसुवनधमभायभुकभा ०९ महेउम
 उमंभउमभुधुधुववभा गधुमरगधुगुनि
 गीलवनमगिकभा ०३ धरभरधुविधुमरजुमि
 कुपगलभा करिगुमनभंरधुभउकिउवभा
 भा ०७ धनीनिगुलेकेकुमिंदमभाठीधलभा
 महेउगुमनेधुल्लेकमल्लनउवभा ३० निध

100

३३३

कर्मभानुर्भनेवाडिचैष्टविपुलमभुभाः ३७ नम
 साधुरिकैर्यंभयभनमिभेदिनी चक्रभुगप्रवेष्ट
 उनिहंसधुरिकः किल ३० यत्रेनभूजयनेकंननु
 चनेष्टुल्लिखिते इतिभेष्टुल्लयंभंभुजैल्लिखित
 यभा ३० सीवमिधुः भठयभवभंभुभकगभउ
 मकिल डेनभूहृष्टेचधुंभयउत्रभुः सुउभा ३१
 १० सुडिवकलनविचिडाङ्गनयनिरामिउभिहंस
 भंभकगुना समभुधगभिउथरंभठवेधरभभयैधु
 मिधवनंधंउडा ३३ ॥ उडिधकर साधुरिकै
 धगष्टनंभभभुभा ॥ ०३ ॥ सीवमिधुः ॥ धरभ
 कुरल्लमिष्टेधरभादिनी कलनधरभभा
 सुकलकलनभुभा ० सुभेष्टुवविभेष्टुभुभा
 वंभुयवाडिध धनेष्टुउमुउभेष्टुमिगयधरिभल्लि
 सुभेष्टुवभनेवाडिधुनविभुगयडलभा सुःयंयैध
 भकभुवेडलभिवगलकः ३ भवेष्टुकिभकः
 यभभडंनयडिधभा निधुल्लकभनेवाडिधु
 कगभिवकलका नयभहसडंभुभहसड
 गडंनयड भनेवभडिधुयंभलेगलायगेधिव १
 सुभेष्टुयभल्लभुभेष्टुभेष्टुभनवडः सुभेष्टुभुभा
 उष्टुभुभाडाडिधिसभभभा ० सुभेष्टुसडुभे
 उकलकभल्लिनंभनः भकविधुभडिल्लुभभुभु
 डिधुल्लभा १ धहजलेकिभनभिसमिनेष्टुयडम

[illegible]

ॐ
ॐ
ॐ

ववमैउभङ्गाउङ्गांयुगभा ५ नुदुधप्रभुवगिदुधप्रभुदु
उवडिनः १३ भनैल्लयभनेवदुभापडंयगिरेपव
भा भूतः भूधुधगदुधुभरुधुववतुनभा १४ लि
उभनभिमवेवविल्लिउवेनुयवली सीदेउमयसप
उमयेभेजिकभालिका १५ भवः भिउयभुदु
धयानिचिकरय भभयभुदुयनिदेमिदुदुभा
मिदुदुय १६ भवठवतुगडयनमेदुविदुवय
गभदुसडयभुकभधिरुसभंरुभा १७ भनै
वज्जिउधुभनैधभलया वदिनिगिभरिदुभ
भभदुभगलीलय १८ एगुदुभभंउवमुनयदुभा
उधुधुभा वनीदिउंयविधउंनयदुभाउभभुलभा
भुभादुभवठवतुभलभाउमभदुडिभा भनभुः
दिभउकपंडुधंभाएगिउवमुध १९ भनैधवयुड
भेडिभुकमेधुधुकमडभा दुवेधुवडभेडिमिदु
जिकरिउंभनः २० धुं कठिनेउंभेडिमुदुधुधि
धुमुदुभा भवेउंभुधुयडिमिदुजिकरिउं
भनः २१ सुभंभुधुयडिउंभुनयडिमुदुभा
विनैवरेसकलकुं सडिधुधुयडिमुदुभा
मुदुभंभेडिगविउधुधिरिदुय ठेरानभुडि
भाधुधुनभुधुयडिउंभुनयडिमुदुभा २२ यधुउंभुधुयडि
नधुधुयडिउंभुनयडिमुदुभा भुदुयडिमुदुभा
भनभुय २३ ५ नुदुधनविनैदुभनैनुदुयभनः
५ नुदुधनविनैदुभनैनुदुयभनः २४ भुदु

मं.
उ.
१००

मि.
उ.
१०१

धायउंमधुमायंमधुमिडांनृतिभयकभा मज्जवति
 नेयेकउंपिऊंनृधराधुकन ०० सुधीरुधकभा
 पुनसुधिरुगगुधिल भनःधुसभभाउं विनान
 भिसुठगतिः ०१ भनैभराभाउंभापुनधुपुसं
 विर निःभयभनहनुभनिहनुभिकेहउभा ०३
 रंभिरुवेमनाकुंउभनःधुसभनसुयि पुउधरेसभा
 भुजभहृय कयसुभा ०४ भवेभवेगउंसाउं
 बुद्धभंधउउभा सुभहृलनसभुकिनेसिउंगरे
 यभा ०५ सुभंवेमनाभापुभिकहृलनननसने
 साउंमुहृउवधुधुभःकेवकमज्ज ०७ उंभक
 भनभाउंभहृलकलियउभा धुधउंनसंवि
 हनयसिउभसिउभा ०८ उंभकधमवीभकांक
 भधुभभंभिरभा सिउंमिहृकिउंनहृमिहृमधिध
 उंठव ०९ उंठवधुनयभंजियुजःधरभयपिय
 पययभनभहृगुधुमिउंमिउःधरभा ०१० ध
 रंधीरुधभाधिरुनीहृमिउंभसिउभा उंभक
 धमवीभेदियउंनभिनमेउभा १० भंवेमनवि
 धरभभुधिलगिरिवचलः लेउंभसुभनेरभा
 धीरुधलवसकु १० सुनहृगःसुयेभलभन
 हृगधुवउं लंउंभनेरयेयेनइलिकीविरणय
 सुभा ११ नमभुमकनेहृउधययभुभनाग
 धि भठवभउंभकउंभंकेवकमज्ज १३ सुधि

३३

उभनमेतुपंगीवृगीवैकदुधिलः ३ श्रीगमः ॥ कषभ
 तिलेलमुवेगवेगैककेरलभा मल्लतभनमेवृकल
 जेविनिवदते ५ श्रीवमिभुः ॥ नेरुमालुलडादीनभनः
 कुमनमृमुते मल्ललेहंभेनेपमेवद्विपमेयमेधुडा ५
 येधदिमल्ललभनममिजिडिडुभाभुडा उंविदि
 भनभीमजिंरागमरुधुगदिकभा ७ भनभन
 रुडवयेदमभउर्वनेहते उमभियिडभनमल्लल
 भननमृते १ यउमल्ललडादीनभनमेधुडा
 भावमउधः मभुमिहउमेकेउमुते ३ भनेविलय
 भते ५ः यमगतिरवपुते भनेएननभते ५ः यं
 रभवपुते ७ ५ः यभुदमयदुमेरुडिः मिडगदभा
 भापयननुठेगयउधुपनेनधउय ०० उमुमल्लल
 उयेभहविहनाभमेमुते वभनधनधीउंविम
 ३० विनामय ०० सुविहयवभनयउयउमि
 उंसउय विलीनयउगवमदुंमेयेपिगमुते ०१
 यउमभमेउमुयममुंमिडुएहयेः उमनः भुमुते
 गभमुयमेलयिडरुडिः ०३ एहनुभननहउं
 हउकउयेहय मेउएउडभायगिहउहभवमे
 नदि ०५ विवेककनुभननमिहंसगुउयभनः मि
 उेकउभधयगिहउहभवसगिहभा ०५ येरुध
 ॥ धुपनेनयमिनेवधमेभनः धउउउमंभुपुठव
 उहभलेदिभा ०७ सुः धेकधभमिहमिडभन

भि.
 ३.
 ३.५

मेरुमा विसेकं धरुमा धिनिगमकः भिरेक ०१
 कवठवनयधत्रं भनमेवनमेवनः कल्लुडुडुडुडु
 भडुधयेभिनेडरः ०३ भनपवमभजंवेभनभेम्
 रुनिगुके सुगणकः भमः भुडुडुगधवनिगु
 के ०७ इल्लगुणय कीडनं संभगल्लवंगुमि
 सुवैरुडुमाननं सुगंधुभनपवनेः १- भनमेव
 भनः किडुधामं धरुभरुवनम। उरुमिउनेयेनडु
 नभपवनेभेडुडे ययिमेडिभनेनभीवभनपव
 मिडुडुग उंउं धरिगेरुडुडु उंउं विडुडुयिठवेड १५
 केगीधवभनं डुडु डुडु डुडुयिठवेभनम। कव
 कवेडुडुडु निचिकल्लः भयीठव १३ सुठवन
 कवनयभुडुवठवनरुयः पधपवभनेनाम
 सुविडुनम उमुडे १८ यडुडुवेडुडुकिडुडु
 भवेरुनं वरुमा सुभंविडुडुनिचल्लं रुः यंभवेरुन
 सुवेड १५ येनैवडुडुयडुनभंभः भंधुडुडुल्लु
 कवडुडुवनं डुडुडु भविडुभरुगेड १७ गगारु
 येभेभनभी भिडु सुवडुडुडुडु सुभवसुडुडुन। डु
 डुडुडुडुडुडुभभुवीलं भाडुडुसंकेभभुपेडिडु
 डुः ११ उडुडुडुकरुल्लपुगवेडिधमेसंभकभने
 नभभनः ॥०००॥ सुविमिडुः ॥ पधकिवभननि
 डुभमेडुवयडुडुडु डिसडुडुडुडुडुनडुडुगधव
 सुडुडु ० सुविडुविडुभनेनभुडुडुडुविडुडु ॥

१५

नमो वाङ्मयीनः कवामभुक् सुखमाजुः १ भाठवले
 कवभुल्लः मधुगुभविमगय नमुवेदुद्वितीयः पेश
 नुमंलहुतेभय १ नमुउदुमउ किस्मिद्विद्वेवभु
 वभुव (पुमिभालिनिविभील्लवविप्रगदुतेयषा २
 सुविकल्मजउनेउाठवठवन्नभदयाना निहउउ
 भिउमुहुमममरेथयदुनि ५ नमिकउ किमेउ
 मत्रियभमभउउव एकभिविहभनेदि किंकेन
 दियउकषभा ७ भासकउठवभुल्ल किमकउ उ
 येकते भापुंभापुभयमेयउमपुंठवन्नध १
 कउमंभुमभजहठव कउरभुदुका मभजह
 मकउधिकउवदुनंजक ३ मउंभुमेरुभयउ
 भिषुभुमेवभवेमउ ७ धमेयैकभजहदुजम
 जिदिकमाल ७ येदुएलभापिलंभायभयम
 वभुकभा ३ इकाभुकधरेभकेयैभामेयमभुयः
 मंभगरीएकालि कायैभाविहुरभुदुका एभाह
 विहभनेवभगीवभुगउंगउ ०० येयभठेगिनिः
 भासभभगभुमदिका विहुरावभनेधभासे
 उभीभेदमयिनी ०१ मरुवंमालेवउः सुदुनिः
 भावकेएग भगिउरभुमलेवनविम्विन्नविनभुगी
 ग्यहभानधिरुसेनगुलीउंनैवयुल्लउ भिहृष्ट
 उगीह्लागुनिनिन्नरेमिगिरेदिउ ०२ मभुउभुव
 एठभाममजेनेथयल्लउ इमिमीउरभुठभका

म.
 ३.
 १५

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

003 11

१०७

कल्पनाभूतनेनभीविद्युतेनदिकामन ०२ नश्येतेनभि
 योःकिंकिंभिभिगडये नमकवविकगलं भड्डामन
 विद्युते ०५ केवलंकेवलनठभंसवसामभुभडाभा मे
 एनथागकिंमिदमभिदविद्युते ०७ सुभिद्विद्वि
 सुदेमिद्वेनिरुपद्वे सतेमभमभभठेगनिचिक
 मिद्विनि ०९ येधभुठवठिगडंसकलेपवठिधय
 भा मिद्वेद्वयभभानभभानाडनःभडाभा ०३
 एकभभुचगदेवःइचमकेमफडनः विठणकल
 नमकिंलठगीवठिडभुमः ०७ एकभिमिद्विडेसा
 उघानकिंनविद्युते मकल्पभडेगडभभिमिद्वि
 धभभुनि सुडःमकल्पमिद्वेयमकल्पेनवनसुडि
 येनैवएडेनैववकिंललेववयन १० धेनैवडे
 गमिद्वेनठेगसभुभडंगड सुमकल्पनभडेभा
 विद्युधगिनीये ११ नकंभुडेमिद्वेयमकल्पेनवनसुडि
 सुडेभनः मवठेडेमिद्वेयमकल्पेनवनसुडि १२
 मकल्पःधभभेवठेसुमकल्पेविभुडडा मकल्पमः
 वरिण्डाडुहभेसुमिद्वेयमकल्पेनवनसुडि १३ सुभुभयभुडे
 भिनलिनीदेमभभुड ललवठुदभभुधभगवि
 गमिगभुग १५ उडुःभुकरठेगमिद्वेयमकल्पेनवनसुडि
 भभुलैः विद्वमभुभुकरठेगमिद्वेयमकल्पेनवनसुडि
 लभा १७ विद्वमभुभुकरठेगमिद्वेयमकल्पेनवनसुडि
 भा भनःधभुविनामभुयभभुलेनकल्पेनवनसुडि १९
 उधेवैयभविद्वेयमकल्पेनवनसुडि मधलनभाय

भि
 ३०
 १३

[illegible]

वलवग मधनः मगलं भवेत्सर्वविश्वरूपं वरमा २३
 नैधुलभिडिमकुल्य दुष्प्रभः येन न सुति पूर्वस्त्रीतिम
 कल्लोर्लनेहडिउमभायमा २४ उमभंभुठमं कुल्यनु
 कडभेडिवधनः पूर्वैरैरुमकुल्य दुष्प्रपचनुपावति
 मल्लमंमगल्लमेधं दुर्विहं मेडिसंभुती यत्रुविम
 २५ मजः धरिनसुडिउडुः २५ कचनीमचठवणं
 भवकुडविभेकिनी उपली धादनेनमेधदुवदुवि
 नमिकी २६ भनियरुनभनुडुडुवेविदुयचउयः ।
 मल्लमंमगल्लमेधं दुर्विहं मेडिसंभुती २७ उम
 कनेनभनुनंठवेधनकैरडियः सुतुसुडनयेनभ
 मतिभपिगंकुडि २८ यरुवेवनशीमंउरुहृमि
 नविहृउ यमिमंठडिउडुसुमातुभेकभनिहृनभा
 भननीयभनेभाननुडुः कभुकभजः निविकर
 भननुडुभनुडुभययनुल्लमा २९ धरंथेकधभा
 मिहयत्रुडुभयपिया ठेगमठवनंमिडुडु
 भलभलभकुडु ३० यदुमेडिथेभेकैरुगभ
 ल्लकुगल्लमा सुसाधसमैरुल्लभीवभनउडि
 हृमठ ३१ भमभुडभभयनभयंभेकभिमंभमा
 डडीयभिवृणलेनवभनैकविबल्लडि ३२ सुतु
 पवसगीरेभिमिल्लिल्लेनवणवड सुविहृय
 वभनयडुठठवगदिगडिः ३३ धरभजेनउ
 डुल्लभभल्लभिमभिल्लमा सुडुडुडुडुडुभे
 नकल्लसनकिहृन ३४ माडिहृवीगिगिहृ

भि.
 ३.
 १०७

भाषिमुपुधनःधनः मैवत्रेवविमिरेयभविह
परिवृत्ते ५० उमेरुनभउ नमुतिस्त्रनभउतः
भंविहउपरिमुहउरुभिवहुराङ्गीः ५१ भादि
हृचीनमीसंययवि हुराङ्गीभभा नविहउ
मुउहृङ्गसंभादिप्रिहवकिउभा ५३ उरुभयवि
कल्लेमुवहृनकेपकल्लिउ स्त्रनउकेवनिलीउ
वृङ्गधधिरुगिभा ५७ भाठवहृठवहृमु
एगदिमंभगवभनः मुनपुवृङ्गवेनकिभह
उवेगिभि ७० कसुवहृएगउप्रकमेठवविग
अव यमउभापदःपहंभवमःपरिदीयो ७०
यमदिकमुहउनेदधवमउ ५५ यैः सिधुये
धिनैकउमेदमेदवेउमु ७१ ठमुमदेयमम
देनठमुउवविनः धवनमुउमदेनमेनपु
विनमुति ७३ मःपिपेदेभापमुहमिउिउनी
अहृठ मुनेधधउमिउमुधरेदकमजना ७४
भिहैवनउकारिहृभनेभननपीनय मुनयमुः
पमधिहृभहृमेदभलानुय ७५ मनुविमु
भपदेधिहृउरिगवकल्लनभा नरकंमदेभंसे
मदःपेभभनमुये ७७ एललेलेमुकल्लर
धधमीउलवीमिध भरमुभागरुधुङ्गभनउध
विहृमु ७१ नठेनगरनिहृधंउहृउनमभु
भाः मध्रमिधुवहृयउविमिउभापदःपमः ७३
भंभगवभनमेउयमिनभनपुयेम उहृउमुभं

गन्धः कंनयेयुषिदधत्तम् १७ मृदुर्गोवर्गवी
 मिनरकान्तसम्भवाः भिष्टुल्लुनेगो यत्तिष्ठनेध
 वनकुम्भिव १० मृदयचेपिउंमेउ विभक्तुयधिक्त
 १७ मृदुपिल्लभंभवावसन्नवउविभक्तम् १०
 मृदयेपदउमिउगृण्णवकिभंभित्तः उभुयस
 लनेयगडियनयेष्टः सुधकिनः १७ उभुयस
 धरिउष्टवसन्नंठवववनीमा भवठवभयीउष्ट
 नीगणधुलिकेयस १७ उष्टुभुवकदेधुमाउ
 रगत्रगीदना धुलिकेयवमिउगल्लभुडिभिधु
 निगल्लुउः १८ विगडकेउकमभुमाभिधुयाय
 दिक्केधिसमेयकिनीलय वगपियगगगडिपु
 कउत्रियाउमभिकेनभक्तनभयीमे १९ ॥ उष्ट
 उष्टकगल्लयसकधिसमेयधरिदुर्गेधमेमेनभस
 नः ॥ ००३ ॥ वल्लमीकिः ॥ एवभुजठगवउवमिधु
 नभक्तुन गमः कमलधउष्ट उन्मीलिउडवव
 ठे ० विकमिउउः करल्लः मेठभलभधायये
 सुसुभुभमभिद्वील्लधमेकलेकवनिव १ उष्ट
 विभयभादुउमेष्टुभिउभिउन्नः मउगमिभुण
 योउगुभिभंयसभवसस ३ मीगभः ॥ सुदेनमिउ
 धमेउउष्टमउठिगदुयः सुविदुमानयविदुय
 भवेवसीदुः ८ उमंउष्टुउंयउंउधममिदुग
 इये सुविदुयधियत्रभममिदुवसमवकिउमा सु
 सुः मंसगभययनदुष्टुमिदुवनदुने उधंभमवव

मः
 उः
 १००

नंदः। पकृ० ॥ १०७ सुठसुठनं पदं ॥ रीवि
 विधयंगः। सुविदेकैर्कर्मिषु ॥ केमेनेव भद्राथका
 भा। १- सुविदेकभयं सुभनेविविपय। त्रिभजं नन
 कगविदोरे ॥ परिकुभडिमं वडा ॥ १० उमेरिरेगि
 तुडियगि वल्लडिननेडि भनाणवसगीरेभिन्नसगीं
 कसमन ११ यमगा। कथडिनेदेरग्वेवभागविद
 घा यमकुल्लेठभुयं मगीरेभिंभुषभनः १२
 सुमलेमकुल्लेकारः धामपेधवनेयम। सुगटेव
 भनेमेदेभिउमेदेनमेडमि १२ भवेधुभायपुः। यम
 भवभकुल्लनभुम भनः कडुभनेठेकुभनसंविदि
 भनवभा १५ सुडडेम। वहुमिधुडुनुमिभभा
 सुडभा लवलेभियेसययउ ॥ सुडलडुभनेकुभा
 भनः कडुफलं सुडु सुठवसुठमेवव। येवेउडु
 मेउनेउम कल्लयगपव ११ कडिस्वडुजुलिउने
 लवलेनपुनेनप। एकउकेधविधुनमिडिउभनभा
 मिगभा १३ धिउभदेभेभभकावृणभुयभुयग
 कः सुडंउडुजुलेणउभुयलेभनेभभायभा १०
 उडिभाडिउभनभाकडुभभुगभाडिउः गल्लभ
 यडुमीकायंभविदेसभकीधडिः ३० यडिगल्ल
 जयभभप्रणयभभभननीन। मेवउवडुयभा
 मडुल्लयभाभयवकुभा ३० उडुंयलभनभ
 भनभुधवनाउरे ययेसंवडुःभणुमेवविधुल
 प्रणया ३१ सुडेकुडिगपवेकुमेडुभवभुगमि
 ॥ ॥

भ.
 ३.
 १००

1878

३.
१०१

9

मं.
उ.
१०३

100

देवतुंगुरेण। सुपः धर्तारालवतुडवयण्डिराला
 तुरभा १७ कश्चिदंभाउयेमीजसुप्रएगुडयभितः
 कामिदुनः पुनः सुप्रएगुडुप्रभुमेतः ३- सुप्रनकु
 भिरितिसुधमभयेज नन विकररुधमनुठे
 ठिवा सुधुः मभडगभिसागविमर ७ ठिवा सुधुवे
 पविमलेधुयभाडनीडि ॥ ३० ॥ उद्विधुकरल सु
 नकुभिकवत्तनं नभमजः ॥ ३० ॥ वसीयेन ॥ ३
 मंभपुधमं सुनकुभिमभकल्लयानध नययगुड
 यमेधभडे कुयेनिभसुमि ० वमडिउठेठेनव
 मिनेयेगकुभिकः मभडुठिभउत्रनभिमगएवसुठ
 भूमः ३ सुवरेपविदुल्लुनेउमिमं सपुकुभिकभा ३
 जिउल्लुयभितुज कुभिकमभुकाइरभा ३ मभएव
 वेपेभमकु वेडिधदयनभनी मभेवेपेनएविचंन
 रुदुयः सुवेदति ५ सुनकुभिसुठेसुगएधुसभास
 मभडुडा विमगेदिदिगीयउउगीयउत्रभानसा ५
 मभुधडिमउगीधुउउसंभजिनभिक धरुजकवि
 नीधधुमभुभीउदगभमडा ५ उमभउमिजुगभ
 जिभसुं कुयेनमेसुउ एउमं कुभिकनंउभिमनि
 वमनंम १ १ जिउः किंअठाएवभिमयेमेदंमभु
 मभनभा वेगगुधवभिसुठिसुठेसुउसुउयः ३ म
 सुमभनमंभडेवेगगुधुसपुचकभा मभमभभुव
 ठिउउसुभविमर ७ विमर ७ सुठेसुउमि

३०
 ३०
 ३०

मं.
उ.
१०५

[illegible]

३०
३०
३०

मं.
उ.
३०१

3-

[illegible]

५०७

ननु वरुण उभयोरुमेकात्म्यमप्युक्तम् धरमप्युक्तम्
यमचं यमोनेधलपयः ३८ मिमभमठिमेडुस
धुवमः मभग यममिदुमभमभयः भवेणग
मः ३५ ठवभुमविठुडभिषः धुठवकिडु
नमंठवडिभधुवैविधमल्ल निरतुरः ३७ नथरभर
मधुवधुिनठवनंभिषः मरुमेभममं वधुमल्ल
मडैकभलम ३९ उपभमभुगयडैकमेकडुमेवन
तुष मिमिडभिलिडम सुधुयेमेडिमेडनम ३३
लकुण्डनभिलिडलडंमंधुडधनम नममिडु
डैरेडुवलम ४० मुमिडुवड ३७ मिडुडिमेडु
कडनंमभिलः नुमिड मिमयडुमिलेकेमि
मलेकेनवेमनम ४० मरुधमल्लमनंनडुडै
मिमडुकाः धमडैदिधमडुनपरिल्लभुनकुये ४०
मिडुयवरमः मभमभरुडिमेयमल्ल पेंकुमवि
धिमंभुवंपुभमभमभयेः ४१ लडुमेडनेधेन
नेधलमिडुमभम मिमेवेधलजुमिडुधिल्ली
भिलिडमिड ४२ एकिकेवंगडुधुधुमिडु
उडमम कभुधलपुमेभंदिधरभमभयंयम ४२
उमपुनतः मंधुवंधुमुडैनेधलडै भवंमवधुकर
रुभनतुभिवयडुडम ४५ विसुंमभडुभेवडुडिडिड
डुविमंवर मभडुधुविमुनविमुल्लमसाडुमेः ४७
परिडिडिडभडुनेमकिडुनधरिडम मडुल्लुनग
मीचल्लभिषः धुमिडुनेयम ४१ नेमसकल्लेय

उभयवर्गस्य पदव्यभिचः कश्चात्र भेदस्तु उभयवर्गस्य ५३
 निरुत्तरमनाद्यहं भागवति ३५ कश्चात् स भुक्तुमभ्युक्तिरस
 कं धेनेव दोषादः ७३ मित्रं न भुवमेव दुःखं ३५ भवदु
 वेति म ठवनिम्वयवकुट्टमिलपुनधनिम्वलः ७४
 पुनः पयमभिनैमिउं ३५ कीर्तिमिउः ३५ भजभनजने
 उगजनेकमहमे ५५ सुभउमिउयमे ५५ येषवगतिवमी
 कः ३५ धेनुववृद्धीनां मकुममनिकडिउ ७५ मि
 उं उभयगिरिहृयेभिसेभिभिर्जेठव ठवठवनयभजे
 युक्तधरभयविउः ७५ सुभउयेनवउनेमेउमेभउ
 इधिलः ७५ भकननकमेकनीउकालविगसुउना
 इधगलिउभनभकनठवेठवठवधरभुधगगभ
 लाङ्का भमिरभधिविगगिउं नल्लुभल्लभल्लभपुनि
 भानभपुकिडिउ ७७ उडिउपुकेमिउठव
 भुडिथपनंनभसतः ॥ ७७ ॥ मीयसिधुः ॥ धुसभं
 एउभउ ५५ वधुंभकिडिउडिउभितवडिनेवभडिभ
 धे ५५ ठविउभ ५५ नवगधुवकाधरिउयेभविहून
 मीनिवदः ॥ सभसभुभल्लनभेयक म्मेउडिउं नमहउ
 उनेविवेकवः ५५ धधुकेयेधमेयविमग ५५ धरेयउ
 उनेमोमुठसुठियानं विवेकवभधरिउठवडि ३
 उविवेकवमैडिविमग ५५ यामभुनेनभभुपभनं
 हल्लः ॥ संभगवभनउभनभुन ५५ भोडि ३५ उनउभन
 मीनभविवेकवभभवडीलेठवडि ५५ यदेवयेगिनः ५५

७३

धर्मनेम्यभुमेवमहुपतिः उभुसाहुमनउरुंगगा।
 यमउमवामावमउडुमुउ। कम्कलेननवमुउडुति॥
 मुषावममवमउठवनउनवमहुमुति। यवउ
 चत्रधिवरुवत्रधिमउपममवमुपमिउधिमउ
 डेव। श्री॥ मनभुमहुमवमहुमउजचत्रधिन
 कगेति। धमुत्रधिनधमुति। नालभुउ। मेवोनतिमुय
 ति। उवमनउमुकेवलभवमुपुपुवहुडवकुउहुक
 गेति। नउठविउमनकुः उनेयेगकुमिमकवनीभापि
 उरुडहउलीनमिउः कतिमिउं वहुगनहुमुमवसे
 वरुचत्रधिवरुपमउठवनउरुगति। उदहुकवति
 उरेणीवकुउडुमुउ॥ नठिनकतिमंधुपुनधुपुम
 ठिमैमति केवलंविगउमहुः मंधुपुमनवउडे ०
 यधिरगधवपुउउउउंभापिलानुगभा भउडेभवकु
 देहुवमनभुउरुंगगाः १ मगीगतीडवतिमुमगीम
 धवठव भागः मेवामहुमहुमहुविगउमयः
 इयपुनिमिउधेवमेवगेभाउमिउ ऊउः। यभाप
 गभकुउमर॥ लानुनी २ मुववुगधिकमहुउवकुः
 यनिमेममि मुविगीयेमिउहुमिउवुवः कडव
 इनि ५ महुउकेवलंमेवधवभा ४ मयः यभाप
 मकालाहुपुउउउउमेडिनलीये ७ मुविनमेमि
 कम्हुविनमुभीतिमेममि मुभाहुवमनिधेव
 नमः कडवपुनि १ धरेकधालउं यनेधलक

मे.
 उ.
 ३३०

[illegible]

भुमंष्टवकपणं सुभुविउउउउः सिद्धुकेडुडिनभानि
 कलिगनिदउउउः ११ विधयेदियभयैगकदभद
 विवलिः येधसुदुनकुडिदिभेयभपुगमिरुयः १२
 पुकमण्डिरासुसुभिंउभिंमिदुनि सुठेगाप
 दिरागद)सुसुडिउविधुडि १३ वडुसुडिउके
 रुभेकमयेगिउभा यनुसुडिउके वडुसुभिंमु
 वेउ १४ सुमेकसेवउगभनिचिकल्पमिरुदेउः ल
 सुठयविधमगाष्टः ऊउभेकः भभडिउः १५ सुमेक
 कलेकदलललुमिठिरभदयेः किंअचऽवडुडिउवि
 कोलेकदिदुयमे १६ मायऽमिडिउपसुदेकोयऽने
 भागेउ सुभभुपमिनेपुभिननसः किभसदः १७
 यमेउमकुभनेधिननिरुगभगभभा मिडुगभस
 विह्लेयः भुभेनसगीरकभा १८ मगीरभभडिवाभुभा
 नेधरागइये ह्लेपुह्लेपिभुडेगभनभुमेकेननसुडि
 यनीभनिविमिडुगऽऽपनिधरिधसुमि उगिनस
 चपऽमेकसुनगुह्लसुमिरुदुनः १९ भनेभनभ
 डीउह्लभेसुदुभिवभुड मिडुसुनभभभऽयेः
 भायेवाधरिगह्ले २० भंविदुडुउरभभ/डुविमिधु
 मेकपह्लगड सुहसं वभनंयगडिभदुऽपभिवधु
 एउ २१ सुभमेकडुडुउरभभभुमेकपह्ल नभुकिंन
 भनधुधुभयेननुमेममि २२ भंउरवयेउरभभ
 कभनभवय निरिमुधुभनेनभुः कसिधुपनधुग
 ३ २५

भ.
 उ.
 ११३

以

उभयमयभा ० सकुडुभरहं मगगेनेमिडुभडिउभा सु
 म्मेषुकं सत्ररुवनभनिदुं प्रथमसत्रभा ३ ठविधुगनिम
 लं मिउभंसं भिवेदिउभा भकुणनलडाधठभधुवउका
 डिउभा ३ मद्रुथमधिनिः सुतुंडेराः भोगभिवधुगे ३
 डुरुएल्लभिवपेम्भुभनभठिउभा ४ मद्रुल्लभ
 वदुएठभनकुडभमयभा कस्रउधुठिठनभनकुमि
 डिउभाभुम ५ निःभरभपुडीवउः भवंधुधपल्लेय
 भभा कुडाकसभिवकवरठभरं सुतुभउकुभा ७ म
 रमकुभिवगुडभल्लहुद्रायभाद्रपि वल्लेहभल्लह
 वदुसुभनभवभुकभा ८ मधुअनगरडाकरभउनि
 सुभनउकुभा मिउहुनभिवेहुल्लभरसंसरभादडि ३
 धुकममधिनिमुएगसिइकनल्लवडिउभा सुतुहुं
 भनेगहुगभिवभहभवाभुवभा ७ मिइधकाकरडव
 भग्भोगहुवल्लिउभा सुतेधुकमिउंननेवल्लभाकरि
 डकुभा ०० मधि५ गुरुभासुतुं मत्रमयभिवेडि
 उभा धरभगेनसुधुडिहुडेथेल्मवधल्लेवः ०० उउं
 रुभभगडुकदलीभुठठभरभा सुठिउडा ॥ ५ ॥
 धुवुकुगमत्रकवडिउभा ०१ सुतुभठवद्रुथमधि
 धुइवडिउभा वधुवुमभिवफेगिसुतुभउः भकु
 इधः ०३ उभाइकभहभभविमिउत्रकयेमयभा नी
 कउडवविभुगिग/कीउंसत्रकिडुन ०४ लउंसुतु
 भयंसुतुकेभंमिइरभाभवडा किमिउकुभयेभुडि

भः
 उः
 ३९३

३३५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 वसुं कमे जी दु भिव पुनि ३ सुतु उठ वापव सुलगो वि
 दुउयम इम बुद्धे म भापिले भि डि म भु भन पुषा ७
 प्रच पु सुं भन पु सु ठ वै द रु ध म पु डि सु म पु भे व उ डि
 उ न म भु रे व पु रु उः ०० सुतु उठ व भे व उ रे ल ग रु सु
 भु म व म व ल यि रे ड ग पु डि न पु व पु र सं का ये ००
 मि रु क म सु रे पे ये ल ग रु पी डि य डि उ म सु यं भे क मि
 मं पु थ ल क मि उ क ल रु पि ०३ इ म भे क मि थ पु पि
 उ म मं व रु ग मि म सु यं क ल रुः ०४ सु यं भि म भ म
 रु नी ०३ सु यं क ल रु उ म भे म क ल रु उ म भः सु
 ये म भ न पु र भे क व रु व रु म भु म ०५ ल रु नी म नि
 क ल रु न मि म भु रु क ल रुः इ म भु रु रु नि म य ५
 भ वि धु मि म पु येः ०५ ल रु मे म थ रि ५ इ म भु रु उ म
 ग डः इ भ नि पि धु रु ल रु नि रु म क ल रु क ल रुः ०६
 भ रु मि रु र म क म भ न रु उ म न रु क म य म पु चं मि
 उ म पु भि रु वं क म डि सु य म ०७ थ र म भ म रु सं म रु म
 ल रु भ रु मि रुः सु रु व रु उ म व रुः भि रु न य रु डि य
 रु नि ०३ सु य म उ म भु रु येः म भु रु दी रु मि रु इ रु रु
 नं रु डी मं रु उ थं न म रु डि रु म ०७ ने रु डि न म न रु डि न
 य डि न म य डि रे भ रु मि ल रु लो य नं म वि रु म रु व
 म ल रुः ३- इ भे म नः ५ सु रु डि रुः सु रु नि नि रु ले न
 रु मी व रु रु रु ग नि रु क रु नि रु रु १० इ रु रु नी व

३३५

9

म.
३.
१३७

1888

म. उ. ३९१

[illegible]

[illegible]

ठजवभुडकीविमेडवभापवः ०३ भाधारवतलभुष्ट
 विवेसावनेडनन गगनमभरेठधपल्लयेवधादि
 नी ०७ उवासेमेल्ललिडल्लमकुदेकयगिर वसेमभ
 रभानदिक्लिभवल्लिडाकरभा ३- धमुभलेत्रुवम
 नमभलीकडकमुकः सुतलभत्रवप्रगडिभाभेधकि
 भनडकः १० धादिभाभतल्लनगघमीनंइमुवलिभि
 क कथमुमुपमनभापेविहिभम्वरिडुडभा ३३ मेरु
 म्पिभभनदिमुमेरेवभदभो पु... यामुवगएउ
 नरभहेः कमुमन १३ वसदिउधेभभदः पु... येरे
 तुरजयेः मयः करेडिनिः धुं सानुभाधमिडिधिय
 नउमभाययेइभायेडभिकुवेनेसा येमधरभदगनगी
 मेरुः धमभजयेः ३५ इहमभदनेनयंमभासुभु
 भिभानम मनुधमधरभाधुयमगनिसिजभडुडी
 मंभदजभाउधनेनउवरणीवभिसुदर मनुंसुभमध
 नेनमकेरीमधलपयम ३१ भमिभांमरलीनीनं
 इमंरीकथल्लवैः मुलिहुभाउमंपल्लमडुमुहुमय
 उर ३३ इडुडुधमभाइडीसाउधुपडिडेगमि धु...
 लिडल्लिनयने भउगविवभाइगी ३७ इहमभडीउ
 इविल्लमकाउेविल्लेस(उमुभवनमुलीध कि...
 लुगेगनिलप्रलिडभभडिगिदिवधमिनीम
 अडिधकल्लकनवेधगएनेनवभडभः भनः ॥ ०
 ३३ ॥ सीविसिधुः ॥ इडिमिउविल्लमेनमिरभुडेवमि
 उःभियेः पु... येरुनवभुमी(उमुयेमसभागभः

मे.
 ३.
 ३३७

भद्ररामभक्तुलयावैद्यभवभद्रा उरुतेनउद्यमा
 कंक्षुडियेनभलेकुन ३ विह्वंभउंभभदेमपद
 शिनीधुम उरेधुभावादिहःभद्रमगलकित्रैः ३
 धीउभिकुललधुनिमेवैःभद्रभयनभा धरिणल
 इणलनिलयेधुविलभिन ५ गगुमेउरुधुनल
 उरेलभलीलया शिरंवलभिउंयुःभद्रविह्वमी
 गलेः ५ नरुनेधवनकेभेभेलेववगिपिः रुसभा
 लेलउंनीःधुमेःभद्रसाभुवेः ७ वलदेभलउण
 लणलिलभयगीधुम रुउभउभगोभैगवीधु
 शिनीधुम १ कैलभवनउलेधुउयभद्रविलभिन
 केरुपवलगाडिःरुधुउगगीडिः ३ गनुभा
 दनेमेलधुविमुधुधुभिनधु भेउनकनकभेरे
 धद्रभठिभाभुः ७ लेकलेकउणुधुविमिउ
 दकविधु शीडिउंउकभेनगभेउनउयभद्र ०० भद्र
 उरुकेधुभचंदरिभद्रकैः भद्रभद्रभभधुं
 लिभभभद्रिः ०० श्रीगलवउलेधुधुविभद्र
 रिः श्रीभद्रउयगभनेधुधुधुभद्र
 वचनगेधुनलीनविभनेभे भधुनउयग
 धुःकलधुनगिगः ७ सुधवभभभेभुः
 भद्रभभेधनः भापंमउदगभुधुधुभद्र
 भद्र ०५ धुधुभभभनउउधुभभभले ३
 धेवभभभनिधुधुधुधुधुधुः ०५ धगलभ

भभुमिहृदयननननः मित्रापरवसेषुः भभिगीवद
 उठरः ०० धाउधुर्वनेपुमिनुयभभमीयय म
 गीरंमउपययंमिलपाडीवनित्तः ०१ भंमीलयेम
 ककयेमिडेवभनविडे विसेरउभयेमिनिनीडि वि
 र्गोयय ०३ उइविविमउम्वुं डेमिउरमिखलक
 भा भुलेयाभधेइसुमलिताभुथरेणमउः ०७ सा
 लीभकुजवचक्रकमलेषुद्विरेउभः मोरुपुसु
 नागहनुललेवधुमकुपारिः १० मुरयउमनाः भवेम
 लेषुद्विरेउभाना नथामउभभेठगुनललेवधुमकु
 भउइववपिठलः भउइववयेमना इधवमभगीर
 धउधु विवकुले १३ सुधधेउमवडेकुसुतः भगन
 भइउ धिउनुदेयेवनवगुडीभविभुभगकः १३
 भलानभभरभीभकुभगीरणभद्वनि इडेक ०१
 उवहिंलडावरवेनेयय १२ ररणभुडीडेभल
 लयभभससकुभ लठयंभुजनेमिहंथइमिहनिम
 सुठ १५ सुधभलवकुपमुयलेद्विरासठगउभ
 भलममसभगडापइभकमभगउभ १७ उंम
 भानवकुडीभजनभकठविडा म्भुमकुमुभालि
 डेकधिनदिकवठे ११ डियल्लभठभेमुमसलठि
 ललरकभा ठडेइवरयभभसभभलभलवकु
 उभकुउविवालयउभेवचकरलत्तरः भलवमोपि
 लंगलेपुठिपकुवनंयय १७ भभगडभुयभभ

भि.
 ३.
 १३-

अभिन्नलवभकुले सकलविभाषीगणं सवसुखरसं
 उभा ३- सुखकलेनभक्तमण्डलद्वयमेतमः सवि
 यदंभिषेयदेवमभ्युदितेविषेचमण ३० भगवत्पुत्र
 गरीलः भक्तमण्डलकलेचरः सपुत्रमनसैषिलुङ्गा
 लधलभवल्लभ ३१ स्यात्पुत्रविगो ॥ वचका
 तिमयेनम भगवं भक्तमण्डलेनिगीकठिननक्षमः ३२
 सुवनीरभगणपुत्रः ययतिमयमेभिनः सुवद्वेव
 लेभेकीरिधनउंगः ३३ भेदवृक्षपथिउठेगभक्त
 मनपुत्रम सुविवेकिनभक्तनभमण्डलनधगय ॥ ३४
 लकोरेनउठेभ ३५ सुसुक्तलिउमयेभ ॥ भक्तभिवभक्त
 कः कउक्तमभक्तिपुत्रम ३६ ३३ः कभक्तनकुक्षुभंभर
 सुक्तमुठम सुसुधयीविगणः भक्तवक्त्रमउम ३७
 उमेवकभक्तमिउचनमभगंमउम ३८ ययत्पुत्रम
 उभुगुगुंमभपयये ३९ कः यंभभगउठेवमिउय
 उभुगुगुः भंभउठेनभक्तः भद्वेमेभक्तनधः ३९ सु
 कभक्तः सुविवेकिनभक्तनभमण्डलनधगय ॥ लकोरेनउठेभ
 उक्तवक्त्रमभक्तिपुत्रम ४० भक्तमण्डलेभिद्विभेभ
 उक्तपुत्रमभक्तिपुत्रम ४१ भक्तमण्डलेभिद्विभेभ
 विद्विभेभ ४२ कलभक्तं उक्तपुत्रमभक्तिपुत्रम ४३
 कलभक्तमभक्तमभयनीरपवनउधय ४४ भक्तपुत्र
 उयं उयं उयं भनेः भः ४५ उयं भनेः भनेः भनेः ४६
 उयं भनेः भनेः भनेः भनेः ४७ उयं भनेः भनेः भनेः ४८
 उयं भनेः भनेः भनेः भनेः ४९ उयं भनेः भनेः भनेः ५०

३३
 ३४
 ३५

मि.
उ.
१३०

ममेभं वक्रवक्र ७ मरीगनु भूवक्र सुउसंक्रुगुधय
 मेधुः १ यद्वयनक्रुकेलेवभगायति १ भू
 नभरले सुभभिवरभंभभभ्रुति मभुनिलवि
 लभेनलुनिडावनक्रुभिधु ३ भनेवग कभवलेनठि
 इवनक्रुभिधु कसतीवति सुक्रुभिधयामनुभालय
 मसयतीधकंसुहं वधुगुठिगुठिभभा भायगहृराग
 इधुधयगउमेठया ०० उधेधउधुभंभिकवध
 ललहृगभा धंभनयवनेउने सुधुउनेवउधिता ००
 सुधुकधुवमलिलेलाधेधुदउगण्डुउ तगनिकर
 धेनकिउत्रेएल्लमगमे ०३ धुधुधुधुधुधुधुधु
 भुगगिगिनमीगरे उगभनउमीक्रुगवनेधलडवभि
 उ ०३ वक्र सुधुउउतीमधुगण्डुगण्डुकरिनी सु
 रल्लकीविलेव सुधुमधुभयेमी ०४ गगधुधुधु
 कीनउउधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 भगधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 उधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 उधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 भल ० नक्रुतीधुभमिल्लम ०० उधुधुधुधुधुधुधु
 मवकलेव वल्लनंनंभभनः ॥ ०३ - ॥ धीवमिधुः ॥
 सुधुवधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 धेधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 नाननभा सीभनुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 उभा ३ मधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु

७

१३
 १४
 १५

म.
उ.
१३३

[illegible]

333

भागविनेहो उचर किछनभेदं मदेयं भनभाउषा
 प्रभङ्गकल्पुदियरेभङ्गुगीरं विनामुते कल्पनभनभाप
 कृपुगधः मिसुनायषा २० मिउभेवकभगधभङ्गुउउउ
 भुमुते इउङ्कल्लमदेतेः कल्लनभुविभमुते २१ सुयं
 मेदडंनेइभिमभङ्गमिमिरः इमंभठरविकरउउन
 पवठिपीयेते २३ भनेदिलीवल्लीवगएनिङ्गयकउ
 याउणीः वरुङ्गेठिभानिङ्गवन्नइदिमभेडिफि २७
 मेरुवभनयामेडभुट्टनिभुनिमेरुय भाजिवगलि
 मरीगलि भउीवधरिपमुडि ५० पुलेकयडिमेरुडंड
 रभभयंभनः मरीरुवनंइङ्गुधरभंयडिनिच
 डिभा ५० इउनभुवभुइभभभयइयिमंभुडे सुभ
 नेरभभनेल्लभुगभुगउरंगडभा ५१ इमभेसनभेड
 कुमेदंभङ्गकउरे भुयउंवेवभंभङ्गनीडिङ्गिनः यणे
 यषा ५३ इमभङ्गकउरेभुधरिणउगकधम नङ्गने
 इनधल्लभुलेकधल्लेधरेधम ५४ भनेमउडगउभु
 विभुगंमीलेवभुङ्गीम सुभेवडभकउरेः धदमः धदि
 नीभिव ५५ डीवभंवेगभभयनः सुभङ्गलेधकलिये
 वषभुइमयेरेनीकउडवमचरे ५७ भुभनउ
 भेभेउंमः भिउङ्गपयवल्लमः मधपाउउयभकंक
 लपङ्गकल्लयषा ५९ वेवउंउडिउरुनउभेवमरी
 रकभा कुडकामभभभभुवभुययभरणउ ५३ सु
 भीदिउलेमभलेधुकेभलेधुभलीधडिः पीवीरुभभ

म.
३.
१३५

हृत्पुत्रभक्तभने उपसुवडिउभरः भमङ्गयाउलेभिरुः
विविधविधभवभननुवाहुगयमिरकगङ्गकगल्लक
एगम्। एगडिरुगडयेनिभधुयडैगडनउगभमक
ननभुलीध १८ उडिभुकरले कल्लवाहुंनभमन :
कल्लः॥ सुहुङ्गभउरङ्गेधगङ्गुगगीगुनिले
गिरिवरउगडि १७ अथसुंथाडिउभरः ० एगवन्नद्रव
लघीरिगुभवेदियुभः उडवसउउधुसंभिरु
सुधाभिरु १ यलीसुभिरुनेदुधुंउंभुभनेदुभम
उभभनीलुविहनेनेउभसुविलेकय ३ उडुजेरग
सीमेनकल्लेनभभरुधिन भनिः भसिउयभभसु
नङ्गुउनेयडिउभा ८ मससभभुडेनभुडिउभवसा
सो भुडेमनुभमेध १० वडिदय विधुउभा ५ भन
मरुभभनेभुं कल्लकगगुभंभिरुभा भमङ्गया
उलेउविवेसधुउंरुगुः ७ विभयमेगयगुधु।
कल्लभलीकुकाउया वीउगगभुवमेगंवीउगगेभनि
चयः १ उगुः॥ उगवकुउठेसवालवयभनवि
ला उरुसभमेवपीदेवाइकल्लभलमसिनी ३ न
नकगविकगगुमडेवभट्टुधिनी विरुभंरानय
उधपीरुधुधिरगगुडिः ७ उभेवमेवएनेभिरु
उउरवडियग उधभभुभनेवडेगिनुएल्लविपायक
भा ०० भडुइधुभुगवम)इः किल्लनेविहडे उनेभं
भाउभालेहणः भंभुभवन्नरुम ०० सुमीरुगीवि

६१

ॐ भूँ कलेभेनी उव निडि नियेउचमोमेवइ सुयसुभमे
 मिडा ०१ नउविष्टुउसंभगउयेवयभाथरुभा भंभमं
 वधिगसुभेकदभद्वसंविठे ०२ सुयजकगिनि
 पः भूभमेयजकगिनि कउष्टुडिउयेयंभंभगीठग
 वदिउिः ०३ उमंकदेभिंनेगियचल्लीवंरागडुभः
 यवमेपिः भिउभुवमे सुमरुमिद्वधुयः ०४ उमे
 कदभिंनेडिदेययभुरगगदिउिः भिउभुवमे
 देयाणवरगगदुरे ०५ केवलंउनेयभेयंभनल्लेठेय
 मवयभा रुगवठवेउद्वययउभभुनवसुगभा ०६
 इयेमनीभंभमेवभभरिउभनेयेदिउभा मभइयभु
 उनेरुधुयंउनेयेभय ०७ भवेरागगिउउनंभुमेगी
 नभचग भनाणवसगीरंदियेनेरुठवेउरागउ ०८ ॥
 कलः ॥ मभुपुजंइयवृद्धाद्वगींभनाणवनः करेडिमे
 कंसकल्लुजभकगिधायंयस ३- करेडुउभकगं
 उनेमयडिउउ ॥ मकल्लेनभनेभेकद्वलेवउलकंय
 स १० उयमभभुमेधुप्रभिसुणुनगदिठभरः गव
 चनगराकराद्वभनभिसजयः ११ भुल्लमधिभु
 मंडेउभवल्लधुभकभने भंभेभनः मगीरंमकयेद्ववि
 डिकसुउ १२ भनेभनननिद्व ॥ मउभेउद्वगइयभा
 नभवभभितधुभभिउंनउरुने १३ मिउमेकद्वल्ल
 उयकेमवभनयेद्वय विमद्वइभिवल्लनवनेउयं
 मभडिउ १४ केमवभनयवद्वधुभभजनिमयंभनः

भे.
 ३.
 १३५

મે.
 ૩૦
 ૧૩૧

वेमेसममन्त्रयी ५५ विमिडुधेमेडीयभविमिडुडि
डिःमिवड। एकवल्हयेवफसुडसपल्लडयम
मुल्लडसुडडेमेडिएडुडवनेदेडक पुल्लनठड
मडडुदमधुमःमधुमुड ५७ मुमिडुडेडभीमजि
धववयेसुयामिवः जेडिडुडुवकेमकेमकरःवि
भदम ५९ मेसुयपुडनेडुडकवयिडुडकवधः
भंभरनेमभयेडिभुल्लनमिववरः ५३ यमे
वकवयडुडमडडुडविःधयभा ड्येवपुदेडसुड
सीभुभेवभफनधि ५७ ठविडमजिरपुनभाडुड
नयडिडुड ५७ डनडुभधायंभुवाफिकुभफडी
यम ७० यमजिरमिडुसीभुयडिडुडयडभरः
यभेवडिडुडिडुडभुडयेठवडिडुभः ७० नमेड
भेडुडंमभनवठेवठुडनः वठुभेडकुमिल्लेकन
एनेभुडिडुडः ७१ नभुवठेनभेडुडिडुडयभेव
नडुड ७२ यभुनिरभनिरभयभभेडुडगड ७३
यमेवमिडुकेलिडकल्लेननकिल्लडन केसकीएव
मडुयभनयलिडभुम ७४ डनडुडुधभुडुडवि
कलिडमगीरकः भनःसडुयाडभनमिभनिदे
डिकेडिमः ७५ डुडुडुः ५७ मगुयःमभकुमिव
वीमयः डुडुडुः ५७ मडुडुमडुडिवभरीमयः
मभिकुडभयभनेधरभभुभफभुये मिकुले
विडुडुकेनमिडुडभसगलिनी ७७ कसिडिडुडफ

७७

३३१

कलवामठिनाः भस्मेडम्/भस्मेडम् ० भिष्टुठवन
 यशुक्रनुविकल्पिकलङ्कितः नवक्रवयभिहउति
 स्रयेनहूपगताः १ वृद्धलेष्टगिरिउहं वृद्धलवगता
 स्रधि ठवयंतेविभ्रुतिठीभभठवकुमिध ३ यगा
 ताः भविमैवृद्धभननैककलङ्कितः १०३३३३ ॐ वी
 लामभकमैवविहिव ४ भद्रुल्लुधयैवउमनेकल
 नयैउय कद्रल्लकगुनं वीरभभ्रुकगल्लय ५
 ६ भालगतिविभील्लमगीरंभलपदुयः ११ भ्रुतिधरि
 वल्लतिममतिमदभतिम १२ वृद्धसुभपदुंभद्र
 नैः धवनेयस १३ भ्रुतिनियस्रुतिभयतिविहमति
 म १४ गताः कमिहउस्रुयस्रुदरिहगमयः का
 सिमल्लविभेदस्रुयस्रुगनभराः ३ कसिमहउ
 भेदस्रुयस्रुउम १५ मयः कसिमहउभंभ्रुः वि
 भिकीएडभगताः १६ कसिमहउवृद्धउउगवृद्ध
 भेदमयः वृद्धभ्रुभिकगतायस्रुगनभराः ००
 उएभभंभमल्लेह कसिमहउमभगताः एउएउ
 निपहउउउउउउउउउउ ०० कसिमहउभ
 भद्रुवृद्धउउभद्रुयुपः गताभुडभमेकयदरिभु
 कद्रगदिकाः ०१ वृद्धभेदविः कसिमहउवृद्ध
 वरिपिभ ०२ वृद्धभ्रुगगीरंभभवल्लभ्रुवभ्रुः
 कसिमहउवृद्धभ्रुगगीरंभभवल्लभ्रुवभ्रुः वृद्ध
 भ्रुकभभभभः भंभ्रुउउउउउउः ०४ कसिमहउ

०३

म.
३.
१३३

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ वल्लीवलयमेलनः ॥ ३ ॥ श्रीगुणीनगनः ॥
 नः ॥ करिणीभयभयुक्तिप्रदिउभयविउदलः ॥ ३ ॥ मि
 ननपुमिउदुमिलमकगविधुगुना ॥ यउकपानि
 वेदकहलाम् ॥ धुरगगइयान ॥ उल्लेइललडउधु
 नभहृमिथ्यलपडीन ॥ भमवलधनिदुलुममकुडि
 भिवगिउडन ॥ ५ ॥ धकेभमरकुडधवनक ॥ बालपीन
 माडलं ॥ भमगुमकुडधुमलमगलिउडन ॥ ७ ॥ लउ
 लधुपउधुपगभमनिभमनग ॥ इभमकलायल
 रमगपमर ॥ उंगडन ॥ १ ॥ धमभरठलेथउकुडवि
 रिउकीमकन ॥ पाउधाललमडुडुमकुणनएनके
 एन ॥ ३ ॥ लउविउडनमंसुवमउधवनममिगन ॥ मि
 डनभमनगीकिमनरकुडधमकडन ॥ ७ ॥ पाउधाल
 लनिचगिथयेमधलमं ॥ उणनएनमंभज
 वैडुडुडुएकनिव ॥ ०० ॥ भविउः ॥ कुडभमरधिनड
 लंरगीथलः ॥ भमरकुडयेवउभयभमभमपनः
 ५ ॥ धकगुधिनडुडु ॥ कानुवनकभिडन ॥ कीवनि
 वभपुधुधुधुल्लमपकरक ॥ ७ ॥ ०३ ॥ सेल्लगगमि
 यंभलीउंभसुउंउविउसुः ॥ भउवउंवमभंतीभउ
 धउनभमिडन ॥ ०३ ॥ मलमवप ॥ उभउधुधुल्ल ॥ ०४
 उगदिनीम ॥ भमंभमिउंभपुभचधुधुमयीभिव
 ममसाधउरेउः ॥ कभिंमिउनयंकुगुः ॥ केकउरध
 गव ॥ उंरुवभमभमपगडम ॥ ०५ ॥ मउेविउंभमविउं

ॐ
 ३०
 १३७

भ.
उ.
३६.

[illegible]

मं.
उ.
१५०

मधुपागाः ३३ भद्रपिचः सात्रुपिचैययत्रविभनक्
 उमा भवदः अपयसभुजं संभ्रिजं विगड्डगमा ३४
 मिष्टुधसुभुभननं वेनडुभिभाभद्रमा ३५ मीरभः ॥
 उगवचययल्लठनवे उमकिल भवद्रुधुडुज
 निसीगीग पुनः पुनः ३६ इगुल्लि इमिडकयडडमि
 पुष्टकिभने भद्रनडिमयेरडः धरिदेवनभेववा ३७
 श्रीविभः ॥ सुत्रभुकलनगभया भोरीवमसंगड
 कद्रिद्रिभ भभद्रवृङ्गेठनवडुधिली ३८ भालीमंभु
 घभेनसभेधभभद्रमा कुडकसधमंभुधुवडुह
 वलिगमरी ३९ पुगुधनधुवदे पुविमुद्रमयं
 गैः उमे श्रीरभभभद्रोसनसीडनः ४० विदिड
 वल्लमंभुगडः भधिउगुग कलेनभद्राधुधु
 सुभककलनुधुगमा ४१ इमंभुसभभयगयमभ
 इल्लभुवः उडभुंभुडिमुत्र उमउद्विमेविडमा ४२
 वीरिगोपुनिष्ठधिमभद्रविधुधवना धुंमुमेमड
 सुत्रः सुत्रवेरुधयैरुः ४३ किउभुममिडनमेकह
 लेनपीभग वगुधुधुडिउड घडु मेदेमेदिनेः ४४
 सुभभुसुसुययवल्लीवभयंभुः लेकवडुव
 सुभभुसुसुययवल्लीवभयंभुः ४५ येभगिष्टुगडये म
 लवः ४६ लेकसंभुवदुधुडिउड वन
 लवः ४७ सुवदुगीयसैवगुभुसैवकिलधा ४८
 वमनभगुठमैरुवभयैः ४९ यवसुगी

उवदि ५: पिरु: अं भोपभायभा। सुभंभउपियेपीगदज्ञ
 यवुधवहुवउ। ३३ भोपधुभगियउनिहंरु: पिपडरु: अपर
 डिधु भदरुनेकि रु। सुत्रेउनभउभुसीरल: ३७ सु
 सुभगिविधुनिहंरुउनिवधु: भिरभा। सुभुकमेदियु
 सुवहुहुउनिभ: भिरभा। ४० मल्लमल्लउयउल्ले
 कव। डिधुडिधुडि सुप: भिरगिरिवधुहुं भगिविधुधुहुं
 भंडुल्लेककमपिवहुपवपुवहुपी: सुहुभेक
 लीलीपिभुउपवधुवहुपी: ४३ भुउवहुडीदियेभउ
 वहुकमेदियेपिकि वहुवहुडीदियेवहुभुउकमेदि
 येपिकि ४३ भायड: अपरुसिल्लेकवहुभेदरुमेभु
 देउवहुडीदियुपुवउरुंभीवधुकमेने ४४ वदिल्लेक
 मिउमरुभुउरुमरुवलिउ: भभेभविगिधुहुंभंम
 उभकलेधिल्ल: ४५ भवेधल्लविभुजेनधुपुनरुनि
 डिधुउ उरुकमल्लकदरुल्लउनंभभानिभोभुडि:
 उपिहपिभकवउगेउभंभगवदुनि भभेउगुवुकुयमि
 कपउउधरुयिनि ४६ नउंरुवेधुनेठवधुयिउभभ
 कल्ल सुहुवहुधुवहुभुभुभंभु: भिरुवे ४७ सुध
 गउभभउभकवुकुंधरुभभल्लेयिगउधल्लंभभउ
 ठवभियमिमेउभभेकउंभुमडिपियेभकउभेनभ
 उदडिभुकल्लठनवधुविदेवनधुभडेनेभभेसकल्ल
 नभभन: ॥ ०३७ ॥ सुविमिधु: ॥ सुभगदिधुवमभुध
 उनपधुउमहुने: उवमठगवकुल्लेवमेगभीगति:

३.
 ३.
 ३५३

धनभा ० कालः ॥ मभसुगुधमीमेउंगुंमभुसुठ
 नव धुविमेभंगुंमभेनगरीभिवधगिवः १ क
 लेधचरणयउवउधः वहुनयधनः गुरुभभुवे
 दुलं कउरुवउनय ३ मभकलपउमुयउठव
 उठनवीउः मभननुयलुयेधउरुधुभनभध
 वग ४ लीवमुजधधुउमुवपुजनुधय मभ
 भवेनुगुगंउचधधुभभभे ५ कलुभभसुव
 यभिवयउठिभंगुंमभ नकिह्रुमधियउउय
 नकिभंगुवेग ६ उदुभभुवेधधुयेःभिवगीयउ
 उंमुगिविमेभुः मभभंसुठिगुभन ७ गेउभि
 उगवउउभुठविउउम विमदुठनवेठहुनि
 यउंनियेउजउिभ ३ कलकगलभंसुधुठविध
 धमुठेमयभ विवेमउंगुंमभलभलउभिवभ
 पवः ७ भावदुलुवमुभेविवलवमनभिक
 पधभकभियउलुकिनुभललउयय ०० उं
 धुविधुलीवयधुउंगुंमभभुनिः मकगधुयन
 भुः मकभभुलवगिठिः ०० भवनधुभभुव
 भुः प्रलविरेरिगे भगिः भुवधुधुधुधुधु
 उकेल ०१ नलिनीभुवधुधुधुधुधुधुधुधु
 उ यमपुलभुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 मुधमुधुः मभउिधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
 मयिगमपुलधुवगिठिः ०२ भुठिधुधुधुधुधुधुधु

भ. उ. १५३

五

वभयैवदि नवगुल्फकयुये... वभयैकरमेयघा ५
 घमेयंभसङ्कल्पः सभयैभगउभय यमगिपार
 भइतुमरु... उंकिठये ०० भइकभदिउंविउंभ
 भठवरेगभिउभा ५मभिउंभभगभंरगगदुसुदि
 नसुदि ०१ भठिभभवसपधिनगभिवसुवलेक
 नग मीयः धंभैरागगुलभल्लानेमिउमेतिनः
 मिउभउवदि... गगुउवमिउकभा १०कठवेदु
 येउमभसुभभउविमप ७३ ०० सुदुसुभठिठम
 दिभइठवडिमेउमः निभुलनकदिगलतिथयेउ
 दुभगगुन १- भवेननगुउभुवेगुले वसुंविच
 चउ मनाउउभसङ्कल्पः भठिठमभुमेउमः १०
 भवलेनभठिठियगिभल्लवइमेकेयघा १०कठवेदु
 भठिठियगिभल्लनेमिउकेउम ११ भुभल्लनगमि
 वभ... सुभुभवेवमयुजिउः मिभेकमठारुणम
 सुठिठवडिमेउमः ११ वीरमः भठिठमभुनिर
 गइउकल्लरियाउभाः भेरयभुभयगणः कभं
 सुदुसुमेउमः १२ वीरभिसुः ॥ यमभुभगमिमं
 सुंमुवे... धिउमभउः उरुउभुभिउंमिउभयग
 लभयगवडा ११ भठवकेसाभुमिउंमनेनउभेदि
 उभा वीरनगुगभइमिल्लउभुधरुलंयघा १०
 लविउमभनभभभुमेवउः भुभसुदि सभपवउ
 मभुउमीयसभभिसुंरगग ११ भइकभमिउंम

भ.
 उ.
 १२२

二

मूये... लुभते १० ३ भभुकारं किंभुमिडिवतुं
 नयुष्टे ३० चरुवेनिचिमेधिइ इवतुं नयुष्टे ११
 नमभडाभवभयेवतुं नयुष्टे नकपल का
 ११ मिधरेवभुमिकपल ११ विमपलीयः भगे
 फिकिमभविमपलः वीरं एव विरुवधः द
 लीकुडं विलेकुडे १२ इरुएव विरुवधः दलं
 वीरं मभं भिउभा वीरभुदतिभइवं ननकुडि
 उदयभा १५ नयुष्टे भभीकडुं भवभुधभमि
 व १५ भवेवएवोपठत्रमउडुयउडुका १७ मीउ
 नयुं नयुं विडि वरुनठेरगं म सुं धसुभ
 इनेनमधुसं धसुति ११ ५ धाकडुं भं विउः क
 सुमेडिनिरुभिडिः भगडुधुएललइउं भं कव
 विरुगुड १३ विरुगुडयं भं उकवसे भगडुभि
 क सुकसविसेइधुभवगेधिनधसुति १७ ने
 इनिरुभिव इनेनमधुइउं भं इभः सुकसविम
 मं वरुयउं नधिनलइउं ३- म सुं म सुयाम सुं
 इधुलठः भवगुः इम सुं लिरपनेन विनयउ
 नम सुउ ३० इणधुवेम सुवइधुः भव सुम सुउ
 इधुइधुवठवतिने उम मरिध सुउभा ११ म सुं म
 म सुउने इधुगभनम सुउ इधुयभं ठवइकेन उम
 सुभिरुभिडि ११ इधुभवपुके म सुं भिउं के
 वम सुउ भवमडिभउपल्लुयइम पल्लुयम ३२

[illegible]

३०
३०
१८१

[illegible]

भूतिरुभभुभनभुभनरुते एनीवधः ५३ मेरुद्वैभुभ
 उरिरेधिग एनीवउरुयोरुनीवभुभुतुराधिरुनीव
 कः ५३ भवइरभुभलवइलीवरीरुंभुरनीवडि रु
 सुवडिपारुच/डिभभभेभननुकभा ५३ केअवकएक
 लिंभरिइभुवनसुडि विसरेयभुनेडिउकेडंकि
 भिमभिडुलभा ५४ उभुभुतुगविभुभुभेभनीअरुनी
 वइरभुभः विसरः कलिउभुभुविइलुययेभुभनः
 मिनुभिमभयगडिउनवठेगग/भुड यमभेभ
 यडुंकिरुइरुभेभभा ५७ उभेभियरुयभुभु
 विवेकः कलिउठवडा विवेकेभुवमभुवमिडुगि
 वठभरः ५७ यभुडेनधरिडुडः/पायेवविवकिउ
 यमभदेनधवनः भडभायगडिनेगिर ५३ उभेभ
 नेवेनवविवेकेभुडिभुडे ५७ मिडभाउंनभा/उभेववि
 डिमिडनलनानलभेवविडि मिडुइनाउनभनभनव
 व/साविवेकभुविवेकाव ७० प्रवेविवेकेनउरुभुभु
 रगिभवेरंमभभलभव भस/इरिडीयडावयभभ
 वनेभुइविवेकिडभु ७० ॥ ॥ ॥
 डडिमीभरुभभयलभेभेपायेभडिभुकरल्लनी ॥
 वधभुकवगिभभभनः ॥ ७३ ॥ ॥

उडडिभुकरल्लभभाभुभा ॥
 संवडा ३५ मेरुसुडि इयिरुं रुनववभर रुडय
 मगल्ले मैलायडडिभुकरल्लभा ॥

भे.
 ३.
 ३५१

